Machine Translated by Google

अपनी खुद की

उत्तम

दवा

मार्था एम. क्रिस्टी द्वारा

अतुल्य सिद्ध प्राकृतिक चमत्कार इलाज

वह चिकित्सा विज्ञान कभी प्रकट नहीं हुआ!

विशलैंड, इंक. द्वारा प्रकाशित प्रकाशन पीओ बॉक्स 41504 मेसा, एरिज़ोना 85274

Machine Translated by Google

विषयसूची

अध्याय 1

एक अद्भुत अनकही कहानी 7

अध्याय 2

मॉडेम विज्ञान किस बारे में जानता है

एक चमत्कारी दवा (और बता नहीं रही है) 17

अध्याय 3

किसी के बारे में कुछ क्यों नहीं जानता

चिकित्सा में सबसे अधिक शोधित प्राकृतिक पदार्थ 33

अध्याय 4

द रिसर्च एविडेंस एंड केस स्टडीज 67

अध्याय 5

इतिहास 161

अध्याय 6

घर पर थेरेपी का उपयोग कैसे करें 171

अध्याय 7

विशिष्ट विकार 195

व्यक्तिगत प्रशंसापत्र

Machine Translated by Google

परिशिष्ट A

क्षारीय और अम्ल खाद्य सूची 207

परिशिष्ट बी

सुझाई गई पठन 211

परिशिष्ट सी

सन्दर्भ 215

अनुक्रमणिका 225

आपकी खुद की सही दवा

मार्था एम. क्रिस्टी द्वारा

आईएसबीएन 0-9632091-1-6

पहली छपाई- मई, 1994

दूसरी छपाई- अगस्त, 1994

तीसरी छपाई - अक्टूबर, 1994

चौथा मुद्रण - मई, 1996

पांचवी छपाई - जुलाई 1998

छठी छपाई - फरवरी 2000

कॉपीराइट 1994 मार्था एम. क्रिस्टी। सर्वाधिकार सुरक्षित।

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉग कार्ड नंबर: 94-071171

Machine Translated by Google

इस पुस्तक में उल्लिखित और निहित सभी चिकित्सा जानकारी और सभी प्रक्रियाओं का उपयोग आपके चिकित्सक द्वारा पेशेवर चिकित्सा देखभाल और सलाह के विकल्प के रूप में करने या उपयोग करने के लिए नहीं किया गया है। जो लोग इस पुस्तक को पढ़ते हैं और अपने स्वास्थ्य या चिकित्सा देखभाल के बारे में निर्णय लेते हैं, जो उन्हें लगता है कि इस पुस्तक में निहित विचारों पर आधारित हैं, वे इसे अपने संवैधानिक अधिकार के रूप में करते हैं। कृपया इस पुस्तक का उपयोग न करें यदि आप पुस्तक में किसी भी सुझाव, तैयारी या प्रक्रियाओं के उपयोग से उत्पन्न होने वाले परिणामों की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। पुस्तक में निहित किसी भी सुझाव या जानकारी के उपयोग के परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी प्रतिकूल प्रभाव या परिणामों के लिए लेखक और प्रकाशक जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन इस सामग्री को ऐसी जानकारी के रूप में पेश करते हैं जिसे सुनने और अपने विवेक पर उपयोग करने का जनता का अधिकार है।

कॉपीराइट स्वामी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी हिस्से को पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है, एक पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत किया जा सकता है, या किसी भी रूप में, या किसी भी माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्यथा प्रसारित किया जा सकता है।

अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका में छपी।

लेखक के बारे में

मार्था क्रिस्टी एक पोषण और प्राकृतिक स्वास्थ्य देखभाल सलाहकार, चिकित्सा अनुसंधान लेखक और संपादक, और अंतर्राष्ट्रीय बेस्टसेलर लर्न टू कंट्रोल स्ट्रेस टेस्ट विद द स्ट्रेस टेस्ट की लेखिका हैं। उनकी अन्य पुस्तकों में रीकंस्ट्रक्टिंग द रियल यू, योर बॉडीज बेस्ट डिफेंस: हाउ पीएच बैलेंसिंग कॉन्क्वेर्स एजिंग एंड डिजीज, सिंपल डायग्नोस्टिक टेस्ट्स यू कैन डू एट होम, हीलिंग योरसेल्फ विद होम्योपैथी, कोलाइडल सिल्वर: द नेचुरल अल्टरनेटिव टू एंटीबायोटिक्स, हर्बल ग्रोबस्ट: द नेचुरल शामिल हैं। हर्बल हार्मोन संतुलन के माध्यम से एक फुलर, मजबूत बस्ट के लिए रास्ता, एमएसएम: दशक का सुपर पूरक और द पैसिफिक यू स्टोरी: कैसे एक प्राचीन पेड़ एक आधुनिक चमत्कार बन गया।

अध्याय 1

Machine Translated by Google

हमारे अपने शरीर द्वारा उत्पादित एक असाधारण प्राकृतिक उपचार पदार्थ है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान मनुष्य को ज्ञात सबसे शक्तिशाली प्राकृतिक दवाओं में से एक साबित हुआ है।

कई अन्य प्राकृतिक चिकित्सा उपचारों के विपरीत, इस पद्धति में डॉक्टरों के हस्तक्षेप के लिए किसी मौद्रिक निवेश की आवश्यकता नहीं होती है और इसे किसी भी समय आसानी से पहुँचा और उपयोग किया जा सकता है।

इस प्राकृतिक चिकित्सा पर व्यापक चिकित्सा अनुसंधान के निष्कर्षों को अब से पहले कभी भी संकलित और आम जनता के लिए जारी नहीं किया गया है, लेकिन जो लोग इस दवा के बारे में सुनने और इसका उपयोग करने के लिए पर्याप्त भाग्यशाली रहे हैं, उन्होंने पाया है कि यह अक्सर आश्चर्यजनक उपचार पैदा कर सकता है, भले ही अन्य सभी उपचार विफल रहे हैं।

यह पुस्तक डॉक्टरों, चिकित्सा शोधकर्ताओं और सैकड़ों अन्य लोगों के बारे में बताती है जिन्होंने इस असाधारण दवा का उपयोग हमारी शताब्दी में आम बीमारियों की एक विशाल विविधता को ठीक करने और यहां तक कि सबसे लाइलाज बीमारियों से लड़ने के लिए किया है।
यह एक प्राकृतिक उपचार पदार्थ की असाधारण अनकही कहानी है जो इतनी उल्लेखनीय है कि इसे केवल हमारी अपनी संपूर्ण औषधि ही कहा जा सकता है।

इस अल्प-ज्ञात प्राकृतिक चिकित्सा के साथ मेरा अपना अनुभव कई वर्षों की गंभीर पुरानी बीमारियों के उत्तर की खोज के परिणामस्वरूप शुरू हुआ, जो जीवन में बहुत पहले शुरू हो गई थी। आज हजारों लोगों की तरह, मैंने पुराने, अपक्षयी विकार विकसित किए थे, जिन्हें पारंपरिक चिकित्सा द्वारा मदद नहीं की जा सकती थी और जिसने मेरे काम करने, कार्य करने और जीवन का आनंद लेने की क्षमता को स्थायी रूप से नष्ट करने की धमकी दी थी।

जब मैं छोटा था, तो मैं उसी खसरा, कण्ठमाला, चिकन पॉक्स और सर्दी से पीड़ित था जो बाकी सभी को हुआ था। और अन्य बच्चों की तरह, मैंने कड़ी मेहनत की, कड़ी मेहनत की, और उस दिन का सपना देखा जब मैं हर किसी की तरह एक जोरदार, मुक्त किशोर बनूंगा। लेकिन, मेरे लिए, वह विशेष सपना आने वाला नहीं था

सच।

Machine Translated by Google

बारह साल की उम्र में एक खूबसूरत जुलाई की सुबह, मैं एक शुरुआत के साथ जागा। अचानक, आश्चर्य और भयभीत, मुझे एहसास हुआ कि मैं खून के गहरे लाल पूल में पड़ा था जो इतना बड़ा था कि यह मेरे गद्दे की मोटी परतों से भी भिगो गया था। कांपते और कमजोर, मैंने अपने आप को बिस्तर से ऊपर धकेल दिया और अपने पेट से एक भयानक, भीषण दर्द को महसूस किया।

मेरी चिंतित माँ मेरी चीखों के जवाब में दौड़ती हुई आई, लेकिन स्थिति का आकलन करने के बाद, उसने कहा कि वास्तव में वह मेरे पहले मासिक धर्म के दर्द के बारे में बहुत कुछ नहीं कर सकती थी। लेकिन उस समय न तो वह और न ही मुझे पता था कि किशोरावस्था और मासिक धर्म के लिए एक प्राकृतिक संक्रमण क्या होना चाहिए था, मेरे लिए, लगभग 30 वर्षों तक चलने वाला एक जाग्रत दुःस्वप्न बनने वाला था।

मेरे मासिक मासिक धर्म की शुरुआत में, मैं हमेशा या तो अपने डॉक्टर के कार्यालय में या अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में दर्द से चिल्लाती हूं, बहुत खून बह रहा है और खून के बड़े थक्के निकल जाते हैं।

मेरे 'नरक से माहवारी' शुरू होने के कई महीनों के बाद, मेरी माँ ने बिना किसी सफलता के मुझे शहर भर में चक्कर लगाया, जब तक कि हमारे परिवार के डॉक्टर ने अंततः डेमरोल या डारवोन इंजेक्शन जैसे दर्द निवारकों का एक मासिक आहार शुरू नहीं किया और फिर मुझे घर भेज दिया। पूरी ताकत के नुस्खे कोडीन की एक बड़ी, गोल बोतल जिसके साथ मैं अगले आठ से दस दिनों के लिए खुद को बेहोश करने के लिए आगे बढ़ा। यही चक्र हर महीने लगभग बीस . तक दोहराया जाता था

वर्षों।

किशोरावस्था के दौरान, उठने और स्कूल जाने के साधारण रोज़मर्रा के कार्य मेरे लिए अक्सर एक स्मारकीय और पूरी तरह से थकाऊ प्रयास थे। अपने परिवार और दोस्तों के बाकी हिस्सों के विपरीत, मैंने अत्यधिक थकावट के दौर को चिह्नित किया था। मैं सर्दी और फ्लू के लिए अतिसंवेदनशील हो गया था और हर समय गर्म गर्मी के मौसम में भी हड्डियों को ठंडा महसूस करता था।

चौदह वर्ष की आयु तक, सामान्य गतिविधियों को बनाए रखने की कोशिश करते हुए गंभीर पुराने दर्द और थकान से निपटने का प्रयास असंभव हो गया। मैं गिर गया और मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और कई महीनों तक स्कूल से निकाल दिया गया। लेकिन चिकित्सा परीक्षणों की एक बड़ी बैटरी और डॉक्टरों और विशेषज्ञों के साथ असंख्य यात्राओं के बाद भी, कोई भी यह निदान करने में सक्षम नहीं था कि मेरी समस्याओं का कारण क्या है।

Machine Translated by Google

कई हफ्तों के बाद, मैं स्कूल लौट आया और हाई स्कूल के वर्षों में कोडीन और अन्य मजबूत दर्द निवारकों की उदार मात्रा की सहायता से संघर्ष किया, जो मेरे डॉक्टर ने स्वेच्छा से निर्धारित किए थे। लेकिन जब तक मैं कॉलेज के लिए घर से निकला, तब तक रक्तस्राव, थकावट, दर्द और पाचन समस्याओं के लक्षण इतने खराब हो गए थे कि मैं अक्सर अपना कमरा भी नहीं छोड़ पाता था या दैनिक गतिविधियों में भाग नहीं ले पाता था।

मैंने कई वर्षों तक डेमेरोल इंजेक्शन और कोडीन को बनाए रखा और कई अन्य नए दर्द निवारक और दवाएं जोड़ीं, जो मेरे आहार में मासिक धर्म की समस्याओं के लिए विकसित की गई थीं। लेकिन समस्याएं बदस्तूर जारी रहीं और आने वाले वर्षों में मैंने कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का विकास किया।

अठारह से तीस साल की उम्र के दौरान, मुझे पैल्विक सूजन की बीमारी, अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोन की बीमारी या इलाइटिस (कोलन की एक पुरानी, दर्दनाक सूजन), क्रोनिक थकान सिंड्रोम (सीएफएस), हाशिमोटो रोग (थायरॉयड का एक विकार) का पता चला था। ग्रंथि) और मोनोन्यूक्लिओसिस।

मुझे गंभीर क्रोनिक किडनी संक्रमण, दो गर्भपात, क्रोनिक सिस्टिटिस, गंभीर कैंडिडा और बाहरी खमीर संक्रमण के साथ-साथ चिह्नित अधिवृक्क अपर्याप्तता और गंभीर पुराने कान और साइनस संक्रमण थे, जिसके लिए मुझे कई वर्षों से लगातार एंटीबायोटिक दवाएं दी गई थीं। खाद्य और रासायनिक एलर्जी भी एक बड़ी समस्या बन गई। और भले ही मैंने अपनी अत्यधिक खाद्य एलर्जी के कारण लगभग कुछ भी नहीं खाया, लेकिन मैं वास्तव में वजन बढ़ाता रहा, जिसने केवल उन सभी अन्य स्वास्थ्य विकारों की परेशानी को जोड़ा जिनसे मैं निपट रहा था।

इस दौरान मैंने जो ड्रग्स की बोतलें ली थीं, उनमें एक छोटा सा लैंडफिल भर सकता था, लेकिन मेरी किसी भी बीमारी या विकार का समाधान नहीं हुआ था, और वास्तव में, पहले से कहीं ज्यादा दुर्बल कर रहे थे - ऐसा लग रहा था जैसे मैं चलने से ज्यादा कुछ नहीं बन गया हूं। बीमारी का विश्वकोश और पूरी स्थिति के बारे में सबसे बुरी बात यह थी कि मैंने कितनी भी असफल दवा उपचारों की कोशिश की, डॉक्टर के कार्यालय की किसी भी यात्रा के परिणामस्वरूप केवल एक और निराशाजनक विफलता हुई।

एक और बड़ी समस्या दवा के दुष्प्रभाव थे - मुझे एक पिंग-पोंग बॉल की तरह महसूस हुआ, जो एक दवा से दूसरी दवा में उछल रही थी क्योंकि मेरे डॉक्टर पहले से ही ले रहे लोगों के दुष्प्रभावों का मुकाबला करने के लिए अधिक से अधिक विभिन्न दवाएं लिख रहे थे।

जब मैं 30 वर्ष का हुआ, तब तक प्राकृतिक स्वास्थ्य आंदोलन वास्तव में गति पकड़ रहा था, और, किसी भी समाधान के लिए बेताब, मैंने एडेल डेविस पोषण आहार की कोशिश की,

Machine Translated by Google

मेगा-विटामिन थेरेपी, एक्यूपंक्चर, कायरोप्रैक्टिक देखभाल और हर हर्बल तैयारी और दवा मुक्त प्राकृतिक स्वास्थ्य चिकित्सा जो मुझे मिल सकती है।

दो साल के भीतर, मेरी पुरानी सिस्टिटिस ठीक हो गई और मासिक धर्म का दर्द और रक्तस्राव काफी कम हो गया। अल्सरेटिव कोलाइटिस ने भी प्रतिक्रिया दी और साइनस संक्रमण गायब हो गया। मैंने महसूस किया कि मैं धीरे-धीरे और निश्चित रूप से ताकत और स्वास्थ्य प्राप्त कर रहा था और यहां तक कि ऊर्जा और जोश के एक हिस्से का अनुभव करना शुरू कर रहा था जो कि 'सामान्य' स्वस्थ लोग आनंद लेते हैं - और सभी बिना दवाओं के। जब मैंने 34 साल की उम्र में अपने बेटे को गर्भ धारण किया और बिना गर्भपात के पहली तिमाही में इसे बनाया तो मुझे लगा जैसे मैंने अंतिम स्वास्थ्य सीमा पर विजय प्राप्त कर ली है।

दुर्भाग्य से, मेरे उत्साह के विस्फोट में, मैंने अपने कमजोर स्वास्थ्य पर गर्भावस्था के प्रभाव को कम करके आंका, और जिस जन्म के लिए मैंने इतनी सावधानी से तैयारी की थी, वह एक घातक आपदा थी जिसके लिए आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता थी।

और जैसा कि यह निकला, जन्म से पहले के वर्षों में सभी बीमारियों और दर्द से गुजरने के बावजूद, यह सब बच्चों के खेल की तरह लग रहा था, जब मैं एक कठिन प्रसव की गंभीर जटिलताओं में भाग गया।

जन्म के बाद के महीनों तक, मैंने अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ को लगातार और गंभीर पेट में ऐंठन, सिस्टिटिस और भयानक रूप से दर्दनाक मासिक धर्म की शिकायत की। मेरे प्राकृतिक स्वास्थ्य उपचार अस्थायी राहत देंगे, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से, मेरे पहले के समान लाभकारी और स्थायी प्रभाव नहीं थे।

गर्भावस्था।

मैंने हर संभव चिकित्सा परीक्षण किया, जिनमें से सभी नकारात्मक आए, लेकिन समस्याएं दूर नहीं हुईं, मेरे डॉक्टर हर बार दरवाजे पर चले गए और फिर मुझे फिर से गंभीर आश्वासन के साथ वापस भेज दिया कि दर्द "अनुचित था" "और शायद सब मेरे सिर में।

शहर के हर डॉक्टर को अपनी शिकायतों से दूर करने के बाद, मैंने आखिरकार हार मान ली और जन्म के लगभग चौबीस महीने बाद एक भीषण गर्मी के दिन तक 'चुपचाप सहने' का फैसला किया, मैं अचानक गिर गया, दर्द से चिल्ला रहा था, अपने लिविंग रूम के फर्श पर मेरे डरे हुए दो साल के बच्चे के सामने। मुझे सचमुच अपने पति को फोन करने के लिए फोन पर रेंगना पड़ा। जब वह चिल्लाते हुए मुझे मेरे ओबी के कार्यालय में ले गया, तो डॉक्टर ने उसकी जीभ को अस्वीकार कर दिया। "अब यह इतना बुरा नहीं हो सकता, प्रिय, हमने कुछ महीने पहले ही आपको चेक किया था", उन्होंने काजोल को बताया।

Machine Translated by Google

उसने मुझे कोडीन दिया और मुझे घर भेज दिया - 48 घंटे बाद मैं ऑपरेशन के कमरे में था, जिसमें कई फटे हुए डिम्बग्रंथि ट्यूमर के लिए आपातकालीन सर्जरी की जा रही थी।

प्रक्रिया के कुछ दिनों बाद, मेरे डॉक्टर ने मेरे अस्पताल के कमरे में अपने चेहरे पर एक सुलझी हुई मुस्कराहट के साथ भाग लिया। "जी", उन्होंने माफी मांगते हुए कहा, "हमें नहीं पता था कि ऐसा कुछ होने वाला है। आपका अंडाशय भयानक लग रहा था - अंगूर के आकार में उकेरा गया। कोई आश्चर्य नहीं कि आपको दर्द हो रहा था। क्षमा करें, आपको बिना मदद के इतनी देर तक जाना पड़ा लेकिन , आप जानते हैं, परीक्षणों ने कभी कुछ नहीं किया। और ओह, वैसे, रोगविज्ञानी ने आपके दाहिने अंडाशय में थोड़ा एंडोमेट्रियोसिस पाया।"

एंडोमेट्रियोसिस एक लाइलाज महिला रोग है जिसमें गर्भाशय के ऊतक किसी अज्ञात कारण से गर्भाशय से अलग हो जाते हैं, शरीर के अन्य स्थानों में चले जाते हैं, और खुद को अन्य अंगों या शरीर के ऊतकों से जोड़ लेते हैं। यह गलत गर्भाशय ऊतक हार्मोनल परिवर्तनों के जवाब में अनायास खून बहता है, जिससे आंतरिक रक्तस्राव, जख्म और अक्सर कष्टदायी दर्द होता है जो सामान्य रूप से जीने और कार्य करने की महिला की क्षमता को नष्ट कर सकता है। यह रोग महिलाओं में असामान्य नहीं है, लेकिन कम से कम पारंपरिक चिकित्सा मानकों के अनुसार यह लाइलाज है।

मेरा "छोटा" एंडोमेट्रियोसिस उस राक्षस में बदल गया जिसने टोक्यो को खा लिया - मेरे डॉक्टर के "सफलतापूर्वक" ऑपरेशन के तीन महीने बाद, मैं फिर से अस्पताल में अल्ट्रासाउंड रूम में बैठा था, मॉनिटर स्क्रीन पर कई नए एंडोमेट्रियल ट्यूमर दिखाई दे रहे थे, साथ में सामान्य कष्टदायी श्रोणि दर्द, आंतरिक रक्तस्राव, कब्ज, रक्तस्रावी सिस्टिटिस और तीव्र थकावट।

अल्ट्रासाउंड के बाद, मैंने एक डॉक्टर से संपर्क करने का फैसला किया, जिसकी सिफारिश मुझे एंडोमेट्रियोसिस के विशेषज्ञ के रूप में की गई थी। उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें लगा कि मेरी स्वास्थ्य समस्याएं मूल रूप से अनियंत्रित गंभीर एंडोमेट्रियोसिस और एक अंडरएक्टिव थायरॉयड से उपजी हैं जो शायद किशोरावस्था से मौजूद थीं। उन्होंने तत्काल हिस्टेरेक्टॉमी की सिफारिश की, जिसे मैंने कराया। ऑपरेशन के अगले दिन, डॉक्टर मेरे पास आए और करुणा से फुसफुसाए कि मुझे "फिर कभी एंडोमेट्रियोसिस की समस्या नहीं होगी"। लेकिन वह गलत था।

बीस महीने बाद, मुझे और ट्यूमर और दूसरा ऑपरेशन हुआ। उसके तीन महीने बाद, दर्द, ट्यूमर और आंतरिक रक्तस्राव फिर से प्रकट हुआ और मुझे निर्धारित किया गया था कि अब तक पांच साल में मेरी छठी शल्य चिकित्सा प्रक्रिया क्या होगी, जिसे मैंने करने से इनकार कर दिया।

Machine Translated by Google

हताश और गंभीर रूप से दुर्बल, मैं मेक्सिको गया जहां मैंने वैकल्पिक कैंसर क्लीनिकों में से एक में इंट्रावेनस मेगा-विटामिन और लाइवसेल थेरेपी के गहन पाठ्यक्रम पर 15,000 डॉलर खर्च किए, जिसने मेरे मामले के लिए कुछ आशा की पेशकश की थी। हफ्तों तक, डॉक्टरों ने मेरी नसों और मुंह में पोषक तत्व और प्राकृतिक दवाएं डालीं। मैंने देखा कि मेरे आस-पास के कई कैंसर रोगी उपचार के साथ बेहतर और बेहतर हो रहे थे। और मैंने भी किया - लगभग दो महीने तक।

मैंने अपना चालीसवां जन्मदिन निराशाजनक रूप से बीमार और बिस्तर पर बिताया, जहां मैं उस पूरे साल रहा। दवाएं, ऑपरेशन और मैक्सिकन उपचार पूरी तरह से विफल हो गए थे, और मेरी सामान्य जड़ी-बूटियाँ और होम्योपैथिक उपचार, हालांकि उन्होंने अस्थायी राहत दी, बीमारी के खिलाफ लगभग बेकार लग रहे थे। और अब तक, भले ही मेरे पास स्वास्थ्य बीमा था, मैंने और मेरे पति ने अपने स्वयं के पैसे का $ 100,000 से अधिक खर्च कर दिया था, और फिर भी, मैं बिस्तर से उठ भी नहीं सका।

मेरी एक आखिरी सर्जरी हुई जिसने एक और बड़े ब्लीडिंग ट्यूमर को हटा दिया। जब मैं अस्पताल से घर आया, तो मेरा वजन 89 पाउंड था और शल्य चिकित्सा के बाद एक संक्रमण विकसित हुआ जिसके लिए एंटीबायोटिक दवाओं के कई पाठ्यक्रमों की आवश्यकता थी। एंटीबायोटिक्स लेने के बाद, मैंने कैंडिडा (खमीर संक्रमण) का एक अत्यंत गंभीर मामला विकसित किया। मेरे हाथ और हाथ एक भयानक खुजली वाले फंगल संक्रमण से ढक गए थे, जिससे कोई राहत या इलाज नहीं कर सकता था, और मैं आमतौर पर थका हुआ, बिस्तर पर पड़ा हुआ और तीव्र दर्द में रहता था।

सर्जरी के कारण, मैं रजोनिवृत्ति के शुरुआती और गंभीर लक्षणों का भी अनुभव कर रही थी - गर्म चमक, मिजाज, पानी प्रतिधारण और अवसाद। लेकिन चूंकि एंडोमेट्रियोसिस एस्ट्रोजन द्वारा बढ़ा दिया गया है, मेरे डॉक्टर ने सिफारिश की कि मैं एस्ट्रोजन की खुराक लेने से परहेज करता हूं, जो उसने कहा कि गंभीर और बहुत अप्रिय लक्षणों से राहत मिलेगी।

सर्जरी के कई महीनों बाद, सभी परिचित एंडोमेट्रियल लक्षण वापस आ गए। मेरे डॉक्टर ने मुझे आश्वासन दिया कि सब कुछ ठीक है, लेकिन जब मैंने अस्पताल से अपने सर्जिकल रिकॉर्ड मांगे और प्राप्त किए, तो मैंने पाया कि उन्होंने लिखा था कि "एंडोमेट्रियोसिस को हटाने के सभी प्रयास किए जाएंगे, लेकिन पूर्ण शल्य चिकित्सा देखभाल की गारंटी शायद ही कभी दी जा सकती है; रोगी को एंडोमेट्रियोसिस के लिए और चिकित्सा की आवश्यकता हो सकती है, चिकित्सकीय या शल्य चिकित्सा से" मेरे थके हुए और हतप्रभ पति और मेरे लिए, यह पूर्वानुमान एक दुर्गम और अंतिम हार की तरह लग रहा था।

मेरे पास एक स्त्री रोग विशेषज्ञ के साथ दिल से दिल की बात थी, जिन्होंने मुझसे कहा, "आपके मामले की गंभीरता को देखते हुए, वास्तविकता यह है कि आप जीवन भर सुधार का सामना कर सकते हैं

Machine Translated by Google

सर्जरी"। उस समय मेरे स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए, मैं कल्पना नहीं कर सकता था कि मेरे शरीर के अंत से पहले कुछ अतिरिक्त वर्षों के मन-सुन्न दर्द और दुख के अलावा मेरे लिए 'जीवनकाल' का मतलब कुछ और है।

लगभग जीवन भर की बीमारी के बाद, मेरे तीसवें दशक के अंत और चालीसवें दशक की शुरुआत में ये आखिरी एपिसोड अंतिम आघात की तरह लग रहे थे, और पूरी ईमानदारी से मुझे लगा कि कोई रास्ता नहीं है और कोई उम्मीद नहीं है। मेरे डॉक्टरों द्वारा मुझे कितनी बार भी आश्वासन दिया गया था कि दवाओं और सर्जरी से एंडोमेट्रियोसिस और मेरे अन्य विकारों को ठीक कर दिया जाएगा और मेरे लिए सामान्य जीवन जीना संभव हो जाएगा, डॉक्टरों को किया गया था

गलत साबित हुआ।

कुछ हफ्ते बाद, जब मैंने सुना कि कैंसर क्लिनिक के मेरे एक दोस्त की नींद में मृत्यु हो गई, तो मुझे उसके परिवार के लिए दुख हुआ, लेकिन उसके लिए खुशी हुई, क्योंकि वह आखिरकार अपने दर्द और पीड़ा से मुक्त हो गया था। कई मायनों में, मुझे लगा कि वह भाग्यशाली है और मैं लगभग यही चाहता था कि मेरे साथ भी ऐसा ही हो; ऐसा लग रहा था कि मृत्यु एक आशीर्वाद होगी, विशेष रूप से ताकि मेरा परिवार मेरी बीमारी के कभी न खत्म होने वाले बोझ से मुक्त हो सके और अपने जीवन के साथ आगे बढ़ सके।

एक सुबह अकेले बैठे और निराश होकर, मैंने एक किताब से निराश होकर देखा, जिसे मैं पढ़ रही थी जब मेरे पति कमरे में आए। "मेरे पास कुछ और है जिसे हम कोशिश कर सकते हैं, मधु," उसने उत्साह से चहकते हुए कहा, और एक ऐसी महिला के साथ अपनी बातचीत का वर्णन करने के लिए आगे बढ़ा, जिसने एक असामान्य चिकित्सा का उपयोग करके एक गंभीर और कथित तौर पर लाइलाज किडनी विकार से खुद को ठीक कर लिया था। "व्हाट", मैंने जवाब दिया, जब उन्होंने मुझे बताया कि चिकित्सा क्या थी - "मुझे ऐसा नहीं लगता", मैंने कहा, और अपनी किताब पढ़ने के लिए वापस चला गया।

लेकिन कई और दिनों के बाद और दर्द और नशीली दवाओं के कई और भयानक एपिसोड के बाद, मेरे पति ने मुझे एक छोटी सी किताब सौंपी और कहा, "आपको यह कोशिश करनी है"। मैंने किताब उठाई और पढ़ने लगा।

छोटी, स्पष्ट दिखने वाली किताब उन लोगों के बारे में आकर्षक कहानियों से भरी हुई थी जो एक अजीब और अल्पज्ञात प्राकृतिक चिकित्सा के साथ सबसे खराब बीमारियों से भी ठीक हो गए थे। चिकित्सा अविश्वसनीय रूप से प्रभावी लग रही थी, फिर भी मैं इसे आजमाने में अनिच्छुक महसूस कर रहा था। लेकिन जैसा कि मैंने किताब में आगे पढ़ा, कहानियाँ इतनी सम्मोहक थीं और चिकित्सा इतनी सरल थी कि अचानक, यह मुझे अब अजीब या बेतुका नहीं लगता था। और इस बिंदु पर मेरे अब लगभग व्यर्थ अस्तित्व में, मुझे पता था कि कोशिश करने से मेरे पास खोने के लिए बिल्कुल कुछ नहीं था - इसलिए मैंने किया।

Machine Translated by Google

पहले दिन से मैंने चिकित्सा शुरू की, मुझे अपने असाध्य कब्ज और द्रव प्रतिधारण से लगभग तुरंत राहत मिली। एक हफ्ते के भीतर, मेरे पेट और पैल्विक दर्द अविश्वसनीय रूप से दूर हो गए थे।

क्रोनिक सिस्टिटिस और यीस्ट इन्फेक्शन (आंतरिक और बाहरी) बेटा गायब हो गया और खाद्य एलर्जी, थकावट और पाचन संबंधी समस्याएं ठीक होने लगीं।

चिकित्सा के कुछ और महीनों के बाद, मैंने देखा कि आश्चर्यजनक रूप से, मेरी सर्दी, फ्लू, गले में खराश और वायरल लक्षण, जो सभी सर्जरी के बाद फिर से उभर आए थे और पुराने हो गए थे, अब शायद ही कभी दिखाई देते हैं। मेरी पांचवीं सर्जरी के बाद मेरे बाल जो मुट्ठी भर झड़ गए थे, घने और चमकदार हो गए, मेरा वजन सामान्य हो गया, और मेरी ऊर्जा और ताकत इतनी बढ़ गई कि मैं फिर से काम करने में सक्षम हो गया।

पिछली गर्मियों में, मैंने ग्रांड कैन्यन में चार मील की दूरी तय की। कई वर्षों में पहली बार मैं तैर सकता हूं और यहां तक कि आराम से घुड़सवारी कर सकता हूं या अपनी माउंटेन बाइक पर एक समय में घंटों तक सवारी कर सकता हूं - सभी पूर्व में अकल्पनीय गतिविधियां। अपने और अपने परिवार के लिए बहुत आश्चर्य की बात है, मैं काम पर वापस आ गया हूं और लगभग 30 वर्षों की लगभग नॉन-स्टॉप बीमारी के बाद, मेरे पास फिर से एक समृद्ध, पूर्ण जीवन है - और यह सब एक अविश्वसनीय रूप से सरल और प्रभावी प्राकृतिक चिकित्सा के कारण है कि हम में से लगभग कोई भी नहीं जानता भी मौजूद है।

यह प्राकृतिक चिकित्सा, मेरे लिए, स्वास्थ्य का एक अमूल्य उपहार बन गई, जैसा कि कई अन्य लोगों के लिए है। इसने मेरे द्वारा अब तक आजमाए गए किसी भी प्राकृतिक या मानव निर्मित चिकित्सा उपचार का सबसे तेज़, सबसे नाटकीय परिणाम दिया और वास्तव में मेरी बीमारी और असफल चिकित्सा उपचार की लंबी कहानी का चमत्कारी सुखद अंत था। होम्योपैथी, जड़ी-बूटियों, अच्छे पोषण और आराम जैसे अन्य प्राकृतिक उपचार दृष्टिकोणों के साथ इस सरल, प्राकृतिक चिकित्सा का उपयोग करके, मैं लगातार रोग मुक्त रहने में सक्षम हूं और मैं अपने जीवन में पहले से बेहतर और मजबूत महसूस करता हूं। इतने साल पहले जुलाई का वह भयावह दिन।

और भले ही यह प्राकृतिक औषधि पहले मुझे इतनी अजीब लग रही थी, बाद में मुझे आश्चर्य हुआ कि चिकित्सा शोधकर्ता दशकों से इस औषधीय पदार्थ का गहन अध्ययन और उपयोग कर रहे हैं।

तथ्य की बात के रूप में, जनता के विशाल बहुमत के लिए अज्ञात, यह अविश्वसनीय रूप से सरल और अद्भुत प्राकृतिक उपचार एक अच्छी तरह से सिद्ध चिकित्सा चिकित्सा है जिसका उपयोग डॉक्टरों द्वारा बीसवीं शताब्दी में बड़े पैमाने पर और सफलतापूर्वक किया गया है।

Machine Translated by Google

और दुनिया भर में दवा की कई अलग-अलग शाखाओं के शोधकर्ता और बड़ी संख्या में बीमारियों के इलाज में आश्चर्यजनक रूप से प्रभावी साबित हुए हैं।

अब समय आ गया है कि हम सभी को इस चिकित्सा के बारे में और वास्तव में उल्लेखनीय प्राकृतिक चिकित्सा पर चिकित्सा अनुसंधान के निष्कर्षों के बारे में पता होना चाहिए, यही वजह है कि मैंने यह पुस्तक लिखी है। .

इस बिंदु तक, जब भी किसी ने इस पदार्थ को उपचार के लिए उपयोग करने के बारे में लिखा या बात की, तो उन्हें बताया गया कि यह सिर्फ एक अप्रमाणित लोक उपचार या 'पुरानी पत्नियों की कहानी' है।

लेकिन जैसा कि आप अगले पृष्ठों में पाएंगे, यह पूरी तरह से असत्य है। सच्चाई यह है कि वर्षों से डॉक्टरों और चिकित्सा शोधकर्ताओं ने वैज्ञानिक रूप से इस प्राकृतिक दवा की जबरदस्त प्रभावशीलता को साबित किया है, उन्होंने हमें इसके बारे में अभी तक नहीं बताया है, जिन कारणों पर हम बाद में पुस्तक में चर्चा करेंगे।

यह सरल, प्राकृतिक तरीका व्यावसायिक दवाओं और अंतरिक्ष-युग की सर्जिकल तकनीकों की तुलना में कम ग्लैमरस लग सकता है क्योंकि यह प्रेस द्वारा महिमामंडित नहीं किया जाता है या परिष्कृत, चीनी-लेपित विज्ञापन विषयों द्वारा प्रचारित नहीं किया जाता है। लेकिन जब दुनिया में सभी मानव निर्मित दवाएं मदद नहीं कर सकती हैं, तो मेरे जैसे लोग हमेशा के लिए आभारी हैं कि प्रकृति ने असाध्य बीमारियों के लिए भी यह सुरक्षित, दर्द रहित समाधान प्रदान किया है।

हाई-टेक दवाओं, प्लास्टिक के शरीर के अंगों और मशीनीकृत दवा के इस युग में, मुझे पूरी उम्मीद है कि हम सभी शरीर को ठीक करने के इस प्राकृतिक तरीके को और अधिक खुले और स्वीकार कर सकते हैं, और इस पुस्तक में दी गई जानकारी सभी की मदद करेगी के बारे में अधिक जानने के लिए, (जो मैं बिना शर्त कह सकता हूं), अस्तित्व में बीमारी और बीमारी के लिए सबसे अच्छा प्राकृतिक उपचार है।

अध्याय 2

Machine Translated by Google

आधुनिक विज्ञान चमत्कारी दवा के बारे में क्या जानता है?

(और बता नहीं रहा है)

यद्यपि इस असाधारण प्राकृतिक चिकित्सा पर ज्ञान और शोध निष्कर्ष काफी हद तक हमारी सदी में चिकित्सा शोधकर्ताओं की फाइलों में रहे हैं, ऐसे लोग हैं जिन्होंने अनजाने में इस पदार्थ की अविश्वसनीय उपचार शक्ति की खोज की है और इसका उपयोग खुद को ठीक करने के लिए किया है:

"मुझे आधिकारिक तौर पर छाती के एडेनोकार्सिनोमा (कैंसर) का पता चला था, जिसमें दो साल पहले बाएं फेफड़े में संभावित घुसपैठ हो गई थी। निदान के तुरंत बाद, मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया था क्योंकि मेरा फेफड़ा द्रव से भर गया था और ढह गया था। मैं एक हताश संघर्ष में था तरल पदार्थ के उत्पादन को रोकना, जिसके अलावा मुझे बहुत कब्ज और असहजता थी।

तब मुझे इस विशेष प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में जानकारी मिली। जैसे ही मैंने [द्रव] का सेवन किया, यह चमत्कारी था। मेरी आंतें तुरंत फिर से चलने लगीं। राहत अविश्वसनीय थी और मेरे फेफड़ों में द्रव का उत्पादन भी जल्द ही डॉक्टरों के विस्मय में मर गया। मेरे सीने की नली को हटाने के अलावा उनके पास कोई सहारा नहीं था। वे चाहते थे कि मैं कीमोथेरेपी, विकिरण या सर्जरी पर विचार करूं लेकिन मैंने मना कर दिया और खुद को अस्पताल से बाहर कर दिया।

कहने की जरूरत नहीं है कि मैं दो साल बाद भी यहां हूं, हालांकि मेरे माता-पिता को सूचित किया गया था कि निदान के बाद मेरे पास जीने के लिए केवल चार महीने थे। मैंने कई समग्र दृष्टिकोणों (उपनिवेशों, जड़ी-बूटियों, आदि) का उपयोग किया था, लेकिन पूरी तरह से ईमानदार होने के लिए मुझे पता है कि यह [इस तरल पदार्थ] का आंतरिक और बाहरी उपयोग था जिसने मेरी जान बचाई है।"

- श्री आर.,

न्यूयॉर्क

"मुझे अट्ठाईस साल की उम्र में रुमेटीइड गठिया होने का पता चला था। मेरे हाथों के जोड़ों में दर्द और सूजन अविश्वसनीय थी। मैं आठ साल की उम्र से माइग्रेन के सिरदर्द से भी पीड़ित था और मेरे लिए बोतल लेना बहुत आम था। एक्सेड्रिन मेरे साथ हर जगह मैं गया। मैंने उस बोतल के बिना अपना घर कभी नहीं छोड़ा। मैंने वर्षों में एक गंभीर वजन की समस्या भी विकसित की थी और लगभग 200 पाउंड तक प्राप्त किया था।

Machine Translated by Google

अंत में, मैं किसी ऐसे व्यक्ति से मिला जिसने मुझे इस प्राकृतिक चमत्कार चिकित्सा के बारे में बताया, लेकिन सबसे अच्छा चमत्कार मैं ही हूं। मैंने [यह तरल पदार्थ] लेना शुरू किया और साढ़े चार महीने बाद मेरा वजन 130 पाउंड था। मैंने 68 पाउंड खो दिए! मेरा गठिया चला गया है, मेरे सिरदर्द दूर हो गए हैं और मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं 20 साल का हो गया हूं।"

— श्रीमती बी.

फ्लोरिडा

"जब मैंने पहली बार इस थेरेपी के बारे में सुना तो मुझे हंसी आई और इसे गंभीरता से नहीं लिया। उस समय मेरी मुख्य चिंता एड्स के मेरे पूर्ण विकसित मामले के बारे में थी जिसका अभी-अभी निदान किया गया था और मेरे मुंह में कापोसी का सरकोमा घाव (कैंसर) था। मेरे पूरे शरीर में फैल जाना चाहिए था। लेकिन मैंने */दाद के अपने दुष्परिणाम पर शीर्ष रूप से चिकित्सा का प्रयास करने का फैसला किया और न केवल कुछ हफ्तों के बाद दाद की स्थिति पूरी तरह से गायब हो गई, बल्कि मेरे पैर की उंगलियों के आसपास की सूखी, फटी और दर्दनाक त्वचा और पैर पूरी तरह से बदल गया था। नई त्वचा विकसित हो गई थी और एक बच्चे की तरह नरम थी। इसमें एक सुंदर नया रंग था और बस मेरी अपनी त्वचा नहीं लग रही थी!

फिर मैंने हर दिन आंतरिक रूप से चिकित्सा की कोशिश की और अगले 7 महीनों में कपोसी के घाव तेजी से छोटे होते गए जब तक कि वे पूरी तरह से गायब नहीं हो गए! मुंह के छाले और जननांग दाद जो मुझे परेशान करते थे, एक बार भी वापस नहीं आए हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी बेहतर महसूस नहीं किया है।"

- श्री क्यू।

न्यूयॉर्क

लेकिन यह केवल ऐसे लोग नहीं हैं जिन्होंने उपचार के लिए इस उल्लेखनीय पदार्थ का उपयोग किया है। अमेरिका और पूरी दुनिया में चिकित्सा वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने साबित कर दिया है कि यह अविश्वसनीय शरीर द्रव और इसके घटक वास्तव में रोग पैदा करने वाले वायरस, बैक्टीरिया और कैंसर के ट्यूमर को नष्ट कर सकते हैं, खतरनाक रक्त के थक्कों को भंग कर सकते हैं जो दिल के दौरे का कारण बनते हैं, अल्सर, मोटापा, अस्थमा को ठीक करते हैं। हे फीवर, एलर्जी, सर्दी, फ्लू और पाचन संबंधी शिकायतों के साथ-साथ कई अन्य असामान्यताएं और बीमारियां।

Machine Translated by Google

इस साधारण प्राकृतिक द्रव में एक होता है। अब तक खोजे गए सबसे अच्छे और सबसे सुरक्षित मूत्रवर्धक एजेंटों में से। यह एजेंट गंभीर घावों और जलन को बिना दाग के ठीक करने के लिए सिद्ध हुआ है और उपलब्ध सबसे असाधारण प्राकृतिक त्वचा मॉइस्चराइज़र में से एक है।

लगभग 100 वर्षों के आधुनिक अध्ययन के बाद, चिकित्सा शोधकर्ता, इस द्रव और इसके घटकों के संदर्भ में, इन निष्कर्षों की रिपोर्ट करते हैं:

कैंसर रोगियों पर इस द्रव के अर्क का उपयोग करते हुए नैदानिक अध्ययनों में, अध्ययन में अधिकांश रोगियों ने केवल एक सप्ताह के उपचार के बाद उल्लेखनीय सुधार दिखाया और निरंतर उपचार ने ट्यूमर के आकार में कमी और बिना विषैले या खतरनाक दुष्प्रभावों के जैव रासायनिक परीक्षणों को सामान्य किया।

— डॉ. एस. बुर्जिन्स्की

शरीर क्रिया विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी, 1977

यह आश्चर्यजनक रूप से और आसानी से वायरस को मारता है। मजबूत एकाग्रता में, यह न केवल पोलियो और रेबीज जैसे वायरस को कमजोर करता है, बल्कि वास्तव में उन्हें नष्ट कर देता है।

— प्रायोगिक जीवविज्ञान सोसायटी की कार्यवाही, 1936

एड्स के निदान वाले रोगियों में एचआईवी वायरस के लिए प्राकृतिक एंटीबॉडी इस तरल पदार्थ में दिखाई देते हैं।

- न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, 1988

पर्याप्त रूप से केंद्रित, यह गोनोरिया बैक्टीरिया को मार देगा।

— डॉ रॉबर्ट सी नोबल

संक्रामक रोग का विभाजन

यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी कॉलेज ऑफ मेडिसिन, 1987

Machine Translated by Google

यह भोजन, पर्यावरण और रासायनिक एलर्जी की एक विस्तृत श्रृंखला को नियंत्रित करने में सक्षम है।

— डॉ. सीएमडब्ल्यू विल्सन

जराचिकित्सा विभाग

लॉ हॉस्पिटल, स्कॉटलैंड, 1983

यह तपेदिक का कारण बनने वाले जीवाणुओं के विकास को मारने या रोकने में सक्षम है।

- द अमेरिकन रिव्यू ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 1954

यह एजेंट ज्ञात सबसे सुरक्षित और सबसे उपयोगी मूत्रवर्धक में से एक है। इसका उपयोग मस्तिष्क और आंखों पर अधिक दबाव, निष्क्रिय ब्रेन ट्यूमर, खोपड़ी के फ्रैक्चर और मस्तिष्क संबंधी विकारों के उपचार में संकेत दिया गया है।

इस पदार्थ के आगे के परीक्षणों को क्रोनिक ग्लूकोमा, हाइड्रोसिफ़लस, डेलिरियम ट्रीमेंस, प्रीमेंस्ट्रुअल एडिमा, मेनिन्जाइटिस और मिर्गी के उपचार में वारंट किया गया है।

- सर्जरी पर संगोष्ठी

सिर और गर्दन के

यूरिया - एक पुराने एजेंट का नया उपयोग, 1957

यह पदार्थ एक उत्कृष्ट और सुरक्षित प्राकृतिक टीके के रूप में कार्य करता है और पुराने और तीव्र हेपेटाइटिस, काली खांसी, अस्थमा, हे फीवर, पित्ती, माइग्रेन और आंतों के विकारों सहित कई प्रकार के विकारों को ठीक करने के लिए दिखाया गया है।

विधि इतनी सरल है कि इसे बिना किसी कठिनाई के उपयोग किया जा सकता है।

— प्लास्चो

मेडिकल प्रेस, लंदन, 1947

Machine Translated by Google

यह पाया गया कि कई शारीरिक बीमारियों से राहत मिली, जैसे मल्टीपल स्केलेरोसिस, कोलाइटिस, उच्च रक्तचाप, ल्यूपस, रुमेटीइड गठिया, हेपेटाइटिस, अतिसक्रियता, अग्नाशयी अपर्याप्तता, सोरायसिस और एक्जिमा, मधुमेह, दाद, और मोनोन्यूक्लिओसिस।

— डॉ. एन. ड्यूने

चिकित्सा सलाहकार

आयरिश एलर्जी उपचार और अनुसंधान संघ

ऑक्सफोर्ड मेडिकल संगोष्ठी, 1981

इस पदार्थ के कुछ अंश चूहों में घातक ट्यूमर के विकास पर एक निरोधात्मक कार्रवाई करते हैं ... जबकि छोटी खुराक वृद्धि को रोकती है, बड़ी मात्रा में ट्यूमर वापस आ जाता है।

- विज्ञान पत्रिका, 1963

किसी अन्य कार्बनिक यौगिक की तुलना में इस पदार्थ पर संभवतः अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित हुए हैं।

- अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल

3 जुलाई, 1954

तो यह रहस्य चमत्कारी औषधि क्या है और हममें से कोई भी इसके बारे में कुछ क्यों नहीं जानता? यदि शरीर वास्तव में इस तरह के एक अद्भुत पदार्थ का उत्पादन करता है, और डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने इसका इस्तेमाल लोगों को ठीक करने के लिए किया है, तो समाचार रिपोर्ट, प्रशंसा, विज्ञापन, मीडिया प्रचार कहां हैं?

आप जवाब जानना चाहते हैं? फिर पहले अपना दिमाग खोलकर खुद को तैयार करें।
अपने प्रारंभिक अविश्वास और पूर्व धारणाओं को छोड़ दें और चिकित्सा इतिहास में सबसे अच्छे रहस्य के लिए तैयार हो जाएं।

कई डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और सैकड़ों लोगों ने उपचार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली यह असाधारण चमत्कारी दवा मानव मूत्र है।

Machine Translated by Google

हैरान? अब इससे पहले कि आप चिल्लाएं "मुझे विश्वास नहीं होता" और किताब को बंद कर दें, इस पर विचार करें: आप इसे जानते हैं या नहीं, आपने पहले ही अपने मूत्र का पुन: उपयोग और पुन: उपयोग किया है - इसकी बड़ी मात्रा में लंबे समय तक , और यह एक कारण है कि आप आज जीवित हैं।

जैसा कि चिकित्सा शोधकर्ताओं ने खोजा है:

"मूत्र एमनियोटिक द्रव का मुख्य घटक है जो मानव भ्रूण को स्नान कराता है।

आम तौर पर, शिशु मूत्र से भरे इस एमनियोटिक द्रव को अपने फेफड़ों में 'साँस' लेता है। यदि मूत्र पथ अवरुद्ध हो जाता है, तो भ्रूण द्रव का उत्पादन नहीं करता है, और इसके बिना फेफड़े विकसित नहीं होते हैं।"

- न्यूयॉर्क टाइम्स मेडिकल सेक्शन,

अगस्त 16, 1988

यह एक तथ्य है कि शायद आप में से कोई भी चिकित्सा पृष्ठभूमि के बिना नहीं जानता है - लेकिन वास्तविकता यह है कि मूत्र आपके शरीर के कामकाज के लिए बिल्कुल महत्वपूर्ण है और शराब के आंतरिक और बाहरी अनुप्रयोगों ने किसी भी चीज से परे चिकित्सा प्रभाव को साबित कर दिया है कि हम, आम जनता कलपना कर सकना।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी प्रतिक्रिया कितनी हिंसक है या आपका अविश्वास-आग्रह कितना मजबूत हो सकता है, जब तक आप इस पुस्तक को पढ़ना समाप्त कर लेंगे, तब तक आप पूरी तरह से आश्वस्त और चकित होंगे कि चिकित्सा समुदाय ने हमें इस अविश्वसनीय के बारे में नहीं बताया है, लेकिन लगभग पूरी तरह से सार्वजनिक रूप से गैर-मान्यता प्राप्त प्राकृतिक चिकित्सा।

जब लोग पहली बार मूत्र के चिकित्सीय उपयोग के बारे में सुनते हैं तो सबसे अधिक आश्चर्य होता है कि उन्होंने इसके बारे में कभी नहीं सुना है। मानव जाति के विशाल बहुमत के लिए, मूत्र कुछ हद तक प्रतिकूल "अपशिष्ट" से ज्यादा कुछ नहीं है जिसे शरीर को कार्य करने के लिए उत्सर्जित करना पड़ता है।

लेकिन जैसा कि आप पाएंगे, मूत्र शरीर का अपशिष्ट उत्पाद नहीं है, बल्कि एक असाधारण रूप से मूल्यवान शारीरिक पदार्थ है जिसे चिकित्सा विज्ञान के पूरे इतिहास में आज तक गहन चिकित्सा उपयोग के लिए दिखाया गया है, जिसे हम में से अधिकांश पूरी तरह से जानते हैं के बारे में कुछ भी नहीं है।

Machine Translated by Google

पहली चीजों में से एक जो हमें साफ करने की जरूरत है वह है मूत्र की सामान्य धारणा - मूत्र वह नहीं है जो आप सोचते हैं। वास्तव में, आपको शायद पता नहीं है कि मूत्र क्या है या आपका शरीर इसे कैसे बनाता है।

वास्तव में, मूत्र नहीं है, जैसा कि हम में से अधिकांश लोग मानते हैं, भोजन और तरल पदार्थों से अतिरिक्त पानी जो आंतों के माध्यम से जाता है और शरीर से बाहर निकाल दिया जाता है। मुझे पता है कि हम आम तौर पर इस तरह से मूत्र के बारे में सोचते हैं - आप खाते हैं और पीते हैं, आंतों में भोजन में अच्छी चीजें बाहर निकलती हैं, और मूत्र बचा हुआ, गंदा अपशिष्ट जल है जो आपका शरीर नहीं चाहता है , तो इसे कभी भी, कभी भी किसी भी रूप में शरीर में वापस नहीं लाया जाना चाहिए - है ना? गलत।

कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह आम तौर पर साझा परिदृश्य कितना लोकप्रिय है, यह सच नहीं है। आपकी आंतों में पेशाब नहीं बनता है। मूत्र आपके गुर्दे में और उसके द्वारा बनता है। तो इसका क्या मतलब है और यह आपके मूत्र के बारे में आपके महसूस करने के तरीके को क्यों बदलना चाहिए?

आम आदमी की भाषा में, शरीर में मूत्र कैसे और क्यों बनता है: जब आप खाते हैं, तो जो भोजन आप खाते हैं वह अंततः पेट और आंतों में अत्यंत छोटे अणुओं में टूट जाता है। ये अणु आंतों की दीवार में छोटे नलिकाओं में अवशोषित हो जाते हैं और फिर इन ट्यूबों से रक्तप्रवाह में चले जाते हैं।

रक्त आपके शरीर में इन खाद्य अणुओं और अन्य पोषक तत्वों को ले जाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा रक्षा और लाल और सफेद रक्त कोशिकाओं, एंटीबॉडी, प्लाज्मा, सूक्ष्म प्रोटीन, हार्मोन, एंजाइम, आदि जैसे तत्वों को नियंत्रित करता है, जो सभी अलग-अलग में निर्मित होते हैं। शरीर में स्थान। रक्त अपने जीवन-पोषक तत्वों के भार को लगातार पूरे शरीर में वितरित करता है, प्रत्येक कोशिका को पोषण देता है और शरीर को रोग से बचाता है।

जैसे ही यह शरीर के माध्यम से बहता है, पोषक तत्वों से भरा यह रक्त यकृत से होकर गुजरता है जहां विषाक्त पदार्थों को हटा दिया जाता है और बाद में ठोस अपशिष्ट के रूप में शरीर से बाहर निकाल दिया जाता है। आखिरकार, यह शुद्ध, "साफ" रक्त गुर्दे तक अपना रास्ता बना लेता है।

जब रक्त गुर्दे में प्रवेश करता है, तो इसे नेफ्रॉन नामक सूक्ष्म नलिकाओं की एक अत्यंत जटिल और जटिल प्रणाली के माध्यम से फ़िल्टर किया जाता है, जिसके माध्यम से उच्च दबाव में रक्त का शाब्दिक रूप से "निचोड़ा" जाता है। यह छानने की प्रक्रिया रक्त में से अतिरिक्त मात्रा में पानी, लवण और अन्य तत्वों को हटा देती है जिनकी उस समय आपके शरीर को आवश्यकता नहीं होती है।

Machine Translated by Google

इन अतिरिक्त तत्वों को मूत्र नामक एक शुद्ध, बाँझ, पानी के घोल के रूप में गुर्दे के भीतर एकत्र किया जाता है। इस फ़िल्टर्ड पानी के घोल, या मूत्र के कई घटक फिर नेफ्रॉन द्वारा पुन: अवशोषित हो जाते हैं और रक्तप्रवाह में वापस भेज दिए जाते हैं। मूत्र का शेष भाग गुर्दे से मूत्राशय में चला जाता है और फिर शरीर से बाहर निकल जाता है।

तो, आप कहते हैं, एक कारण से शरीर को इस सामान से छुटकारा मिल गया है - तो हम इसे फिर से क्यों इस्तेमाल करना चाहेंगे? और यह रही पकड़: गुर्दे का कार्य आपके रक्त में विभिन्न तत्वों को संतुलित रखना है। गुर्दे रक्त में महत्वपूर्ण तत्वों को फ़िल्टर नहीं करते हैं क्योंकि वे तत्व अपने आप में जहरीले या जहरीले या शरीर के लिए खराब होते हैं, बल्कि सिर्फ इसलिए कि शरीर को उस तत्व की उस विशेष एकाग्रता की आवश्यकता नहीं होती थी जब इसे उत्सर्जित किया जाता था।

और चिकित्सा शोधकर्ताओं ने पाया है कि मूत्र में पाए जाने वाले रक्त के कई तत्वों का औषधीय महत्व है, और जब उन्हें शरीर में पुन: पेश किया जाता है, तो वे शरीर की प्रतिरक्षा सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं और इस तरह से उपचार को प्रोत्साहित करते हैं कि और कुछ नहीं करता है।

जैसा कि चिकित्सा अनुसंधान से पता चला है:

"गुर्दे के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक सामग्री और पदार्थों को बाहर निकालना है जिसके लिए शरीर को तत्काल आवश्यकता नहीं है ..."

- नैदानिक और प्रयोगशाला अभ्यास में मूत्रालय

उदाहरण के लिए, गुर्दे रक्त से पानी और सोडियम को मूत्र में फ़िल्टर करते हैं।
क्या पानी और सोडियम विषाक्त हैं? बिल्कुल नहीं, ये दोनों जीवनदायी तत्व हैं जिनके बिना आपका शरीर काम नहीं कर सकता। लेकिन दोनों तत्व घातक हो सकते हैं यदि आपके रक्त में बहुत अधिक पानी या सोडियम हो।

अब पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम के बारे में क्या - ये परिचित पोषक तत्व हैं जो हम अपने भोजन और विटामिन की गोलियों में प्रतिदिन लेते हैं लेकिन ये आपके मूत्र में भी होते हैं।
ये पोषक तत्व शरीर के लिए अत्यंत मूल्यवान पदार्थ हैं, निश्चित रूप से विषाक्त नहीं हैं, और फिर भी गुर्दे इन तत्वों को मूत्र में उत्सर्जित करते हैं - क्यों? क्योंकि यह उस अतिरिक्त मात्रा में पोटैशियम, कैल्शियम आदि को बाहर निकाल रहा है, जिसकी आपके शरीर को उस समय आवश्यकता नहीं होती है जब वे फ़िल्टर किए जाते हैं। दरअसल, यही नियमन है

Machine Translated by Google

गुर्दे की प्रक्रिया और मूत्र का उत्सर्जन जो हमें किसी भी समय हमारे शरीर की आवश्यकता से अधिक खाने और पीने की अनुमति देता है।

"गुर्दे का मुख्य कार्य उत्सर्जन नहीं है, लेकिन विनियमन गुर्दे स्पष्ट रूप से हमें जो चाहिए उसे संरक्षित करते हैं, लेकिन यहां तक कि खर्राटे भी हमें अतिरिक्त स्वतंत्रता की अनुमति देते हैं। यानी, यह हमें अधिक से अधिक लेने की अनुमति देता है ... हमें कई की जरूरत है आवश्यकताएं - उदाहरण के लिए पानी और नमक - और बिल्कुल वही उत्सर्जित करता है जिसकी आवश्यकता नहीं है।"

— डॉ. एस. कैमरून

गुर्दे की चिकित्सा के प्रो.

गाय का अस्पताल, लंदन

लेकिन यह कहानी का अंत नहीं है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि मूत्र, क्योंकि यह वास्तव में हमारे रक्त से निकाला जाता है, में लगभग सभी जीवन-निर्वाह पोषक तत्वों, प्रोटीन, हार्मोन, एंटीबॉडी और प्रतिरक्षा एजेंटों की थोड़ी मात्रा होती है जो हमारे रक्त में होते हैं:

"मूत्र को शरीर के सभी तरल पदार्थों में सबसे जटिल माना जा सकता है। इसमें व्यावहारिक रूप से रक्त में पाए जाने वाले सभी घटक होते हैं।"

— नैदानिक और प्रयोगशाला अभ्यास में मूत्रालय

कई चिकित्सा शोधकर्ता, हम में से अधिकांश के विपरीत, यह जानते हैं कि शरीर का गंदा अपशिष्ट होने से बहुत दूर, ताजा, सामान्य मूत्र वास्तव में बाँझ होता है और यह मनुष्य के लिए ज्ञात कुछ सबसे महत्वपूर्ण और चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण पदार्थों का एक असाधारण संयोजन है। अब यह तथ्य आज अधिकांश जनता के लिए अज्ञात हो सकता है, लेकिन, जैसा कि आप इस पुस्तक में पाएंगे, यह आधुनिक चिकित्सा के लिए कोई नई बात नहीं है।

हमारे लिए, जनता, मूत्र शरीर के एक अवांछित अपशिष्ट उत्पाद की तरह लगता है, लेकिन चिकित्सा अनुसंधान समुदाय और दवा उद्योग के लिए, इसे तरल सोना माना जाता है। विश्वास मत करो? इस पढ़ें:

हिप्पोक्रेट्स पत्रिका

मई/जून 1988

Machine Translated by Google

अब मूत्र व्यापार

यूटिका, मिच - यह महसूस करते हुए कि यह संभावित मुनाफे को नाली में बहा रहा है, एक उद्यमी युवा कंपनी मूत्र से चिकित्सकीय रूप से शक्तिशाली प्रोटीन को फंसाने का एक तरीका लेकर आई है। अमेरिका के एंजाइमों ने एक विशेष फिल्टर डिजाइन किया है जो महत्वपूर्ण मूत्र प्रोटीन एकत्र करता है और इन फिल्टर को अमेरिका के एंजाइमों की सहायक कंपनी पोर्टा-जॉन कंपनी के स्वामित्व वाले 10,000 पोर्टेबल आउटहाउस में सभी पुरुषों के मूत्रालयों में स्थापित किया गया है।

मूत्र में शरीर द्वारा बनाए गए प्रोटीन की थोड़ी मात्रा होती है, जिसमें वृद्धि हार्मोन और इंसुलिन जैसे चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण प्रोटीन शामिल हैं। इस प्रकार के मूत्र सामग्री के लिए $500- मिलियन-प्रति वर्ष का बाजार है।

इस गर्मी में, अमेरिका के एंजाइम्स ने अपने पहले प्रमुख मूत्र उत्पाद यूरोकाइनेज को बाजार में उतारने की योजना बनाई है, एक एंजाइम जो रक्त के थक्कों को घोलता है और इसका उपयोग दिल के दौरे के पीड़ितों के इलाज के लिए किया जाता है। कंपनी के पास सैंडोज़, मेरेल डॉव और अन्य प्रमुख दवा कंपनियों को मूत्र एंजाइम की आपूर्ति करने का अनुबंध है। विडंबना यह है कि यह उद्यम पोर्टा-जॉन के मूत्र प्रोटीन से छुटकारा पाने के प्रयास से विकसित हुआ - पोर्टेबल शौचालयों में गंध का एक प्रमुख स्रोत।

जब पोर्टा-जॉन के अध्यक्ष ने मूत्र निस्पंदन प्रणाली के बारे में वैज्ञानिकों से परामर्श करना शुरू किया, तो एक ने उन्हें बताया कि वह एक सोने की खान पर बैठे हैं।

हालाँकि, मूत्र को पुनर्चक्रित करने का विचार नया नहीं है। "हमने इस बारे में सोचा," लॉस एंजिल्स जैव प्रौद्योगिकी फर्म एमजेन के फिलिप व्हिटकॉम कहते हैं, "लेकिन महसूस किया कि हमें हजारों और हजारों लीटर मूत्र की आवश्यकता होगी।"

पोर्टा-जॉन और अमेरिका के एंजाइमों ने उस समस्या को हल किया। पोर्टा-जॉन के प्रिवीज़ में सालाना बहने वाले 14 मिलियन गैलन में अकेले लगभग साढ़े चार पाउंड यूरोकाइनेज होते हैं। यह 260,000 कोरोनरी धमनियों को बंद करने के लिए पर्याप्त है।

— हिप्पोक्रेट्स पत्रिका

लेकिन urokinase मूत्र से प्राप्त एकमात्र दवा नहीं है, जो हमारे लिए अज्ञात है, दवा उद्योग के लिए एक वित्तीय वरदान रहा है।

Machine Translated by Google

अगस्त 1993 में, फोर्ब्स पत्रिका ने फैबियो बटरिली के बारे में एक लेख छापा, जो जिनेवा में स्थित एरेस-सेरोनो समूह नामक दुनिया की सबसे बड़ी प्रजनन-दवा उत्पादक कंपनी का मालिक है, जिसका सबसे महत्वपूर्ण उत्पाद दवा पेर्गोनल है जो गर्भाधान की संभावना को बढ़ाता है।

अनुमान लगाएं कि पेर्गोनल किससे बना है।

"पेर्गोनल बनाने के लिए, एरेस-सेरोनो इटली, स्पेन, ब्राजील और अर्जेंटीना में 110,000 पोस्टमेनोपॉज़ल महिला स्वयंसेवकों से मूत्र के नमूने एकत्र करता है। 26 संग्रह केंद्रों से मूत्र रोम भेजा जाता है, जहां एरेस-सेरोनो तकनीशियन ओव्यूलेशन बढ़ाने वाले हार्मोन को अलग करते हैं।"

— फोर्ब्स

एरेस-सेरोनो ने 1992 में बिक्री में $855 मिलियन की कमाई की, और लोग इस मूत्र के अर्क के लिए प्रति माह $1,400 तक का भुगतान करते हैं।

जाहिर है, हम में से अधिकांश एक गलत धारणा के तहत काम कर रहे हैं जब हम दवा में मूत्र का उपयोग करने के बारे में सोचकर अपनी नाक पर झुर्रियां डालते हैं।

यूरिया, मूत्र में प्रमुख कार्बनिक ठोस, लंबे समय से शरीर का "अपशिष्ट उत्पाद" माना जाता है - इसे खतरनाक या जहरीला भी माना जाता है, लेकिन यह भी पूरी तरह से असत्य है।

शरीर में किसी भी अन्य पदार्थ की तरह, बहुत अधिक यूरिया हानिकारक हो सकता है, लेकिन यूरिया अपने आप में अत्यधिक मूल्यवान और शरीर के कामकाज के लिए अपरिहार्य है। यूरिया न केवल शरीर को अमूल्य नाइट्रोजन प्रदान करता है, बल्कि शोध से पता चला है कि यूरिया वास्तव में प्रोटीन के संश्लेषण में सहायता करता है, या दूसरे शब्दों में, यह हमारे शरीर को प्रोटीन का अधिक कुशलता से उपयोग करने में मदद करता है। यूरिया भी एक असाधारण जीवाणुरोधी और एंटी-वायरल एजेंट साबित हुआ है, और यह अब तक खोजे गए सबसे अच्छे प्राकृतिक मूत्रवर्धक में से एक है।

ये आज उपयोग में आने वाले मूत्र और यूरिया के व्यावसायिक चिकित्सा अनुप्रयोगों के कुछ और उदाहरण हैं:

यूरियाफिल: यूरिया से बना मूत्रवर्धक

Machine Translated by Google

यूरोफोलिट्रोपिन: मूत्र निकालने वाली प्रजनन दवा

PureaSkin: त्वचा की समस्याओं के लिए यूरिया क्रीम

Amino-Cerv: गर्भाशय ग्रीवा के उपचार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली यूरिया क्रीम

Premarin: मूत्र-निकालने एस्ट्रोजन पूरक

Panafil: त्वचा के छालों, जलन और संक्रमित घावों के लिए यूरिया/पपैन मरहम

यूरिया की खोज 1773 में बहुत पहले की गई थी और इसे अलग-थलग कर दिया गया था और वर्तमान में इसे विभिन्न प्रकार के दवा रूपों में विपणन किया जाता है।

एक अन्य मूत्र संबंधी उत्पाद घटक कार्बामाइड है। संश्लेषित यूरिया का रासायनिक नाम कार्बामाइड है। कार्बामाइड कहाँ पाया जाता है? - ऐसी जगहों के बारे में आपने कभी नहीं सोचा होगा, जैसे कि मुरीन ईयर ड्रॉप्स और मुरीन ईयर वैक्स रिमूवल सिस्टम जैसे उत्पादों में, जिसमें कार्बामाइड पेरोक्साइड, सिंथेटिक यूरिया और हाइड्रोजन पेरोक्साइड का संयोजन होता है।

चिकित्सा शोधकर्ताओं ने यह भी साबित किया है कि यूरिया दुनिया में सबसे अच्छे और चिकित्सकीय रूप से सिद्ध प्रभावी त्वचा मॉइस्चराइज़र में से एक है।

कई वर्षों के प्रयोगशाला अध्ययनों में शोधकर्ताओं ने पाया कि, अन्य सभी प्रकार के तेल-आधारित मॉइस्चराइज़र के विपरीत, जो केवल त्वचा की ऊपरी परतों पर बैठते हैं और त्वचा कोशिकाओं के भीतर जल प्रतिधारण में सुधार करने के लिए कुछ नहीं करते हैं (जो त्वचा को इसकी लोच और झुर्रियां देता है- मुक्त रूप), यूरिया वास्तव में हाइड्रोजन बॉन्डिंग के लिए त्वचा की परतों को खोलकर त्वचा की जल-बाध्यकारी क्षमता को बढ़ाता है, जो तब शुष्क त्वचा कोशिकाओं को नमी आकर्षित करता है।

यह एक उल्लेखनीय तथ्य है, यह देखते हुए कि महिलाएं बेहद महंगे त्वचा मॉइस्चराइज़र पर प्रति वर्ष अरबों डॉलर खर्च करती हैं, जिनके अवयव, यहां तक कि कसकर नियंत्रित डबल-ब्लाइंड तुलना परीक्षणों में (अध्याय 4 देखें), शुष्क त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ-साथ हाइड्रेटिंग के करीब भी नहीं आते हैं। सरल, सस्ता यूरिया।

तो यह जितना आश्चर्यजनक लगता है, पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा दोनों में मूत्र और यूरिया का एक अद्भुत और विशाल इतिहास है।

Machine Translated by Google

1980 में न्यूयॉर्क स्टेट जर्नल ऑफ मेडिसिन में डॉ. जॉन आर .
न्यू यॉर्क शहर में अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन में यूरोलॉजी के क्लीनिकल प्रोफेसर हरमन, मूत्र और इसके चिकित्सा उपयोग के बारे में सामान्य गलत धारणाओं को इंगित करते हैं:

"ऑटोरोपैथी (मूत्र चिकित्सा) दुनिया के कई हिस्सों में फली-फूली और यह आज भी फल-फूल रही है ... हम में से अधिकांश के लिए अज्ञात है, यूरोपैथी का व्यापक उपयोग और ज्ञान की एक बड़ी मात्रा उपलब्ध है जो इसके विविध लाभों को दर्शाती है। तौर-तरीके...

मूत्र केवल रक्त का व्युत्पन्न है...यदि रक्त को 'अशुद्ध' नहीं माना जाना चाहिए, तो मूत्र को भी ऐसा नहीं माना जाना चाहिए। आम तौर पर उत्सर्जित, मूत्र संरचना की जबरदस्त विविधताओं का तरल पदार्थ है ...

दरअसल, मानव मूत्र के सूचीबद्ध घटकों की सावधानीपूर्वक जांच की जा सकती है और इसमें मानव आहार में नहीं पाई जाने वाली कोई भी वस्तु नहीं पाई जाती है। बेशक, प्रतिशत अलग-अलग हैं, लेकिन मूत्र के घटक मानव चयापचय के लिए मूल्यवान हैं... "

यूरिया को मेडिकल डिक्शनरी में देखें। मोस्बी के मेडिकल एंड नर्सिंग डिक्शनरी में यूरिया को बेकार शरीर के अपशिष्ट के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रणालीगत मूत्रवर्धक और सामयिक त्वचा उपचार के रूप में परिभाषित किया गया है। यह मस्तिष्क पर अतिरिक्त द्रव दबाव को कम करने के लिए भी निर्धारित है
आँखें।

यूरिक एसिड, मूत्र का एक अन्य घटक, आमतौर पर शरीर के एक अवांछित अपशिष्ट उत्पाद के रूप में माना जाता है जो गठिया का कारण बनता है। लेकिन हाल ही में यूरिक एसिड के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले और चिकित्सीय प्रभाव भी पाए गए हैं। बर्कले में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के चिकित्सा शोधकर्ताओं ने 1982 में बताया कि उन्होंने पाया है कि:

यूरिक एसिड कैंसर और उम्र बढ़ने से बचाव हो सकता है।

यह शरीर को नुकसान पहुँचाने वाले रसायनों को भी नष्ट कर देता है जिन्हें मुक्त कण कहा जाता है जो भोजन, पानी और हवा में मौजूद होते हैं और जिन्हें कैंसर और प्रतिरक्षा समारोह में खराबी का कारण माना जाता है।

यूरिक एसिड उन चीजों में से एक हो सकता है जो मनुष्य को अन्य स्तनधारियों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहने में सक्षम बनाता है।

- ओमनी पत्रिका, अक्टूबर 1982

Machine Translated by Google

मूत्र एक अत्यंत महत्वपूर्ण शरीर द्रव्य है जिसने सदियों से चिकित्सा विज्ञान को आकर्षित किया है। चिकित्सा वैज्ञानिक अत्यधिक तीव्रता से मूत्र का अध्ययन करते हैं, क्योंकि जनता के विपरीत, वे जानते हैं कि इसमें असंख्य महत्वपूर्ण शरीर पोषक तत्व और हजारों प्राकृतिक तत्व होते हैं जो शरीर के प्रत्येक कार्य को नियंत्रित और नियंत्रित करते हैं।

मूत्र पर शोध पुस्तक 1975 में प्रकाशित हुई, नैदानिक प्रयोगशाला में मूत्रालय
अभ्यास, ने कहा कि:

"मूत्र को प्राप्त होने वाले ध्यान की भयावहता को हाल के एक अध्ययन से प्रमाणित किया गया है जो मानव मूत्र के केवल कम आणविक भार घटकों से निपटता है।

इस प्रकाशन से पता चला कि मूत्र में केवल कम आणविक भार वाले पदार्थों से संबंधित 1,000 से अधिक तकनीकी और वैज्ञानिक पत्र, एक (1) एकल वर्ष में चिकित्सा और वैज्ञानिक साहित्य में दिखाई दिए ...

अब यह माना जाता है कि मूत्र में हजारों यौगिक होते हैं, और जैसे-जैसे नए, अधिक संवेदनशील विश्लेषणात्मक उपकरण विकसित होते हैं, यह निश्चित है कि मूत्र के नए घटकों को पहचाना जाएगा।"

तो, हम इसे जानते हैं या नहीं, मूत्र का चिकित्सा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्विवाद स्थान है - न कि केवल एक नैदानिक उपकरण के रूप में या विभिन्न सिंथेटिक दवाओं के एक घटक के रूप में।

जैसा कि अध्याय चार में प्रस्तुत शोध अध्ययन बताते हैं, बीसवीं शताब्दी के पूरे पाठ्यक्रम में चिकित्सा शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों _ पेशाब और द्वारा प्राकृतिक सरल यूरिया का लगातार और व्यापक रूप से उपयोग किया गया है और यह गहराई से प्रभावी और व्यापक चिकित्सीय दवाएं साबित हुई हैं, यहां तक कि उनके प्राकृतिक या मूल रूप उत्कृष्ट और आश्चर्यजनक उपचार परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं।

मूत्र के अक्सर चौंकाने वाले चिकित्सीय उपयोगों को प्रदर्शित करने वाले ठोस शोध को पढ़ने के बाद आपकी पहली प्रतिक्रिया तब तक इसका उपयोग करने की इच्छा हो सकती है जब तक कि इसे पहचानने योग्य बनाने के लिए पर्याप्त रूप से बदल दिया जाता है। बहुत से लोग मूत्र के सिंथेटिक या रासायनिक रूप से परिवर्तित रूप पर विचार कर सकते हैं, जैसे कि यूरोकाइनेज, रक्त का थक्का भंग करने वाला, इसे प्राकृतिक दवा के रूप में उपयोग करने के लिए बेहतर है।

Machine Translated by Google

लेकिन जैसा कि हम पूरी किताब में चर्चा करेंगे, मूत्र के प्राकृतिक रूप में उपयोग करने के कई कारण हैं, न कि सिंथेटिक दवा या अर्क के रूप में, जिनमें से कम से कम यह तथ्य नहीं है कि व्यक्तिगत मूत्र के लिए कोई सिंथेटिक समकक्ष नहीं है और कभी नहीं प्रत्येक व्यक्ति के मूत्र घटकों की जबरदस्त जटिलता और विशिष्टता के कारण होगा।

जिस तरह प्रकृति दो लोगों को बिल्कुल समान नहीं बनाती है, उसी तरह दुनिया में मूत्र के दो नमूने भी नहीं होते हैं जिनमें बिल्कुल समान घटक होते हैं। आपके स्वयं के मूत्र में ऐसे तत्व होते हैं जो केवल आपके शरीर के लिए विशिष्ट होते हैं जो आपके स्वयं के स्वास्थ्य विकारों के अनुरूप औषधीय रूप से मूल्यवान तत्व होते हैं।

यह कैसे हो सकता? क्योंकि आपके मूत्र में सैकड़ों तत्व होते हैं जो आपके शरीर द्वारा आपकी व्यक्तिगत, विशिष्ट स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने के लिए निर्मित होते हैं।
आपका शरीर आपके शरीर के कार्यों को विनियमित और नियंत्रित करने और उन बीमारियों से लड़ने के लिए एंटीबॉडी, हार्मोन, एंजाइम और अन्य प्राकृतिक रसायनों की एक विशाल विविधता का लगातार उत्पादन कर रहा है जो आपको पता हो या नहीं हो सकता है।

आधुनिक अनुसंधान और नैदानिक अध्ययनों ने साबित कर दिया है कि आपके व्यक्तिगत मूत्र में हजारों महत्वपूर्ण शरीर के रसायन और पोषक तत्व आपके व्यक्तिगत शरीर के कार्यों को दर्शाते हैं, और जब पुन: उपयोग किया जाता है, तो प्राकृतिक टीके, जीवाणुरोधी, एंटीवायरल, कैंसर विरोधी एजेंट, हार्मोन बैलेंसर के रूप में कार्य करते हैं। एलर्जी रिलीवर, आदि, (सही निवारक देखभाल उपचार के बारे में बात करें!)

कई डॉक्टरों ने खोजा और दिखाया है कि उपचार में हमारे अपने प्राकृतिक मूत्र का उपयोग करना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि मूत्र के अर्क या सिंथेटिक दवा के रूपों में ये सभी व्यक्तिगत तत्व नहीं होते हैं जो हमारी व्यक्तिगत, व्यक्तिगत स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

एक और कारण है कि कई डॉक्टरों ने मूत्र के प्राकृतिक रूप के उपयोग पर जोर दिया है कि यह दुष्प्रभाव पैदा नहीं करता है, जबकि सिंथेटिक दवाएं और उपचार सभी दुष्प्रभाव पैदा करते हैं, जिनमें से कई बेहद खतरनाक हैं।

एक उदाहरण के रूप में, मूत्र निकालने वाली दवा जिसे यूरोकाइनेज कहा जाता है, जिसका उपयोग खतरनाक रक्त के थक्कों को भंग करने के लिए किया जाता है, एक साइड इफेक्ट के रूप में गंभीर असामान्य रक्तस्राव का कारण बन सकता है; लेकिन प्राकृतिक मूत्र (जिसमें यूरोकाइनेज की मापनीय मात्रा होती है) का उपयोग बिना किसी दुष्प्रभाव के बहुत बड़ी मात्रा में भी औषधीय रूप से किया जाता है।

Machine Translated by Google

यदि आप इस बात से परिचित नहीं हैं कि रासायनिक दवा लेने का जोखिम कितना व्यापक और चरम है, तो पुस्तकालय में जाएं और चिकित्सक के डेस्क संदर्भ की एक प्रति देखें। यह बाजार पर हर नुस्खे और ओवर-द-काउंटर दवा के लिए डॉक्टर की मार्गदर्शिका है, और उनमें से हर एक के साथ अशुभ और भयावह संभावित दुष्प्रभावों की एक लंबी सूची है।

दूसरी ओर, चिकित्सा में प्राकृतिक मूत्र और साधारण यूरिया के उपयोग पर प्रयोगशाला और नैदानिक अध्ययनों के लगभग 100 वर्षों में, असाधारण परिणाम प्राप्त हुए हैं, लेकिन उपयोगकर्ता के लिए कोई विषाक्त या खतरनाक दुष्प्रभाव कभी नहीं देखा गया है या चिकित्सा का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं या रोगियों द्वारा रिपोर्ट किया गया।

जैसा कि हमने सीखा, यूरिया, जो मूत्र का प्रमुख ठोस घटक है, को संश्लेषित किया गया है और चिकित्सकीय रूप से उत्कृष्ट परिणामों के साथ और बिना किसी दुष्प्रभाव के उपयोग किया गया है। लेकिन फिर, जैसा कि आप अगले अध्याय में पढ़ेंगे, शोध से पता चला है कि संपूर्ण मूत्र कई विकारों को ठीक कर सकता है जो यूरिया नहीं कर सकता, क्योंकि मूत्र में हजारों चिकित्सीय एजेंट होते हैं, जैसे कि महत्वपूर्ण प्राकृतिक एंटीबॉडी, एंजाइम और हार्मोन को विनियमित करना जो अकेले यूरिया नहीं करता है। शामिल होना।

मूत्र चिकित्सा में न केवल दर्जनों सफल शोध परीक्षण इसका समर्थन करते हैं, बल्कि दुनिया भर के लोगों की हजारों सफलता की कहानियां भी हैं। जैसा कि आज कई लोगों ने खोजा है, पारंपरिक चिकित्सा के पास उनकी पुरानी या तीव्र बीमारियों और स्वास्थ्य विकारों के लिए कोई जवाब नहीं था - लेकिन मूत्र चिकित्सा ने किया।

में सबसे बड़े रहस्यों में से एक के बारे में अधिक सीखना

चिकित्सा का इतिहास

मुझे एहसास हुआ कि अब तक आप में से बहुत से लोग अपने आप से कह रहे हैं, "मूत्र के चिकित्सीय उपयोग के बारे में यह सारी जानकारी आकर्षक लगती है, लेकिन क्या मैं वास्तव में घर पर इस चिकित्सा का उपयोग कर सकता हूं? मैं कैसे शुरू करूं, और मैं संभवतः अपने अतीत को कैसे पार कर सकता हूं? पहले डर और अनिच्छा इसे अपने लिए आज़माने के लिए?"

शुरू करना

Machine Translated by Google

वास्तव में, चिकित्सा शुरू करना पूरी तरह से सरल और दर्द रहित है। आप बहुत कम मात्रा में आंतरिक चिकित्सा शुरू करने जा रहे हैं। पहली आंतरिक खुराक के रूप में 1 से 2 बूंदों की आवश्यकता होती है, और जैसा कि अध्याय 4 में प्रस्तुत चिकित्सा अनुसंधान अध्ययनों से पता चलता है, (डॉ. सीई लुईस और डॉ एन। ड्यून देखें), यहां तक कि कुछ बूंदें चिकित्सीय रूप से बहुत प्रभावी हो सकती हैं। इसके अलावा, यदि आप चाहें, तो आप मूत्र का एक अत्यंत पतला रूप बना सकते हैं जिसे होम्योपैथिक मूत्र तैयारी कहा जाता है, जो उत्कृष्ट परिणाम देता है और इसमें कोई स्वाद या रंग नहीं होता है। अध्याय 6 में पूर्ण और विस्तृत निर्देश हैं जो आपके सभी सवालों के जवाब देंगे, जिसमें शुरुआत कैसे करें, होम्योपैथिक मूत्र कैसे तैयार करें, आदि शामिल हैं, और आपके लिए यह सीखना आसान हो जाएगा कि इस अतुलनीय प्राकृतिक दवा का अपने दैनिक जीवन में कैसे लाभ उठाया जाए। .

पुस्तक का उपयोग कैसे करें

इस पुस्तक में इतनी जानकारी निहित है कि यह सब पहली बार में कुछ हद तक भारी लग सकता है; मूत्र चिकित्सा के उपयोग पर डॉक्टरों और चिकित्सा वैज्ञानिकों द्वारा 50 से अधिक शोध रिपोर्टों की समीक्षा की जाती है, और सभी व्यापक केस स्टडी के साथ-साथ डॉक्टर की टिप्पणियों और उनके अध्ययन पर टिप्पणियों से भरे हुए हैं।

यदि आपको कोई विशिष्ट विकार है और आपको लगता है कि आप सभी अध्ययनों को पढ़ना नहीं चाहते हैं ताकि आप पर लागू होने वाले अध्ययन तक पहुंच सकें, तो इंडेक्स सूची में अपनी स्थिति देखें जो आपको बताएगी कि आपके विकार की जानकारी कहां है पुस्तक में स्थित है। इसके अलावा, सुनिश्चित करें कि आप चिकित्सा शुरू करने से पहले अध्याय 6 में दिए गए निर्देशों को पढ़ लें।

चिकित्सा में मूत्र का उपयोग इतना बड़ा और पहले से अछूता उपभोक्ता विषय है कि प्रासंगिक जानकारी को पढ़ना, व्यवस्थित करना और संकलित करना काफी चुनौती पेश करता है। इसलिए इसे और अधिक बोधगम्य बनाने के लिए, मैंने प्रत्येक अध्याय को विशेष रूप से, मूत्र के चिकित्सा उपयोग से संबंधित विशिष्ट मुद्दों पर समर्पित किया है।

पहले और दूसरे अध्याय में मूत्र के बड़े पैमाने पर अज्ञात चिकित्सा उपयोगों और प्राकृतिक औषधीय के रूप में इसके महत्व का सामान्य परिचय दिया गया है।

अध्याय 3 में, हम चर्चा करेंगे कि चिकित्सा चिकित्सकों और आम जनता को मूत्र के चिकित्सा अनुप्रयोगों के बारे में कुछ भी क्यों नहीं पता है, भले ही सदियों के ऐतिहासिक उपाख्यानों और आधुनिक वैज्ञानिक रिपोर्टों के खंड इसके मूल्य की वकालत करते हैं।

Machine Translated by Google

हम इस बारे में और अधिक चर्चा करेंगे कि मूत्र के प्राकृतिक रूप का उपयोग मूत्र के अर्क के लिए बेहतर क्यों है।

अध्याय 4 चिकित्सा अनुप्रयोगों और मूत्र चिकित्सा के महत्व पर डॉक्टरों और शोधकर्ताओं द्वारा किए गए चयनित प्रयोगशाला और नैदानिक अध्ययनों पर एक गहन नज़र है। ये व्यापक शोध अध्ययन लगभग पूरी शताब्दी की अवधि में फैले हुए हैं।

-

अध्याय 5 दुनिया भर में मूत्र चिकित्सा के उपयोग का दिलचस्प इतिहास प्रस्तुत करता है।

अध्याय 6 में घरेलू उपयोग के लिए निर्देश दिए गए हैं।

अध्याय 7 विशिष्ट विकारों और रोग स्थितियों पर व्यक्तिगत प्रशंसापत्र प्रस्तुत करता है।

स्वास्थ्य देखभाल के बारे में चिंता और भय के इन दिनों में, शायद हम सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्ञान हमारी सबसे बड़ी ताकत और हमारा सबसे अच्छा स्वास्थ्य बीमा है। जितना अधिक हम अपने शरीर के बारे में जानते हैं और बीमारियों और पुरानी बीमारियों को ठीक करने के लिए सरल, सुरक्षित उपायों का उपयोग कैसे करते हैं, हम में से प्रत्येक स्वस्थ और खुश होगा।

जब तक आप मूत्र चिकित्सा के बारे में लोगों, डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के बारे में जो कुछ भी कहना चाहते हैं, उसे पढ़ना समाप्त कर देते हैं, तो आप निस्संदेह सहमत होंगे कि यह सबसे अच्छे और सबसे मूल्यवान चिकित्सा रहस्यों में से एक है जिसे हम में से किसी ने कभी खोजा है। मूत्र के औषधीय गुण इतने व्यापक और इतने आश्चर्यजनक हैं, फिर भी इतनी आसानी से सुलभ हैं कि यह हम में से प्रत्येक को अपने स्वयं के स्वास्थ्य पर अद्भुत व्यक्तिगत शक्ति प्रदान करता है जिसे हम कभी नहीं जानते थे कि हमारे पास है - हमारे अपने संपूर्ण की लागत मुक्त, प्राकृतिक उपचार शक्ति दवा.एन

Machine Translated by Google

अध्याय 3

कोई कुछ क्यों नहीं जानता

सबसे अधिक शोध के बारे में

चिकित्सा में प्राकृतिक पदार्थ

मूत्र चिकित्सा के बारे में मुझसे सबसे अधिक पूछे जाने वाले प्रश्नों में से एक यह है: "यदि यह बहुत बढ़िया है और इसका समर्थन करने वाले बहुत सारे वैज्ञानिक प्रमाण हैं, तो मेरे डॉक्टर और जनता इसके बारे में क्यों नहीं जानते हैं और इसका अधिक व्यापक रूप से उपयोग क्यों नहीं किया जाता है ?"

ऐतिहासिक रूप से, मूत्र के चिकित्सीय उपयोग को दुनिया भर में जाना जाता था।

ऐसी कई रिपोर्टें हैं जो हजारों साल पहले की हैं, (अध्याय पांच देखें), जो एक नैदानिक उपकरण के रूप में और विभिन्न प्रकार के रोगों, घावों और त्वचा विकारों के लिए एक औषधीय उपचार के रूप में मूत्र के गुणों की प्रशंसा करती हैं।

और फिर भी आज, लगभग 100 वर्षों के निरंतर और आधिकारिक आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान के बाद भी, मूत्र या यूरिया को अस्तित्व में सबसे सरल, सबसे सस्ता, सबसे प्रभावी औषधीय पदार्थों में से एक के रूप में दिखाया गया है, हम में से अधिकांश, यहां तक कि

Machine Translated by Google

हमारे अपने डॉक्टर, अभी भी गलती से मानते हैं कि मूत्र शरीर के अपशिष्ट या चिकित्सा निदान उपकरण से ज्यादा कुछ नहीं है।

दवा में मूत्र के बारे में आज जो सभी उपभोक्ता जानते हैं, वह यह है कि आप इसका एक नमूना डॉक्टर की नर्स को सौंपते हैं जब आप कार्यालय की यात्रा के लिए जाते हैं ताकि वे इसका परीक्षण कर सकें कि वे इसका परीक्षण किसी भी तरह से कर सकते हैं। और यह लगभग डॉक्टरों के लिए समान है।

तो हम और हमारे डॉक्टर, जिन्हें इन चीजों के बारे में पता होना चाहिए, ने हजारों साल के ऐतिहासिक संदर्भों और मूत्र के चिकित्सा उपयोग पर लगभग एक सदी की निश्चित आधुनिक शोध खोजों को पूरी तरह से कैसे याद किया है?

वास्तव में यह समझने के लिए कि आज मूत्र का व्यापक चिकित्सा उपयोग काफी हद तक अज्ञात और अप्रकाशित क्यों है, हमें आधुनिक चिकित्सा की पृष्ठभूमि और इतिहास को और अधिक बारीकी से देखना होगा।

आधुनिक दवाओं के आगमन से पहले, कुछ मानव निर्मित दवाएं थीं, और यहां तक कि उन्हें प्रशासित करने के लिए कम डॉक्टर भी थे - और, ज्यादातर लोगों के लिए, डॉक्टरों को उपलब्ध होने पर भी भुगतान करने के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए लोग आम तौर पर प्रार्थना के साथ अपनी बीमारियों का इलाज करते थे और इस तरह के सामान्य ज्ञान के दृष्टिकोण अच्छे भोजन, आराम और प्रकृति में पाए जाने वाले पदार्थों को पारंपरिक रूप से औषधीय गुणों के लिए जाने जाते थे - साधारण जड़ी-बूटियों, पौधों, खनिजों, मूत्र आदि जैसी चीजें।

उपचार के लिए इस प्राकृतिक दृष्टिकोण के पहचानने योग्य लाभ थे और यहां तक कि जाने-माने और ऐतिहासिक रूप से सम्मानित डॉक्टरों जैसे कि हिप्पोक्रेट्स ने सिखाया कि शरीर की अपनी प्राकृतिक सुरक्षा का समर्थन किया जाना चाहिए और उपचार में जोर दिया जाना चाहिए और यह कि कोमल, प्राकृतिक चिकित्सा दृष्टिकोण हमेशा मजबूत का सहारा लेने से पहले इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हस्तक्षेप

लेकिन मनुष्य और चिकित्सा के पूरे ज्ञात इतिहास में, उन लोगों के बीच हमेशा एक प्रकार का "टैगस्टाकेम" चलता रहा है, जो महसूस करते थे कि प्रकृति सबसे अच्छा उपचारकर्ता है, और अन्य लोग जो इस बात से आश्वस्त थे कि मनुष्य बौद्धिक रूप से उपचार तकनीकों को विकसित कर सकता है जो प्रकृति को मां में डाल देंगी। शर्माने के लिए।

प्रकृति पर विज्ञान का समर्थन करने वालों के पक्ष में सबसे शक्तिशाली तर्कों में से एक थे चेचक, टाइफाइड, पेचिश और भयानक बुबोनिक या "ब्लैक प्लेग" जैसी संक्रामक बीमारियों की विभिन्न ऐतिहासिक विपत्तियाँ जो रुक-रुक कर लाखों लोगों का सफाया कर देंगी। रिकॉर्ड समय में लोग परंपरागत

Machine Translated by Google

इस तरह की विपत्तियों के खिलाफ चिकित्सा पद्धति का बहुत कम उपयोग हुआ, और विशेष रूप से पश्चिमी लोगों ने इन रोगों पर काबू पाने के तरीकों के लिए विज्ञान की खोज करना शुरू कर दिया।

उन्नीसवीं सदी के अंत और बीसवीं शताब्दी की शुरुआत के दौरान, विज्ञान ने पेनिसिलिन जैसी मानव निर्मित सिंथेटिक दवाओं की खोज की, जो इन घातक विपत्तियों और अन्य खतरनाक बीमारियों को रोकने के लिए प्रतीत होती थीं, और आधुनिक सिंथेटिक दवा का युग शुरू हुआ। जब तक बीसवीं सदी के उत्तरार्ध का दौर शुरू हुआ, तब तक चिकित्सा में मानव जाति की वैज्ञानिक प्रगति ने कई तरह की परिष्कृत दवाओं और प्रौद्योगिकी का उत्पादन किया था जो पारंपरिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण को अप्रचलित बनाती प्रतीत होती थीं।

जाहिर है, मानव जाति और प्रौद्योगिकी ने अंततः प्रकृति के खिलाफ लड़ाई जीत ली थी। कुछ मायनों में, ऐसा प्रतीत होता है कि मानवता ने परमेश्वर पर अपनी निर्भरता को भी दूर कर लिया है; जैसा कि रॉबर्ट कोच, जिन्होंने पहली बार रोगाणुओं की खोज की थी, ने टिप्पणी की, "उन्नीसवीं शताब्दी में, मनुष्य ने ईश्वर का भय खो दिया और रोगाणुओं का भय प्राप्त कर लिया।" और शायद यह सच है, क्योंकि हमारे परदादाओं और अन्य पूर्वजों के समय की शुरुआत के विपरीत, अधिकांश आधुनिक समाज आज भगवान की तुलना में दवाओं और चिकित्सा विज्ञान पर अधिक निर्भर हैं, या उन दवाओं पर जो प्रकृति बीमारी को ठीक करने या ठीक करने के लिए प्रदान करती है। स्वास्थ्य विकार। यह काफी हद तक इसलिए है क्योंकि आज के चिकित्सा समुदाय ने हमें यह मानने के लिए तैयार किया है कि चिकित्सा विज्ञान, दवाएं और सर्जरी मानवता को स्वस्थ, खुश और रोग मुक्त रखने के लिए आवश्यक हैं।

चिकित्सा विज्ञान, ईश्वर और प्रार्थना नहीं, अब हमारी लंबी उम्र और एक प्रकार की अमरता की आशा के रूप में पेश किया जाता है, क्योंकि वैज्ञानिक क्रायोजेनिक्स (शरीर को फ्रीज करना ताकि भविष्य के वैज्ञानिकों द्वारा इसे 'पुनर्जीवित' किया जा सके) और सर्जिकल जैसी चीजों के साथ प्रयोग किया जा सके। अंग प्रत्यारोपण जो ऐसा प्रतीत होता है कि वे संभवतः हमारे भौतिक जीवन को अनिश्चित काल तक बढ़ा सकते हैं। जब बांझपन होता है, तो हम अब प्रकृति, या आध्यात्मिक, या यहां तक कि मनोवैज्ञानिक समझ की ओर नहीं मुड़ सकते हैं, जो अक्सर हमें वह देने में विफल होती है जो हम चाहते हैं, लेकिन चिकित्सा विज्ञान के यांत्रिक जोड़तोड़ के लिए जो हमें बस 'घूमने' की अनुमति देता है निराशाजनक और 'अनुचित' प्राकृतिक बाधाएं।

बीसवीं सदी के चिकित्सा विज्ञान की सभी स्पष्ट प्रगति और लाभों को देखते हुए, मूत्र चिकित्सा जैसी चिकित्सा के लिए सरल, पारंपरिक और अधिक प्राकृतिक दृष्टिकोण हमारे लिए बेकार और अप्रभावी प्रतीत हुए हैं, और हम उन्हें इसके पक्ष में छोड़ देने के लिए सही थे। 'उद्देश्य' वैज्ञानिक चिकित्सा - या तो हमने सोचा।

Machine Translated by Google

पुस्तक, द बिट्रेयल ऑफ हेल्थ, 1991 में डॉ। जोसेफ बेस्ली, एमडी, एक चिकित्सा चिकित्सक और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व प्रशासक और तुलाने विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डीन द्वारा प्रकाशित, सरल और वाक्पटुता से आधुनिक के विकास की कहानी कहती है। दवा और उसके दुर्भाग्यपूर्ण, अप्रत्याशित

परिणाम:

"चिकित्सा विज्ञान के शुरुआती दिनों से ही स्वास्थ्य के लिए दो अलग-अलग लेकिन पूरक दृष्टिकोण रहे हैं - कल्याण की खोज (प्रकृतिवादी स्कूल) और बीमारी का इलाज (एलोपैथिक स्कूल)।

हिप्पोक्रेट्स ने अपने अभ्यास और चिकित्सा शिक्षाओं में दोनों दृष्टिकोणों को जोड़ा - इस बात पर बल दिया कि चिकित्सक को प्रकृति में कुशल होना चाहिए और रोगी को उसके भोजन, पेय और व्यवसाय के संबंध में समझना चाहिए, साथ ही साथ इन कारकों में से प्रत्येक का प्रभाव दूसरों पर पड़ता है। .

स्वास्थ्य मन और शरीर और बाहरी दुनिया के बीच एक संतुलन था, बीमारी इस प्राकृतिक सद्भाव का विघटन।

उपचार में ऐसी स्थितियां बनाना शामिल है जिसमें शरीर अपने आंतरिक उपचार तंत्र के माध्यम से खुद को बनाए रख सकता है और ठीक कर सकता है। जब रोग स्वयं प्रकट होता है, तो विशिष्ट हस्तक्षेप लागू किया जाएगा, लेकिन प्राकृतिक उपचार जैसे आहार परिवर्तन को दवाओं से अधिक पसंद किया गया था।"

लेकिन जैसा कि डॉ. बेस्ली बताते हैं, यह संतुलित है; चिकित्सा के लिए प्राकृतिक दृष्टिकोण बीसवीं सदी में परिष्कृत सिंथेटिक दवाओं और सर्जरी के लिए उत्साह के हिमस्खलन से नहीं बच पाया, जो हमें संक्रामक रोग महामारी और अन्य गंभीर बीमारियों के संकट से मुक्त करता है:

"बीमारी और स्वास्थ्य के लिए आधुनिक दृष्टिकोण कई बीमारियों के खिलाफ सदियों की लड़ाई में विकसित हुआ। उन वर्षों के दौरान, दवा विशेष रूप से प्रभावी नहीं थी। विपत्तियों और संक्रमणों ने पूरी आबादी का सफाया कर दिया क्योंकि चिकित्सा चिकित्सकों ने इलाज खोजने के लिए व्यर्थ परिश्रम किया।

चिकित्सा विफलता की इन सदियों ने चिकित्सा सफलता की अपेक्षाकृत हाल की सदी को और अधिक प्रभावशाली बना दिया है।"

जैसा कि डॉ. बेस्ली कहते हैं, चिकित्सा समुदाय और जनता इतनी आश्वस्त हो गई कि विज्ञान हर बीमारी के लिए एक विशिष्ट दवा का इलाज ढूंढ सकता है, जिसे हर कोई पूरी तरह से कर सकता है।

Machine Translated by Google

अच्छे स्वास्थ्य को बनाने और बनाए रखने में प्राकृतिक दवाओं, पोषण, पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कारकों के महत्व को नजरअंदाज किया:

"रोग के लिए जिम्मेदार रोगाणुओं की खोज और विनाश ने डॉक्टरों (और उनके रोगियों) को वैज्ञानिक [चिकित्सा] मॉडल में अपना विश्वास रखने के लिए प्रेरित किया, जिसने मानवता को अपने सबसे प्राचीन दुश्मनों से चमत्कारिक रूप से बचाया था।

लेकिन आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों को विकसित करने की प्रक्रिया में, चिकित्सा ने अपनी कुछ सबसे प्राचीन और सार्थक परंपराओं को छोड़ दिया है (या भुला दिया है)।

खोजे जाने के बाद भी पोषण की जटिल अंत:क्रियाओं की उपेक्षा की गई। और पर्यावरण एजेंटों या स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक व्यवहार पैटर्न के इंटरैक्टिव प्रभावों में और भी कम रुचि रही है"

नई सिंथेटिक दवाओं की प्रतीत होने वाली भारी उपचार शक्ति, चिकित्सा के सामान्य ज्ञान को अप्रचलित बनाने के लिए प्रकट हुई। अब जबकि हमारे पास चमत्कारी एंटीबायोटिक्स थे जो स्पष्ट रूप से सब कुछ ठीक कर सकते थे और शक्तिशाली दर्द निवारक और नई, शानदार सर्जिकल तकनीकें, जिन्हें मूत्र चिकित्सा या पोषण या होम्योपैथी या जड़ी-बूटियों जैसे पुराने, अपरिष्कृत प्राकृतिक चिकित्सा दृष्टिकोण की आवश्यकता थी?

जैसे-जैसे बीसवीं सदी आगे बढ़ी, लोगों ने समय-समय पर प्राकृतिक उपचारों के साथ घर पर खुद का इलाज नहीं किया। यदि आप बीमार हो गए, तो अपने आप को अधिक आराम, बेहतर भोजन और एक साधारण पारंपरिक प्राकृतिक चिकित्सा के साथ इलाज करने के बजाय, आप उस समय लोकप्रिय 'चमत्कार' दवा खरीदने के लिए डॉक्टर या दवा की दुकान पर गए, या आपका ऑपरेशन हुआ।

हमारी सदी में, दवा कंपनियों और उनके द्वारा काम पर रखे गए चिकित्सा शोधकर्ताओं ने डॉक्टरों और जनता से दूर दवा बनाने और प्रयोग करने का काम लिया और अपनी प्रयोगशालाओं में वापस चले गए।

वैज्ञानिक एकांत में, डॉक्टर-रोगी संबंधों की दुनिया से बहुत दूर, शोधकर्ताओं ने रासायनिक यौगिकों के साथ प्रयोग किया और प्राकृतिक पदार्थों जैसे कि पहले से प्रसिद्ध जड़ी-बूटियों या मूत्र में अलग-अलग चिकित्सकीय सक्रिय अवयवों का प्रयोग किया, और फिर इन तत्वों से दवाएं तैयार कीं।

मूत्र चिकित्सा के मामले में, मूत्र को उसके प्राकृतिक रूप में, या साधारण यूरिया के रूप में कई नैदानिक परीक्षणों में हमारी पूरी सदी में इस्तेमाल किया गया था, लेकिन ये अध्ययन कभी नहीं हुए।

Machine Translated by Google

प्रचारित किया गया, क्योंकि अधिकांश भाग के लिए, पेटेंट वाली दवाओं और सर्जरी के पक्ष में चिकित्सा पद्धति में प्राकृतिक दवाओं का उपयोग बंद कर दिया गया था।

आधुनिक चिकित्सा की हमारी नई प्रणाली के साथ, लोगों को अब यह महसूस नहीं हुआ कि उनके लिए यह जानना आवश्यक या महत्वपूर्ण था कि उनके शरीर ने कैसे काम किया या घर पर सरल तरीकों से खुद का इलाज कैसे किया जाए। अधिकांश उपभोक्ताओं ने महसूस किया कि शरीर का ज्ञान और इसे कैसे ठीक किया जाए, यह सबसे अच्छा वैज्ञानिकों और प्रशिक्षित डॉक्टरों और सर्जनों के हाथों में छोड़ दिया गया था, जो शरीर को हेरफेर करने और बदलने और बीमारी को हराने के बारे में इतना अधिक जानते थे।

इस परिदृश्य में, मूत्र चिकित्सा का उपयोग जनता के लिए महत्वपूर्ण नहीं था। किसी ने इसके बारे में बात नहीं की और न ही अपने परिवार और दोस्तों के साथ इस जानकारी को साझा किया जैसा कि वे बीते दिनों में करते थे। और भले ही आधुनिक शोधकर्ता मूत्र चिकित्सा के बारे में आश्चर्यजनक चीजें खोज रहे थे, इन खोजों को अकादमिक शोध की दीवारों के भीतर रखा गया था और जनता के साथ कभी भी या शायद ही कभी साझा नहीं किया गया था।

लेकिन क्या उपचार के लिए पारंपरिक और सामान्य ज्ञान के तरीकों को त्यागना सही था? क्या मूत्र चिकित्सा जैसी प्राकृतिक उपचार विधियों का हमारे जीवन में स्थान होना चाहिए या क्या हमें अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों और चिंताओं को डॉक्टरों और चिकित्सा शोधकर्ताओं को पूरी तरह से आत्मसमर्पण करना जारी रखना चाहिए? क्या वास्तव में रासायनिक दवाएं और सर्जरी हमारी सभी स्वास्थ्य समस्याओं का जवाब हैं? जैसा कि हम में से अधिकांश आज जानते हैं - वे नहीं हैं।

बीसवीं सदी के दौरान चिकित्सा विज्ञान ने कितनी ही अविश्वसनीय खोजें की हों, आज हम में से लाखों लोग बीमार हैं या यहाँ तक कि अपंग भी हैं। हमारे डॉक्टर नहीं जानते कि क्या करना है। हमारे वैज्ञानिक हमें बताते रहते हैं कि विज्ञान, दवाएं और सर्जरी हमें ठीक कर देंगे, लेकिन वे ऐसा नहीं करते।

जैसा कि स्वास्थ्य का विश्वासघात बताता है, हमारी आधुनिक चमत्कारी दवा वह चमत्कार नहीं है जिसे हमने सोचा था:

"जैसे-जैसे संक्रामक रोग कम होते गए, और पुरानी बीमारियाँ बीमारी में सबसे आगे बढ़ती गईं, एलोपैथिक चिकित्सा के किले में दरारें दिखाई देने लगीं। जिन तरीकों से जेनर, पाश्चर, कोच, फ्लेमिंग और साल्क अब काम नहीं कर रहा था। आधुनिक चिकित्सा तकनीकों में और खामियां और दुरुपयोग, सभी स्पष्ट हो गए हैं।

Machine Translated by Google

पहले के दशकों की अयोग्य सफलताएं आधुनिक चिकित्सा की विफलताओं के खिलाफ सामने आई हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में पुरानी बीमारी की महामारी, विशेष रूप से धमनी रोग और कैंसर, दवा और इसकी उच्च-तकनीक की तारकीय शर्मिंदगी है

हथियार, शस्त्र।

ये अपक्षयी बीमारियाँ - बैल की आँख की बीमारियाँ होने से बहुत दूर - शारीरिक प्रणालियों के जटिल रोग हैं जिन्हें व्यवस्थित रूप से संपर्क किया जाना चाहिए।

उनके साथ, विशिष्ट कारण/विशिष्ट चिकित्सा हस्तक्षेप का मॉडल बस काम नहीं कर रहा है। इससे भी बुरी बात यह है कि कई हस्तक्षेप, डॉक्टर के पर्चे की दवाओं से लेकर महंगी सर्जरी तक, जब डॉक्टरों और रोगियों द्वारा उनका अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग किया जाता है, तो वे अच्छे से अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

विडंबना यह है कि पिछली शताब्दी की आश्चर्यजनक दवाओं ने कभी भी उतना अच्छा काम नहीं किया जितना हमने सोचा था। चिकित्सा इतिहासकारों की रिपोर्ट है कि पिछले सौ वर्षों में रुग्णता और मृत्यु दर में नाटकीय सुधार न केवल डॉक्टरों के हस्तक्षेप के कारण, न ही मुख्य रूप से थे।

उन्नीसवीं शताब्दी के महान स्वास्थ्य सुधार चिकित्सा हस्तक्षेपों का परिणाम नहीं थे, बल्कि पोषण और रहने की स्थिति में बुनियादी सुधार थे जो इन हस्तक्षेपों (और अक्सर पहले) के साथ मेल खाते थे।

इसलिए भले ही हम मानते थे कि चेचक और टाइफाइड और अन्य भयानक बीमारियों से हमें बचाने के लिए ड्रग्स और चिकित्सा विज्ञान ही जिम्मेदार थे, यह कभी भी सच नहीं था। सच्चाई यह थी कि बीसवीं शताब्दी में हमें कम संक्रामक रोग मिले क्योंकि हमारे पास रहने की बेहतर स्थिति थी। इतिहास में पहली बार, हमारे पास व्यापक आधुनिक स्वच्छता, स्वच्छ पानी और पहले से कहीं अधिक और बेहतर भोजन वितरण था। सभ्य राष्ट्रों के आधुनिक वातावरण में, संक्रामक रोग गायब हो गए क्योंकि खुले सीवर, दूषित जल आपूर्ति और कुपोषित निकायों जैसे कीटाणुओं के प्रजनन के मैदान काफी हद तक समाप्त हो गए थे।

लेकिन चिकित्सा विज्ञान ने इन जबरदस्त स्वास्थ्य सुधारों के लिए अवांछनीय रूप से सबसे बड़ा श्रेय और सार्वजनिक प्रशंसा प्राप्त की। और चिकित्सा समुदाय आज भी हमें यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि हमारे शरीर में कुछ भी गलत हो जाए, इसका समाधान हमेशा दवाओं और सर्जरी के दायरे में ही मिलेगा।

Machine Translated by Google

यह सच है कि गंभीर देखभाल, स्वास्थ्य आपात स्थिति, संरचनात्मक विकृतियों या दुर्घटना के मामलों के लिए दवाएं और सर्जरी बेहद प्रभावी हो सकती हैं, लेकिन इन आक्रामक उपचारों को कभी भी रोज़मर्रा के चिकित्सा दृष्टिकोण में विकसित नहीं होना चाहिए, जिसका हम अनुबंध करने वाली प्रत्येक कल्पनीय बीमारी के लिए स्वचालित रूप से लगभग तुरंत सहारा लेते हैं।

पश्चिमी संस्कृति ने एक गंभीर त्रुटि की जब उसने दवाओं और सर्जरी के पक्ष में स्वास्थ्य के सभी प्राकृतिक दृष्टिकोणों को समाप्त कर दिया। प्राकृतिक उपचार के तरीके जो खतरनाक साइड इफेक्ट के बिना प्रतिरक्षा प्रणाली को धीरे से उत्तेजित और समर्थन करते हैं, उनके ऐसे फायदे हैं जो दवाओं और सर्जरी की पेशकश नहीं कर सकते हैं। और ऐसा नहीं था कि पारंपरिक प्राकृतिक स्वास्थ्य उपचार, जैसे कि मूत्र चिकित्सा, ने अतीत में काम नहीं किया था - यह बस ऐतिहासिक रूप से उन्हें हमेशा अच्छे पोषण और स्वच्छता और उचित स्वास्थ्य प्रथाओं के संदर्भ में लागू नहीं किया गया था क्योंकि यह ज्ञान हमारे पहले की सदियों में उपलब्ध नहीं था।

और जैसा कि बेस्ली बताते हैं, यह बेहद विडंबनापूर्ण था कि भले ही आधुनिक विज्ञान ने स्वास्थ्य पर आहार और विश्राम जैसे सामान्य ज्ञान कारकों के महत्व और प्रभाव को साबित कर दिया है, चिकित्सा समुदाय और उपभोक्ताओं ने इन निष्कर्षों को लगभग पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।

उदाहरण के लिए, यदि एक सामान्य उपभोक्ता को आज सोने में परेशानी हो रही है, तो संभावना है कि वह व्यक्ति तुरंत Nytol, या Sominex, या किसी भी नींद की गोली का सहारा लेगा, जिसे उसने टीवी पर दवा कंपनियों द्वारा विज्ञापित और प्रचारित देखा था, और कभी भी सरल विचार या प्रयास नहीं किया। प्राकृतिक समाधान जैसे टहलना या गर्म स्नान करना, या चाय का सुखदायक कप पीना, या पेपरोनी पिज्जा के देर रात के नाश्ते को खत्म करना जो पेट को परेशान कर रहा है और अनिद्रा का कारण बन रहा है - भले ही स्पष्ट वैज्ञानिक प्रमाण हों, सामान्य ज्ञान का उल्लेख नहीं करना , यह इंगित करता है कि विश्राम और आहार परिवर्तन अच्छी नींद को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं।

यही विरोधाभास यूरिन थेरेपी के लिए भी सही है। चिकित्सा वैज्ञानिकों ने बार-बार प्राकृतिक मूत्र और यूरिया की चिकित्सा प्रभावकारिता को साबित किया है, लेकिन चिकित्सा समुदाय और दवा कंपनियों ने इन शोध निष्कर्षों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है - जब तक कि निश्चित रूप से, पेर्गोनल या यूरोकाइनेज जैसे मूत्र का पेटेंट योग्य दवा रूप विकसित नहीं किया जा सकता है। .

Machine Translated by Google

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अधिकांश लोग और अभ्यास करने वाले डॉक्टर प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा के उपयोग के बारे में भूल गए, चिकित्सा शोधकर्ता मूत्र के औषधीय मूल्य के बारे में अविश्वसनीय चीजें खोज रहे थे।

इस सदी के दौरान, शोधकर्ताओं ने अपनी प्रयोगशालाओं में बैठे और देखा कि साधारण यूरिया या पूरे मूत्र ने रेबीज और पोलियो वायरस, तपेदिक, टाइफाइड, गोनोरिया, पेचिश बैक्टीरिया और कैंसर कोशिकाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

उन्होंने पाया कि मूत्र में अविश्वसनीय रूप से मूल्यवान और चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण तत्वों की एक विशाल सरणी होती है और उन्होंने नैदानिक परीक्षणों में हजारों रोगियों को मूत्र और यूरिया का इंजेक्शन लगाया और मौखिक रूप से प्रशासित किया।

उन्होंने देखा कि इसने कैंसर रोगियों के जीवन को बचाया, अस्थमा, एक्जिमा, काली खांसी, माइग्रेन, मधुमेह, ग्लूकोमा, संधिशोथ और कई अन्य बीमारियों को ठीक किया और राहत दी। लेकिन आम जनता को ऐसी खोजों के बारे में कभी नहीं बताया गया।

डॉक्टरों और उपभोक्ताओं को आज मूत्र से संबंधित दवाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है, लेकिन प्राकृतिक मूत्र के जबरदस्त समग्र मूल्य और स्वास्थ्य लाभों के बारे में कोई जानकारी नहीं है, जिससे दवा प्राप्त हुई थी। और चिकित्सा शोधकर्ता बिल्कुल कोई कारण नहीं देखते हैं कि हममें से किसी को इसके बारे में क्यों पता होना चाहिए। उनके अनुमान में हमें केवल यह जानने की जरूरत है कि उन्होंने एक बीमारी के लिए एक दवा विकसित की है और यह कहां या किस चीज से प्राप्त हुई है, इसका बहुत कम या कोई महत्व नहीं है।

तो क्यों मेरे जैसे कई लोग अब परिष्कृत 'आश्चर्य' दवाओं और सर्जरी का उपयोग करने के बजाय प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा को पुनर्जीवित और उपयोग कर रहे हैं? इसका उत्तर सरल है - ड्रग्स और सर्जरी ने काम नहीं किया, लेकिन यूरिन थेरेपी ने काम किया। -

मूत्र चिकित्सा आज फिर से ध्यान आकर्षित कर रही है क्योंकि जैसे-जैसे बीसवीं सदी करीब आ रही है, लाखों लोग जागरूक हो रहे हैं कि अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी प्रयोगशाला या ऑपरेटिंग कमरे में नहीं है।

हम में से कई अब महसूस करते हैं कि जब हमने अपने प्राकृतिक चिकित्सा दृष्टिकोण और आत्म-देखभाल के तरीकों को फेंक दिया, तो हमने उपचार में महत्वपूर्ण तत्वों को समाप्त कर दिया, जिन्हें दवाओं या शल्य चिकित्सा द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। स्वाभाविक रूप से होने वाली दवाओं के विपरीत, रासायनिक दवाएं अत्यधिक केंद्रित सिंथेटिक पदार्थ हैं। हां, ये असामान्य रूप से उच्च सांद्रता "नॉक-आउट पंच" उत्पन्न करने के लिए प्रतीत हो सकते हैं

Machine Translated by Google

रोग के लक्षण हैं, लेकिन क्या अच्छा है अगर दवा आपके स्वास्थ्य को एक ही नॉक-आउट पंच प्रदान करती है?

हम सोच सकते हैं कि हम बीमारी के खिलाफ लड़ाई जीत रहे हैं, लेकिन हम सभी जानते हैं कि हम युद्ध हार रहे हैं। एड्स महामारी और अन्य आधुनिक स्वास्थ्य महामारियों जैसे कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, क्रोनिक थकान सिंड्रोम, दुर्बल करने वाली एलर्जी, ऑटो-प्रतिरक्षा रोग, अल्सर, आदि को आधुनिक चिकित्सा द्वारा ठीक नहीं किया जा रहा है। और इस विफलता का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि ये आधुनिक महामारियां प्रतिरक्षा की कमी से होने वाली बीमारियां हैं जिनका इलाज दवाओं और सर्जरी जैसी प्रतिरक्षा-दमनकारी चिकित्सा द्वारा नहीं किया जा सकता है।

वास्तव में, हर एक दवा या सर्जिकल तकनीक जो किसी न किसी तरह से मौजूद है, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्यों को कमजोर और ख़राब करती है, इसलिए इन तरीकों के लिए प्रतिरक्षा-कमी वाले रोगों को ठीक करना असंभव है जो अब हमें मार रहे हैं और अपंग कर रहे हैं।

आज की स्वास्थ्य महामारियां कई पर्यावरणीय कारकों के परिणाम हैं जो हमारे शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा सुरक्षा को तनाव और नष्ट कर देती हैं, इसलिए दवाएं और सर्जरी जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को और कमजोर करती हैं, हमें ठीक करने या हमारी मदद करने के लिए कुछ भी नहीं करती हैं। वे अस्थायी रूप से बीमारी के लक्षणों के खिलाफ लड़ाई जीतते प्रतीत होते हैं, लेकिन अंत में वे मोम खो देते हैं क्योंकि वे उस चीज को दबा देते हैं और नष्ट कर देते हैं जो हमें अच्छी तरह से बनाती और रखती है - हमारे अपने प्राकृतिक शरीर की सुरक्षा।

बीसवीं शताब्दी में प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा को जनता द्वारा छोड़ दिया गया और भुला दिया गया क्योंकि हम इतने आश्वस्त थे कि दवाएं और सर्जरी हमारी सभी स्वास्थ्य समस्याओं का जवाब थी। लेकिन समय ने हमें हमारी गलती दिखा दी है।

जब हम प्रतिरक्षा-दमनकारी सिंथेटिक दवाओं और सर्जिकल तकनीकों पर पूरी तरह से निर्भरता के दशकों के अक्सर भयानक और घातक परिणामों को देखते हैं, तो हम सरल, सुरक्षित के साथ खुद की देखभाल करने की खोई हुई कलाओं को फिर से खोजने और फिर से सीखने के लिए इतिहास के पन्नों को चिंताजनक रूप से खोजते हैं। और स्वस्थ प्राकृतिक उपचार।

मूत्र चिकित्सा एक प्राकृतिक चिकित्सा है जो आज व्यापक रूप से ज्ञात नहीं है, लेकिन वास्तव में, यह एक खोई हुई चिकित्सा कला नहीं है। जैसा कि इस पुस्तक की सामग्री से पता चलता है, बीसवीं शताब्दी में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान द्वारा मूत्र चिकित्सा को बहुत अधिक जीवित रखा गया है, भले ही इसे शायद ही कभी प्रचारित किया गया हो।

वास्तव में, मूत्र चिकित्सा को आज भी पारंपरिक लोक उपचार के रूप में सटीक रूप से वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है, क्योंकि बीसवीं शताब्दी के दौरान इसका लगभग उपयोग किया गया है।

Machine Translated by Google

विशेष रूप से मुख्यधारा के चिकित्सा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं द्वारा और स्वयं उपभोक्ताओं द्वारा नहीं, लेकिन यह बदल रहा है।

तो, निष्कर्ष रूप में, यह वर्तमान पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का "सर्जरी और दवाएं हम सभी की जरूरत है" दर्शन है जो एक प्रमुख कारण है कि आपने और आपके डॉक्टरों ने कभी भी मेरी चिकित्सा के बारे में नहीं सुना है। लेकिन एक और बड़ा कारण है कि इतने कम लोग दुनिया की सबसे कम खर्चीली और सबसे शक्तिशाली और प्रभावी प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में इतना कम जानते हैं - बहुत ही सरलता से कहा गया है - कोई चिकित्सा नहीं है।

दवा और पैसा

मुझे लगता है कि हम में से अधिकांश इस धारणा के तहत हैं कि शिक्षाविदों के इन खोजी हॉल में, परोपकारी, डॉक्टर और शोध वैज्ञानिक अपने पेट्री डिश और टेस्ट ट्यूब पर परोपकारी रूप से गुलाम हैं, बुखार से नई चिकित्सा विधियों और इलाज की खोज कर रहे हैं जो शारीरिक पीड़ा को दूर और मिटा देंगे और बीमारी - और जैसे ही वे इन चमत्कारिक नई खोजों को बनाते हैं, वे तुरंत अपने अध्ययन के परिणामों को बीमार और पीड़ित लोगों की एक बेहद उम्मीद की दुनिया में जारी कर देंगे।

लेकिन जैसा कि हम चाहते हैं कि यह परिदृश्य सच हो, यह वास्तविकता नहीं है। वास्तविकता यह है कि चिकित्सा शोधकर्ता वे नहीं हैं जो अंततः यह तय करते हैं कि चिकित्सा अनुसंधान अध्ययनों के परिणामस्वरूप जनता को कौन से चिकित्सा उपचार मिलते हैं।

आज की चिकित्सा प्रणाली के वास्तुकार मुख्य रूप से चिकित्सा शोधकर्ता या डॉक्टर नहीं हैं, बल्कि दवा कंपनियां हैं। चिकित्सा अनुसंधान के लिए धन की आवश्यकता होती है और आधुनिक चिकित्सा के युग की शुरुआत से ही, शोधकर्ता उन निधियों की आपूर्ति के लिए काफी हद तक दवा कंपनियों पर निर्भर रहे हैं। कई बार हम सुनते हैं कि कंपनियां, न कि शोधकर्ता, हमें शोध खोजों के बारे में क्या सुनना चाहते हैं।

1900 के दशक की शुरुआत में महान फार्मास्युटिकल प्रगति जिसने हमें पहली नई टीके, पेनिसिलिन, एंटीटॉक्सिन और 'चमत्कारी' सल्फा दवाएं दीं, बड़े हिस्से में बायर और आईजी फारबेन जैसी बड़ी दवा कंपनियों द्वारा वित्तपोषित किया गया था। अब, जबकि इन दवा कंपनियों के मालिकों के कुछ परोपकारी हित हो सकते हैं, उनकी कंपनियों की जीवनदायिनी दवा नहीं, बल्कि पैसा थी।

Machine Translated by Google

जड़ी-बूटियों, होम्योपैथिक उपचार या मूत्र चिकित्सा जैसी सरल, सस्ती दवाएं जो रासायनिक दवा यौगिकों की तुलना में उतनी ही प्रभावी, सुरक्षित और बहुत कम खर्चीली दिखाई गई हैं, जनता के लिए बेहतर हो सकती हैं लेकिन वे दवा कंपनी के मुनाफे के लिए अच्छी नहीं हैं और इसलिए हैं प्रचारित और बेचा नहीं गया।

यह दवा उद्योग के सर्वोत्तम हित में है कि उन दवाओं और पारंपरिक उपचारों को अनदेखा और अमान्य कर दिया जाए जिनका पेटेंट नहीं कराया जा सकता है और जो बड़े लाभ का उत्पादन नहीं करते हैं। और सरल आर्थिक शब्दों में, इस तरह से कोई भी व्यवसाय जीवित रहता है और समृद्ध होता है - उन उत्पादों को बेचकर और बढ़ावा देकर जो सबसे अधिक पैसा कमाते हैं। फार्मास्युटिकल फर्मों को अपने स्वभाव से ही अपनी कंपनियों को जीवित रखने के लिए लाभ कमाने वाली दवाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

जिस तरह से हमारी चिकित्सा प्रणाली आज काम करती है, दवा कंपनियां प्राथमिक संस्थाएं हैं जो अनुसंधान को निधि देती हैं, और सरकारी अनुमोदन के लिए चिकित्सा उपचार का परीक्षण और तैयारी करती हैं, और यह दुनिया भर के कई देशों में भी सच है।

और एक कंपनी के लिए एक नई विधि के लिए अनुसंधान करना और अनुमोदन प्रक्रिया के माध्यम से इसे प्राप्त करना बेहद महंगा है - ऐसा करने के लिए प्रति उपचार अनुमानित $ 150 मिलियन खर्च हो सकता है। तो एक दवा कंपनी को चिकित्सा दृष्टिकोण को बढ़ावा देना होगा जो कंपनी को जीवित रहने के लिए बड़े "भुगतान" का आश्वासन देगा।

दुर्भाग्य से, दवा कंपनियों को जीवित और स्वस्थ रखने वाली दवाएं, भले ही वे सरकार द्वारा अनुमोदित हों, अक्सर लोगों को बीमार कर सकती हैं - या उन्हें मार भी सकती हैं।

डीईएस और थैलिडोमाइड जैसी दवाएं भले ही बड़े लाभ कमाने वाली रही हों, लेकिन बाद में उपभोक्ताओं पर भरोसा करने पर उन्होंने भयानक स्वास्थ्य विकार और भयानक भ्रूण विकृति पैदा की। मेटाबोलिक सिंथेटिक स्टेरॉयड, जिसे कभी चमत्कारिक मांसपेशियों के निर्माता के रूप में जाना जाता था और स्वतंत्र रूप से उपयोग किया जाता था, अब अपने कई उपयोगकर्ताओं को मार रहा है और अपंग कर रहा है। एस्पिरिन को परम चमत्कारिक बुखार और दर्द निवारक माना जाता था जब तक यह पता नहीं चला कि यह रेयेस सिंड्रोम का कारण बनता है जो बच्चों को मार सकता है और वयस्कों में गंभीर पेट से खून बह रहा हो सकता है।

तथ्य यह है कि मूत्र चिकित्सा जैसे सुरक्षित, सस्ते चिकित्सा दृष्टिकोणों पर शोधकर्ताओं द्वारा कितना भी शोध या कितने अद्भुत या सफल नैदानिक परीक्षण किए गए हैं, अगर इन उपचारों को दवा कंपनियों द्वारा लाभदायक नहीं माना जाता है, तो वे बस नहीं होंगे

Machine Translated by Google

दवा कंपनियों द्वारा 'उठाया' और सरकार की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया, जिसका अर्थ है कि जनता शायद कभी भी शोध के बारे में नहीं सुनेगी या इन पदार्थों के लाभ प्राप्त नहीं करेगी, चाहे वे कितने भी अद्भुत हों।

यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफआईडीए) आमतौर पर खुद चिकित्सा उपचारों पर शोध या परीक्षण नहीं करता है - ऐसा करने के लिए यह निजी कंपनियों पर निर्भर करता है। और इस तथ्य के कारण, FDA को इस बात का प्रत्यक्ष ज्ञान नहीं है कि कौन से उपचार प्रभावी और सुरक्षित हैं और कौन से नहीं; वे उस कंपनी पर भरोसा करते हैं जिसने उपचार विकसित किया है ताकि उन्हें बताया जा सके कि किन उपचारों का विपणन किया जाना चाहिए

उपभोक्ता।

पुस्तक के रूप में, स्वास्थ्य के विश्वासघात से पता चलता है:

"दवा उद्योग एक व्यवसाय है। एक खेदजनक कैच -22 में, फार्मास्युटिकल उद्योग के नियमन के लिए सूचना के मुख्य स्रोत स्वयं कंपनियां हैं। दवा उद्योग का 'प्रहरी', खाद्य एवं औषधि प्रशासन, परीक्षण मानकों को निर्धारित करता है और फिर कंपनियों द्वारा प्रस्तुत परीक्षण परिणामों का मूल्यांकन करता है।

यह निर्धारित करने में कि क्या कोई दवा 'सुरक्षित है, एफडीए नई दवाओं के नैदानिक परीक्षण नहीं करता है और केवल शायद ही कभी विषाक्तता परीक्षण चलाता है।

नतीजतन, एफडीए को अपने निर्णय उसी कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर करना चाहिए जो दवा का विपणन करना चाहता है। यदि प्रदान की गई जानकारी कपटपूर्ण है, तो एफडीए (और जनता) को इसके बारे में तब तक पता लगाने की संभावना नहीं है जब तक कि कोई महत्वपूर्ण समस्या न हो जाए ...

ऐसी स्थितियों में निहित हितों के टकराव के बावजूद, दवा कंपनियां सबसे आम बीमारियों और उनके संभावित उपचार पर शोध की प्रमुख शौकीन बनी हुई हैं। .

और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अनुसंधान रोग प्रबंधन के नए रासायनिक तरीकों - या कम से कम लक्षणों को खोजने पर केंद्रित है। वास्तव में, क्या एएच रॉबिंस या स्मिथक्लाइन या सीबा-गीगी से उन उपचारों (जैसे पोषण) पर अनुसंधान के लिए धन की उम्मीद की जा सकती है जिनका पेटेंट नहीं कराया जा सकता है और जो उनके बाजार हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं करेंगे?"

दवा और धन के इस दुर्भाग्यपूर्ण मिश्रण के परिणाम मूत्र और यूरिया चिकित्सा पर शोध के निष्कर्षों पर ध्यान न देने से परिलक्षित होते हैं। उदाहरण के लिए,

Machine Translated by Google

यूरिया, मूत्रवर्धक दवा, डायमॉक्स की तुलना में अधिक सुरक्षित, सरल, कम खर्चीला और अधिक प्रभावी मूत्रवर्धक दिखाया गया है (देखें यूरिया - एक पुराने एजेंट का नया उपयोग, अगला अध्याय)। फिर भी, द फिजिशियन डेस्क रेफरेंस में, डायमॉक्स का उल्लेख मूत्रवर्धक श्रेणी के तहत किया गया है, लेकिन यूरिया नहीं है - साधारण यूरिया के विपरीत, डायमॉक्स एक पेटेंट मिश्रित दवा है, जो यह सुनिश्चित करती है कि दवा से कंपनी के मुनाफे को अधिकतम और संरक्षित किया जाएगा।

पारंपरिक चिकित्सा समुदाय द्वारा औषधीय जड़ी-बूटियों का उपचार कैसे धन और दवा का मिश्रण नहीं है, इसका एक और उदाहरण है। जड़ी-बूटियों की प्रभावशीलता, सुरक्षा और विविध चिकित्सा अनुप्रयोगों को साबित करने वाले कई शोध अध्ययन हैं, फिर भी आप जिस भी पारंपरिक चिकित्सक से बात करते हैं, वह आपको बताएगा कि हर्बल दवा हास्यास्पद रूप से अवैज्ञानिक और अप्रभावी है।

डॉक्टर आपको यह बताते हैं, इसलिए नहीं कि यह सच है, बल्कि इसलिए कि उनका चिकित्सा प्रशिक्षण पूरी तरह से दवा उद्योग द्वारा प्रचारित दवा और शल्य चिकित्सा उपचार के आसपास केंद्रित है।

पुस्तक में, द साइंटिफिक वैलिडेशन ऑफ हर्बल मेडिसिन, लेखक, डैनियल मोवरे, सैकड़ों वैज्ञानिक अध्ययनों को सूचीबद्ध करते हैं जो न केवल जड़ी-बूटियों की औषधीय प्रभावशीलता को मान्य करते हैं, बल्कि कई मामलों में यह साबित करते हैं कि प्राकृतिक जड़ी बूटी या हर्बल अर्क उतना ही प्रभावी हो सकता है। इसके सिंथेटिक समकक्ष के रूप में।

उदाहरण के लिए, सिनकोना जड़ी बूटी मूल रूप से मलेरिया के इलाज के लिए इस्तेमाल की गई थी और चिकित्सकीय रूप से सिंथेटिक दवा कुनैन की तरह ही प्रभावी साबित हुई है - और जड़ी बूटी सुरक्षित और गैर-विषाक्त है।

लेकिन भले ही सिंथेटिक कुनैन के विकास से पहले अमेरिका में चिकित्सा उपयोग के लिए लाखों पाउंड सिनकोना का आयात किया गया था, लेकिन दवा कंपनियां आज कभी भी सिनकोना की सिफारिश या विज्ञापन करने पर विचार नहीं करेंगी। क्यों? क्योंकि सिंथेटिक दवाओं, जड़ी-बूटियों या अन्य साधारण दवाओं के विपरीत, पेटेंट कराया जा सकता है और अधिक लाभ के लिए बेचा जा सकता है।

और दुर्भाग्य से, अगर दवा कंपनियां एफडीए के लिए प्राकृतिक चिकित्सा जैसे कि मूत्र चिकित्सा को मंजूरी के लिए प्रस्तुत नहीं करती हैं, क्योंकि यह उनके लिए लाभहीन है, तो चिकित्सा उपयोग के लिए अनुमोदित नहीं होती है। इसका मतलब है कि न तो आप और न ही आपके डॉक्टर इसके बारे में सुनेंगे और न ही इसका इस्तेमाल करेंगे।

Machine Translated by Google

यूरिया को एफडीए द्वारा अनुमोदित किया गया है और जैसा कि आपने पढ़ा है, इसका उपयोग कई अलग-अलग व्यावसायिक रूपों में किया जाता है। लेकिन यूरिया अपने आप में बेहद सस्ती और गैर-पेटेंट योग्य है, इसलिए शोध अध्ययनों में सरल यूरिया का उपयोग करके वास्तव में महत्वपूर्ण और अक्सर आश्चर्यजनक चिकित्सा सफलताओं को कभी भी उचित मान्यता नहीं दी गई है, भले ही शोधकर्ताओं ने अक्सर इसके महत्व पर जोर दिया है और इसे लाने के लिए बार-बार लेकिन असफल प्रयास किए हैं। चिकित्सा समुदाय के ध्यान में जानकारी।

उपभोक्ताओं, और विशेष रूप से डॉक्टर, पिछले 50 वर्षों में दवा कंपनियों के प्रचार "एक दवा एक दिन बीमारी को दूर रखता है" के साथ पूरी तरह से और पूरी तरह से प्रेरित किया गया है, और प्राकृतिक मूत्र या यूरिया थेरेपी जैसे सरल, सुरक्षित तरीकों की उपेक्षा की है। लेकिन हम कैसे जानते हैं कि हमारे डॉक्टर सही हैं और दवा कंपनियां सच कह रही हैं जब वे कहते हैं कि हम जो दवाएं ले रहे हैं वे सुरक्षित और प्रभावी हैं और हम उन स्वास्थ्य विकारों को ठीक कर देंगे जिनके लिए हम उन्हें ले रहे हैं?

रासायनिक दवाएं - वे कितनी सुरक्षित और प्रभावी हैं?

बहुत से लोग मूत्र चिकित्सा की कोशिश करने से डरते हैं क्योंकि पारंपरिक डॉक्टरों द्वारा इसकी अनुशंसा नहीं की जाती है। और हमारे डॉक्टर, यदि हम उनसे पूछें, तो वे हमें बताएंगे कि उन्होंने इसके बारे में कभी नहीं सुना है और यदि उन्होंने किया है, तो वे इसकी अनुशंसा नहीं करते हैं क्योंकि यह कभी भी सुरक्षित या प्रभावी साबित नहीं हुआ है, जबकि वे जो दवाएं लिखते हैं वे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित साबित होती हैं और प्रभावी और इसलिए एफडीए अनुमोदन परीक्षण पारित किया है। दवा कंपनियां और शोधकर्ता हमें अपनी दवाओं के बारे में यही बातें बताते हैं।

और बेख़बर स्वास्थ्य देखभाल उपभोक्ताओं की तरह, जो हम में से बहुत से हैं, हम उन पर विश्वास करते हैं। लेकिन यह जानकारी, सीधे शब्दों में, एक बड़ा, मोटा झूठ है।

यह कथन कि यूरिन थेरेपी या हर्बल दवाएं खतरनाक, अप्रमाणित या "क्वैकेरी" हैं, और यह कि केवल एफडीए द्वारा अनुमोदित दवाएं और उपचार सुरक्षित और प्रभावी हैं, एक सरासर झूठ है।

जैसा कि आप अगले अध्याय में शोध अध्ययनों को पढ़ने के बाद देखेंगे, न केवल मूत्र चिकित्सा के विशाल वैज्ञानिक प्रमाण और इसके पक्ष में वैधता है, बल्कि दवाओं और सर्जरी के विपरीत, किसी भी व्यक्ति को कभी भी प्रतिकूल दुष्प्रभाव का सामना नहीं करना पड़ा है या उसकी मृत्यु नहीं हुई है।

Machine Translated by Google

लगभग 100 वर्षों की वैज्ञानिक जांच और उपयोग में औषधीय रूप से मूत्र और यूरिया का उपयोग करते हुए।

दूसरी ओर, किसी भी दवा की दुकान या किराने की दुकान के शेल्फ से किसी भी समय किसी के लिए उपलब्ध एडिसिन से अधिक, उनमें से केवल 1/3 को कभी सुरक्षित या प्रभावी होने के लिए प्रदर्शित किया गया है और सभी खतरनाक संभावित पक्ष साबित हुए हैं प्रभाव और अधिक मात्रा में मृत्यु भी हो सकती है।

और इसके लिए मेरा शब्द मत लो। सुनिए चिकित्सा अनुसंधान वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का एक बड़ा समूह इस मुद्दे के बारे में 1983 में लिखी गई पुस्तक में क्या कहता है, जिसका शीर्षक है ओवर द काउंटर पिल्स दैट डोंट वर्क। यह पुस्तक एक वास्तविक आंख खोलने वाली है, और आपको यह एहसास दिलाएगी कि सिर्फ इसलिए कि एक पदार्थ एफडीए द्वारा अनुमोदित है, स्टोर में काउंटर पर उपलब्ध है, या डॉक्टर की सिफारिश की गई है, यह जरूरी नहीं कि सुरक्षित और प्रभावी साबित हो:

"... हर दिन, टेलीविजन पर, रेडियो पर, समाचार पत्रों में, पत्रिकाओं में, दवा कंपनियां आपके लाखों डॉलर खर्च करती हैं ताकि आपको काउंटर दवाओं पर अपने विशेष और 'अद्वितीय' के चमत्कारों के बारे में बता सकें ..."

लेकिन इनमें से से भी कम काउंटर दवा सामग्री को उनके इच्छित उपयोग के लिए सुरक्षित और प्रभावी दिखाया गया है।

दूसरे शब्दों में, आपके द्वारा खरीदे जाने वाले कई ओटीसी [ओवर-द-काउंटर] दवा उत्पादों में एक या अधिक सामग्रियां होती हैं जो सुरक्षा, प्रभावशीलता, या दोनों के लिए संघीय दवा कानून मानकों को पूरा नहीं करती हैं।

अमेरिकी हर साल ओटीसी दवाओं पर 1.0 अरब डॉलर से अधिक खर्च करते हैं, कम से कम 3 या 4 अरब डॉलर अत्यधिक मूल्यवान उत्पादों या उत्पादों पर बर्बाद हो जाते हैं जिनमें सुरक्षा या प्रभावशीलता के सबूत की कमी होती है।

चूंकि सभी दवा सामग्री में जोखिम होते हैं, अतिरिक्त सामग्री जो प्रभावी नहीं होती हैं या जिनमें प्रभावशीलता के प्रमाण की कमी होती है, वे आपको क्षतिपूर्ति लाभ प्रदान किए बिना अतिरिक्त जोखिम के अधीन करते हैं। इसलिए जब आप ऐसी सामग्री वाले उत्पाद खरीदते हैं तो आप न केवल अपना पैसा बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि आप अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को भी जोखिम में डाल रहे हैं।

10 साल पहले, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने बड़ी संख्या में काउंटर ड्रग एडवाइजरी पैनल की स्थापना की - जिसमें चिकित्सक भी शामिल थे,

Machine Translated by Google

फार्मासिस्ट और अन्य तकनीकी रूप से योग्य लोग। उन्होंने समीक्षा की ... (OTC) दवाओं के लगभग 300,000 ब्रांडों में निहित सामग्री यह निर्धारित करने के लिए कि क्या ये सामग्री सुरक्षित या प्रभावी हैं_FDA के OTC ड्रग मूल्यांकन के निदेशक, डॉ विलियम गिल्बर्टसन के अनुसार, केवल "लगभग 1/3 सामग्री की समीक्षा की गई" पैनलों द्वारा उनके इच्छित उपयोगों के लिए सुरक्षित और प्रभावी दिखाया गया है।" ओटीसी दवा कंपनियों के दबाव में एफडीए अधिकारियों ने अपने पैनल के निष्कर्षों को लागू नहीं किया है।"

सुरक्षा और प्रभावशीलता के लिए अप्रमाणित होने वाली सैकड़ों दवाओं में NyQuil, Alka-Seltzer Bayer, Bufferin जैसी प्रसिद्ध और व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली दवाएं शामिल हैं।
Dristan, Anacin, Eticeskin, Cope, "डॉक्टर ने सिफारिश की" तैयारी एच और कई
अधिक।

वही डॉक्टर और चिकित्सा शोधकर्ता जिन्होंने इस पुस्तक को ओवर-द-ओवर लिखा था
काउंटर ड्रग्स, ने पर्चे वाली दवाओं के खतरों पर एक उपभोक्ता पुस्तक भी लिखी, जिसका शीर्षक है, पिल्स दैट डोंट वर्क:

"आप डॉक्टर के पास जाते हैं क्योंकि आप अच्छा महसूस नहीं करते हैं। आपकी बात सुनी जाती है (कभी-कभी), जांच की जाती है, परीक्षण किया जाता है और फिर डॉक्टर आमतौर पर आपके लिए एक या एक से अधिक नुस्खे लिखते हैं। आप दवा की दुकान पर नुस्खे भरने जाते हैं। तुम घर जाओ और गोलियां लेना शुरू करो। अब सब कुछ ठीक हो जाएगा, है ना? गलत।

न तो आप और न ही, कुछ मामलों में, यहां तक कि आपके डॉक्टर को भी यह एहसास नहीं होता है कि भरे गए हर आठ नुस्खे में से एक... ऐसी दवा के लिए है जिसे सरकार के अपने मानकों के अनुसार प्रभावी नहीं माना जाता है। चूंकि सभी दवाओं में जोखिम शामिल हैं, इसलिए प्रभावशीलता की कमी का मतलब है कि आप क्षतिपूर्ति लाभ प्राप्त किए बिना खुद को खतरों के प्रति उजागर कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में, लाभों बनाम जोखिमों को संतुलित करते हुए, ये दवाएं नरम नहीं हैं..."

स्वास्थ्य देखभाल उपभोक्ता आज प्रत्यक्ष रूप से लाभ पर आधारित चिकित्सा प्रणाली के पतन को देख रहे हैं और अनुभव कर रहे हैं और गलत धारणा से संतृप्त हैं कि मानव निर्मित दवाओं को सुरक्षित होने की गारंटी दी जा सकती है और प्रकृति की उपचार शक्ति को पूरी तरह से हड़प सकती है और सुरक्षित प्राकृतिक का उपयोग कर सकती है। उपचार के तरीके।

दुर्भाग्य से, कई मामलों में उपभोक्ता चिकित्सा सोच में इस त्रुटि को कठिन तरीके से सीख रहे हैं। 'असाध्य' वायरस, हेपेटाइटिस बी के लिए एक नई दवा पर हाल ही में एक समाचार-पत्र लेख बताता है कि यह सोच कितनी घातक हो सकती है:

Machine Translated by Google

मानव गिनी पिग का कहना है कि वह जीवित रहने के लिए भाग्यशाली है

एसोसिएटेड प्रेस - फीनिक्स के पॉल मेलस्ट्रॉम ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ को चेतावनी दी कि उन्होंने जो परीक्षण दवा ली थी, वह गंभीर दुष्प्रभाव पैदा कर रही थी। लेकिन किसी ने नहीं सुनी।

अब, वह एक दर्दनाक तंत्रिका विकार के साथ रहता है, लेकिन फिर भी खुद को भाग्यशाली मानता है। दवा का परीक्षण करने वाले पांच अन्य लोगों की मौत हो गई है।

प्रमुख संघीय चिकित्सा अनुसंधान एजेंसी, बेथेस्डा, एमडी में संस्थानों के अधिकारी स्वीकार करते हैं कि परीक्षण बहुत गलत था।

"तबाही" यह है कि कैसे मूल अध्ययन की देखरेख करने वाले संस्थानों के डॉ। जे एच। होफनागले ने इसका वर्णन किया।

संघीय खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिसने मानव परीक्षणों के लिए मंजूरी दी थी, जांच कर रहा है कि क्या गलत हुआ।

और यह कोई अकेली घटना नहीं है। जैसा कि स्वास्थ्य का विश्वासघात बताता है, दवा कंपनियों द्वारा दवा सुरक्षा परीक्षण गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि दवा उद्योग लगातार नए पंप करने की इच्छा रखता है, भले ही सट्टा, दवा उपचार:

"इन सट्टा दवा 'हथगोले' ने फार्मास्युटिकल इतिहास के दौरान काफी नुकसान किया है। सबसे प्रसिद्ध उदाहरण थैलिडोमाइड की त्रासदी थी, ट्रांक्विलाइज़र जिसके परिणामस्वरूप यूरोप और ग्रेट ब्रिटेन में हजारों विकृत बच्चे हुए।

फिर भी फार्मास्युटिकल उद्योग ऐसी दवाओं का उत्पादन और विपणन करना जारी रखता है जिनमें एक तुलनीय त्रासदी पैदा करने की क्षमता होती है ..."

अमेरिकी उपभोक्ताओं को विशेष रूप से चिकित्सा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों और परिणामों से खतरा है, क्योंकि हम आदतन बहुत सारी दवाएं लेते हैं:

वॉल स्ट्रीट जर्नल

Machine Translated by Google

मंगलवार, 11 जनवरी, 1994

"एक समाज के रूप में अमेरिकियों को अधिक दवा दी जाती है, कुछ विशेषज्ञों का कहना है, एक ऐसी संस्कृति के कारण जो अब दर्द के लिए भत्ता नहीं देती है। टेलीविजन या पत्रिकाओं में विज्ञापनों ने यह धारणा छोड़ दी है कि हर दर्द या समस्या को दूर करने के लिए एक गोली है दूर जाओ...

लेकिन उपभोक्ता फिर भी डॉक्टर के कार्यालय में खुद को ओवर-द-काउंटर दवाओं के लंबे समय तक उपयोग से उत्पन्न होने वाली जटिलताओं के लिए या अधिक गंभीर बीमारी की [अंतर्निहित] उपस्थिति को पहचानने में विफल होने के लिए खुद को पा सकते हैं।"

सिंथेटिक दवाओं पर हमारी निर्भरता के साथ एक और समस्या यह है कि चिकित्सा वैज्ञानिक "निर्णायक" डबल ब्लाइंड अध्ययन करके यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि सिंथेटिक दवाएं सुरक्षित और प्रभावी हैं, जो जोखिम कारकों को खत्म करने वाली हैं और यह दर्शाती हैं कि एक विशिष्ट दवा सभी पर एक निश्चित तरीके से काम करेगी। जिसमें वह विकार है जिसका इलाज दवा से किया जाना है।

लेकिन एक महत्वपूर्ण बात जो हमें खुद की देखभाल करते समय याद रखनी है, वह यह है कि हर बीमारी के लिए एक सामान्यीकृत शरीर या विशिष्ट कारण जैसी कोई चीज नहीं होती है।

और वास्तव में, पूरी तरह से निर्णायक डबलब्लाइंड ड्रग अध्ययन जैसी कोई चीज नहीं है क्योंकि कोई भी दो व्यक्ति बिल्कुल एक जैसे नहीं होते हैं, भले ही उन्हें एक ही बीमारी हो। तो एक व्यक्ति के लिए काम करने वाली दवा दूसरे व्यक्ति के लिए बिल्कुल भी अच्छी तरह से काम नहीं कर सकती है, भले ही दोनों में 'समान' विकार हों। नतीजतन, कोई भी डबल ब्लाइंड ड्रग अध्ययन कभी भी पूरी तरह से उद्देश्यपूर्ण नहीं होने वाला है या अंततः यह साबित करता है कि एक दवा इसे लेने वाले सभी को कैसे प्रभावित करेगी, जो एक और कारण है कि नशीली दवाओं के घातक परिणाम और अप्रत्याशित दुष्प्रभाव होते हैं।

हमें लगता है कि हम एफडीए और हमारे डॉक्टरों पर आँख बंद करके भरोसा कर सकते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे कहते हैं कि हम कर सकते हैं - लेकिन अंध विश्वास घातक हो सकता है।

अमेरिका में स्वास्थ्य देखभाल आज संकट में है, लेकिन समस्या बहुत कम पैसे की नहीं है, हमारे शरीर की वास्तविक स्वास्थ्य जरूरतों पर बहुत कम ध्यान दिया जा रहा है, जैसे कि हमारे शरीर की अपनी प्राकृतिक सुरक्षा को समर्थन और बढ़ाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पारंपरिक तरीकों और सामान्य ज्ञान के तरीकों जैसे कि अच्छा पोषण, संतुलित जीवन शैली, पर्याप्त आराम और सरल, सुरक्षित, प्राकृतिक दवाओं के माध्यम से रोग।

Machine Translated by Google

मैंने कई बार डॉक्टरों और चिकित्सकों से मूत्र चिकित्सा के बारे में पूछा है और अगर उन्होंने कभी इसके बारे में सुना भी है, (तब का 99%) नहीं), तो वे हमेशा मुझे बताते हैं कि, वे जो दवाएं लिखते हैं और सुझाते हैं, उनके विपरीत, यह सुरक्षित नहीं है, यह एक पुरानी पत्नियों की कहानी है, और यह कभी भी प्रभावी साबित नहीं हुई है।

लेकिन सच्चाई यह है कि मूत्र चिकित्सा सिद्ध और सुरक्षित है, रासायनिक दवाओं से कहीं अधिक है। और दवाओं और दवा उद्योग के बारे में वास्तविक तथ्यों को देखते हुए यह भयावह रूप से स्पष्ट है कि वास्तविक, प्रमाणित जोखिम वे नहीं हैं जो मूत्र चिकित्सा जैसे प्राकृतिक उपचार के सही तरीके से उपयोग किए गए हैं, बल्कि नियमित, अनावश्यक सर्जरी और खतरनाक नुस्खे द्वारा और अधिक- काउंटर पर मिलने वाली रासायनिक दवाएं, जिनका विपणन भोजन, कपड़े और कपड़े धोने के साबुन के रूप में स्वतंत्र रूप से किया जाता है।

मूत्र के अर्क में क्या गलत है?

मूत्र पर चिकित्सा अनुसंधान को पढ़ने के बाद लोग हमेशा प्रभावित होते हैं, लेकिन वे अक्सर पूछते हैं कि क्या इसे अर्क या दवा के रूप में उपयोग करना आसान और बेहतर नहीं होगा। लेकिन स्वास्थ्य समस्याओं और दवाओं से होने वाले दुष्प्रभावों के अलावा, ऐसे अन्य कारण भी हैं जिनकी वजह से मूत्र के अर्क और दवाएं प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा की जगह नहीं ले सकती हैं।

जब व्यक्तिगत स्वास्थ्य की बात आती है तो व्यक्तिगत शरीर के रसायन विज्ञान, अवशोषण दर, प्रतिक्रियाओं आदि में असंख्य चर या अंतर होते हैं, और यहां तक कि ये कारक एक ही शरीर के भीतर बदलते हैं, इसलिए कई मामलों में सटीक दवा ढूंढना बेहद मुश्किल हो सकता है या चिकित्सा जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए काम करती है।

लेकिन यह तथ्य है कि प्रत्येक शरीर इतना अलग है कि संपूर्ण, प्राकृतिक मूत्र को औषधि के रूप में इतना मूल्यवान बना देता है।

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि मूत्र में हजारों तत्व होते हैं जो हैं

विशेष रूप से प्रत्येक व्यक्ति के शरीर के लगभग हर कार्य से संबंधित:

"मूत्र को एक दर्पण के रूप में संदर्भित किया गया है जो व्यक्ति के शरीर के भीतर की गतिविधियों को दर्शाता है ... मूत्र पूरे शरीर के कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।"

— नैदानिक और प्रयोगशाला अभ्यास में मूत्रालय

जब आप अपने स्वयं के मूत्र का औषधीय रूप से उपयोग करते हैं, तो आपको प्रोटीन या एंटीबॉडी या हार्मोन, आदि सही एकाग्रता और संरचना में मिलते हैं, जिसे हमारे अपने शरीर ने बनाया है या स्वास्थ्य के लिए खतरा है।

Machine Translated by Google

और इनमें से प्रत्येक चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण तत्व हजारों अन्य महत्वपूर्ण मूत्र घटकों के साथ एक परिपूर्ण और अत्यधिक जटिल अंतर्संबंध में है। लेकिन जब हम चिकित्सा उपयोग के लिए अलग मूत्र सामग्री निकालते हैं तो प्राकृतिक घटकों का यह महत्वपूर्ण संबंध पूरी तरह से खो जाता है।

चिकित्सा शोधकर्ता इन मूल्यवान मूत्र घटकों को निकालना चाहते हैं ताकि वे उन्हें दवा उत्पादों में परिवर्तित कर सकें जिन्हें उपभोक्ताओं के लिए बड़े पैमाने पर विपणन किया जा सके।

लेकिन व्यावसायिक रूप से उत्पादित मूत्र के अर्क आपके अपने मूत्र से तुलनीय नहीं हैं क्योंकि आपके मूत्र में ऐसे तत्व होते हैं जो आपकी सटीक स्वास्थ्य स्थिति और शरीर के कार्यों को दर्शाते हैं और उनका इलाज करते हैं - और ये तत्व एक अर्क या दवा में दोहराए जाने के लिए बहुत जटिल हैं।

उदाहरण के लिए, जैसा कि अगले समाचार पत्र के लेख से पता चलता है, शोधकर्ता मूत्र से एक घटक निकालने पर विचार कर रहे हैं जो स्वस्थ नींद को बढ़ावा देने के लिए सिद्ध हुआ है ताकि वे इसे दवा के रूप में उपयोग कर सकें:

कारक एस:

मूत के लिए सहायता, मूत घंटे

मानव मूत्र में एक रहस्यमय जैव रासायनिक पदार्थ पाया गया है जो सुरक्षित और स्वाभाविक रूप से गहरी नींद लाता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय और शिकागो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा "फैक्टर एस" डब किया गया, यह पदार्थ स्वस्थ नींद के प्रमोटर के रूप में विशेष रूप से प्रभावी साबित हुआ है ...

जैव रासायनिक के व्यापक परीक्षण जारी हैं लेकिन फ़ैक्टर एस के व्यावसायिक रूप से उत्पादित संस्करण को जनता के लिए उपलब्ध होने में कुछ साल लगने की उम्मीद है।

अब यह लेख हमें विश्वास दिलाएगा कि हम फैक्टर S . के लाभों का उपयोग नहीं कर सकते हैं

जब तक व्यावसायिक रूप से निर्मित 'दवा संस्करण' जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराया जाता है। लेकिन जैसा कि मूत्र चिकित्सा अनुसंधान से पता चलता है, हम मूत्र को उसके प्राकृतिक रूप में उपयोग कर सकते हैं और दवा के संस्करण की प्रतीक्षा किए बिना या नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के लिए खुद को उजागर किए बिना इसके अद्भुत लाभों का अनुभव कर सकते हैं।

Machine Translated by Google

और महत्वपूर्ण कारण हैं कि हमें मूत्र के अर्क या सिंथेटिक दवा रूपों के बजाय प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा का उपयोग क्यों करना चाहिए।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि शोधकर्ता सफलतापूर्वक "फैक्टर एस" दवा का उत्पादन करते हैं और आप नींद से पीड़ित हैं। आप अपने डॉक्टर के पास जाते हैं और आपको दवा दी जाती है जिससे आपको अच्छी नींद आएगी। लेकिन आप और डॉक्टर जो नहीं जानते हैं वह यह है कि आपकी अनिद्रा एक अज्ञात खाद्य एलर्जी के कारण होती है जो नींद की दवा लेने से ठीक नहीं होती है। आप कुछ हफ्तों के लिए दवा लेते हैं, लेकिन अब आपको दिन में सिरदर्द, चक्कर आना और उनींदापन के दुष्प्रभाव हो रहे हैं। तो आप फैक्टर एस दवा लेना बंद कर दें।

लेकिन जैसे ही आप दवा लेना बंद कर देते हैं, आपका स्लीपिंग डिसऑर्डर वापस आ जाता है, क्योंकि अनिद्रा का कारण बनने वाली एलर्जी की कभी पहचान या इलाज नहीं किया गया है।

यदि आपने इस परिदृश्य में प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा का उपयोग किया था, बजाय इसके कि

फैक्टर एस दवा, आप अपनी अनजान एलर्जी का इलाज और उपचार कर सकते थे क्योंकि आपके मूत्र में खाद्य एलर्जी को दूर करने के लिए आवश्यक सटीक एंटीबॉडी था, और साथ ही, आप अपने नींद विकार को हल कर चुके थे क्योंकि एलर्जी के कारण यह हो गया था सफाया - बिना किसी कीमत के और बिना साइड इफेक्ट के खतरे के।

जब हम मूत्र का एक घटक या किसी प्राकृतिक औषधीय पदार्थ का सेवन करते हैं, तो हम अक्सर अन्य सभी अवयवों के असाधारण लाभों से चूक जाते हैं।

यहां तक कि कुछ डॉक्टर खुद भी अब बीमारी के इलाज में प्राकृतिक पदार्थ के बजाय प्राकृतिक पदार्थ के सिर्फ एक निकाले गए तत्व का उपयोग करने की समझदारी पर सवाल उठा रहे हैं। डॉ. एंड्रयू वेइल, एमडी, चिकित्सा में प्राकृतिक औषधीय पौधों के उपयोग पर एक मजबूत पृष्ठभूमि के साथ एक नाक और प्रमाणित अमेरिकी चिकित्सक हैं, जो अब अपने रोगियों के इलाज में प्राकृतिक पौधों का उपयोग करते हैं।

डॉ. वेइल ने अपने स्वयं के शोध और अभ्यास में देखा है कि पौधे के परिष्कृत व्युत्पन्न के बजाय प्राकृतिक पौधों के उपचार का उपयोग करना सुरक्षित और अक्सर अधिक प्रभावी होता है। उन्होंने देखा है, जैसा कि कई अन्य डॉक्टरों ने देखा है, कि पृथक अर्क आमतौर पर उनके प्राकृतिक स्रोतों की तुलना में अधिक जहरीले होते हैं और कभी-कभी वे प्राकृतिक स्रोतों के समान चिकित्सा लाभ देने में भी विफल होते हैं:

Machine Translated by Google

"ड्रग प्लांट्स के सक्रिय सिद्धांतों को अलग करने के उनके उत्साह में, शोधकर्ताओं ने एक गंभीर गलती की। उन्हें विश्वास हो गया कि एक पौधे के सभी वांछनीय गुणों का हिसाब एक ही यौगिक द्वारा किया जा सकता है ... यह गलत विचार है कि पौधे और पृथक सक्रिय सिद्धांत बराबर हैं औषध विज्ञान और चिकित्सा में निश्चित हठधर्मिता बन गए हैं... [लेकिन] शुद्ध दवाएं वैसी नहीं होतीं, जैसी वे पौधों से आती हैं।"

— संपूर्ण पौधों के उपयोग का मूल्य स्वास्थ्य और उपचार

मूत्र के मुख्य ठोस घटक यूरिया पर किए गए शोध खोजों से पता चलता है कि मूत्र के अर्क की तुलना में संपूर्ण मूत्र एक अधिक वांछनीय दवा क्यों है, इसका एक और अच्छा उदाहरण है।

शोधकर्ताओं ने लगभग सौ साल पहले खोज की थी कि केंद्रित यूरिया स्वयं रोग बैक्टीरिया और वायरस के कई अलग-अलग उपभेदों को नष्ट कर सकता है, लेकिन कुछ अन्य जीवाणु उपभेदों, जैसे कि तपेदिक पर कम प्रभावी लग रहा था। लेकिन भले ही यूरिया टीबी को मारने में कम प्रभावी है, लेकिन 1950 के दशक में, शोध ने साबित कर दिया कि पूरे मूत्र को तेजी से और कई मामलों में टीबी बैक्टीरिया को पूरी तरह से बाधित और नष्ट करने के लिए दिखाया गया है!

इस कहानी के बारे में दुर्भाग्यपूर्ण चीजों में से एक यह है कि जिस शोधकर्ता ने मूत्र के टीबी विरोधी गुणों की खोज की, यह घोषणा करने के बजाय कि मूत्र अनिवार्य रूप से टीबी का इलाज कर सकता है, इसके बजाय टीबी बैक्टीरिया को मारने वाले मूत्र घटक को पहचानने और अलग करने की असफल कोशिश में वर्षों बिताए ताकि एक इससे दवा तैयार की जा सकती है।

आप सोच सकते हैं कि आधुनिक एंटीबायोटिक दवाओं के इस दिन में, टीबी एक प्रासंगिक मुद्दा नहीं है, लेकिन यह है:

अमेरिका में क्षय रोग बढ़ रहा है

एसोसिएटेड प्रेस

शुक्रवार, 8 अक्टूबर 1993

Machine Translated by Google

वाशिंगटन - तपेदिक के नए मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं...कांग्रेस के विश्लेषकों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

"यह एक द्रुतशीतन रिपोर्ट है; यह हमारी सार्वजनिक-स्वास्थ्य प्रणाली का अभियोग है," प्रतिनिधि एड टाउन, डीएन.वाई, हाउस गवर्नमेंट ऑपरेशंस उपसमिति ऑन ह्यूमन रिसोर्सेज के अध्यक्ष ने कहा ...

कांग्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि टीबी विरोधी दवाओं के प्रतिरोधी उपभेदों के उद्भव के कारण तपेदिक से निपटने के प्रयास जटिल हैं ..."

एक डॉक्टर के प्रकाशन में हाल ही के एक लेख में यह भी पता चला है कि टीबी अब बच्चों में एक खतरनाक दर से बढ़ गया है, और यहां तक कि मौत का कारण भी बन रहा है, क्योंकि यह रोग वयस्कों की तुलना में बच्चों को बहुत अधिक प्रभावित करता है। और डॉक्टरों को इस नई टीबी महामारी से निपटना बेहद मुश्किल हो रहा है क्योंकि इसका आसानी से गलत निदान किया जाता है और अब यह टीबी विरोधी दवाओं के लिए प्रतिरोधी है।

— अमेरिकन मेडिकल न्यूज

फ़रवरी 14, 1994

प्राकृतिक पदार्थों से अलग तत्वों को अलग करना और उन्हें सिंथेटिक दवा के रूप में परिष्कृत या रासायनिक रूप से कॉपी करना कोई चमत्कारिक तकनीक नहीं है, जिस पर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान हमें विश्वास करेगा। बीसवीं शताब्दी के दौरान वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने उपभोक्ताओं को सिखाया कि शुद्ध और परिष्कृत पृथक अर्क कहीं अधिक प्रभावी और उतने ही सुरक्षित थे जितने कि वे प्राकृतिक पदार्थों से प्राप्त हुए थे, लेकिन समय ने उन्हें गलत साबित कर दिया है।

न केवल सैकड़ों दवाएं हैं जिनका हम नियमित रूप से हर रोज अप्रमाणित और संभावित रूप से खतरनाक उपयोग करते हैं, बल्कि यह लगातार दवा लेने से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने की क्षमता में भी हस्तक्षेप होता है।

जैसा कि टीबी पर आर्टाइड और इसके जैसे अन्य लोगों से पता चलता है, बैक्टीरिया सफलतापूर्वक हमारी दवाओं के अनुकूल हो रहे हैं, लेकिन जाहिर है, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली ने बैक्टीरिया के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं की है, क्योंकि हमने रासायनिक दवाओं के साथ अपनी प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं और कार्यों को लगातार ओवरराइड किया है। अब दवाएं काम नहीं करतीं - तो वह हमें कहां छोड़ती है? यह हमें, सभी खातों से, गंभीर संकट में छोड़ देता है।

Machine Translated by Google

रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अस्पतालों में, एक प्रमुख रोग पैदा करने वाला जीवाणु अब एंटीबायोटिक दवाओं के लिए प्रतिरोधी बन गया है जो आमतौर पर संक्रमित रोगियों के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है:

1992 में, सीडीसी ने बताया कि सालाना 2 मिलियन से अधिक रोगी संक्रमण से पीड़ित होते हैं; 1992 में, 19,027 लोगों की अस्पताल में अनुबंधित संक्रमणों से मृत्यु हुई, और अन्य 58,092 लोगों की मृत्यु उन कारणों से हुई जिनके कारण इस तरह के संक्रमणों ने योगदान दिया था।

- एसोसिएटेड प्रेस

इसमें कोई संदेह नहीं है कि दवाएं और सर्जरी दवा में एक भूमिका निभाते हैं, लेकिन गंभीर संक्रामक रोगों के इलाज में भी इन उपचारों की अपनी सीमाएं हैं। उपभोक्ताओं के दैनिक स्वास्थ्य शस्त्रागार में मजबूत सिंथेटिक दवाओं का कोई स्थान नहीं है।

एकमात्र वास्तविक कारण है कि हम और हमारे डॉक्टर अब बिना सोचे-समझे और नियमित रूप से दवाओं और सर्जरी का अत्यधिक उपयोग करते हैं, क्योंकि उन्हें दवा उद्योग द्वारा बहुत अधिक बढ़ावा दिया जाता है जो हर साल इन तरीकों से अरबों डॉलर कमाता है।

लेकिन आपको अपनी मेहनत की कमाई को असुरक्षित, अनुपयुक्त दवाओं पर खर्च करने और ठीक होने के लिए रासायनिक दवाओं या सर्जरी से अपने स्वास्थ्य को खतरे में डालने की जरूरत नहीं है।

जैसा कि अब कई डॉक्टर खुद मानते हैं, पारंपरिक प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियां जैसे मूत्र चिकित्सा पूरी तरह से मान्य हैं, हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य उपचार और निवारक स्वास्थ्य देखभाल में एक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए।

क्या डॉक्टर वास्तव में सर्वश्रेष्ठ जानता है?

यदि आप अभी भी मूत्र चिकित्सा की कोशिश करने के बारे में आशंकित महसूस करते हैं क्योंकि आपका डॉक्टर इसकी अनुशंसा नहीं करता है, तो विचार करें कि पारंपरिक चिकित्सक वास्तव में वास्तविक उपचार के बारे में क्या जानते हैं - तब भी जब वे अपनी पारंपरिक चिकित्सा तकनीकों का उपयोग करते हैं।

अपनी पुस्तक, व्हाट योर डॉक्टर डिड नॉट इन मेडिकल स्कूल...और आप इसके बारे में क्या कर सकते हैं! में, डॉ. स्टुअर्ट एम. बर्जर, एमडी हमारे मेडिकल स्कूल के नियमों और शिक्षण प्रथाओं में भ्रांतियों और खामियों के बारे में बताते हैं।

डॉ बर्जर टफ्ट्स मेडिकल स्कूल, हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ और न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी अस्पताल में अपनी चिकित्सा शिक्षुता के बारे में बताते हैं, जहां उन्होंने

Machine Translated by Google

और उसके सहपाठियों के पास उपलब्ध सबसे परिष्कृत अंतरिक्ष-युग की चिकित्सा तकनीकों तक पहुंच थी, जिसमें कुशल शल्य चिकित्सा तकनीकें शामिल थीं जो मृत्यु को टालती प्रतीत होती हैं।

"हम बहुत अधिक मात्रा में सीख रहे थे" डॉ. बर्जर कहते हैं, "लेकिन क्या हम सीख रहे थे कि हमें क्या करना चाहिए? हम डॉक्टर बन रहे थे, यह सुनिश्चित करने के लिए, लेकिन क्या हम बेहतर चिकित्सक बन रहे थे?"

बाद में अपने जीवन में, जब डॉ. बर्जर की मां की लगभग एक गलत कैंसर निदान के कारण मृत्यु हो गई, तो उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से उस चिकित्सा प्रणाली के घातक विघटन को देखा, जिसके तहत उन्हें और सभी एलोपैथिक डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया जाता है। जैसा कि डॉ. बर्जर बताते हैं। हमें, उनकी मां का जीवन, लेकिन उनके हस्तक्षेप के लिए, उनके डॉक्टरों के कुप्रबंधन के कारण खो गया होगा:

"वह सबसे घातक, दुर्बल करने वाले एजेंटों से भरे होने से केवल कुछ ही दिन दूर आई थी - ड्रग्स जो उसे अपंग करने या यहां तक कि उसे मारने में सक्षम थे, एक कैंसर के लिए जो उसे कभी नहीं था ...

देरी, कुप्रबंधन, [और] एक चिकित्सा प्रणाली के अनावश्यक जहरीले हस्तक्षेपों के कारण उसके जीवन को जब्त कर लिया जा सकता था।

मैं यह भी जानता हूं कि हमारी चिकित्सा प्रणाली में भाग लेने वाले प्रत्येक पुरुष, महिला और बच्चे के बारे में भी यही सच है - और इसका मतलब है कि हम सभी। यह खेदजनक स्थिति अमेरिकी चिकित्सा का एक सरल तथ्य है, जो आपके लिए, आपके प्रियजनों के लिए और आपके दोस्तों के लिए सच है।

सच्चाई यह है कि हमारी चिकित्सा प्रणाली कैसे काम करती है, इसके कारण हम सभी जोखिम में हैं। या, इसे दूसरे तरीके से कहें, तो हमारे डॉक्टरों ने मेडिकल स्कूल में क्या नहीं सीखा।"

आज कई अन्य कर्तव्यनिष्ठ डॉक्टरों की तरह, बर्जर सभी से जागरूक उपभोक्ता बनने का आग्रह करता है। जैसा कि बर्जर और हम में से हजारों ने अनुभव किया है - आपका जीवन इस बात पर निर्भर हो सकता है कि आप क्या जानते हैं, न कि आपके डॉक्टर, चिकित्सा उपचार और अपने शरीर के बारे में जानते हैं।

मॉडम मेडिसिन के खतरों पर एक और अच्छी किताब है मेडिसिन ऑन ट्रायल बाय चार्ल्स इनलैंडर, लोवेल लेविन और एड वेनर। लोवेल लेविन येल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में प्रोफेसर हैं:

Machine Translated by Google

"इस पुस्तक के तेरह अध्यायों में से बारह विशेष रूप से एक अनजान जनता [चिकित्सा पेशे द्वारा] पर किए गए कदाचार और तबाही के सबूत के लिए समर्पित हैं। 'गंभीर' एक शब्द है ... किसी को आश्चर्य होगा कि इस पुस्तक में तथ्य क्यों प्रस्तुत किए गए हैं अब तक जनता के सामने जबरदस्ती नहीं रखा गया है।

चिकित्सा के माननीय पेशे ने अपनी गलतियों के तथ्यों को अपने तक ही क्यों रखा है? क्या चिकित्सा का पेशा इतना घिनौना है कि वह उन लोगों के जीवन को जोखिम में डालने को तैयार है जिनके भरोसे को वह प्राप्त है? क्या [चिकित्सा] पेशा और उसके संस्थान इतने निंदक हो सकते हैं कि मरीजों और जनता के साथ इतना व्यवहार कर सकें कि यह समझने में असमर्थ हैं कि क्या हो रहा है?

लोगों को लगता है कि चिकित्सक सर्वज्ञ और पूरी तरह से समर्पित देखभाल करने वाले नहीं हो सकते हैं जो संगठित दवा के छवि निर्माता विज्ञापन करते रहे हैं। परिवार और दोस्तों के व्यक्तिगत अनुभव दवा के मिट्टी के पैरों की वास्तविकता को घर ले जाते हैं।

ऐसे संकेत बढ़ रहे हैं कि जनता के पास पर्याप्त कवर-अप और एकमुश्त छल है। लोग मूर्ख नहीं हैं, भले ही उन्हें मूर्ख बनाया गया हो, या अधिक संभावना है, यह विश्वास करने के लिए कि चिकित्सा देखभाल एक चिकित्सा चमत्कार से दूसरे तक प्रगति के एक स्थिर पाठ्यक्रम पर है। कैंसर के खिलाफ युद्ध जीतने के बारे में अत्यधिक बिक्री और प्रचार एक उदाहरण है... हमें दवा की सफलताओं के बारे में काफी संख्या में जनसंपर्क विज्ञप्तियां दी गई हैं, इसके नकारात्मक पहलू को चित्रित करने के लिए बहुत कम या कोई प्रयास नहीं किया गया है।

सरकारी अध्ययन अब चिकित्सकों की योग्यता (या उसकी कमी) के बारे में सवाल उठाते हैं ... उनके गलत निदान, अनावश्यक या अक्षम सर्जरी, दवा में त्रुटियां, उपेक्षा और उच्च अस्पताल संक्रमण दर ... धन, शक्ति, प्रतिष्ठा और अहंकार सुधारवादियों को पकड़ने की साजिश करते हैं [चिकित्सा प्रणाली के अंदर] सीमांत तक, बड़े पैमाने पर कॉस्मेटिक परिवर्तन।"

जो कोई भी वर्तमान में किसी भी प्रकार की डॉक्टर-अनुशंसित और माना जाता है कि किसी भी प्रकार की चिकित्सीय दवा ले रहा है, उसे एलेन हॉजसन ब्राउन और लिन पैगे वॉकर की पुस्तक, द इंफॉर्मेड कंज्यूमर फार्मेसी, द एसेंशियल गाइड टू प्रिस्क्रिप्शन और ओवर-द-काउंटर ड्रग्स को पढ़ने की जरूरत है। यह पुस्तक उपलब्ध चिकित्सीय दवाओं के लिए सबसे स्पष्ट, सबसे व्यापक गाइडों में से एक है, और यदि आप अपने अच्छे स्वास्थ्य को महत्व देते हैं, तो आप निश्चित रूप से इसे पढ़ना चाहेंगे।

सूचित उपभोक्ता की फ़ार्मेसी टिप्पणी के लेखक के रूप में:

Machine Translated by Google

"नशीले पदार्थों का ओवरडोज़ आत्महत्या का सबसे लोकप्रिय रूप है, लेकिन कम मात्रा में दवाएं निश्चित रूप से मार सकती हैं। टाइम बम की तरह, वे अधिक धीरे-धीरे कार्य करते हैं। ऑटो दुर्घटनाओं की तुलना में हर साल अधिक अमेरिकी ड्रग्स द्वारा मारे जाते हैं। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन का अनुमान है कि सभी बीमारियों का एक तिहाई 'आईट्रोजेनिक' हो सकता है - जो दवाओं और इलाज के उद्देश्य से अन्य चिकित्सा उपचारों के कारण होता है।

यह भी अनुमान लगाया गया है कि 70-80 प्रतिशत लोग जो डॉक्टरों के पास जाते हैं, उनके साथ कुछ भी गलत नहीं है जो उनके जीवन के तनावों से छुट्टी, वेतन वृद्धि या राहत से दूर नहीं होगा। अन्य 10 प्रतिशत को ऐसी बीमारियाँ हैं जिनका कोई इलाज नहीं है। केवल 10 प्रतिशत को ही दवाओं या सर्जरी से फायदा होगा। फिर भी 57 प्रतिशत या उससे अधिक नुस्खे के साथ आते हैं।"

17 अगस्त, 1993 को न्यूयॉर्क टाइम्स मेडिकल साइंस सेक्शन ने बताया कि नए शोध निष्कर्ष बताते हैं कि प्लेसबो लेने के बाद स्वास्थ्य शिकायतों के लिए प्लेसबो के साथ इलाज करने वाले दो-तिहाई रोगियों में सुधार होता है - यह मूल रूप से गणना किए गए रोगियों से दोगुना है। नई दवाओं का परीक्षण करने वाले शोधकर्ताओं द्वारा।

एक प्लेसबो एक चीनी की गोली या एक दवा है जिसका इलाज किए जा रहे लक्षणों पर कोई उद्देश्य प्रभाव नहीं पड़ता है। लेख में उद्धृत एक डॉक्टर का सुझाव है कि सभी डॉक्टरों को रोगियों को दवाएं देकर अपने लाभ के लिए प्लेसबो प्रभाव का उपयोग करना शुरू कर देना चाहिए, भले ही डॉक्टर को पता न हो कि रोगी की बीमारी क्या है, या यदि रोगी वास्तव में बीमार है: "यदि कोई डॉक्टर वह जो कर रहा है उस पर विश्वास करता है और रोगी को यह बताता है कि यह अच्छी दवा है।"

अध्ययनों से पता चलता है कि आज अधिकांश अमेरिकी इतने आश्वस्त हैं कि उनके "डॉक्टर बेहतर जानते हैं" कि वे तब भी बेहतर हो जाते हैं, जब उन्हें दिए गए मादक द्रव्य का उस विकार के इलाज से कोई लेना-देना नहीं होता है जिससे वे पीड़ित हैं।

तो, संक्षेप में, आपके डॉक्टर ने आपके लिए एक अनावश्यक या गलत दवा का चयन किया हो सकता है, लेकिन आप बेहतर हो जाते हैं क्योंकि मनोवैज्ञानिक रूप से आपको लगता है कि आपको चाहिए।

दुर्भाग्य से, स्वास्थ्य में सुधार काल्पनिक हो सकता है, लेकिन बाद में दिखाई देने वाली दवा के दुष्प्रभाव नहीं होंगे:

"... हालांकि दवाओं का उत्पादन और वितरण किया जाता है, एक अलग और समान रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि डॉक्टर उन्हें कैसे लिखते हैं। जैसा कि उल्लेख किया गया है, चिकित्सक बड़े पैमाने पर दवा घरों से जानकारी के आधार पर लिखते हैं। यदि पैकेजिंग और कॉपी प्रभावी और लगातार पर्याप्त हैं, तो चिकित्सक शायद उत्पाद लिखेंगे ...

Machine Translated by Google

[लेकिन] दवाओं के उपयोग के लिए contraindications की अवहेलना हर साल हजारों अनावश्यक बीमारियों का कारण बनती है"

- स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात

हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रत्येक दवा को प्रभावी और सुरक्षित होने के लिए संश्लेषित और व्यावसायिक रूप से उत्पादित करने की आवश्यकता नहीं होती है। और, जैसा कि हमने देखा है, दवाएं और सर्जरी दवा के अंतिम रूप हैं जिनका हमें सहारा लेना चाहिए, न कि पहली पसंद, क्योंकि वे आज हम में से अधिकांश के लिए हैं

जैसा कि हिप्पोक्रेट्स ने सिखाया, प्रकृति सबसे पहले सबसे अच्छा स्वास्थ्य आहार है। खतरनाक रासायनिक या शल्य चिकित्सा उपचारों में भाग लेने से पहले हम सभी को सामान्य ज्ञान स्वास्थ्य देखभाल और गैर-आक्रामक दवाओं को एक सूचित मौका देने की आवश्यकता है जो राहत देने की तुलना में अधिक लक्षण और समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

और बहुत से लोग खुद के लिए सोचना सीख रहे हैं और अपने डॉक्टरों की बुरी सलाह नहीं लेना सीख रहे हैं, जैसा कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल, जून 16, 1993 में हाल के एक लेख में दिखाया गया है:

"अल इगलहार्ट के आंकड़े उसके डॉक्टरों ने उसे मूर्ख के लिए आंका।

वे जानते थे कि उनकी हृदय रोग रहस्यमय जटिलताओं के बिना जन्मजात थी।
फिर भी, उन्होंने सुझाव दिया कि वह और परीक्षण करवाएं, यहां तक कि एक $ 1200 को दोहराएं जिसे वह पहले ही पारित कर चुका था। सलाह के लिए धन्यवाद, श्री इगलहार्ट ने कहा। लेकिन बिल्कुल नहीं।

44 साल के मिस्टर इगलहार्ट कहते हैं, 'डॉक्टर भगवान नहीं हैं, और कभी-कभी वे ऑटोपायलट पर होते हैं और लॉन्ग आइलैंड, एनवाई में रहते हैं।' किसी और परीक्षण का कोई कारण नहीं था। सबसे बड़ी चीज जो आप [चिकित्सा उपचार के बारे में] कर सकते हैं, वह है एक उपभोक्ता के रूप में सूचित किया जाना और प्रश्न पूछना।'

इगलहार्ट स्वास्थ्य देखभाल करने वाले उन रोगियों के बढ़ते समूह में से है जो चिकित्सा प्रक्रियाओं की लागत [और प्रभावशीलता] पर सवाल उठा रहे हैं..."

मेरी मंशा यहां 'डॉक्टर को कोसने' के लिए नहीं है, क्योंकि डॉक्टर, बेशक, दवा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उन्होंने मान लिया है, और हमने आज उन्हें चिकित्सा में एक असंभव भूमिका और जिम्मेदारी दी है। . हम उम्मीद करते हैं कि हमारे डॉक्टर यांत्रिकी की तरह व्यवहार करेंगे, निदान करेंगे और हमारे साथ होने वाली हर संभव चीज को ठीक करेंगे, जैसे कि हमारे शरीर कार या मशीन थे जिन्हें केवल कुछ सिंथेटिक पदार्थ डालने या एक हिस्से को बदलने से मरम्मत की जा सकती थी।

Machine Translated by Google

लेकिन हमारे शरीर मशीन नहीं हैं, और हमारे डॉक्टरों को यांत्रिकी के रूप में उनकी भूमिका से मुक्त किया जाना चाहिए जो हम हर बार बीमार होने पर चलाते हैं। हमारे शरीर बेहद जटिल, संवेदनशील, व्यक्तिगत रूप से अद्वितीय, जीवित जीव हैं जिन्हें कोमल सम्मान और देखभाल की आवश्यकता होती है, न कि केंद्रित दवाओं और आक्रामक के निरंतर और नियमित ओवरकिल की।

शल्य चिकित्सा।

मूत्र चिकित्सा में डॉक्टर निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, विशेष रूप से गंभीर बीमारियों में जहां यूरिया या मूत्र के इंजेक्शन जीवन रक्षक हो सकते हैं, जैसा कि एक शोध अध्ययन में देखा गया है जिसमें जेंट्रावेनू, यूरिया ने गंभीर मस्तिष्क वाले रोगी के जीवन को बचाया था। ब्रेन ट्यूमर के कारण होने वाला एडिमा (अगला अध्याय देखें)। इसके अलावा, प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा को गंभीर बीमारियों के लिए प्राकृतिक मूत्र के अर्क या यूरिया के डॉक्टरों के प्रशासन द्वारा निश्चित रूप से बढ़ाया और बढ़ाया जा सकता है।

हालांकि, अधिकांश बीमारियों के लिए, हम प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा से अपना इलाज कर सकते हैं और अपने मूल्यवान डॉक्टरों के कीमती समय और प्रयास को बचा सकते हैं।

अपने स्वास्थ्य की देखभाल करना सीखना

दुर्भाग्य से, आज के उपभोक्ताओं को दवा के इतिहास में सबसे गहन मीडिया विज्ञापन बैराज के संपर्क में लाया गया है, और अब दवाओं और स्वास्थ्य उपचारों से एक तात्कालिक "पंच" देने की अपेक्षा की जाती है - लागत, साइड इफेक्ट या इस तरह के अंतिम परिणामों की परवाह किए बिना तरीके।

अगर हमें अधिक आराम करने या दोपहर के भोजन के लिए लिए गए तीन चॉकलेट बार और कोक को खत्म करने के बजाय सिरदर्द होता है, तो हम अपने शरीर को सबसे मजबूत सिरदर्द की दवा के साथ खरीद सकते हैं - इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि लेबल पर असीम रूप से छोटा प्रकार बीस सूचीबद्ध करता है दवा के विभिन्न गंभीर दुष्प्रभाव।

कई लोगों ने मुझसे वर्षों से शिकायत की है कि उन्होंने बिना किसी सफलता के दवाओं के बजाय होम्योपैथी या जड़ी-बूटियों या अन्य प्रकार की प्राकृतिक चिकित्सा की कोशिश की है। लेकिन जब हम उनकी स्थिति की गहराई से जांच करते हैं, तो मुझे हमेशा पता चलता है कि वे प्राकृतिक उपचारों का उसी तरह उपयोग करने के लिए राइट थे जिस तरह से वे दवाओं का उपयोग करते हैं - एक बोतल से एक गोली निकालते हुए उन्होंने एक स्वास्थ्य खाद्य भंडार शेल्फ पर उठाया और एक त्वरित सुधार की प्रतीक्षा कर रहे थे , या एक या दो कप हर्बल चाय पीना और फिर निर्णय लेना, "नहीं, बेहतर महसूस न करें - मेरे लिए कारगर नहीं रहा।"

Machine Translated by Google

लेकिन समस्या प्राकृतिक दवाएं नहीं है, समस्या दृष्टिकोण है।

साधारण तथ्य यह है कि हम चाहे कितनी भी दवाएं लें या स्वास्थ्य उपचार हम कोशिश करें, प्राकृतिक या सिंथेटिक अगर हम अपनी समग्र खराब स्वास्थ्य आदतों और जीवन शैली को नहीं बदलते हैं तो हम स्वस्थ नहीं होंगे और हम अच्छा महसूस नहीं करने जा रहे हैं .

प्राकृतिक उपचारों के काम करने के लिए, आपको वास्तव में अच्छे स्वास्थ्य की आवश्यकताओं के बारे में संपर्क करना शुरू करना होगा। वास्तविक और स्थायी शारीरिक स्वास्थ्य दवाओं या सर्जरी के साथ अप्रिय लक्षणों को लगातार खत्म करने से कहीं अधिक पर आधारित है।

एक पौष्टिक आहार, आराम, विश्राम, व्यायाम, एक स्वस्थ रहने का वातावरण और एक संतुलित, सकारात्मक, शांतिपूर्ण और खुश दिमाग अच्छे और स्थायी स्वास्थ्य की अनिवार्य नींव है। जब आप इन तत्वों को अपनी दैनिक जीवन शैली में शामिल करके अपनी बुनियादी स्वास्थ्य आदतों में सुधार करते हैं, तो आप अपनी प्राकृतिक प्रतिरक्षा सुरक्षा को बढ़ाते हैं और अपने स्वास्थ्य और बीमारी से लड़ने की क्षमता में सुधार करते हैं।

जब भी आप बीमार पड़ते हैं, तो आपके उपचार को बढ़ाने के लिए, जब आवश्यक हो, प्राकृतिक दवाओं का उपयोग किया जा सकता है; एक मजबूत प्राकृतिक प्रतिरक्षा और कोमल, प्रतिरक्षा को मजबूत करने वाली प्राकृतिक दवाओं का यह संयोजन हमारी स्वास्थ्य समस्याओं का सबसे अच्छा संभव समाधान है।

अस्वस्थ जीवन शैली से उत्पन्न रोग लक्षणों को दबाने के लिए नियमित रूप से दवाओं और शल्य चिकित्सा का उपयोग करके अच्छे स्वास्थ्य को प्राप्त करने का प्रयास एक मृत अंत है - शाब्दिक रूप से।

सिर्फ इसलिए कि आम तौर पर स्वीकृत आधुनिक जीवन शैली ने हमें यह मानने और स्वीकार करने के लिए वातानुकूलित किया है कि मैकडॉनल्ड्स वास्तव में खाने की जगह है और सफेद चीनी एक पोषक भोजन है, इस तथ्य को बदलने वाला नहीं है कि इनमें से कोई भी चीज सच नहीं है। जैसा कि डॉक्टर हमें बताते हैं:

"आज की पुरानी बीमारियां - सामाजिक और चिकित्सा दोनों - वास्तव में एक बहुत अधिक व्यापक अंतर्निहित समस्या के लक्षण हैं। वे अपर्याप्त पोषण के वर्षों की परिणति हैं, एक विषाक्त वातावरण, गतिहीन जीवन शैली, पारिवारिक और सामाजिक व्यवधान, और कृत्रिम एजेंटों पर निर्भरता (से। सिगरेट से कोकीन तक) खुशी के लिए। हमारे शरीर की हर कोशिका - मस्तिष्क से लेकर प्रतिरक्षा प्रणाली तक - इन गालियों से प्रभावित होती है।"

- स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात

Machine Translated by Google

आप अपनी अस्वाभाविक रूप से अस्वस्थ और विनाशकारी जीवन शैली पर आधे-अधूरे मन से प्राकृतिक दवाओं का आवरण नहीं डाल सकते हैं और फिर अपने और दुनिया को यह घोषणा नहीं कर सकते हैं कि आपने प्राकृतिक चिकित्सा की कोशिश की और "यह काम नहीं किया।"

एक राष्ट्र के रूप में हम प्रतिदिन लाखों गैलन पेप्सी और कोक नामक जहरीली शराब पीते हैं; हम लाखों डॉलर मूल्य के जंक फूड, खाद्य योजक और चीनी को निगलते हैं, यह सब ताना गति से भरते हैं क्योंकि हम कारों में भीड़भाड़ वाली सड़कों के माध्यम से कार्बन मोनोऑक्साइड के धुएं का उत्सर्जन करते हैं, जबकि पूरी तरह से प्रदूषित हवा की जहरीली सुगंध में सांस लेते हैं। .

हमारे कृत्रिम रूप से निर्मित अधिवासों में पहुंचने पर, हम अपने शरीर और दिमाग को लगातार टीवी विकिरण और रात के समाचारों की निराशाजनक लय के अधीन करते हैं, जबकि हमारे तनाव और चीनी से प्रेरित सिरदर्द, दर्द और दर्द बायर, या एक्सेड्रिन, एनासिन या के साथ "धमाका" करते हैं। ड्रिस्टन, या जो भी अन्य 'आश्चर्यजनक दवा' स्क्रीन पर आकर्षक रूप से चमकती है।

और फिर हम खुद से पूछते हैं, "मुझे अच्छा क्यों नहीं लग रहा है - मेरा डॉक्टर मुझे हमेशा के लिए ठीक क्यों नहीं कर सकता?

हमारी आधुनिक जीवनशैली के कारण, हम में से बहुत कम लोग आराम करने और अपने शरीर का इलाज करने के लिए रुकते हैं जब हम दवा की दुकान पर जाते हैं, तो हमारा एकमात्र विचार हमारी बेचैनी को दूर करने के लिए सबसे तेज़-अभिनय, सबसे मजबूत दवा खोजना होता है और संक्षेप में, 'शरीर को बंद करना' यूपी'। और दवा कंपनियाँ और डॉक्टर यह जानते हैं - इसलिए वे हमें वह देते हैं जो हम सोचते हैं कि हम चाहते हैं, और जिसे हम गलती से सुरक्षित मान लेते हैं।

तो हम अपनी खुद की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की तलाश कैसे शुरू करें? हर बार जब हम ठीक महसूस नहीं करते हैं, तो हम इसे जल्दी ठीक करने के लिए दवा की दुकान या डॉक्टर के पास नहीं जाते हैं। हम अपनी जीवन शैली को बदल सकते हैं और हम सीख सकते हैं कि कैसे अपनी प्रतिरक्षा सुरक्षा को धीरे-धीरे उत्तेजित करें, बीमारी का इलाज करें और मूत्र चिकित्सा जैसी सरल प्राकृतिक दवाओं के साथ दर्द से छुटकारा पाएं।

और हम अपनी डाइट में बदलाव कर सकते हैं। सरल बुनियादी बातों पर वापस आना इतना कठिन नहीं है - फ्रोजन और बॉक्सिंग डिनर, इंस्टेंट ब्रेकफास्ट शेक, सोडा, शक्कर, प्रिजर्वेटिव, केमिकल से भरे डेसर्ट से छुटकारा पाएं और साबुत अनाज और ताजी हरी सब्जियां जैसे वास्तविक खाद्य पदार्थ खाना शुरू करें और सलाद और फल। हमारा पर्यावरण इतना भरा हुआ है

Machine Translated by Google

आज रासायनिक प्रदूषक जो जानबूझकर उन्हें हमारे भोजन में शामिल कर रहे हैं, एक नासमझी का अभ्यास है और हमारी पहले से ही अधिक बोझिल प्रतिरक्षा प्रणाली पर एक अतिरिक्त बोझ है।

सिंथेटिक दवाओं या सर्जरी के विपरीत, बुनियादी प्राकृतिक खाद्य पदार्थों और प्राकृतिक दवाओं के उपयोग के लिए कुछ हद तक आत्म-प्रेम, आत्म-अनुशासन और धैर्य की आवश्यकता होती है - शरीर को सुनना, हमारी बीमारियों के लक्षणों के पीछे के कारणों को देखना और अस्वास्थ्यकर आदतों को बदलना। और दृष्टिकोण, लक्षणों से राहत देकर अंतर्निहित रोग कारकों को छिपाने के लिए मजबूत चिकित्सा हस्तक्षेप पर निर्भर होने के बजाय।

ये परिवर्तन अब कितने भी असुविधाजनक क्यों न लगें, बस तब तक प्रतीक्षा करें जब तक आप यह न देख लें कि यदि आप ये परिवर्तन नहीं करते हैं तो कैंसर, हृदय रोग और गंभीर पुरानी बीमारी कितनी असुविधाजनक हो सकती है।

तो जैसा कि आप देख सकते हैं, हमारी वर्तमान चिकित्सा प्रणाली के भीतर कमांड की एक श्रृंखला है जिसने अनुसंधान की जानकारी और सरल, सस्ती मूत्र चिकित्सा पर निष्कर्षों को मान्यता प्राप्त करना मुश्किल या लगभग असंभव बना दिया है:

1) चिकित्सा उपचारों के लिए FDA अनुमोदन प्राप्त करना खगोलीय रूप से महंगा है;

2) दवा कंपनियां अनुसंधान के लिए भुगतान करने के लिए उच्च-लाभ, पेटेंट योग्य उपचार चाहती हैं और कंपनी के मुनाफे को बढ़ावा देने के लिए;

3) अस्पताल और डॉक्टर दवा उद्योग के भारी प्रचार और दबाव से प्रेरित और प्रभावित होते हैं, और इसलिए केवल दवा कंपनी द्वारा समर्थित चिकित्सा उपचारों को निर्धारित और उपयोग करते हैं।

चिकित्सा में एक नया युग

सौभाग्य से, दवा और शल्य चिकित्सा उपचार के साथ सामने आई कई समस्याओं के जवाब में दवा में दृष्टिकोण बदल रहा है। हाल के लेख पारंपरिक, अधिक प्राकृतिक स्वास्थ्य दृष्टिकोणों के प्रति उपभोक्ताओं और चिकित्सा समुदाय दोनों की सामान्य प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में हाल ही में उद्धृत एक अध्ययन में कहा गया है कि:

1990 में, अमेरिकियों ने वैकल्पिक स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सकों के पास 425 मिलियन दौरे किए, जबकि पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए 388 मिलियन दौरे किए गए।

Machine Translated by Google

— व्यवहार स्वास्थ्य पत्रिका पर ध्यान दें

9 जुलाई 1993

फोर्ब्स पत्रिका में एक अन्य लेख, चिकित्सा में नई प्रवृत्ति पर वापस पारंपरिक, प्राकृतिक उपचार के रूपों पर रिपोर्ट करता है:

"पुरानी चिकित्सा के लिए नया समर्थन"

"क्या डॉक्टर वास्तव में सबसे अच्छा जानता है? हमेशा नहीं, ऐसा प्रतीत होता है, अगर आप एक्यूपंक्चर, बायोफीडबैक, कायरोप्रैक्टिक और हर्बल दवा जैसे गैर-पारंपरिक उपचारों द्वारा जीती जा रही बढ़ती सम्मान को ध्यान में रखते हैं।

अन्य संस्कृतियों में ये उपचार युगों से मानक अभ्यास रहे हैं, लेकिन अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा अनुमोदित और एएमए अस्पतालों से संबद्ध स्कूलों में शिक्षित अधिकांश चिकित्सकों ने लंबे समय से इन तकनीकों को नीमहकीम के रूप में खारिज कर दिया है।

आज, हालांकि, वैकल्पिक चिकित्सा के लिए एक नई स्वीकृति के संकेत हर जगह हैं। यहां तक कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान में भी अब वैकल्पिक चिकित्सा का कार्यालय है।"

- फोर्ब्स, दिसंबर 20, 1993

यह जानना दिलचस्प है कि हम उपभोक्ताओं के पास अपने जीवन में कितनी शक्ति है।
जैसा कि यह लेख प्रदर्शित करता है, व्यक्तिगत उपभोक्ता वे हैं जो अंततः चिकित्सा उपचार के लिए अपने द्वारा किए गए विकल्पों के द्वारा अगली शताब्दी में दवा के पाठ्यक्रम को निर्धारित कर सकते हैं। और चिकित्सा प्रतिष्ठान यह जानता है, जैसा कि एक अन्य हालिया लेख से पता चलता है:

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान ने एक नए युग की शुरुआत की...

पहली बार, यह व्यवस्थित रूप से अपरंपरागत चिकित्सा पद्धतियों का पता लगाएगा, यह तय करेगा कि कौन से प्रभावी हैं और उनमें से कुछ को मुख्यधारा की चिकित्सा में डालना शुरू कर देंगे।

Machine Translated by Google

स्टीफन ग्रॉफ्ट, जो नए प्रयास का नेतृत्व कर रहे हैं, ने कहा कि विशेषज्ञों का एक पैनल एक्यूपंक्चर, प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपैथी, आयुर्वेदिक चिकित्सा, रिफ्लेक्सोलॉजी, मालिश चिकित्सा और चीनी हर्बल उपचार सहित पारंपरिक डॉक्टरों द्वारा लंबे समय से चली आ रही कई विधियों का अध्ययन करेगा।

अच्छी खबर की तरह लगता है, है ना? दुर्भाग्य से, हालांकि, इस बार सम्मानित सिद्ध प्राकृतिक तरीकों को आधुनिक वैज्ञानिक चिकित्सा मॉडल में फिट करने के लिए किसी तरह बनाया जाना है - जो पहले से ही काफी हद तक विफल हो चुका है:

"कई वैज्ञानिक वास्तव में यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि वैकल्पिक तरीकों का वैज्ञानिक रूप से मूल्यांकन किया जा रहा है," ग्रॉफ्ट ने कहा। 'उन लोगों से अलग करना महत्वपूर्ण है जो उन लोगों से काम कर रहे हैं जो रोगियों और चिकित्सकों दोनों के लिए काम नहीं कर रहे हैं ...

कार्य पहले से उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य का आकलन करना है, यह निर्धारित करना है कि क्या अधिक शोध सार्थक है और वित्त पोषण को प्राथमिकता देना है।"

— गैनेट न्यूज सर्विस

अगस्त, 1993

जाना पहचाना? यह उसी पुराने गीत के वही पुराने उपभेद हैं - हम, वैज्ञानिक "विशेषज्ञ" आपको बताएंगे कि आपके लिए क्या काम करता है। लेकिन हम पहले ही जांच कर चुके हैं कि उनका 'सबूत' कहां से आता है और यह कितना अविश्वसनीय है। विडंबना यह है कि जो एजेंसी इन प्राकृतिक स्वास्थ्य उपचारों के वैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए बुला रही है, वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान है जो हेपेटाइटिस दवा पर हाल के परीक्षणों के लिए जिम्मेदार था जिसने लगभग सभी शोध प्रतिभागियों को मार डाला था। तो चिकित्सा समुदाय के 'वैज्ञानिक' आकलन कितने मूल्यवान हैं?

इस समय, हमें उन उपचारों की जांच और चयन करना बंद करने की आवश्यकता है जिनमें सैकड़ों हैं, और कुछ मामलों में, उनके पीछे हजारों वर्षों का व्यावहारिक अनुभव है। "वैज्ञानिक रूप से" साबित करने की कोशिश के अनावश्यक अंतर्विरोधों पर अपना समय और अपना पैसा बर्बाद करने के बजाय, इन सरल और सुरक्षित प्राकृतिक तकनीकों के साथ सैकड़ों हजारों रोगियों ने पहले ही अनुभव किया है, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान और उनके विशेषज्ञों का पैनल ' यह तय करने में असीम रूप से बेहतर प्रयास किया जाएगा कि कैसे देर से नया और . तैयार किया जाए

Machine Translated by Google

पारंपरिक चिकित्सा उपचारों को मंजूरी देने और पारंपरिक और प्राकृतिक चिकित्सा दोनों के लिए जिम्मेदार स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सकों को योग्य बनाने के लिए सस्ती एफडीए दिशानिर्देश।

यह सरल समायोजन अकेले स्वास्थ्य देखभाल लागत को काफी कम कर सकता है और मूत्र चिकित्सा जैसे प्रभावी, सरल, सस्ती प्राकृतिक चिकित्सा स्व-सहायता दृष्टिकोण प्रदान करके और सिखाकर स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता को नाटकीय रूप से उन्नत कर सकता है जो महंगी और खतरनाक दवाओं और शल्य चिकित्सा उपचारों की जगह ले सकता है जिन्हें होना चाहिए संकट और आपातकालीन देखभाल के लिए सुरक्षित, और डॉक्टरों और विशेषज्ञों के कीमती समय को मुक्त करें।

हम पहले से ही जानते हैं कि पारंपरिक प्राकृतिक उपचार जैसे हर्बल दवाएं, मूत्र चिकित्सा और होम्योपैथी काम करते हैं, और कई अभी भी अन्य सभ्य देशों में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं। चीनी अस्पताल और डॉक्टर आज भी काफी हद तक अपनी पारंपरिक प्राकृतिक हर्बल दवा और एक्यूपंक्चर पर निर्भर हैं; इंग्लैंड में होम्योपैथिक अस्पताल हैं; जर्मन अपनी हर्बल दवाओं पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं जो कि उनके दवा की दुकानों में भी उपलब्ध हैं। फ्रांस में भी, फ़ार्मेसीज़ ले जाती हैं और डॉक्टर सिंथेटिक दवाओं के अलावा प्राकृतिक होम्योपैथिक और हर्बल दवाएं लिखते हैं।

इनवेसिव और सिंथेटिक दवाओं के विकल्प की एक अद्भुत विविधता है जो सदियों से उपयोग और अवलोकनों में सुरक्षित और प्रभावी साबित हुई है, हमें बस उनका उपयोग करने की कला को फिर से सीखना होगा और दवाओं और सर्जरी पर अपनी निर्भरता से खुद को ठीक करना होगा। इसके अलावा, और भी कई किताबें हैं (परिशिष्ट देखें) जिनके बारे में मैंने इस अध्याय में पहले ही उल्लेख किया है जो आपको अपने स्वास्थ्य की सुरक्षित और प्रभावी देखभाल करने के तरीके के बारे में अधिक जानने में मदद करेंगी।

अच्छे स्वास्थ्य को प्राप्त करने और बनाए रखने की चुनौती एक संतुलित जीवन शैली बनाने और प्राकृतिक उपचारों और उपचारों के संयोजन को खोजने में है जो व्यक्तिगत रूप से आपके लिए सही हैं।

और जैसा कि आप इस पुस्तक में पाएंगे, मूत्र चिकित्सा सबसे शक्तिशाली, सबसे व्यक्तिगत प्राकृतिक चिकित्सा है जिसकी हम कभी उम्मीद कर सकते हैं। यूरिन थेरेपी के बारे में जो कुछ भी है उसे पढ़ने के बाद, मुझे पता है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि भले ही मनुष्य हर बीमारी को ठीक करने के लिए सिंथेटिक "मैजिक बुलेट" दवा खोजने में विफल रहा हो, प्रकृति ने इसे पहले ही हमारे लिए बनाया था और हमें एक अविश्वसनीय, सुरक्षित दिया था। , लागत मुक्त और सरल, प्राकृतिक उपकरण खुद को ठीक करने के लिए - हमारे शरीर की अपनी अद्भुत, प्राकृतिक दवा।

Machine Translated by Google

अध्याय 4

अनुसंधान साक्ष्य

और केस स्टडीज

मूत्र और उसके घटकों के चिकित्सा अनुप्रयोगों का परीक्षण, चर्चा, शोध और उपयोग पूरे बीसवीं शताब्दी में इस हद तक किया गया है कि यह अविश्वसनीय लगता है कि हमारे अधिकांश डॉक्टरों और चिकित्सा प्रशासकों सहित हममें से लगभग किसी ने भी इसके बारे में कुछ भी नहीं सुना है। .

लेकिन फिर, इसका कारण पूरी तरह से एक रहस्य नहीं है। जैसा कि हमने पिछले अध्याय में चर्चा की थी, भले ही मूत्र चिकित्सा की सफलता 1900 से बहुत पहले बताई गई थी, बीसवीं सदी के चिकित्सा शोधकर्ता, डॉक्टर और जनता अब पारंपरिक प्राकृतिक दवाओं में रुचि नहीं रखते थे।

इसलिए मूत्र चिकित्सा को घर और डॉक्टर के कार्यालयों से बाहर ले जाया गया और अनुसंधान प्रयोगशालाओं की गुमनामी में ले जाया गया, जहां, दुर्भाग्य से, यह आज भी काफी हद तक बनी हुई है।

जैसा कि हमने चर्चा की है, सदी के अंत में मूत्र चिकित्सा बड़े पैमाने पर सार्वजनिक उपयोग से गायब हो गई थी और चिकित्सा का ज्ञान अब चिकित्सा पत्रिकाओं और शोध रिपोर्टों में छिपा हुआ है जो सामान्य रूप से लोग और डॉक्टर कभी नहीं देखते हैं; इसके अलावा, मूत्र सामग्री को आसानी से अलग किया जाता है और पहचानने योग्य दवा रूपों में परिवर्तित किया जाता है।

यद्यपि मूत्र के चिकित्सीय उपयोग के बारे में आश्चर्यजनक वैज्ञानिक खोजें हुई हैं, अधिकांश भाग के लिए चिकित्सा शोधकर्ता अपनी खोजों के बारे में जनता को नहीं बताते हैं। फिर, यह स्थिति दो कारकों का परिणाम होने की सबसे अधिक संभावना है। एक, आधुनिक चिकित्सा शोधकर्ता मुख्य रूप से विशिष्ट बीमारियों को खत्म करने के लिए मजबूत, आर्थिक रूप से लाभदायक रासायनिक "गोलियां" खोजने की ओर उन्मुख होते हैं - न कि प्राकृतिक दवाओं की खोज की ओर जो शरीर की प्राकृतिक क्षमता को ठीक करने के लिए बढ़ाते हैं।

Machine Translated by Google

दूसरे, अधिकांश चिकित्सा शोधकर्ता फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए काम करते हैं और कई अनुबंधित रूप से अपने शोध के परिणामों को प्रकट नहीं करने के लिए बाध्य होते हैं जब तक कि अनुसंधान को लाभ कमाने वाली चिकित्सा चिकित्सा के रूप में लागू नहीं किया जा सकता है जिसे उस कंपनी द्वारा पेटेंट कराया जा सकता है जिसने अनुसंधान को वित्त पोषित किया है।

इसके अलावा, चिकित्सा शोधकर्ता अपने शोध को चिकित्सा की अत्यंत विशिष्ट शाखाओं में समर्पित करते हैं, और चिकित्सा के ये अलग-अलग विभाग आमतौर पर अपने स्वयं के अनुसंधान क्षेत्रों के बाहर के विभागों को अपने निष्कर्षों का संचार नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए, मूत्र रोग विशेषज्ञ, जिन्होंने पाया कि मूत्र मूत्र पथ के संक्रमण को रोक सकता है और ठीक कर सकता है, अन्य मूत्र रोग विशेषज्ञों के लिए अपने निष्कर्ष प्रकाशित कर सकते हैं, लेकिन सामान्य व्यवहार में एक डॉक्टर शायद मूत्राशय या गुर्दे में मूत्र के महत्व पर इन अध्ययनों के संपर्क में नहीं आएगा। संक्रमण।

आज जनता और सबसे अधिक अभ्यास करने वाले डॉक्टर मूत्र को शरीर के कचरे से ज्यादा कुछ नहीं मानते हैं। लेकिन कई चिकित्सा शोधकर्ता जानते हैं कि वास्तव में, मूत्र एक अत्यधिक व्यापक और शक्तिशाली चिकित्सा पदार्थ है। अब आप वह पढ़ सकते हैं जो कई वैज्ञानिक और डॉक्टर जानते हैं, लेकिन हमें मूत्र चिकित्सा के अद्भुत उपचारात्मक प्रभावों के बारे में नहीं बताया है।

इस अध्याय के लिए चुने गए शोध अध्ययनों और लेखों में से प्रत्येक को कालानुक्रमिक क्रम में प्रस्तुत किया गया है ताकि बीसवीं शताब्दी के दौरान लगातार और गहन मूत्र पर शोध किया जा सके।

मूत्र के चिकित्सीय उपयोग पर किए गए इन अध्ययनों से आप चकित और चकित रह जाएंगे। जैसा कि मैं इन रिपोर्टों को पढ़ रहा था, और मूत्र चिकित्सा पर अन्य सभी अध्ययनों को देख रहा था, मैं यह कहते हुए मदद नहीं कर सका कि "किसी ने हमें कभी क्यों नहीं बताया?"।

यूरिया के बारे में अधिक जानकारी

एक अतिरिक्त नोट के रूप में, इनमें से कई शोध अध्ययन मूत्र के अर्क, यूरिया का उपयोग करके किए गए थे, जो कि मूत्र का प्राथमिक कार्बनिक ठोस है। यूरिया, जिगर में बनने वाला एक कार्बनिक नमक, प्रोटीन के शरीर के उपयोग, या संश्लेषण का परिणाम है। शरीर अतिरिक्त नाइट्रोजन को समाप्त कर देता है जो यूरिया के रूप में प्रोटीन चयापचय के दौरान उत्पन्न होता है। यूरिया का उपयोग शरीर द्वारा तंत्र में मदद करने के लिए भी किया जाता है जो यह निर्धारित करता है कि मूत्र कितना केंद्रित है, या दूसरे शब्दों में, रक्त से कितना पानी उत्सर्जित होता है। यूरिया की खोज सदियों पहले 1773 में हुई थी, जब यह थी

Machine Translated by Google

पहले मूत्र से अलग; बाद में, 1828 में, प्राकृतिक यूरिया को प्रयोगशाला में संश्लेषित या रासायनिक रूप से "कॉपी" किया गया।

यूरिया की खोज आधुनिक रसायन विज्ञान और जैव रसायन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक थी क्योंकि यह अपेक्षाकृत शुद्ध अवस्था में अलग होने वाला पहला कार्बनिक यौगिक था। यूरिया, जो हमारे शरीर के प्रोटीन के उपयोग के लिए महत्वपूर्ण है, हमारे शरीर के काम करने और कार्य करने के तरीके के बारे में असंख्य गहन कुंजी भी प्रदान करता है।

इस कारण से, रसायनज्ञ वर्षों से यूरिया और विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में इसके अद्भुत और विविध अनुप्रयोगों पर मोहित हैं:

"किसी भी अन्य कार्बनिक यौगिक की तुलना में यूरिया पर शायद अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए गए हैं ..."

- अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल

जुलाई 1954, "डी यूरिना"

यूरिया में इतने लाभकारी गुण हैं कि इसका उपयोग ऐतिहासिक रूप से किया गया था, और आज भी इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के चिकित्सा अनुप्रयोगों में किया जाता है - मस्तिष्क पर अतिरिक्त तरल दबाव को कम करने के लिए, एक्जिमा, शुष्क त्वचा विकारों और फंगल संक्रमण के लिए एक उल्लेखनीय त्वचा उपचार के रूप में। ; कॉस्मेटिक क्रीम में एक मॉइस्चराइजर के रूप में, एक सुरक्षित और प्रभावी मूत्रवर्धक के रूप में, और गंभीर घावों को ठीक करने के लिए एक एंटी-बैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक उपचार के रूप में।

जिन लोगों ने "यूरीमिया" या यूरीमिक पॉइज़निंग शब्द के बारे में सुना है, वे अक्सर यह मान लेते हैं कि यूरिया स्वयं विषाक्त है और इसलिए मूत्र में उत्सर्जित होता है। लेकिन यह नहीं है

मामला। अतिरिक्त यूरिया शरीर के लिए तभी विषैला हो जाता है जब किडनी के फिल्टरिंग तंत्र क्षतिग्रस्त या ख़राब हो जाते हैं, और रक्त का यूरिया स्तर ठीक से नियंत्रित नहीं होता है, लेकिन इस मामले में, पानी और सोडियम जैसे अन्य सौम्य पदार्थों की अत्यधिक मात्रा भी विषाक्त हो जाती है, यदि गुर्दा उन्हें रक्त में नियंत्रित करने में असमर्थ है। जैसा कि आप इस अध्याय में शोध अध्ययनों में पाएंगे, यूरिया न केवल विषाक्त है, बल्कि वास्तव में इसका जबरदस्त चिकित्सा और शारीरिक मूल्य है, और बड़ी मात्रा में भी सुरक्षित रूप से उपयोग किया जा सकता है।

यूरिया चिकित्सा उपयोग के लिए अनुमोदित दवाओं की एफडीए सूची में है और यूरिया से बने कई उत्पाद चिकित्सक के डेस्क संदर्भ में सूचीबद्ध हैं, (जो कि पुस्तक है)

Machine Translated by Google

डॉक्टर यह तय करने के लिए संदर्भित करते हैं कि कौन सी दवा लिखनी है), और अमेरिका में
औषधीय सूचकांक।

हालांकि, यूरिया के रूप में अद्भुत दवा में साबित हुआ है, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि इसका उपयोग प्राकृतिक मूत्र को उपचार एजेंट के रूप में बदलने या बदलने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। जैसा कि इस अध्याय के शोध से साबित होता है, पूरे मूत्र में सैकड़ों ज्ञात और अज्ञात चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण तत्व होते हैं जो स्पष्ट रूप से और निश्चित रूप से अकेले यूरिया में नहीं पाए जाते हैं।

इसके अलावा, जैसा कि चिकित्सा अध्ययनों ने स्पष्ट रूप से दिखाया है, प्रत्येक व्यक्ति के मूत्र में एंटीबॉडी, प्राकृतिक 'वैक्सीन' और कई अन्य महत्वपूर्ण शारीरिक तत्व होते हैं जो रक्त में होते हैं जो प्रत्येक व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति के लिए विशिष्ट होते हैं।

पूरे मूत्र में ये तत्व अकेले प्राकृतिक या सिंथेटिक यूरिया में नहीं पाए जाते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि आपको गेहूं से एलर्जी की प्रतिक्रिया होती है, तो आपका शरीर एलर्जी से निपटने के लिए एंटीबॉडी का एक जटिल उत्पादन करता है और वे एंटीबॉडी आपके मूत्र में पाए जाते हैं। चिकित्सा अध्ययनों से पता चला है कि जब आप अपने स्वयं के मूत्र को अंतर्ग्रहण या इंजेक्शन द्वारा अपने सिस्टम में इन मूत्र एंटीबॉडी को पुन: पेश करते हैं, तो एलर्जी को ठीक किया जा सकता है। लेकिन अकेले यूरिया में ये एलर्जी से लड़ने वाले एंटीबॉडी नहीं होंगे।

अपने आप को ठीक करने के लिए अपने स्वयं के मूत्र का उपयोग करके, आपको औषधीय तत्व मिल रहे हैं जो आपके शरीर के कामकाज में आपके विशिष्ट, जटिल और अक्सर ज्ञानी गड़बड़ी से निपटने के लिए आपके विशेष शरीर ने उत्पन्न किए हैं।

आप पोलियो के संपर्क में आ सकते हैं, उदाहरण के लिए या तपेदिक और जब तक तीव्र लक्षण प्रकट नहीं होते हैं, तब तक इसका एहसास भी नहीं होता है - लेकिन, जैसा कि चिकित्सा अनुसंधान ने सिद्ध किया है, आपके मूत्र में उन रोगों के प्रति एंटीबॉडी हो सकते हैं, भले ही तीव्र लक्षण प्रकट न हों। इसलिए मूत्र चिकित्सा का नियमित उपयोग निश्चित रूप से अत्यंत व्यापक चिकित्सीय उपचार प्रदान कर सकता है जो यूरिया या अन्य दवाओं से बहुत आगे निकल जाता है।

यह कहना नहीं है कि अन्य उपचार उपयोगी और प्रभावी नहीं हैं, वे निश्चित रूप से हैं, लेकिन मूत्र चिकित्सा, सही ढंग से लागू, हमारे स्वास्थ्य आहार और चिकित्सा उपचार की नींव होनी चाहिए और निश्चित रूप से बीमारी और निवारक स्वास्थ्य देखभाल में नियमित रूप से उपयोग की जानी चाहिए। .

Machine Translated by Google

मैंने हाल ही में मिडवेस्ट में एक 12 वर्षीय लड़की के बारे में एक पत्रिका का लेख पढ़ा, जिसे तेज बुखार, आलस्य और मुंह से बहुत अधिक लार के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उसकी स्थिति का निदान करने की बहुत कोशिश की लेकिन असफल रहे लेकिन वह बिगड़ गई और कई दिनों बाद उसकी मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के बाद ही यह पता चला कि उसकी मृत्यु एक अनियंत्रित और इसलिए रेबीज के अनुपचारित मामले से हुई थी।

यह एक अच्छा उदाहरण है कि क्यों मूत्र और यूरिया चिकित्सा को सभी प्रकार की दवाओं में शामिल किया जाना चाहिए। इस महिला के मामले में यूरिन थेरेपी अमूल्य हो सकती थी।
सबसे पहले, यूरिया ही वैज्ञानिक रूप से साबित हुआ है कि रेबीज वायरस को भंग या नष्ट कर देता है, इसलिए यह निश्चित रूप से इस छोटी लड़की की सहायता कर सकता था।

इसके अतिरिक्त, रेबीज एंटीबॉडी लड़की के मूत्र में मौजूद होती, इसलिए उसे यूरिया और रेबीज एंटीबॉडी दोनों का लाभ उसके मूत्र के सेवन के बाद मिलता। उसके डॉक्टर उसकी बीमारी का निदान नहीं कर सकते थे - लेकिन उसके शरीर में पहले से ही था, और अगर उसे मौखिक रूप से मूत्र दिया जाता, या शायद यूरिया के इंजेक्शन द्वारा, तो शायद उसकी जान बच जाती।

और वास्तविक त्रासदी यह है कि यहां कोई नकारात्मक जोखिम नहीं है - बिल्कुल नहीं! मूत्र मुफ़्त है, यह लगभग 100 वर्षों के चिकित्सा परीक्षण द्वारा समर्थित है, और मनुष्यों में मूत्र और यूरिया के औषधीय उपयोग पर किए गए प्रत्येक अध्ययन में, कभी भी विषाक्तता की सूचना नहीं मिली है। तो इस युवा लड़की को उनके साथ व्यवहार करके क्या खोना पड़ा?

जैसा कि सैकड़ों लोगों ने अनुभव किया है, और जैसा कि शोध से पता चला है, मूत्र निस्संदेह एक अद्भुत प्राकृतिक औषधि है जो आपको अस्तित्व में किसी भी अन्य प्राकृतिक या रासायनिक पदार्थ से परे स्वास्थ्य लाभ दे सकती है।

मूत्र के चिकित्सीय उपयोग के बारे में जानकारी निश्चित रूप से सार्वजनिक मान्यता के योग्य है और स्पष्ट रूप से, यदि हम नियमित रूप से इस अविश्वसनीय प्राकृतिक उपचार का लाभ नहीं उठाते हैं, तो हम ईमानदारी से यह नहीं कह सकते हैं कि हम अपने संरक्षण और पुनः प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। अच्छा स्वास्थ्य।

कभी-कभी यह विश्वास करना कठिन होता है कि हमारे सभी चिकित्सा ज्ञान और तकनीकी प्रतिभा के बावजूद, हमारे पास अभी भी मजबूत, स्वस्थ, रोग प्रतिरोधी शरीर नहीं हैं - लेकिन यह तथ्य कि व्यापक, अपंग स्वास्थ्य विकार अभी भी मौजूद हैं, हमें यह बताना चाहिए कि हम कर रहे हैं कुछ गलत और कुछ महत्वपूर्ण अनदेखी।

आइए इस सबसे सरल और फिर भी सबसे उपयोगी प्राकृतिक दवाओं को नज़रअंदाज़ न करें।

Machine Translated by Google

अनुसंधान और

नैदानिक अध्ययन

== ========

रिपोर्ट # 1

शीर्षक: PLEOMORPHISM, जैसा कि मीडिया युक्त यूरिया, 1906 पर बैक्टीरिया द्वारा प्रदर्शित किया गया है, डब्ल्यू जेम्स विल्सन, बीए, एमबी, क्वीन्स कॉलेज बेलफास्ट की पैथोलॉजिकल प्रयोगशाला से, जर्नल ऑफ पैथोलॉजिकल बैक्टीरिया, लंदन में प्रकाशित।

विषय: यूरिया का जीवाणु-विरोधी प्रभाव

यह प्रयोगशाला अध्ययन पहले प्रस्तुत किया गया है क्योंकि यह चिकित्सा अनुप्रयोगों पर अधिक गहन और शुरुआती बीसवीं शताब्दी के प्रयोगशाला अनुसंधान अध्ययनों में से एक है।

यूरिया

'प्लेमॉर्फिज्म' शब्द से भयभीत न हों। इस संदर्भ में इसका मूल रूप से अर्थ यह है कि यूरिया ने आकार बदल दिया, या रोग जीवाणुओं के सामान्य विकास को रोक दिया।

चिकित्सा शोधकर्ताओं ने यह पता लगाने के बाद कि कुछ प्रकार के जीवित सूक्ष्मजीव, जैसे बैक्टीरिया, बीमारी का कारण बन सकते हैं, इन सूक्ष्मजीवों, या कीटाणुओं के विकास को मारने या रोकने के तरीकों की खोज करना उनका लगभग एकमात्र उद्देश्य बन गया।

इस विशेष अध्ययन में, शोधकर्ता, जेम्स विल्सन ने विभिन्न रोग पैदा करने वाले बैक्टीरिया, जैसे बैसिलस टाइफोसस (टाइफाइड) को यूरिया के घोल वाले पेट्रीडिश में रखा और पाया, जैसा कि अन्य शोधकर्ताओं ने पाया था, कि यूरिया ने बैक्टीरिया के सामान्य विकास को रोक दिया:

"अक्टूबर 1905 में, प्रोफेसर सिमर्स के सुझाव पर, मैं यूरिया पर बैसिलस टाइफोसस और बी.कोली की कार्रवाई की जांच कर रहा था। मैंने पाया कि जैसा कि

Machine Translated by Google

माध्यम में यूरिया का प्रतिशत भिन्न होता है, इसलिए बेसिलस की वृद्धि की मात्रा...

यूरिया के अधिक प्रतिशत के साथ, जीव के विकास को रोक दिया गया था; 7 प्रतिशत (यूरिया) के साथ, बहुत कम वृद्धि हुई; 8 प्रतिशत के साथ व्यावहारिक रूप से कोई नहीं ...

सूक्ष्मजीवों के विकास पर यूरिया का एंटीसेप्टिक या निरोधात्मक प्रभाव होता है।"

यूरिया के इस जीवाणुरोधी प्रभाव को बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में कई अन्य शोधकर्ताओं ने भी साबित कर दिया था। लेकिन यूरिया पर इन अध्ययनों में से प्रत्येक को अलग-अलग प्रस्तुत करने के बजाय, इन शोध निष्कर्षों में से सबसे उल्लेखनीय यूरिया पर महत्वपूर्ण अध्ययनों पर एक सुसंगत अवलोकन देने के लिए नीचे सूचीबद्ध हैं जो कि मॉडम के नए युग के पहले दशकों के दौरान आयोजित और प्रकाशित किए गए थे। दवा:

1900

स्पिरो नाम के एक जर्मन शोधकर्ता ने अपनी खोज की सूचना दी कि यूरिया के घोल में विदेशी प्रोटीन को "विघटित" करने की उल्लेखनीय क्षमता है। यह चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि वायरस, उदाहरण के लिए, एलर्जेन के रूप में आणविक प्रोटीन होते हैं।
बाद के शोध ने पुष्टि की कि यूरिया में पोलियो और रेबीज वायरस जैसे वायरस को तेजी से और आसानी से नष्ट करने की अद्भुत क्षमता है, और 1980 के दशक के दौरान, मूत्र को विभिन्न प्रकार की एलर्जी के लिए एक अत्यंत प्रभावी उपचार के रूप में परिभाषित किया गया था।

1902

एक अन्य शोधकर्ता डब्ल्यू. रैम्सडेन ने अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी में एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें यूरिया के प्रोटीन घुलने वाले गुणों का विस्तार से वर्णन किया गया है। रैम्सडेन ने यह भी पाया कि यूरिया घावों में सड़न को रोकता है। यूरिया के एंटी-बैक्टीरियल अनुप्रयोगों को देखने वाले बाद के शोधकर्ताओं द्वारा उनके काम को अक्सर संदर्भित किया जाता है।

1906

Machine Translated by Google

दो फ्रांसीसी शोधकर्ताओं, जी. पेजू और एच. रजत ने विभिन्न रोग पैदा करने वाले जीवाणुओं पर यूरिया के प्रभाव के अपने विस्तृत अध्ययन पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की। उनके शोध से पता चला है कि यूरिया जितना अधिक केंद्रित होता है, उतना ही यह बैक्टीरिया के विकास को रोकता है। यूरिया के सांद्र विलयनों में कोई जीवाणु वृद्धि नहीं हुई। पेजू और रजत द्वारा किए गए शोध को अन्य शोधकर्ताओं द्वारा कई बार संदर्भित किया गया है जिन्होंने यूरिया के एंटी-बैक्टीरियल गुणों का अध्ययन और नैदानिक रूप से लागू किया है। इस शोध ने 1930 और 40 के दशक के दौरान घावों और संक्रमणों के उपचार में एंटीसेप्टिक के रूप में यूरिया के बाद के उपयोग का भी समर्थन किया।

1915

इंग्लैंड में, दो अन्य शोधकर्ताओं, डब्ल्यू सिमर्स और टीएस किर्क ने "यूरिया एज़ ए बैक्टीरिसाइड एंड इट्स एप्लीकेशन इन द ट्रीटमेंट ऑफ वॉउंड्स" शीर्षक से अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की। सिमर्स और किर्क वास्तव में सैन्य डॉक्टर थे, इसलिए निश्चित रूप से यूरिया के साथ उनका काम घावों के लिए एंटीसेप्टिक के रूप में इसके उपयोग के आसपास केंद्रित था। अपनी रिपोर्ट में, वे टिप्पणी करते हैं कि "अल्स्टर वालंटियर फोर्स अस्पताल में हमारी देखभाल के तहत सभी घायल सैनिकों का यूरिया से इलाज किया गया है, और यह पाया गया है कि.. 24 घंटे में एक बार यूरिया से संक्रमित संक्रमित घाव इसी तरह के मामलों की तुलना में बेहतर परिणाम देते हैं। किसी अन्य तरीके से इलाज किया। ” बाद में 20वीं शताब्दी के शोधकर्ताओं ने दृढ़ता से स्थापित किया और साबित किया कि यूरिया, दोनों शीर्ष और आंतरिक रूप से, उत्कृष्ट लाभ की एक विस्तृत विविधता प्रदान करता है और कोई प्रतिकूल दुष्प्रभाव पैदा नहीं करता है।

जैसा कि आप आगे यूरिया के लाभों पर उल्लेखनीय नैदानिक आंकड़ों के बारे में और अधिक पढ़ेंगे, आपको बहुत आश्चर्य होगा कि आज हमारा चिकित्सा समुदाय इस अविश्वसनीय रूप से सस्ती, प्रभावी और सुरक्षित एंटी-बैक्टीरियल दवा के उपयोग पर जोर देने में विफल रहा है।

== ========

रिपोर्ट # 2

Machine Translated by Google

शीर्षक: ऑटोथैरेपी, (पुस्तक), 1918, डॉ. चार्ल्स एच. डंकन द्वारा। निम्नलिखित रिपोर्ट डॉ. डंकन की पुस्तक "यूरिन एज़ एन ऑटोथेरेप्यूटिक रेमेडी" के एक अध्याय से ली गई है। डॉ. डंकन उपस्थित सर्जन, जेनिटो मूत्र विशेषज्ञ और स्वयंसेवी अस्पताल, न्यूयॉर्क शहर के सह-संस्थापक थे।

डॉ. डंकन ने अन्य डॉक्टरों की तरह ऑटोथैरेपी शब्द का इस्तेमाल शरीर के प्राकृतिक पदार्थों के उपयोग को संदर्भित करने के लिए किया ताकि एक उपचार प्रतिक्रिया पैदा की जा सके। "एक ऑटोथेरेप्यूटिक उपाय के रूप में मूत्र" पर अपने अध्याय में, डॉ। डंकन ने अपनी चिकित्सा पद्धति में मूत्र चिकित्सा के उपयोग पर अपनी नैदानिक टिप्पणियों का वर्णन किया है, और अन्य डॉक्टरों की रिपोर्ट पर चर्चा की है जो उस समय मूत्र चिकित्सा का उपयोग कर रहे थे।

ऐतिहासिक दृष्टि से, यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि बीसवीं शताब्दी के मुख्यधारा के डॉक्टरों द्वारा भी मूत्र चिकित्सा का इलाज किस गंभीरता से किया गया था। डॉ।
डंकन एक अभ्यास करने वाला सर्जन, न्यूयॉर्क शहर में स्वयंसेवी अस्पताल के संस्थापक, एक जेनिटो-मूत्र विशेषज्ञ-और प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा के समर्थक थे।

हमारा चिकित्सा समुदाय आज सामान्य रूप से हमें यह विश्वास दिलाएगा कि मूत्र चिकित्सक सड़क शो के झोलाछाप डॉक्टरों की यात्रा कर रहे हैं जो हास्यास्पद और निराधार चिकित्सा दावे दे रहे हैं, लेकिन यह सच्चाई का एक बड़ा गलत बयानी है।

जैसा कि डॉ. डंकन ने देखा:

"शायद ही कोई रोगजनक (बीमारी) स्थिति है जो मूत्र सामग्री को प्रभावित नहीं करती है ... यह कहा जा सकता है कि मूत्र एक मौसम फलक की तरह है, संवेदनशील रूप से रोगी की स्थिति में किसी भी बदलाव को दर्ज करता है, चाहे वह बड़ा हो या छोटा।

कई रोगजनक स्थितियां...अकेले मूत्र के चिकित्सीय उपयोग से जल्दी ठीक हो जाती हैं...यह महत्वपूर्ण है, वास्तव में, जब क्लार्क की मटेरिया मेडिको कई स्थितियां बताती हैं जिसमें यूरिक एसिड और यूरिया चिकित्सीय रूप से प्रभावी साबित हुए हैं।

14 और 21 दिसंबर, 1912 के न्यूयॉर्क मेडिकल जर्नल में और जनवरी 1914 के चिकित्सीय रिकॉर्ड में, मैंने बताया कि मैं कई स्थितियों के उपचार में सफलतापूर्वक मूत्र का उपयोग कर रहा था ... कई अन्य चिकित्सक विभिन्न प्रकार की रोगजनक स्थितियों से पीड़ित रोगियों का इलाज कर रहे हैं।"

Machine Translated by Google

डंकन कई केस स्टडीज का हवाला देते हैं जिसमें उन्होंने सफलतापूर्वक मूत्र चिकित्सा का इस्तेमाल किया। उदाहरण के लिए:

मामला 190.

"मरीज, पुरुष, 30 साल, ने सिस्टिटिस के इलाज के लिए आवेदन किया, जो बारिश में एक लंबी ड्राइव के बाद विकसित हुआ। रात में उसे हर घंटे या दो बार शून्य करना पड़ता था ... एक चम्मच सुबह का मूत्र पूरी तरह से साफ होने से आधा घंटे पहले। दो दिनों के भीतर मामला।"

मामला 198.

"मरीज, पुरुष, उम्र 50 वर्ष, मूत्राशय और प्रोस्टेट की सूजन से पीड़ित इलाज के लिए आवेदन किया ... बैठने की मुद्रा से उठने पर एक मिनट के भीतर पेशाब करना जरूरी था। उसे रात में पांच और छह बार उठना पड़ा . ऐसी स्थितियों के लिए सामान्य उपचार ने बहुत कम या कोई राहत नहीं दी। फिर उनका ऑटोथेरेप्यूटिक इलाज करने का निर्णय लिया गया। उन्हें प्रत्येक भोजन से आधे घंटे पहले सुबह के मूत्र का एक ड्राम लेने का निर्देश दिया गया था।

चौबीस घंटों के भीतर उनकी हालत में इतना सुधार हुआ कि वे यह सोचकर चिंतित हो गए कि उनकी रिकवरी बहुत जल्दी हो गई है। [उसने चिकित्सा बंद कर दी] और दर्द और टेनेसमस (ऐंठन) वापस आ गया; उन्होंने इलाज जारी रखा और काफी सुधार हुआ। उसमें धीरे-धीरे सुधार हुआ और वह (अब) जाहिर तौर पर अच्छे स्वास्थ्य में है।"

मामला 203.

डॉ. सी.जी. मूर का निम्नलिखित लेख न्यू अल्बानी मेडिकल हेराल्ड, फरवरी, 1915 में बाल चिकित्सा के अभिलेखागार से पुनर्प्रकाशित किया गया था:

"मैं मधुमेह मेलिटस को इलाज के लिए सामान्य चिकित्सक के लिए एक असामान्य रूप से कठिन बीमारी पाता हूं। 14,1912 अप्रैल, मुझे सात साल की एक छोटी बच्ची को देखने के लिए बुलाया गया था।
उन्होंने मुझे इतिहास दिया कि वह कुछ दिनों से बुरी तरह से महसूस कर रही थी और उसे कुछ बुखार था। बच्चे की जांच करने पर मैंने पाया कि उसका तापमान 102 डिग्री फ़ारेनहाइट है, लेकिन अन्य सभी निष्कर्ष नकारात्मक थे। कुछ दिनों में उन्होंने मुझे सूचित किया कि उसका तापमान सामान्य था और वह ठीक महसूस कर रही थी, लेकिन वह बार-बार पेशाब की एक बड़ी (चिपचिपी) मात्रा निकाल रही थी।

कई अन्य रोगियों पर उपचार के सभी तरीकों की कोशिश करने के बाद, जिन्हें मैंने पिछले कुछ महीनों में ग्लाइकोसुरिया (मूत्र में चीनी) से पीड़ित किया है, मैंने फैसला किया

Machine Translated by Google

ऑटोथेरेपी का प्रयास करने के लिए, क्योंकि मुझे icterus (पीलिया) के मामले पता थे जो किसी भी चिकित्सा उपचार का जवाब देने में विफल रहे थे, लेकिन बहुत ही कम समय में साफ हो गए जब उन्हें पीने के लिए अपना मूत्र दिया गया।

मैंने इस नन्ही बच्ची को दिन में तीन बार अपने पेशाब के तीन औंस दिए और फिर चीनी प्रतिशत की जांच की और पाया कि जब वह मूत्र ले रही थी, तो चीनी का प्रतिशत गिर गया, और जब इसे वापस ले लिया गया, तो प्रतिशत बढ़ गया। मुझे उसकी सामान्य स्थिति में भी कुछ सुधार दिखाई दे रहा था। उसने इतनी बार या इतना पेशाब नहीं किया; इतना पानी नहीं पिया; उसकी त्वचा अधिक नम थी, वह इतनी नर्वस नहीं थी...

मामला 202

एनवाई के डॉ. डीचमैन की रिपोर्ट से: "49 वर्षीय रोगी, बेहद घबराया हुआ और चिड़चिड़ा था; उसके पूरे शरीर में दर्द, सिरदर्द और सामान्य कमजोरी थी। उन्होंने काठ और पेट में बहुत दर्द की शिकायत की।

मैंने जो कुछ भी नहीं दिया, उस पर उसने सुधार किया ... सूक्ष्म मूत्र परीक्षण में लाल रक्त कोशिकाओं, मवाद कोशिकाओं, गुर्दे की कोशिकाओं और कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल की प्रचुरता दिखाई दी।

उपचार में आसुत जल के साथ 1 से 100 तक पतला मूत्र का बीस न्यूनतम इंजेक्शन शामिल था। उन्होंने इसके साथ एक निश्चित बिंदु तक सुधार किया, लेकिन जब तक मैंने कम पतला मूत्र का उपयोग नहीं किया, तब तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ, जिसके बाद उन्होंने शीघ्र वसूली की।
यूरिनलिसिस के ठीक होने के दो महीने बाद उन्होंने मवाद और गुर्दे की कोशिकाओं की अनुपस्थिति और मूत्र की सामान्य मात्रा दिखाई।

डॉ डीचमैन टिप्पणियाँ:

"ये ऐसे कई मामलों में से कुछ हैं जिनका मैंने इस पद्धति से सफलतापूर्वक इलाज किया है, जिसका मूल्य मैं अमूल्य मानता हूं।

मैं यह बयान पुराने रोगों से पीड़ित कई रोगियों के इलाज में और विशेष रूप से एक ऑटोथेरेप्यूटिक एजेंट के रूप में मूत्र के उपयोग में मूत्र का उपयोग करने के व्यापक अनुभव के बाद कर रहा हूं। मैं यह कहने के लिए स्वतंत्र हूं कि मूत्र चिकित्सा से प्राप्त परिणाम सामान्य मान्यता प्राप्त विधियों की तुलना में [कहीं बेहतर] हैं।"

मूत्र चिकित्सा के उपयोग पर डॉ. डंकन की रिपोर्ट काफी विस्तृत है और इसमें उनके और अन्य डॉक्टरों के नैदानिक उपचार पर कई अन्य व्यापक अवलोकन शामिल हैं और

Machine Translated by Google

मौखिक और हाइपोडर्मिक रूप से प्रशासित मूत्र चिकित्सा दोनों के प्रभावों पर केस स्टडी।

== ========

रिपोर्ट # 3

शीर्षक: यूरिया की एंटीसेप्टिक और जीवाणुनाशक कार्रवाई, 1935, जॉन एफएल फॉल्गर, एमडी, और ली फोशाय, एमडी, जर्नल ऑफ लेबोरेटरी एंड क्लिनिकल मेडिसिन द्वारा। औषध विज्ञान और प्रायोगिक जीवाणु विज्ञान विभाग, सिनसिनाटी विश्वविद्यालय से।

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं, फॉल्गर और फोशाय ने पाया कि यूरिया विभिन्न प्रकार के जीवाणु संक्रमणों को ठीक करने या रोकने में बेहद प्रभावी था और सल्फा दवाओं के विपरीत, जो उस समय व्यापक रूप से उपयोग की जाती थीं, इसका कोई हानिकारक दुष्प्रभाव नहीं था:

"... यूरिया की कार्रवाई के एक खाते में ... रैम्सडेन (1902) ने बहुत बनाया

दिलचस्प अवलोकन कि यूरिया सड़न को रोकता है...पहला

एक जीवाणुनाशक के रूप में यूरिया का विस्तृत अध्ययन, (बैक्टीरिया को नष्ट करता है), वह है

पीज़ू और रजत... की जीवाणुनाशक कार्रवाई पर कोई खास ध्यान नहीं दिया गया

यूरिया जब तक सिमर्स और किर्क (1915), (जिसने) निस्संदेह यूरिया पाया

डिप्थीरिया वाहक (और) घावों के उपचार में धोने के रूप में मूल्य। वह यूरिया मानव ऊतकों के लिए अहानिकर है

पर्याप्त रूप से सिद्ध।

एक पुराने स्टेफिलोकोकस रक्त संक्रमण के मामले में, ऊतक की परतों और घाव के बीच यूरिया (पाउडर) छिड़का गया था ...

टांके के साथ बंद। संक्रमण के कोई संकेत नहीं होने के बाद उपचार किया गया। ...

यूरिया पाउडर से सजे संक्रमित घावों ने अन्य तरीकों से इलाज किए गए समान घावों की तुलना में बेहतर परिणाम दिए...

Machine Translated by Google

सिमर्स और किर्क के काम से अनजान, हम में से एक (जेएफ,) को चुना गया

यूरिया के नैदानिक अध्ययन के लिए सामग्री प्युलुलेंट ओटिटिस के कुछ मामले

मीडिया (मध्य कान का संक्रमण) ... सभी मामले जो विफल हो गए थे

अन्य स्थानीय दवाओं का जवाब यूरिया के लिए प्रतिक्रिया ...

दस विकसित ओटिटिस मीडिया और रक्तस्रावी नेफ्रैटिस का एक लड़का ...

(गुर्दे की सूजन) अस्पताल में भर्ती होने के तीसरे सप्ताह के बारे में

स्कार्लेट ज्वर... यूरिया उपचार शुरू किया गया। कान एक बार में डिस्चार्ज हो जाता है

कम बेईमानी हो गई...उसी समय खून धीरे-धीरे गायब हो गया

पेशाब से...

अब तक प्राप्त परिणामों से पता चलता है कि यूरिया काफ़ी हो सकता है

कई प्रकार के प्युलुलेंट डिस्चार्ज के उपचार में मूल्य और में

उपचार, दुर्गंध पैदा करने वाले घावों को दबाने का भी। यूरिया के इस बाद के उपयोग को हाल ही में मिलर ने सूचित किया है (अगली रिपोर्ट देखें)...

यूरिया का सस्तापन और हानिरहितता दूसरों को प्रोत्साहित करना चाहिए

इसके नैदानिक उपयोग की जांच।

एक अतिरिक्त नोट के रूप में, फोल्गर और फोशाय ने भी खोज की, जैसा कि अन्य ने किया था

यूरिया शोधकर्ताओं ने बाद में, जैसे कि मजबूत जीवाणु उपभेदों को नष्ट कर दिया

जो स्टैफ और स्ट्रेप संक्रमण का कारण बनते हैं उन्हें लंबे समय तक एक्सपोजर की आवश्यकता होती है

कुछ अन्य प्रकार के जीवाणुओं की तुलना में यूरिया के लिए, जो अंदर रखने के लिए कुछ है

स्टैफ और स्ट्रेप संक्रमण से निपटने के लिए मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते समय मन।

रिपोर्ट #4 शीर्षक: कैंसर में यूरिया क्रिस्टल, 1933, डॉ. विलियम एम.
मिलर,

Machine Translated by Google

यूनिवर्सिटी के मेडिसिन कॉलेज, सर्जरी विभाग की ओर से

सिनसिनाटी के।

विषय: कैंसर के इलाज में यूरिया क्रिस्टल का उपयोग

घावों

की जीवाणुरोधी क्रिया पर फॉल्गर और फोशाय के काम के बाद

यूरिया, डॉ. मिलर ने बाहरी कैंसर को ठीक करने के लिए यूरिया क्रिस्टल का उपयोग करना शुरू किया

अल्सरेशन:

"स्लोफिंग कैंसर की अजीबोगरीब मर्मज्ञ गंध इनमें से एक है

इस बीमारी के भयानक पहलू। के ट्यूमर क्लिनिक में पिछले एक साल से

सिनसिनाटी जनरल अस्पताल, यूरिया क्रिस्टल की वकालत की गई है और

ऐसे मामलों में निर्धारित। अगर वे घाव में पैक किए जाते हैं, तो गंध

काफी हद तक रोका जाएगा।

हालांकि वे कुछ ही मिनटों में घुल जाते हैं, लेकिन उनका आक्रामक चरित्र

प्रत्येक आवेदन के साथ अल्सर कम हो जाता है।

क्रिस्टल सस्ते होते हैं, उनके पास काफी एंटीसेप्टिक मूल्य होता है, और

प्रणालीगत प्रतिक्रिया का कोई डर नहीं है..."

जैसे-जैसे बीसवीं सदी में अनुसंधान आगे बढ़ा, जीवाणुरोधी

यूरिया के गुण तेजी से प्रसिद्ध हो गए और इसका उपयोग किया जाने लगा

यूरोप और अमेरिका में घावों और संक्रमणों के उपचार तक

सदी के उत्तरार्ध में एंटीबायोटिक क्रीम का विकास, जब

ऐसा प्रतीत होता है कि इसका एंटीसेप्टिक उपयोग नए के पक्ष में बंद कर दिया गया था

और माना जाता है कि अधिक प्रभावी दवाएं।

Machine Translated by Google

यूरिया, या मूत्र, सस्ता, प्रभावी और, एक प्राकृतिक पदार्थ के रूप में, कोई कारण नहीं बनता है

शरीर में प्रतिकूल प्रतिक्रिया। यह सिद्ध जीवाणुरोधी गुण बनाता है

यह सभी प्रकार के घावों और जलन के लिए एक उत्कृष्ट उपचार है।

शीर्षक: ऑटो-मूत्र चिकित्सा, 1934, डॉ. मार्टिन क्रेब्स द्वारा, (बाल चिकित्सा- रिपोर्ट #5

सियान), सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिशियन, लीपज़िग में दिए गए एक व्याख्यान से।

ड्रेसडेन में अभ्यास करने वाले बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. क्रेब्स, अन्य कई लोगों की तरह

चिकित्सकों, रोगियों के चिकित्सीय उपयोगों की रिपोर्टों से चिंतित थे।

विभिन्न प्रकार के विकारों का इलाज और इलाज करने के लिए स्वयं का मूत्र। जैसे डॉ.

डंकन और अन्य चिकित्सकों, उन्होंने इस अभ्यास को ऑटोराइन थेरेपी के रूप में संदर्भित किया।

डॉ क्रेब्स ने अपनी चिकित्सा पद्धति के दौरान मूत्र का इंजेक्शन लगाना शुरू किया और तेजी से और अक्सर असाधारण प्रतिक्रिया पर आश्चर्यचकित हुए:

"रोगी के अपने मूत्र, एलर्जी के इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन के माध्यम से"

और बच्चों में कुछ स्पास्टिक स्थितियों में उल्लेखनीय सुधार होता है।

अस्थमा और हे फीवर के साथ असाधारण सुधार देखा जा सकता है।

मस्तिष्क को जन्म के आघात के कारण होने वाली मांसपेशियों में ऐंठन के उपचार में ऑटो-मूत्र चिकित्सा के उपयोग का भी संकेत दिया जाता है।

मैंने एक आठ साल के बच्चे का बुखार से पीड़ित 5 सीसी का इंजेक्शन लगाकर इलाज किया। के बारे में उनकी

खुद का मूत्र, और परिणाम पर हैरान था। लड़का तुरंत

बेहतर ढंग से सांस लेना शुरू कर दिया, और कुछ ही मिनटों में

आंखें गायब. एक और बच्चा जिसने अपने अस्थमा के इलाज के लिए एक अस्पताल में 31/2 महीने बिताए थे, उसे 4 सीसी का इंजेक्शन मिला। का

मूत्र। केवल 6 मिनट के बाद, वह गहरी सांस ले पा रहा था और फिर

अच्छी तरह से सोया।

Machine Translated by Google

चिकित्सा के साथ अपने पहले अनुभवों के बाद, मुझे इसे आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया गया

अन्य प्रकार के मामलों पर, और बाद में 10 महीने के बच्चे का इलाज किया

जिन्होंने स्पष्ट रूप से आंशिक पक्षाघात और मांसपेशियों में ऐंठन का प्रदर्शन किया था

जन्म आघात के कारण। मूत्र के पहले इंजेक्शन के बाद, उसने शुरू किया

अपनी मुट्ठी ढीली और खोलो, उसकी सामान्य हरकतें अधिक स्वतंत्र थीं और वह

हँसा, कुछ ऐसा जो उसके माता-पिता ने उसे कभी करते नहीं देखा था। यह भी

एनजाइना के हमले जो उसने अनुभव किए थे, इंजेक्शन के बाद बंद हो गए।

मूत्र चिकित्सा के लिए उपचार के रूप में संकेत दिया गया है:

1) गर्भावस्था में विषाक्तता,

2) एलर्जी की स्थिति,

3) काली खांसी,

4) ऐंठन

5) स्तन दूध बढ़ाना

6) हे फीवर

7) अस्थमा

8) माइग्रेन जैसी स्थिति

9) एक्जिमा

मेरा मानना है कि ऑटो-मूत्र चिकित्सा में लागू होने के योग्य है

बाल चिकित्सा का क्षेत्र। मैं हे फीवर और अस्थमा के उपचार में उपचार की अत्यधिक अनुशंसा करता हूं, और मैं आगे अनुवर्ती कार्रवाई देखना चाहता हूं

अन्य शर्तों के लिए इसके आवेदन पर किए गए नैदानिक अध्ययन जो थे

उल्लिखित।"

Machine Translated by Google

डॉ. क्रेब्स ने 1940 में बच्चों के इलाज में प्राकृतिक मूत्र का उपयोग करके आगे नैदानिक शोध अध्ययन किया। उनका अध्ययन, जिसका शीर्षक द यूज़ ऑफ़ . है

तीव्र संक्रमण के शमन में दीक्षांत मूत्र, प्रदर्शित किया गया

कि मूत्र चिकित्सा (एनीमा के माध्यम से प्रशासित) सुरक्षित थी और

काली खांसी जैसे बचपन के संक्रमणों के इलाज के लिए प्रभावी,

खसरा और चिकन पॉक्स।

58 संक्रमितों पर उनके उपचार के परिणामों से डॉ. क्रेब्स प्रभावित हुए

बच्चों, और अन्य चिकित्सकों के लिए मूत्र चिकित्सा की सिफारिश की

बच्चों में संक्रमण के लिए उपचार।

कई अन्य डॉक्टरों और शोधकर्ताओं की तरह क्रेब्स ने उत्कृष्ट खोज की

मूत्र चिकित्सा के लिए उपयोग करता है और उसने अपने कुछ माता-पिता को निर्देश दिया

युवा रोगी अपने बच्चों के इलाज के लिए घर पर इसका उपयोग कैसे करें।

80p

एनएनआईई

अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

शीर्षक: तीव्र रक्तस्राव के लिए ऑटो-मूत्र वैक्सीन थेरेपी

नेफ्राइटिस, 1934, डॉ. आर. तिबेरी, इंस्टीट्यूट ऑफ क्लिनिकल द्वारा

मेडिसिन, पेरुगिया विश्वविद्यालय, इटली।

नेफ्रैटिस गुर्दे या अन्य में एक तीव्र या पुरानी सूजन है

शब्द, एक गुर्दा संक्रमण, जो एक गंभीर स्वास्थ्य खतरा हो सकता है और है

इलाज मुश्किल। रक्त में उचित पोषक तत्व और जल संतुलन बनाए रखने के लिए गुर्दे आवश्यक हैं, लेकिन नेफ्रैटिस इसमें हस्तक्षेप करता है

समारोह, अक्सर रक्तप्रवाह के साथ अतिभारित होने का कारण बनता है

पानी और नमक जैसे अतिरिक्त तत्व। शरीर की उपयोग करने की क्षमता

Machine Translated by Google

गुर्दा संक्रमण के दौरान प्रोटीन भी अक्सर खराब हो जाता है, और प्रोटीन, या

मूत्र में एल्ब्यूमिन असामान्य रूप से उत्सर्जित हो सकता है।

नेफ्रैटिस के लक्षण हैं ठंड लगना, बुखार, तत्काल और बार-बार पेशाब आना,

पीठ और पेट में दर्द, भूख न लगना, मतली और उल्टी। खून

पेशाब में और बादल छाए रहना भी इसके लक्षण हैं।

इस अध्ययन से पता चला है कि मूत्र के इंजेक्शनों में काफी कमी आई है

लक्षण और ज्यादातर मामलों में गुर्दे के संक्रमण को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया:

"तीव्र संक्रामक रोगों के लिए आधुनिक चिकित्सीय प्रवृत्ति आम तौर पर एक एटियलजि प्रवृत्ति है; यह ठीक इसी आधार से है कि अवधारणा

वैक्सीन थेरेपी, उदाहरण के लिए, ऑटोजेनस (व्यक्तिगत, प्राकृतिक) टीके और प्रोटीन-थेरेपी, आज के मानक अभ्यास में प्रवेश कर चुके हैं।

दरअसल, अभी तक कई संक्रामक रोग हैं जिनका इस प्रकार के उपचार में उपयोग किया जाता है...

1926 से, प्रोफेसर सिल्वेस्ट्रिनी मूत्र के टीके का उपयोग कर रहे हैं

नेफ्रैटिस के मामलों के लिए ऑटोथेरेपी; हालाँकि अब तक, एक व्यवस्थित और

विशेष रूप से एक नैदानिक रूप से सांख्यिकीय अध्ययन जो एक सटीक पेशकश कर सकता है

इसकी प्रभावशीलता का संकेत संकलित नहीं किया गया था। इसलिए, मेरे पास है

कई रोगियों के चिकित्सा इतिहास एकत्र किए, जिन्होंने इलाज किया

पिछले वर्षों के दौरान इस चिकित्सा, और, इसके अलावा, दूसरों का एक समूह

जिसका मैं व्यक्तिगत रूप से पालन करने और प्रयोगशाला जांचों को प्रशासित करने में सक्षम था, ताकि अधिक से अधिक नैदानिक अवलोकन प्राप्त किए जा सकें

संभव।

मामले का अध्ययन

केस 111. एल्बुमिनुरिया पेश करने वाला एक मरीज क्लिनिक में आया

Machine Translated by Google

(प्रोटीन) और रक्त कोशिकाएं [मूत्र में], बुखार, सूजन

(जल प्रतिधारण, या सूजन), और सायनोसिस (त्वचा का नीला मलिनकिरण)। रोगी का इलाज एक के साथ किया गया था

ऑटो-मूत्र टीके के सात इंजेक्शन (7 cc. प्रत्येक) का कोर्स। मरीज के पेशाब की जांच कराई गई

तीसरे इंजेक्शन के बाद और के केवल छोटे निशान दिखाए

रिपोर्ट #6

81

आपका ओरेन परफेक्ट मेडिसिन

एल्ब्यूमिन और रक्त कोशिकाएं और एडिमा और सायनोसिस था

गायब हुआ। उपचार का कोर्स पूरा करने के बाद,

मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, पूरी तरह से

चंगा।

मामला IV. मरीज एल्बुमिनुरिया पेश कर क्लिनिक में आया

और मूत्र में रक्त कोशिकाएं, तापमान, लेकिन कोई शोफ नहीं।

रोगी को मूत्र के इंजेक्शन मिले, और आठवें के बाद

इंजेक्शन, उसके सभी लक्षण कुल छूट में चले गए थे। उपचार के तीन सप्ताह बाद, रोगी पूरी तरह से ठीक हो जाता है।

केस वी। क्लिनिक में प्रवेश करने पर, रोगी की जांच

मूत्र में काफी प्रोटीन और रक्त का पता चला और

बाईं आंख में दृश्य गड़बड़ी। यूरिन टीके के केवल तीन इंजेक्शन के बाद, लक्षण पूरी तरह से गायब हो गए और रोगी को पूरी तरह से ठीक कर दिया गया।

नेफ्रैटिस और मूत्र चिकित्सा पर यह इतालवी शोध अध्ययन एक था

Machine Translated by Google

अत्यंत गहन रिपोर्ट, नैदानिक नेफ्रैटिस के 18 मामलों का विवरण जो

मूत्र के इंजेक्शन से सफलतापूर्वक इलाज किया गया।

नेफ्रैटिस के उपचार पर एक और समान अध्ययन, शीर्षक, उपचार

ऑफ ग्लोमर-यूलोनेफ्राइटिस बाय एंटीजन, लंदन लैंसेट में प्रकाशित हुआ

दिसंबर, 1936, डॉ एचबी डे, (लंदन) द्वारा, दोनों तीव्र दोनों के कई मामलों पर एक सरल, प्राकृतिक मूत्र निकालने की प्रभावशीलता का भी प्रदर्शन किया।

और पुरानी नेफ्रैटिस:

"मूत्र निकालने के इंजेक्शन द्वारा उपचार अलग दिखाई दिया

तीव्र ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस में मूल्य और तीव्रता के लिए या

रोग के पुराने सक्रिय रूपों में फिर से शुरू हो जाता है ... पुराने मामलों में,

इस उपचार का प्रभाव अक्सर हड़ताली होता है।"

दिन ने यह भी नोट किया कि:

नेफ्रैटिस के बिना रोगियों पर परीक्षण से पता चला है कि मूत्र निकालने, यहां तक कि

बड़ी खुराक में, गुर्दे के कार्य या रक्त पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा

दबाव।

शीर्षक: ऑटो-रिपोर्ट #7 के साथ कोलिबैसिलरी सिस्टिटिस का उपचार

मूत्र चिकित्सा, 1935, डॉ. एम. गारोटेस्कु द्वारा, चिकित्सा में प्रकाशित

जर्नल, रोमानिया मेडिकला।

इस रिपोर्ट में लेखक डॉ. गारोटेस्कु ने अपने अनुभवों का वर्णन किया है

मूत्राशयशोध, एक दर्दनाक सूजन, या मूत्राशय के संक्रमण का इलाज

जो आमतौर पर महिलाओं को प्रभावित करता है और किडनी में संक्रमण जैसी गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है।

Machine Translated by Google

डॉ. गारोटेस्कु ने सिस्टिटिस के कई मामलों का इलाज के इंजेक्शन से किया

रोगियों के स्वयं के मूत्र, और पता चला कि इन उपचारों का उत्पादन होता है

उत्कृष्ट परिणाम, जिनकी पुष्टि प्रयोगशाला परीक्षणों द्वारा की गई थी

कि मूत्र के बाद सिस्टिटिस बैक्टीरिया पूरी तरह से गायब हो गया था

इंजेक्शन उपचार। उदाहरण के लिए:

केस # 1: एक बत्तीस वर्षीय महिला जिसके विशिष्ट लक्षण हैं

बार-बार, दर्दनाक पेशाब सहित सिस्टिटिस; पुरानी कब्ज की भी शिकायत की जिसके लिए वह रही है

कई वर्षों तक असफल रूप से जुलाब लेना। वह थी

12 मूत्र इंजेक्शन के साथ इलाज किया गया और सभी लक्षण पूरी तरह से गायब हो गए। उपचार की सफलता थी

प्रयोगशाला परीक्षणों द्वारा सत्यापित जो एक पूर्ण दिखा

उसके मूत्र में कोलीबैसिली (सिस्टिटिस बैक्टीरिया) की अनुपस्थिति।

मामला # 2: एक 28 वर्षीय महिला बार-बार शिकायत करती है और

मूत्र त्याग करने में दर्द। मूत्र के नमूने का प्रयोगशाला विश्लेषण

कोलीबैसिली की कई कॉलोनियों की उपस्थिति का पता चला।

मरीज को ऑटो-मूत्र के 4 इंजेक्शन दिए गए, जिसके बाद

संक्रमण के सभी लक्षण और लक्षण पूरी तरह से थे

सुधारा हुआ

डॉ. गारोटेस्कु ने बताया कि उन्होंने मरीजों को 220 यूरिन इंजेक्शन दिए

बिना किसी प्रतिकूल दुष्प्रभाव के, कभी-कभार के अलावा, जो भी हो,

इंजेक्शन के स्थान पर अस्थायी लालिमा और सूजन जो है

आमतौर पर मूत्र इंजेक्शन, या किसी भी प्रकार के इंजेक्शन के साथ सूचित किया जाता है।

Machine Translated by Google

आर

रिपोर्ट #8 शीर्षक: विषाणुनाशक (रेबीज और पोलियोमाइलाइटिस) गतिविधि का

जलीय यूरिया समाधान, 1936, डॉ. ईटन एम. मैके द्वारा और

डॉ. चार्ल्स आर. श्रोएडर, अमेरिकन प्रोसीडिंग्स ऑफ़ . के लिए प्रकाशित

प्रायोगिक जीवविज्ञान का समाज

विषय: रेबीज और पोलियो वायरस का विनाश

यूरिया।

यूरिया की वायरस को नष्ट करने की क्षमता पर यह रिपोर्ट बेहद दिलचस्प है

और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण है कि आज भी, लगभग 60 साल बाद

यह अध्ययन प्रकाशित किया गया था, अभी भी कोई चिकित्सा इलाज या प्रभावी दवा नहीं है

वायरल संक्रमण के लिए उपचार। और जैसा कि हम जानते हैं, वायरस घातक हो सकते हैं।

पोलियो और रेबीज पर यूरिया के प्रभाव का प्रयोग करने के बाद

वायरस, मैके और श्रोएडर रिपोर्ट करते हैं कि:

"...इन विषाणुओं (रेबीज .) पर यूरिया की प्रबल सान्द्रता का प्रभाव

और पोलियो) दिलचस्प साबित हुआ। जैसा कि सबसे पहले स्पिरो और रैम्सडेन द्वारा दर्ज किया गया था,

जलीय घोल में यूरिया में 'विघटित' करने की उल्लेखनीय क्षमता होती है

प्रोटीन...

हम निष्कर्ष निकालते हैं...कि यूरिया का मजबूत घोल न केवल क्षीण होता है

(कमजोर) या पोलियोमाइलाइटिस वायरस को इस अर्थ में पतला करता है कि यह गैर-संक्रामक है लेकिन वास्तव में इसे नष्ट कर देता है ...

यूरिया एक ऐसा अपेक्षाकृत निष्क्रिय पदार्थ है और निश्चित रूप से नहीं

Machine Translated by Google

प्रोटोप्लाज्मिक जहर जैसे कि अधिकांश विषाणुनाशक एजेंट हैं कि यह है

एक तरह से आश्चर्य की बात है कि रेबीज और पोलियोमाइलाइटिस मारे जाते हैं

यूरिया के घोल से आसानी से...

यह सच है कि तटस्थ और निष्क्रिय जैसा है, यूरिया, क्षार की तरह, विकृतीकरण

प्रोटीन को घोलते समय और यह प्रतिक्रिया किसके साथ जुड़ी हो सकती है

वायरस की मौत। यह विकृतीकरण बहुत कम में होता है

मिनट..."

ऐसा प्रतीत होता है कि यह रिपोर्ट के उपचार के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखती है

एड्स वायरस, एचआईवी। क्योंकि सांद्र यूरिया साबित हो चुका है

शरीर को नुकसान पहुंचाए बिना वायरस को नष्ट करें, मौखिक मूत्र चिकित्सा, जो

यूरिया सांद्रता बढ़ाता है (डॉ. डी. काये देखें), तार्किक रूप से एक होगा

उपचार के नियमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अतिरिक्त; विशेष रूप से देखने में

तथ्य यह है कि मूत्र चिकित्सा भी एंटीबॉडी की एक विस्तृत विविधता प्रदान करती है

(संक्रमित रोगियों में एचआईवी एंटीबॉडी सहित) और अन्य महत्वपूर्ण

प्रतिरक्षा रक्षा सहायक एजेंट।

एचआईवी या एड्स से ग्रसित कोई भी व्यक्ति मूत्र संबंधी जानकारी को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता

चिकित्सा, विशेष रूप से खतरे और अप्रभावीता को देखते हुए

'स्वीकृत' एड्स उपचार जैसे AZT। एड्स पर एक अलग खंड

और मूत्र चिकित्सा इस अध्याय में आगे प्रस्तुत की गई है। फिर से,

क्योंकि मूत्र चिकित्सा आसानी से सुलभ, सस्ती और सिद्ध होती है

पूरी तरह से सुरक्षित, एड्स और अन्य वायरल संक्रमणों के इलाज में इसका उपयोग करने का कोई नकारात्मक जोखिम नहीं है।

Machine Translated by Google

आर

शीर्षक: यूरिया के साथ संक्रमित घावों का उपचार, 1938,

लियोन मुलदाविस द्वारा (रॉयल फ्री अस्पताल में वरिष्ठ हताहत अधिकारी,

लंदन) और जीन एम होल्ट्ज़मैन (फिजियोलॉजी में प्रदर्शनकारी, लंदन)

महिलाओं के लिए स्कूल ऑफ मेडिसिन)। अंग्रेजी मेडिकल जर्नल द लंदन लैंसेट में प्रकाशित।

विषय: संक्रमित घाव, त्वचा के अल्सर और का उपचार

यूरिया के साथ जलता है

रिपोर्ट #9

यूरिया के साथ घावों के उपचार में पहले के शोध पर आकर्षित,

मुलदाविस और होल्ट्ज़मैन ने अपने में यूरिया क्रिस्टल का व्यापक रूप से उपयोग करना शुरू किया

गंभीर घावों और चूतड़ों का अस्पताल में उपचार:

"यूरिया के प्रोटीन विलायक गुणों की सबसे पहले स्पिरो द्वारा जांच की गई थी

(1900) और स्वतंत्र रूप से रैम्सडेन (1902) द्वारा... सिमर्स और किर्की

(1915) ने इसके जीवाणुनाशक गुणों के साथ-साथ इसके उपयोग के बारे में बताया

घावों का उपचार। इस लेख के बावजूद, यूरिया का उपयोग

घाव चिकित्सा को स्पष्ट रूप से इस देश में बहुत कम लोकप्रियता मिली है

[इंग्लैंड]।

अमेरिका में, हालांकि, हाल ही में रॉबिन्सन (1936) और होल्डर और मैके द्वारा विभिन्न संक्रमित घावों के उपचार के लिए इसका उपयोग किया गया है।

(1937), जिन्होंने इसे अत्यंत कुशल पाया। इसके अलावा, यह एक पदार्थ है

जो आसानी से मात्रा में उपलब्ध है और सस्ता और स्थिर दोनों है। के लिये

इन कारणों से हताहतों में इसकी प्रभावकारिता का परीक्षण करना वांछनीय समझा गया था

Machine Translated by Google

रॉयल फ्री हॉस्पिटल (लंदन) के विभाग...

यूरिया होने के बावजूद कोई जहरीला प्रभाव दर्ज नहीं किया गया है

ठोस रूप में लागू। इसलिए हमने दोनों संतृप्त . का उपयोग करने का निर्णय लिया

समाधान और क्रिस्टल भर में।

नियोजित प्रक्रिया इस प्रकार थी: घावों को सीरिंज किया गया था

के संतृप्त घोल के साथ मवाद और परिगलित (मृत) सामग्री से मुक्त

यूरिया, अत्यधिक नमी हटा दी गई थी और यूरिया क्रिस्टल तब थे

उदारतापूर्वक लागू किया गया। रखने के लिए क्रिस्टल के बगल में लच्छेदार कागज रखा गया था

85आपकी खुद की सही दवा

उनसे संपर्क में

ज घाव और ड्रेसिंग बनने से रोकने के लिए

लथपथ

छह महीने की अवधि के लिए निम्नलिखित प्रकार के मामलों का इलाज किया गया है: (1)
फोड़े - सतही और गहरे घाव, (2) संक्रमित दर्दनाक

सभी प्रकार के घाव, (3) संक्रमित रक्तगुल्म (चोट वाले क्षेत्र), (4)

सेल्युलाइटिस, (सूजन चमड़े के नीचे के ऊतक), (5) सेप्टिक घाव के कारण

दूसरी, तीसरी और चौथी डिग्री की जलन, (6) वैरिकाज़ अल्सर, (7) कार्बुन्सल्स

(बाहरी स्टैफ संक्रमण), (8) हाथ के संक्रमित टेनोसिनोवाइटिस (सूजन वाले टेंडन)। कुल 170 मामलों का इलाज किया जा चुका है। नोट रखे गए थे

सबकी प्रगति पर...

अन्य समाधानों के साथ यूरिया की दक्षता की तुलना करने की दृष्टि से, उपचार के लिए सबसे पहले चुने गए मामले वे थे जिनमें

या तो अन्य एंटीसेप्टिक्स के साथ सुस्त व्यवहार किया था या वास्तव में पीछे हट गया था। 'प्राप्त परिणाम इतने अनुकूल थे कि हमने उपयोग करना शुरू कर दिया'

Machine Translated by Google

यूरिया अधिक आम तौर पर।

विशिष्ट मामले

केस 1. 27 वर्ष की आयु के एक व्यक्ति ने वैरिकाज़ अल्सर पेश किया ... बाईं ओर

लेग ... उसके पास लगभग 18 महीने तक उसके पास नहीं था

चंगा। इस दौरान इसका इलाज किया गया था

ईस्टोप्लास्ट और विभिन्न अन्य पदार्थ। उस समय

यूरिया का इलाज शुरू हुआ अल्सर अंडाकार अनियमित था

उल्टे सूजे हुए किनारों और ढके हुए फर्श के साथ रूपरेखा

एक सफेद, दुर्गंधयुक्त घोल के साथ। अल्सर प्राप्त हुआ

यूरिया की ड्रेसिंग 14 दिनों तक रोजाना करें। 2 दिनों के बाद बेईमानी

गंध गायब हो गई थी और 4 दिनों के बाद का आधार

अल्सर चमकीले लाल दानों के एक समूह द्वारा कवर किया गया था

(नया ऊतक)। 14वें दिन तक त्वचा के किनारे बड़े हो गए थे

और अल्सर का आकार 3/4 गुणा 1/2 इंच था। फर्श था

सूखा। रोगी ने सूखी ड्रेसिंग की थी और उसे छुट्टी दे दी गई थी।

रोगी के 10 दिन बाद फिर से अल्सर की जांच की गई

डिस्चार्ज किया गया और पूरी तरह से ठीक पाया गया।

केस 2. 47 वर्ष की आयु के एक पुरुष की ...तीसरी दाहिनी उंगली पर एक सेप्टिक क्षेत्र था। यह सूखा हुआ था लेकिन मवाद का निर्वहन जारी रहा।

घाव फिर से खोला गया जब यह पाया गया कि

संक्रमण कण्डरा म्यान में प्रवेश कर गया था। पर्याप्त

जल निकासी प्रदान की गई और उंगली का एक्स-रे किया गया।

फिर घाव का इलाज यूसोल बाथ से किया गया। कई के बाद

Machine Translated by Google

दिनों उपचार का कोई प्रयास नहीं किया गया था। यूरिया उपचार

शुरू किया गया था और 3 दिनों के बाद ,

स्लो हटा दिया गया

इस प्रकार अंतर्निहित कण्डरा को उजागर करना। इस समय स्वस्थ दाने (नए ऊतक) मौजूद थे। यूरिया

उपचार जारी रखा। मरीज को छुट्टी दे दी गई 22

उपचार शुरू होने के कुछ दिनों बाद, घाव हो रहा है

पूरी तरह से ठीक हो गया। समारोह का कोई नुकसान नहीं था ...

जैसा कि ऊपर से देखा जा सकता है, हमने यूरिया का उपयोग a . में किया है

हताहत विभाग के मामलों की विविधता। के कारण

यूरिया की अत्यधिक प्रसार क्षमता यहां तक कि गहरा घाव भी कर सकता है

प्रभावी ढंग से इलाज किया जाए।

यूरिया उपचार के लिए एक बहुत ही निश्चित प्रतिक्रिया लगभग है

हमेशा दो या तीन अनुप्रयोगों के बाद प्राप्त होता है...सेप्टिक

बम्स, भले ही वे एक बहुत विस्तृत क्षेत्र को कवर करते हैं, नीचे

यह उपचार साफ हो जाता है और दाने बन जाते हैं

जल्दी से आसपास के उपकला में बढ़ने में सक्षम है

लेकिन थोड़ी देरी के साथ। एक ही त्वरित प्रतिक्रिया अक्सर होती है

वैरिकाज़ अल्सर में प्राप्त। इसके साथ ही एडिमा में काफी कमी आती है क्योंकि स्थानीय संचार स्थितियों में सुधार होता है। कार्बुनकल (बाहरी स्टैफ संक्रमण) के इलाज के लिए, हमने यूरिया को किसी अन्य के लिए बेहतर पाया

शुरुआती चीरे के बाद ड्रेसिंग...

हमारी श्रृंखला के किसी भी मामले में हमने कोई त्वचा नहीं देखी

Machine Translated by Google

प्रतिक्रिया जिसे यूरिया डार्माटाइटिस (दाने) कहा जा सकता है,

न ही हमारे पास किसी जहरीले प्रभाव का सबूत है। हमने कभी नहीं देखा

यूरिया उपचार या किसी के तहत सेप्सिस (संक्रमण) का प्रसार

घाव के किनारों को कम करना।

यूरिया उपचार के लाभ इस प्रकार हैं: (1) यह

सस्ता है, क्रिस्टल की कीमत एक शिलिंग प्रति पाउंड है...(2) It

कोई जिल्द की सूजन पैदा नहीं करता है। (3) यह दुर्गंध को दूर करता है

घाव। (4) परिगलित (मृत) सामग्री को घोलकर, यह

एक साफ घाव पैदा करता है, जिससे उपचार को आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है।

(5) स्थानीय संचार स्थितियों में सुधार और स्वस्थ हैं

दाने (नए ऊतक) बनते हैं। (6) इसका कोई नहीं है

विषाक्त प्रभाव और जीवित सामग्री के परिगलन (मृत्यु) का कारण नहीं बनता है। इस कारण से, मजबूत एंटीसेप्टिक्स के विपरीत यह नहीं करता है

जीव की रक्षा के लिए आवश्यक "ल्यूकोसाइटिक बाधा" को नष्ट करें। (7) यूरिया उपचार सफल रहा है

जहां अन्य उपचार विफल हो गए हैं। (8) हमें इसके उपयोग के लिए कोई गर्भनिरोधक संकेत नहीं मिले।"

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण प्रतीत होता है, इस अध्ययन को पढ़ने के बाद, सामान्य एंटीसेप्टिक के रूप में सुरक्षित, प्रभावी और सस्ती यूरिया की उपेक्षा की गई और

कोर्टिसोन और एंटीबायोटिक क्रीम के पक्ष में घाव का उपचार। कोर्टिसोन

खतरनाक और जहरीले साबित हुए हैं और एंटीबायोटिक्स अच्छे को नष्ट कर देते हैं

खराब के साथ बैक्टीरिया। इसके अलावा नियमित रूप से एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करके, हम

पी

पी

पी

Machine Translated by Google

पी

पी

उनकी प्रभावशीलता को बहुत कम कर दिया है क्योंकि बैक्टीरिया के उपभेदों ने उनके लिए बढ़ती प्रतिरोध विकसित किया है।

रिपोर्ट #10 शीर्षक: पेप्टिक अल्सर पर मूत्र के अर्क का प्रभाव,

1941, डेविड जे. सैंडवाइस, एमडी, एमएच सुगरमैन, एमडी, एमएचएफ द्वारा

फ्राइडमैन, पीएच.डी., एचसी साल्ट्ज़स्टीन, एमडी, (अनुसंधान से अनुदान द्वारा सहायता प्राप्त)

मेंडेलसन फंड और पार्के-डेविस एंड कंपनी)।

विषय: पेट के अल्सर का मूत्र के साथ उपचार

अर्क

यह नैदानिक और प्रयोगशाला अध्ययनों पर एक रिपोर्ट है जो दर्शाती है कि मूत्र

गर्भावस्था के मूत्र और सामान्य मूत्र से लिया गया अर्क, जब दिया जाता है

अंतःशिरा या इंजेक्शन, पर लाभकारी और चिकित्सीय प्रभाव पड़ता है

मनुष्यों में पुरानी ग्रहणी संबंधी अल्सर और अन्य प्रकार के पेट के अल्सर

और प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित पशु पेट के अल्सर पर।

अन्य बातों के अलावा, शोधकर्ताओं ने बताया कि:

1) मूत्र में एक प्रकार का गैस्ट्रिक सेक्रेटरी सप्रेसेंट (या एंटासिड) होता है

यूरोगैस्ट्रोन कहा जाता है, जो पेट के अस्तर की जलन से बचा सकता है जिससे अल्सर हो सकता है।

2) कुछ मूत्र के अर्क ने क्षतिग्रस्त कोशिकाओं में नई कोशिकाओं, ऊतकों और रक्त वाहिकाओं के विकास को उत्तेजित करके अल्सर के उपचार को भी प्रोत्साहित किया

क्षेत्र।

Machine Translated by Google

अध्ययन में गर्भावस्था मूत्र निकालने पर भी चर्चा की गई है जिसे एंटुट्रिन एस कहा जाता है

जिसे जानवरों में प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित अल्सर पर लाभकारी चिकित्सीय प्रभाव होने की सूचना मिली थी।

रिपोर्ट में यूरिन एक्सट्रेक्ट थेरेपी की तुलना अल्सर की अन्य दवा से की जाती है

उपचार और आहार में परिवर्तन और यह मानव परीक्षण में पाया गया कि:

"...उन [अल्सर रोगियों] का एक उच्च प्रतिशत मूत्र निकालने के साथ इलाज किया गया

उपचार के दौरान लक्षण मुक्त हो गया (इस प्रकार, अधिक संख्या में आनंद लिया गया

एक रखरखाव आहार जल्द) और बहुत अधिक प्रतिशत लंबे समय तक आनंद लिया

लक्षण मुक्त अंतराल (इस प्रकार, अधिक संख्या के साथ अधिक संख्या जारी रही

लंबे समय तक उदार आहार)।

यह अध्ययन 1941 से पहले 13 अन्य शोध अध्ययनों का संदर्भ देता है जो थे

पेट के अल्सर के उपचार में मूत्र के अर्क के लाभकारी प्रभावों पर भी आयोजित किया गया।

शीर्षक: जीवन का जल, (पुस्तक) 1944, जॉन आर्मस्ट्रांग द्वारा। रिपोर्ट #11

यह किताब किसी डॉक्टर या शोधकर्ता ने नहीं लिखी है, लेकिन यह सबसे ज्यादा है

प्रशंसापत्र की सम्मोहक और शक्तिशाली पुस्तक कभी उपयोग पर लिखी गई है

मूत्र चिकित्सा की और मूत्र पर किसी भी कार्य में शामिल होने के योग्य है

चिकित्सा।

जॉन आर्मस्ट्रांग एक असाधारण अंतर्दृष्टि के साथ सिर्फ एक "साधारण" अंग्रेज थे।
जब उन्होंने 34 वर्ष की आयु में और बाद में तपेदिक का अनुबंध किया

मधुमेह, वह मदद के लिए विभिन्न डॉक्टरों के पास गया, लेकिन दो साल बाद

असफल उपचार, अपने स्वयं के समाधान की तलाश करने का निर्णय लिया

स्वास्थ्य समस्याएं। उन्होंने जो समाधान खोजा वह मूत्र चिकित्सा था।

Machine Translated by Google

पैंतालीस दिनों के उपवास के बाद पेशाब और पानी के अलावा कुछ नहीं

आर्मस्ट्रांग ने बताया कि

"मैंने महसूस किया और 'एक पूरी तरह से नया आदमी' था। मेरा वजन 140 पाउंड था

विम और मैं वास्तव में जितना था उससे लगभग ग्यारह साल छोटा लग रहा था।"

आर्मस्ट्रांग अपने स्वयं के ठीक होने पर इतने चकित हुए कि उन्होंने सलाह देना शुरू कर दिया

अन्य लोग मूत्र उपवास के साथ खुद को कैसे ठीक करें। उनकी तकनीक इतनी सफल थी कि सैकड़ों लोगों के पास सब कुछ था

कैंसर से हृदय रोग, गैंग्रीन, गुर्दे की बीमारी, यौन रोग से

रोग, मोटापा, प्रोस्टेट की समस्या और कई अन्य कठिन विकार

मदद के लिए आर्मस्ट्रांग आए और ठीक हो गए। आर्मस्ट्रांग स्व

कथित तौर पर अपने अस्सी के दशक में स्वस्थ और खुशी से रहते थे,

एक अच्छा आहार, एक स्वस्थ जीवन शैली और अंतर्ग्रहण करके

मूत्र की छोटी दैनिक खुराक।

आर्मस्ट्रांग की किताब में एक चीज की कमी है वह है वैज्ञानिक प्रमाण, लेकिन

कहानियाँ भयानक रूप से बीमार लोगों के चमत्कारिक रूप से ठीक होने के अविश्वसनीय नाटक से इतनी भरी हुई हैं कि इसे पढ़ने वाले अधिकांश लोग इसकी परवाह करना बंद कर देते हैं

पुष्टि प्रयोगशाला अध्ययन।

आर्मस्ट्रांग की किताब एक अद्भुत प्रेरणा है, लेकिन तथ्य यह है कि बहुत कुछ

मूत्र चिकित्सा का समर्थन करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं जिन्हें पहचानने और सार्वजनिक करने की आवश्यकता है क्योंकि जब तक ऐसा नहीं होगा, तब तक अधिकांश लोग होंगे

डॉक्टरों और चिकित्सकों द्वारा मूत्र चिकित्सा से डरते हैं

जो इस बात पर जोर देते हैं कि कोई प्रयोगशाला और नैदानिक अध्ययन समर्थन नहीं कर रहे हैं

यह।

Machine Translated by Google

साथ ही, आर्मस्ट्रांग की विस्तारित मूत्र और जल उपवास की विधि बहुत ही है

कट्टरपंथी और निश्चित रूप से घरेलू उपयोग के लिए उचित नहीं है, खासकर जब से

आर्मस्ट्रांग ने अपने रोगियों की अत्यंत सावधानी से निगरानी की और प्रदान किया

उनके उपवास के लिए कुछ शर्तें जो आज आसानी से दोहराई नहीं जाती हैं।

जॉन आर्म-स्ट्रॉन्ग की पुस्तक प्रशंसापत्र का एक प्रेरक संकलन है और

मूत्र चिकित्सा में रुचि रखने वाले सभी लोगों के लिए उत्कृष्ट पठन बनाता है

रिपोर्ट #12 शीर्षक: यूरिया की क्रिया और उसके कुछ अंश
डेरिवेटिव

बैक्टीरिया पर, लुई वेनस्टेन और एलिस मैकडोनाल्ड द्वारा, 1946, From

इवांस मेमोरियल, मैसाचुसेट्स मेमोरियल अस्पताल, और

मेडिसिन विभाग, बोस्टन, मैसाचुसेट्स।

विषय: यूरिया के जीवाणु-विनाशकारी गुण

चर्चा: सिंथेटिक का उपयोग करने का संभावित खतरा

मूत्र व्युत्पन्न।

यह अध्ययन दो शोधकर्ताओं, वीनस्टीन और मैकडॉनल्ड्स द्वारा यूरिया के जीवाणुरोधी गुणों पर किए गए कई अध्ययनों में से केवल एक है। इसमें

रिपोर्ट, वे के जीवाणुरोधी प्रभाव में पिछले शोध पर चर्चा करते हैं

यूरिया और रिपोर्ट है कि उनके अध्ययन ने भी पुष्टि की है कि यूरिया दोनों होगा

विकास को रोकता है और कई अलग-अलग प्रकार के जीवाणुओं को नष्ट करता है जैसे कि

जो पेचिश, टाइफाइड और स्टैफ और स्ट्रेप संक्रमण का कारण बनते हैं:

"यूरिया और यूरेथेन कई के लिए बैक्टीरियोस्टेटिक और जीवाणुनाशक हैं

ग्राम-नकारात्मक और ग्राम-पॉजिटिव बैक्टीरिया..."

दूसरे शब्दों में, इस अध्ययन ने साबित किया, जैसा कि दूसरों ने इसे पसंद किया, यूरिया कर सकता है

Machine Translated by Google

विकास को रोकें या कई अलग-अलग प्रकार के रोग जीवाणुओं को मारें।

यूरिया पर यह विशेष अध्ययन इस बात का भी अच्छा उदाहरण है कि सिंथेटिक क्यों?

दवा यौगिकों को नियमित रूप से उपयोग के लिए नहीं माना जाना चाहिए

मूल या प्राकृतिक औषधीय तत्वों का स्थान।

जैसा कि वीनस्टीन और मैकडॉनल्ड ने कहा, उन्होंने बैक्टीरिया को मारने के लिए यूरिया और एक रासायनिक रूप से संश्लेषित यूरिया यौगिक, जिसे यूरेथेन कहा जाता है, दोनों का इस्तेमाल किया और

उन्होंने जीवाणुरोधी एजेंटों के रूप में चिकित्सा उपयोग के लिए यूरिया और यूरेथेन दोनों की सिफारिश की।

90r

मैं

आर

अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

वीनस्टीन और मैकडॉनल्ड्स ने पाया कि यूरेथेन (हीटिंग द्वारा बनाया गया)

यूरिया और इसे अल्कोहल और अन्य सिंथेटिक एजेंटों के साथ मिलाना) कभी-कभी बैक्टीरिया पर अकेले यूरिया की तुलना में एक तेज और घातक "मार" था, और इसलिए

साधारण यूरिया पर इसके उपयोग पर जोर दिया। लेकिन उन्हें क्या पता नहीं था

वह समय था जब urethane का कार्सिनोजेनिक (कैंसर पैदा करने वाला) प्रभाव होता है

t•=1 शरीर।

जैसा कि कार्सिनोजेन्स पर चौथी वार्षिक रिपोर्ट, 1985 में कहा गया है: "इस पदार्थ (यूरेथेन) को कार्सिनोजेन होने का उचित अनुमान लगाया जा सकता है।" ए

1968 में एडवांस्ड कैंसर रिसर्च जर्नल में यूरेथेन की कार्सिनोजेनिक क्रिया की समीक्षा भी रिपोर्ट की गई थी।

तो आप देख सकते हैं कि नई और "बेहतर" सिंथेटिक दवाओं के साथ प्रयोग करने वाले वैज्ञानिकों द्वारा कितनी खतरनाक त्रुटियां की जा सकती हैं। में

वीनस्टीन और मैकडॉनल्ड्स दिवस, यह जानने या भविष्यवाणी करने का कोई तरीका नहीं था कि दीर्घावधि में यूरेथेन शरीर को कैसे प्रभावित करेगा। और यह

Machine Translated by Google

नई दवाओं के बारे में आज भी यही सच है जो शुरू में चमत्कारिक इलाज की तरह लगती हैं

लेकिन बाद में घातक पदार्थ बन गए।

मिश्रित मूत्र-व्युत्पन्न दवाएं दिमाग में बेहतर लग सकती हैं

चिकित्सा शोधकर्ता, और यहां तक कि उपभोक्ता भी, लेकिन वे क्या अच्छे हैं अगर

वे बाद में हानिकारक या घातक भी साबित होते हैं? साधारण यूरिया और मूत्र

वैज्ञानिक अध्ययन की लगभग पूरी सदी में सुरक्षित दिखाया गया है

और उपयोग करें, इसलिए निश्चित रूप से इनका नियमित रूप से उपयोग शुरू करना समझ में आता है

संभावित खतरनाक यौगिक रसायन का सहारा लेने से पहले दवा

दवाएं।

शीर्षक: यूरिन थेरेपी, 1947, प्रोफेसर जे. प्लाश, एमडी, फ्रॉम ए रिपोर्ट #13

अंग्रेजी मेडिकल जर्नल, द मेडिकल प्रेस (लंदन) में लेख।

विषय: मूत्र चिकित्सा का उपयोग 1/एन का उपचार

संक्रामक रोग, अस्थमा, एलर्जी, माइग्रेन,

वायरल संक्रमण, हे फीवर, मधुमेह, गठिया,

अधिवृक्क और थायराइड ग्रंथियों की शिथिलता,

दिल की स्थिति।

डॉ. प्लेश, एक अंग्रेज चिकित्सक, ने अपने में प्राकृतिक मूत्र इंजेक्शन का इस्तेमाल किया

व्यापक रूप से चिकित्सा अभ्यास और बड़ी संख्या में रोग स्थितियों पर उत्कृष्ट सफलता के साथ:

"...वास्तव में, संक्रमित व्यक्ति के मूत्र का उपयोग करने की मेरी सिफारिश

ऑटो-टीकाकरण के लिए जेनर के तरीकों का केवल एक विस्तार है और

पाश्चर और इसलिए यह अजीब है कि ऑटो-मूत्र टीकाकरण नहीं हुआ है

Machine Translated by Google

पहले इस्तेमाल किया गया है। पाश्चर-फेनर के बीच मुख्य अंतर

तरीकों और ऑटो-मूत्र चिकित्सा इस तथ्य में निहित है कि रोगी के ताजा मूत्र को टीका लगाने से सक्रिय संक्रामक सामग्री प्राप्तकर्ता के स्वयं के माध्यम से पारित होने से कमजोर हो गई है।

तन।

मैं अपने अनुभव से आश्वस्त हूं कि यह जांच के लायक है

यह विधि सभी संक्रामक रोगों के संबंध में व्यवस्थित रूप से,

पोलियोमाइलाइटिस, आदि सहित।

इसके अलावा, इस चिकित्सा के आवेदन के दौरान, मैंने कुछ देखा

उल्लेखनीय प्रभाव। मेरे पहले रोगियों में जिनका मैंने मूत्र द्वारा इलाज किया था

थेरेपी अस्थमा का एक विशिष्ट मामला था। पहले इंजेक्शन के तुरंत बाद और टीकाकरण प्रभाव विकसित होने से पहले, यह रोगी

अस्थमा के अपने दैनिक हमलों को खो दिया।

इस सुराग के बाद, मैंने पाया कि एनाफिलेक्टिक (एलर्जी) व्यक्ति

ऑटो-मूत्र इंजेक्शन द्वारा निष्क्रिय किया जा सकता है। बाद की जांच ने मुझे आश्वस्त किया कि ऑटो-मूत्र चिकित्सा का उपयोग सभी प्रकार के एनाफिलेक्टिक (एलर्जी) रोगों के खिलाफ काफी लाभ के साथ किया जा सकता है, जैसे कि हे फीवर, पित्ती, (पित्ती), गुर्दे की शिथिलता

आंत्र पथ जैसे ऐंठन, आदि। इससे माइग्रेन से भी राहत मिली

और अन्य स्पास्टिक स्थितियां।

जब से मैंने तीन साल पहले ऑटो-मूत्र चिकित्सा शुरू की थी, मेरे पास है

कई सौ इंजेक्शन दिए और मैं नहीं आया a

एकल मामला जहां रोगी को कोई नुकसान हुआ।

यह इस कारण से है, और क्योंकि यह विधि इतनी सरल है कि

Machine Translated by Google

किसी भी अभ्यासी द्वारा बिना किसी कठिनाई के उपयोग किया जा सकता है, कि मैं

इस प्रारंभिक चरण में मेरे निष्कर्षों को प्रकाशित करने का निर्णय लिया।

मैंने जिन टिप्पणियों को उद्धृत किया है, वे निस्संदेह पर्याप्त हैं

विशेषज्ञ को यह इंगित करने के लिए कि अनुसंधान का एक बिल्कुल नया क्षेत्र है

खोला जा रहा है जो हमारे लिए काफी अतिरिक्त जोड़ सकता है

बैक्टीरियोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और सीरोलॉजी का ज्ञान।

पुरुषों का ताजा मूत्र व्यावहारिक रूप से निष्फल होता है और महिलाओं का भी, यदि

बाहरी जननांग को पहले साफ किया गया है। के प्रयोजनों के लिए

तत्काल इंजेक्शन मूत्र इसलिए सीधे एकत्र किया जा सकता है

बाँझ बर्तन...

आवेदन वास्तव में बहुत सरल है। सबसे उपयुक्त तरीका है

अंतर्गर्भाशयी इंजेक्शन। एक ऑटो-वैक्सीन के रूप में मूत्र का उपयोग करते समय मैंने पाया

जो आमतौर पर एक चौथाई से आधा cc का इंजेक्शन होता है। ताजा मूत्र पर्याप्त है। एनाफिलेक्टिक (एलर्जी) के मामलों में मैंने इसे शुरू करना उपयोगी पाया है

जे

92r

सी

सी

5 सीसी के साथ ताजा पेशाब और इंजेक्शन को कम करने के साथ दोहराने के लिए

1/2 सीसी तक की खुराक। ताजा पेशाब से...

इस प्रकार मूत्र का उपयोग टीकाकरण या डिसेन्सिटाइजेशन के लिए किया जा सकता है। इलाज

रोगी के स्वयं के मूत्र के साथ बैक्टीरिया के खिलाफ संकेत दिया जाता है या

Machine Translated by Google

वायरस के संक्रमण और एलर्जी की स्थिति के खिलाफ... इसके अलावा,

मूत्र में निहित हार्मोनल अंत उत्पाद और एंजाइम

यह संभव बनाएं कि यह विधि चयापचय संबंधी गड़बड़ी जैसे मधुमेह और गाउट के खिलाफ और खिलाफ उपयोगी हो सकती है

अंडाशय या थायरॉयड, आदि कार्यों की गड़बड़ी।"

मामले का अध्ययन

पीलिया

(1) मिस एम। -14 साल की। स्कूल में के कई हमले

इक्टेरस (पीलिया)। चूंकि 2/1/45 उदास, सिरदर्द, नहीं

भूख, लेपित जीभ, कुछ हद तक बढ़ा हुआ तापमान। पेट में सूजन महसूस होना, दाहिनी ओर दर्द होना

हाइपोगैस्ट्रिटम 13/1, पूरी तरह से विकसित पीलिया, मूत्र

गहरे भूरे रंग। 16/1, 1/2 सीसी का इंट्राग्लुटियल इंजेक्शन। अपना

मूत्र। कोई स्थानीय प्रतिक्रिया नहीं। 31/1. पीलिया के लक्षण

त्वचा, श्वेतपटल और मूत्र पूरी तरह से गायब हो गए। भावना

वाह दोबारा बढ़िया।

अल्सर, पाचन संबंधी समस्याएं

(2) लांस-कॉर्पोरल एल। - 28 वर्ष की आयु। न्यू में शामिल हुए

ज़ीलैंड फोर्स 1942. संक्रमित हेपेटाइटिस इन

अफ्रीका। अस्पताल में उपचार के बाद पीलिया (पीलिया) गायब हो गया, कमजोरी की भावना, आंतों में परेशानी और

अवसाद बना रहा। बाद के वर्षों में दोहराया गया

अस्पताल उपचार। के लिए कई बार एक्स-रे किया गया है

ग्रहणी संबंधी अल्सर और पित्त पथरी। तब से उसने घसीटा

Machine Translated by Google

भूख न लगना, थकान होने की शिकायत के बारे में खुद

और उदासीनता, भोजन के बाद पेट में दर्द, कब्ज, पेट फूलना और पेट फूलने के साथ बेचैनी। 14/3/45, इंजेक्शन 1/2 सीसी के साथ। ताजा मूत्र।

रोगी की रिपोर्ट इस प्रकार है - इंजेक्शन के बाद बेहतर महसूस हुआ। 15/3, सामान्य लगा, आंतें नियमित। 16/3, भावना

पेट में कोमलता को छोड़कर बिल्कुल सामान्य। 17/3, नहीं

परिवर्तन। 21/3, काफी अच्छा, लेकिन पेट में कोमलता

और भी बुरा। 24/3, गले में खराश, बुखार, कमजोरी महसूस होना और

अवसादग्रस्त। 25/3, खा नहीं सकता, गले में खराश, बुखार, कमजोर।

26/3, खाना। गले में खराश बेहतर। 29/3, बहुत अच्छा लगता है,

आंत्र नियमित, ताकत वापस आ गई...3/4, कोई बदलाव नहीं, अभी भी अंदर

उच्च आत्माओं, अच्छा महसूस करो। 26/8, रोगी लिखते हैं: मैंने 100 का आनंद लिया

मेरे स्वास्थ्य में प्रतिशत सुधार, मैं अच्छा खा रहा हूँ,

अच्छी नींद लेना और पेट में कोमलता या बीमारी के बिना बहुत सक्रिय महसूस करना।

दमा

(4) मिस्टर टी। - 17 वर्ष की आयु। दमा का पहला दौरा

एक साल की उम्र:- "शराबदार, सियानोटिक, सांस लेने के लिए हांफना।

हमले घंटों तक चलते हैं।" अधिवास का परिवर्तन नहीं लाया

राहत। दैनिक हमले। छाती की दमा विकृति।

12/10/45, 2 सीसी का इंजेक्शन। ताजा मूत्र। अस्थमा तब तक नहीं

8/11/45, परिश्रम के बाद। दोपहर 2 सी.सी. ताजा का

Machine Translated by Google

मूत्र। पांच मिनट के भीतर हमला बंद हो जाता है। मजबूत स्थानीय

30 घंटे के लिए प्रतिक्रिया। 30/12, ठंड शुरू हो रही है, लेकिन केवल के साथ

अस्थमा के बहुत मामूली हमले। पिछले इंजेक्शन के बाद से नहीं

जोरदार हमला। 12/4/46. 25/4 . पर नए सिरे से इंजेक्शन के बाद

1/2 सी.सी. ताजा पेशाब आने पर हमले बंद हो जाते हैं।

हे फीवर

(5) श्री जेबी - 44 वर्ष की आयु। बचपन से ही गंभीर

मई के अंत में बुखार। 31/5/46, 2 सीसी। ताजा मूत्र

इंजेक्शन। 8/6, 2 सीसी का नया इंजेक्शन। 9/6, हल्का दौड़ना

और आंखों में जलन शुरू हो गई लेकिन हे फीवर

आगे विकसित नहीं हुआ और पूरी तरह से गायब हो गया

20/6/46।

माइग्रेन, मासिक धर्म की समस्या

(8) लेडी एच। - 32 वर्ष की आयु। विवाहित। शिकायतें

बचपन। दूरी, पेट फूलना, पाचन संबंधी परेशानी की शिकायत... गंभीर माइग्रेन के हमले (जो) होते हैं

मासिक धर्म से पहले नियमित रूप से। 4/4/45, 2 सीसी। ताजा का

मूत्र इंजेक्शन। इंजेक्शन 10/4 और 17/4 पर दोहराया गया। में

पिछले दो वर्षों में कोई पाचन परेशानी नहीं, कोई माइग्रेन नहीं

मासिक धर्म से पहले और अधिक हमला करता है। अन्य स्पास्टिक

लक्षण भी गायब हो गए हैं।

गठिया, हृदय की समस्या

(9) मि. एफ - 43 वर्ष। 20 साल की उम्र में पॉलीआर्थराइटिस के साथ

Machine Translated by Google

कोरिया (तंत्रिका विकार)। माइट्रल अपर्याप्तता जिसके कारण

बाएं आलिंद के एक विशाल फैलाव के लिए। गंभीर हमले

दिल की कमजोरी से। पिछले चार वर्षों में बार-बार फिट बैठता है

खूनी थूक के साथ फुफ्फुसीय एडिमा। पिछले दो के लिए

वर्षों से यह स्थिति ब्रोन्कियल अस्थमा से बढ़ जाती है।

पहला इंजेक्शन 12/1/46 3 सीसी के साथ। ताजा मूत्र। उस दिन

इंजेक्शन के रोगी को 24 घंटे गंभीर होने के बाद बहुत बेहतर महसूस होता है

अस्थमा का दौरा। दिल कमजोर हो जाता है और इसका इलाज किया जाना चाहिए। केवल मामूली अस्थमा; 3/3 2 सीसी पर। ताजा मूत्र इंजेक्शन।

दिल की कमजोरी का गंभीर दौरा, नींद में खलल पड़ता है। तब से

फिर रोगी ठीक हो गया; न केवल उसके के हमले हैं

ब्रोन्कियल अस्थमा बंद हो गया, लेकिन हृदय की स्थिति

भी काफी सुधार हुआ है वह लेटने में सक्षम है

फिर से और कुछ व्यायाम कर सकते हैं। आखिरी इंजेक्शन के बाद से

रोगी को किसी भी हृदय रोग की दवा की आवश्यकता नहीं होती है।

काली खांसी

(3) मास्टर। डब्ल्यू - 4-1 / 2 वर्ष की आयु। एक गंभीर फिट विकसित किया

उल्टी के साथ खांसी होने पर। काली खांसी की महामारी

गांव में। यूरिन इंजेक्शन दिया...रात में, गंभीर

गाढ़े कफ और बलगम के साथ खाँसी के लायक, बीमार महसूस करना...अगले दिन, हर तरह से बेहतर महसूस करना, नहीं

पुरानी अस्थमा की काली या वापसी। उसकी माँ बाद में

Machine Translated by Google

लिखते हैं "बच्चा पहले से बेहतर, तब से अस्थमा से मुक्त है"

पहला इंजेक्शन [कई हफ्ते पहले)", देखा है

बच्चा [इंजेक्शन के चार महीने बाद]। वह विकसित हो रहा है

शारीरिक रूप से बिना किसी व्यवधान के। जीर्ण एक्जिमा और

ब्लेफेरेडेनाइटिस (पलकों की सूजन) भी ठीक हो गया।

प्लेश ने अपने दौरान कई और सफल मामलों की रिपोर्ट दी

मूत्र चिकित्सा का नैदानिक उपयोग और परिणाम इतने प्रभावशाली हैं कि यह विश्वास करना कठिन लगता है कि मूत्र चिकित्सा में है

एक समग्र चिकित्सा के रूप में इतना कम जनता का ध्यान प्राप्त हुआ

वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए उपचार।

शीर्षक: मानव मूत्र के ट्यूबरकुले पर प्रभाव पर

बेसिली, 1951, डॉ. केबी ब्योर्नेसजो द्वारा, चिकित्सा विभाग से

रसायन विज्ञान, उप्साला, स्वीडन।

विषय: मूत्र का तपेदिक रोधी प्रभाव

रिपोर्ट #14

हालांकि कुछ चिकित्सा शोधकर्ता कई वर्षों से जागरूक थे

कि विभिन्न शरीर के तरल पदार्थ जैसे सीरम और लार में एक निरोधात्मक था

तपेदिक बैक्टीरिया पर प्रभाव, एक स्कैंडिनेवियाई शोधकर्ता ब्योर्नेसजो ने पाया कि मूत्र शरीर के किसी भी अन्य तरल पदार्थ से कहीं अधिक प्रभावी था

तपेदिक बेसिली के विकास को रोकने में:

95आपकी खुद की सही दवा

"इस प्रयोगशाला में नियोजित एक प्रारंभिक प्रयोग में

(समाधान) विभिन्न विषयों से लार, सीरम और मूत्र ... यह बन गया

Machine Translated by Google

स्पष्ट है कि प्रायोगिक स्थितियों के तहत निरोधात्मक प्रभाव

लार और सीरम बहुत कमजोर था...दूसरी ओर यूरिन जैसा लग रहा था

काफी मजबूत निरोधात्मक प्रभाव और 50 . की एकाग्रता है

(ए) माध्यम में प्रतिशत मूत्र ने के विकास को पूरी तरह से रोक दिया

ज्यादातर मामलों में ट्यूबरक्यूल बेसिली..."

Bjomesjo ने तपेदिक विरोधी संपत्ति का व्यापक परीक्षण किया

मूत्र का और निष्कर्ष निकाला कि:

1) जांच किए गए अधिकांश मूत्रों ने एक मजबूत निरोधात्मक दिखाया

तपेदिक बैक्टीरिया के विकास का प्रभाव।

2) मानव मूत्र का जीवाणुनाशक (बैक्टीरिया-हत्या) प्रभाव भी होता है

तपेदिक बैक्टीरिया।

3) मूत्र के टीबी विरोधी तत्व को प्रयोगशाला परीक्षणों में दिखाया गया था

तपेदिक सकारात्मक और नकारात्मक व्यक्तियों में मौजूद है और भी

स्वस्थ शाकाहारियों में और सक्रिय तपेदिक के रोगियों में।

4) मूत्र मार्ग में पेशाब की उपस्थिति एक टीबी विरोधी प्रभाव डालती है

जो तपेदिक के पाठ्यक्रम और प्रसार को प्रभावित कर सकता है

मूत्र पथ ही।

Bjomesjo के प्रयोगों ने यह प्रदर्शित किया कि मानव मूत्र कर सकता है

विकास को रोकता है और यहां तक कि तपेदिक बैक्टीरिया को पूरी तरह से नष्ट कर देता है, लेकिन वह यह पहचानने में असमर्थ था कि मूत्र में कौन सा तत्व जिम्मेदार है

इसकी तपेदिक विरोधी गतिविधि के लिए

दरअसल, ब्योर्नेसजो ने कई वर्षों तक मूत्र में तपेदिक रोधी तत्व को निर्धारित करने की कोशिश की, ताकि उसे अलग किया जा सके, लेकिन वह कभी सफल नहीं हुआ। यह 1965 तक नहीं था जब जापानी शोधकर्ताओं ने खोज की थी और

Machine Translated by Google

इस रहस्य को टीबी विरोधी तत्व मूत्र में अलग किया—14 साल बाद

Bjomesjo के पहले प्रयास।

Bjomesjo ने इस संभावना पर विचार किया कि यूरिया एंटीट्यूबरकुलर एजेंट है

मूत्र में, लेकिन उन्होंने इसे खारिज कर दिया, शायद समय से पहले। अपने प्रयोगों में, ब्योर्नेसजो ने केवल 2 प्रति . की जीवाणुरोधी शक्ति पर विचार किया

यूरिया का शत-प्रतिशत घोल, जो यूरिया की औसत मात्रा में पाया जाता है

सामान्य मूत्र। हालांकि, 1961 में बाद के शोध के अनुसार (डॉ. श्लेगल देखें),

दिखाया गया है, उच्च सांद्रता में यूरिया (8%) दोनों को रोकता या नष्ट करता है:71

ग्राम नेगेटिव और ग्राम पॉजिटिव बैक्टीरिया। तो भले ही विशिष्ट

यूरिया के अलावा अन्य तपेदिक विरोधी एजेंट मूत्र में हैं, यूरिया भी सबसे अधिक संभावना है

एक भूमिका निभाना।

96r

अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

लेकिन फिर, अगर हम टीबी के इलाज में अकेले यूरिया के अर्क का उपयोग करें, बल्कि

पूरे मूत्र की तुलना में, पूरे मूत्र में महत्वपूर्ण तपेदिक विरोधी तत्व

कि ब्योर्नेसजो की खोज हमारे इलाज से समाप्त हो जाएगी,

जो इंगित करता है कि पूरे मूत्र और यूरिया का संयोजन पेश कर सकता है

एक अत्यंत प्रभावी टीबी उपचार।

शीर्षक: कंद-कुल्हाड़ी उचित पर अध्ययन- रिपोर्ट #15

एस्कॉर्बिक एसिड डेरिवेटिव और उनके संभावित संबंध

मूत्र द्वारा ट्यूबरक्यूल बेसिली के निषेध में भूमिका, 1954,

डॉ. क्वेंटिन मायरविक, आर. वीज़र, बी. होग्लम, और एल. बर्जर द्वारा। से

माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन स्कूल ऑफ

Machine Translated by Google

मेडिसिन, सिएटल, वाशिंगटन।

जब ब्योर्नेसजो ने पाया कि मूत्र बैक्टीरिया को बाधित या नष्ट कर सकता है

जो तपेदिक का कारण बनता है, पारंपरिक मूत्र चिकित्सा का समर्थन करने के लिए इस जानकारी का उपयोग करने के बजाय, उन्होंने कई और गहन शोध किए

यह निर्धारित करने के प्रयास में अध्ययन करता है कि मूत्र में वास्तव में क्या था कि

टीबी बेसिलस को मार डाला ताकि इसे अलग किया जा सके और दवा में उत्पादित किया जा सके

फॉर्म लेकिन, जैसा कि हमने कहा कि उनका शोध असफल रहा।

यह विशेष अध्ययन कई अन्य शोधकर्ताओं द्वारा किया गया एक और प्रयास था

मूत्र में रहस्य तत्व को खोजने के लिए जिसने टीबी बैक्टीरिया को नष्ट कर दिया और

उन्होंने सुझाव दिया कि यह मूत्र में एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी) हो सकता है:

"यह विचार कि मूत्र और सीरम के एस्कॉर्बिक एसिड में ट्यूबरकुलोस्टैटिक क्रिया हो सकती है, नया नहीं है ... ये अवलोकन असंगत नहीं हैं

वर्तमान लेखकों की अवधारणा के साथ कि तपेदिक गतिविधि

Bjornesjo द्वारा रिपोर्ट किया गया मूत्र किसी तरह से एस्कॉर्बिक एसिड पर निर्भर करता है।"

यह धारणा गलत थी। यह कई साल बाद तक नहीं था

1965 में किए गए अध्ययन के बाद, जापानी शोधकर्ता करने में सक्षम थे

आंशिक रूप से पहचानें कि यह मूत्र में क्या था जिसने टीबी के विकास को रोक दिया

बैक्टीरिया।

रिपोर्ट #16 शीर्षक: पॉलीपेप्टाइड के मानव मूत्र से अलगाव

ट्यूबरकुलोस्टैटिक गतिविधि, 1965 के द्वारा चिह्नित किया गया है

शुसुके त्सुजी, एट। अल, क्षय रोग के पांचवें डिवीजन से

अनुसंधान संस्थान, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान।

Machine Translated by Google

इस रिपोर्ट के शुरुआती बयानों में से एक में, शोधकर्ताओं ने टिप्पणी की है कि: "जापानी वयस्कों का विशाल बहुमत ट्यूबरकुलिन सकारात्मक है ..."

यही कारण है कि प्रयोगशाला में मूत्र के टीबी विरोधी होने का प्रमाण मिलता है

संपत्ति जापानी शोधकर्ताओं के लिए रुचि का था और उन्होंने मूत्र में एंटी-टीबी तत्व की अपनी खोज क्यों की:

"संक्षेप में, हालांकि यह एक सर्वविदित तथ्य है कि मानव मूत्र में

तपेदिक बेसिली के विकास को रोकने की निश्चित क्षमता...रासायनिक

सक्रिय पदार्थ की प्रकृति अस्पष्ट रही है। हमारी जांच में यह

यह स्पष्ट हो गया है कि सक्रिय एजेंटों में से कम से कम एक पॉलीपेप्टाइड है।"

हालांकि इन शोधकर्ताओं ने सक्रिय तत्वों में से एक की पहचान की

पॉलीपेप्टाइड के रूप में मूत्र की ट्यूबरकुलोस्टेटिक गतिविधि (जो कि की एक श्रृंखला है)

अमीनो एसिड), उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि मूत्र की टीबी-विरोधी संपत्ति के लिए अन्य "अभी तक अनिर्धारित एजेंट" जिम्मेदार हैं।

अमेरिका में हम में से अधिकांश के पास गंभीरता की कोई अवधारणा नहीं है

तपेदिक, क्योंकि हमारे प्रचुर मात्रा में खाद्य स्रोत, उत्कृष्ट स्वच्छता

और आधुनिक दवाओं ने इसे पहले के खूंखार को खत्म कर दिया था

बीमारी। लेकिन हाल ही में, यह लेख, जिसका उल्लेख अध्याय . में किया गया था

3, ने खुलासा किया कि टीबी एक आधुनिक समय का खतरा है:

एसोसिएटेड प्रेस

शुक्रवार, 8 अक्टूबर 1993

वाशिंगटन : टीबी के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं

खतरनाक दर, गरीबों और लोगों के लिए एक विशेष खतरा पैदा कर रहा है

वायरस जो अधिग्रहित प्रतिरक्षा कमी सिंड्रोम (एड्स) का कारण बनता है, कांग्रेस के विश्लेषकों ने गुरुवार को बताया ... कांग्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है

Machine Translated by Google

तपेदिक से निपटने के प्रयास जटिल हैं

प्रतिरोधी उपभेदों के उद्भव के कारण

एंटी-टीबी ड्रग्स... (मेरी कैप्स)

तथ्य यह है कि टीबी और अन्य रोग सूक्ष्मजीव अब 5 . के प्रतिरोधी हैं

हमारी कई रासायनिक दवाओं को हमारे कहीं न कहीं अलार्म बजा देना चाहिए

चेतना। विकास का पूरा बिंदु अनुकूलन है और

उत्तरजीविता, और जैसा कि इस लेख, और इसके जैसे अन्य लोगों से पता चलता है, रोग के कीटाणु हैं

98अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

स्पष्ट रूप से हमारे रसायन के लिए प्राकृतिक सुरक्षा को अपनाकर जीवित रहना

दवाएं - लेकिन क्या हम रोगाणुओं के लिए प्राकृतिक सुरक्षा को अपना रहे हैं?

हमारी प्राकृतिक प्रतिरक्षा सुरक्षा कैसे विकसित और अनुकूलित हो सकती है

सामान्य रूप से रोग सूक्ष्मजीवों के नए और मजबूत उपभेदों के लिए, जब

हम लगातार अपने शरीर की बीमारी के प्रति प्राकृतिक प्रतिक्रियाओं को ओवरराइड करते हैं

अप्राकृतिक दवाएं? वर्षों से, हमने सबसे बुनियादी में भी हस्तक्षेप किया है

हमारे शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा, जैसे कि बुखार, रसायन को प्रतिस्थापित करके

संक्रमण और बीमारी के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के लिए दवाएं।

एक महत्वपूर्ण तथ्य जिसे हमने आधुनिक चिकित्सा के इस युग में अनदेखा कर दिया है

यह है कि शरीर में स्वयं को अनुकूलित करने और बदलने की सहज प्राकृतिक क्षमता है

नए रोग प्रभावित करते हैं, लेकिन रासायनिक दवाएं नहीं।

हम सोच सकते हैं कि चिकित्सा वैज्ञानिक नए के साथ आते रह सकते हैं

और नए सूक्ष्मजीवों का मुकाबला करने के लिए मजबूत दवाएं, लेकिन दवा अनुसंधान

नियमित रूप से सफल नहीं होता है और नए उपचार विकसित करने में कई साल लग जाते हैं। हम में से बहुत से लोग इन नए जीवाणुओं के शिकार हो सकते हैं और

Machine Translated by Google

एड्स जैसे वायरस, हमारे वैज्ञानिकों द्वारा यह पता लगाने से बहुत पहले कि ये क्या हैं

जीव हैं और वे हमें कैसे मारते हैं।

प्राकृतिक औषधीय पदार्थ, जैसे जड़ी-बूटियाँ या मूत्र, या होम्योपैथिक दवाएं, पारंपरिक रूप से हमारे शरीर के स्वयं के प्रतिरक्षा कार्यों को ओवरराइड करने के बजाय उनकी धीरे-धीरे सहायता और समर्थन करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

मजबूत रासायनिक हस्तक्षेप के माध्यम से, यही कारण है कि हमें उनके उपयोग पर जोर देने और दवाओं पर अपनी निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। आज की पारंपरिक चिकित्सा के 'इम्यूनबैशिंग' तरीके साबित हो सकते हैं

यदि हम उन्हें गैर-जिम्मेदाराना तरीके से इस्तेमाल करना जारी रखते हैं तो हमारा विनाश होगा

आज

शीर्षक: मस्तिष्कमेरु द्रव दबाव रिपोर्ट #17 पर यूरिया का प्रभाव

मानव विषयों में, 1956, अमेरिकन मेडिकल के जौमल से

संगठन।

विषय: मस्तिष्कमेरु द्रव के दबाव में कमी

यूरिया के साथ; मूत्रवर्धक के रूप में और मेनिनजाइटिस में यूरिया का उपयोग।

यह एक दिलचस्प और मिसाल कायम करने वाला अध्ययन है दो विश्वविद्यालय

इस शोध को करने वाले डॉक्टर इस संभावना से चिंतित थे

7 कि यूरिया, जो एक उत्कृष्ट प्राकृतिक मूत्रवर्धक के रूप में जाना जाता था, हो सकता है

मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त द्रव दबाव को कम करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है

कॉर्ड जो विभिन्न रोग स्थितियों या असामान्यताओं द्वारा बनाए गए थेआपका अपना
उत्तम औषधि

जैसे ब्रेन ट्यूमर, हाइड्रोसिफ़लस (मस्तिष्क पर पानी), सेरेब्रल

रक्तस्राव या मैनिंजाइटिस।

अत्यधिक इंट्राकैनायल दबाव अत्यंत खतरनाक हो सकता है और, यदि

Machine Translated by Google

गंभीर और असंबद्ध, मृत्यु का कारण बन सकता है, इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है

हानिकारक साइड इफेक्ट पैदा किए बिना इस दबाव या सूजन को जल्द से जल्द और प्रभावी ढंग से राहत दें। में सूजन और दबाव

मस्तिष्क गुहा और रीढ़ की हड्डी का क्षेत्र भी मस्तिष्क के दौरान समस्याएं पैदा करता है

शल्य चिकित्सा।

इस प्रारंभिक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इसके लिए आधार तैयार किया

ऐसे दबाव को कम करने में यूरिया का उपयोग:

"इस रिपोर्ट का उद्देश्य प्रारंभिक में निष्कर्षों का वर्णन करना है

सुरक्षा और दक्षता का निर्धारण करने के लिए अध्ययन जिसके साथ यूरिया हो सकता है

इंट्राक्रैनील दबाव को कम करने के उद्देश्य से अंतःशिरा में उपयोग किया जाता है।

इस उद्देश्य के लिए कई (अन्य) एजेंटों का उपयोग किया गया है, लेकिन प्रत्येक के पास कुछ है

अवांछनीय कार्रवाई जो इसके उपयोग को सीमित या प्रतिबंधित करती है।"

अध्ययन में, डॉक्टर रोगियों पर नैदानिक परीक्षणों में अच्छे परिणाम की रिपोर्ट करते हैं

अत्यधिक कपाल दबाव के साथ:

"... यह पाया गया कि यूरिया द्वारा उत्पादित औसत दबाव ड्रॉप था

सुक्रोज या डेक्सट्रोज (और) के कारण होने वाले से 4.5 गुना अधिक ...

यूरिया प्रभाव बहुत लंबे समय तक चलने वाले थे।"

मूत्रवर्धक के रूप में यूरिया के नैदानिक उपयोग पर भी चर्चा की गई है:

"यूरिया, हालांकि, इंट्राक्रैनील तनाव को कम करने के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए चिकित्सकीय रूप से उपयोग किया गया है। इसे लंबे समय से एक प्रभावी मूत्रवर्धक एजेंट माना जाता है।
साल्टर कहता है: 'सबसे प्रभावी मूत्रवर्धक में से एक'

एजेंट यूरिया है, प्रकृति का अपना गैर-इलेक्ट्रोलाइटिक मूत्रवर्धक है।' उद्देश्य के लिए

ड्यूरिसिस को बढ़ावा देने के लिए इसे मौखिक मार्ग द्वारा प्रशासित किया जाता है, 20 ग्राम। दो टू

रोजाना पांच बार।"

Machine Translated by Google

सल्फा दवाओं के संयोजन में यूरिया का सफल ऐतिहासिक उपयोग भी है

यूरिया के साथ दिमागी बुखार के इलाज के संबंध में टिप्पणी की:

"लालोंडे और गार्डनर ने सल्फोनामाइड्स के साथ यूरिया दिया"

दिमागी बुखार का इलाज... •

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि यूरिया का नैदानिक उपयोग मिसाल के बिना नहीं है।

यह एक सामान्य शरीर मेटाबोलाइट है जिसे बड़ी खुराक में अच्छी तरह से सहन किया जाता है..."

न्यूरोसर्जरी में यूरिया के उपयोग पर इस प्रारंभिक अध्ययन की सफलता ने आगे के शोध को प्रोत्साहित किया। अगला अध्ययन सेवर-पी . में से एक था

आर

पी

आर

अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

अल अनुवर्ती अनुसंधान परियोजनाओं और नैदानिक परीक्षणों के रूप में यूरिया की स्थापना की

शरीर में अत्यधिक द्रव दबाव से जुड़े कई अलग-अलग विकारों के इलाज में एक प्रभावी एजेंट।

शीर्षक: यूरिया—एक पुराने एजेंट का नया उपयोग, 1957. एक रिपोर्ट #18 से

सिर और गर्दन की सर्जरी पर संगोष्ठी।

विषय: अतिरिक्त सेरेब्रल का यूरिया उपचार और

स्पाइनल प्रेशर, अक्षम ब्रेन ट्यूमर, एडिमा

(द्रव दबाव) मस्तिष्क का, मासिक धर्म से पहले का पानी

प्रतिधारण, मेनिनजाइटिस, क्रोनिक ग्लूकोमा, हाइड्रोसेफालस,
DELIRIUM tremens और मिरगी

Machine Translated by Google

पिछले यूरिया अनुसंधान के उत्साहजनक परिणामों के कारण, डॉक्टरों ने यह अधिक गहन अध्ययन किया जिसमें विभिन्न प्रकार के विकारों वाले 300 रोगियों पर यूरिया का उपयोग करके व्यापक नैदानिक परीक्षण शामिल थे।

ब्रेन ट्यूमर, हाइड्रोसिफ़लस (मस्तिष्क पर पानी), माइग्रेन,

ग्लूकोमा, मेनिनजाइटिस, ब्रेन फोड़ा, रेटिना डिटेचमेंट और प्रीमेंस्ट्रुअल एडिमा।

इन परीक्षणों के परिणाम इतने सफल रहे, डॉक्टरों ने निष्कर्ष निकाला कि:

"इस एजेंट (यूरिया) का न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन के चिकित्सीय आयुध में एक निश्चित स्थान है ... यूरिया और का संयोजन

10 प्रतिशत इनवर्ट शुगर अब नियमित रूप से न्यूरोसर्जिकल सेवा में अंतःशिरा प्रशासन के लिए उपयोग किया जाता है..."

ऐसे उल्लेखनीय मामलों की रिपोर्टें थीं जिनमें यूरिया का नैदानिक उपयोग किया गया था

वस्तुतः जीवन रक्षक था जैसा कि विकसित होने वाली एक महिला के मामले में था

सर्जिकल हटाने के बाद मस्तिष्क की गंभीर सूजन या शोफ a

छोटा ब्रेन ट्यूमर:

"

। चौथे पोस्टऑपरेटिव दिन पर, उसने वृद्धि के लक्षण विकसित किए

इंट्राक्रेनियल दबाव। कुछ घंटों के दौरान, वह उत्तरोत्तर सुस्त हो गई और फिर अचानक वह अनुत्तरदायी हो गई...हेरो

पुतलियाँ फैली हुई और स्थिर हो गईं, उसका सिस्टोलिक रक्तचाप बढ़ गया ...

उसे ऑपरेशन रूम में ले जाने की तैयारी चल रही थी

एक हड्डी फ्लैप को हटाने।

यूरिया को एक आपातकालीन उपाय के रूप में अंतःशिरा में प्रशासित किया गया था।

इंजेक्शन शुरू होने के 20 मिनट के भीतर ही उसका ब्लड प्रेशर आपका हमारा हो गया था
उत्तम औषधि

सामान्य स्थिति में लौट आया और उसकी पुतलियों ने प्रतिक्रिया करना शुरू कर दिया ... प्रकाश के लिए। इस से

Machine Translated by Google

समय के साथ, उसकी वसूली असमान थी ...

इस मामले में, यूरिया निश्चित रूप से जीवन रक्षक था, क्योंकि इसके पहले

प्रशासन मरीज की हालत गंभीर थी और जब तक सर्जिकल डीकंप्रेसन नहीं किया जा सकता था, तब तक उसके जीवित रहने की संभावना नहीं थी...

इसी तरह के कई मामलों में यूरिया को जीवन रक्षक पाया गया है।"

शोधकर्ताओं ने एक अन्य रोगी के यूरिया उपचार पर टिप्पणी की

जिनके ब्रेन ट्यूमर को शल्य चिकित्सा द्वारा हटा दिया गया था लेकिन तीन महीने बाद एक और बड़े पैमाने पर ब्रेन ट्यूमर विकसित हुआ:

"...रोगी को 256 मिली. 30 प्रतिशत यूरिया मिला। उभड़ा हुआ द्रव्यमान

"... दो घंटे के अंत तक पूरी तरह से गायब हो गया था।

यूरिया के मूत्रवर्धक गुणों पर, डॉक्टरों ने बताया:

"यूरिया सबसे उपयोगी गैर-मेटाबोलाइज्ड, नॉनइलेक्ट्रोलाइट में से एक है

मूत्रवर्धक। लंबे समय तक प्रशासन के बाद इसकी मूत्रवर्धक संपत्ति कम नहीं होती है, जैसा कि एसिड-उत्पादक लवण के मामले में होता है।"

ग्लूकोमा और अन्य नेत्र रोगियों में आंखों पर द्रव के दबाव से राहत पर इसके प्रभाव को देखते हुए, शोधकर्ताओं ने कहा कि:

"यूरिया तीव्र और के 25 रोगियों को दिया गया है

क्रोनिक ग्लूकोमा, ऑर्बिटल ट्यूमर, रेटिना डिटेचमेंट और अन्य

स्थितियाँ। Wiamoz1 के साथ यूरिया के प्रभाव की तुलना करने पर

अंतर्गर्भाशयी दबाव, यूरिया अधिक प्रभावी पाया गया..."

यूरिया, जैसा कि अध्ययनों और डॉक्टरों और शोधकर्ताओं ने साबित किया है, एक सुरक्षित है,

गैर-विषाक्त, उल्लेखनीय रूप से प्रभावी और सस्ती मूत्रवर्धक - लेकिन दुर्भाग्य से, यह फिजिशियन में किसी भी मूत्रवर्धक क्षमता में सूचीबद्ध नहीं है

डेस्क रेफरेंस (पीडीआर) जो कि स्वीकृत दवा के लिए डॉक्टर गाइड है

Machine Translated by Google

उपचार।

लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि डायमॉक्स, सिंथेटिक मूत्रवर्धक कम प्रभावी था

यूरिया की तुलना में, पीडीआर में सूचीबद्ध है - भले ही यह साबित हो गया हो कि यूरिया

डायमॉक्स और कई अन्य सिंथेटिक की तुलना में सुरक्षित और अधिक प्रभावी था

मूत्रवर्धक और यूरिया एफडीए द्वारा अनुमोदित है। तो मूत्रवर्धक उपयोग के लिए यूरिया के बजाय चिकित्सकों को डायमॉक्स की सिफारिश क्यों की जानी चाहिए?

डायमॉक्स एक सल्फा दवा है और सभी सल्फा दवाओं की तरह, यह खतरनाक हो सकती है।

द फिजिशियन्स डेस्क रेफरेंस (1992) ने चेतावनी दी है कि "मौतें हुई हैं

हुआ" डायमॉक्स के साथ और यह गंभीर एलर्जी का कारण बन सकता है, अनुसंधान
साक्ष्य और केस स्टडी

अस्थि मज्जा अवसाद, सफेद रक्त कोशिकाओं में कमी, एनीमिया, और ए

अन्य समान रूप से भयानक दुष्प्रभावों की मेजबानी।

दूसरी ओर, यूरिया एक प्रभावी, सस्ता मूत्रवर्धक है और इसका कोई प्रभाव नहीं है

दुष्प्रभाव या विषाक्तता और यह एफडीए द्वारा अनुमोदित है। लेकिन डॉक्टर नहीं जानते

यह - इसके बजाय उन्हें डायमॉक्स या दवा द्वारा धकेले जा रहे मूत्रवर्धक दवा उपचार के किसी अन्य 'अनुशंसित' रूप को निर्धारित करने के लिए निर्देशित किया जाता है

कंपनियां। यह विश्वास करना कठिन है कि पारंपरिक चिकित्सा प्रतिष्ठान रोगियों और मीडिया से "साँप-तेल" विक्रेताओं के बारे में शिकायत कर रहे हैं

और नकली चिकित्सा दावा है कि जनता को सुरक्षा की आवश्यकता है

से, जब यूरिया पर किया गया स्पष्ट रूप से ठोस चिकित्सा अनुसंधान है

पी

इसलिए पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।

विचार करने का एक अन्य बिंदु यह है कि सिंथेटिक मूत्रवर्धक शरीर को बदल देते हैं

सोडियम/पोटेशियम (या इलेक्ट्रोलाइट) शरीर का संतुलन जो पैदा कर सकता है

Machine Translated by Google

आपके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़। लेकिन जैसा कि शोधकर्ताओं ने बताया, यूरिया एक है

गैर-इलेक्ट्रोलाइटिक मूत्रवर्धक जो शरीर में द्रव के दबाव को सुरक्षित रूप से कम करता है

और इसका प्रभाव अन्य मूत्रवर्धक की तुलना में अधिक समय तक रहता है।

अधिकांश लोगों और अभ्यास करने वाले डॉक्टरों ने के मौखिक उपयोग के बारे में कभी नहीं सुना है

यूरिया, लेकिन चिकित्सा अनुसंधान में यह असामान्य नहीं है। इसमें डॉक्टरों

अध्ययन और कई अन्य शोधकर्ताओं ने यूरिया की बड़ी खुराक दी है

मुंह, साथ ही अंतःशिरा:

"... यूरिया का उपयोग मुंह से गोली के रूप में, या पाउडर में ऐसे [चीजों) में बिना पके फलों के रस के रूप में किया जाता है ..."

पहले की तरह कई लोगों के इस अध्ययन ने फिर साबित कर दिया कि यूरिया सुरक्षित है

औषधीय एजेंट, यहां तक कि बड़ी मात्रा में, साथ ही अत्यंत सरल होने के कारण

और प्रभावी:

खुराक। "... यूरिया के एक सुरक्षित एजेंट साबित होने के बाद जो अच्छी तरह से था

बड़ी खुराक में सहन किया गया, खुराक को आज तक बढ़ाया गया था

अधिकांश रोगियों, यह शरीर के वजन का 1 ग्राम प्रति किलोग्राम है..."

यूरिया का उपयोग करके प्रारंभिक नैदानिक परीक्षणों की सफलता के कारण

विभिन्न रोग स्थितियों के डॉक्टरों ने सिफारिश की है कि:

"यूरिया के आगे के परीक्षण [उपचार] में जरूरी हैं:

एन्सेफैलोपैथी (के कार्य की संरचना की असामान्य स्थिति)

मस्तिष्क के ऊतक)... मेनियार्स रोग (आंतरिक कान का रोग), 'prei'

मासिक धर्म शोफ, एक्लम्पसिया (विषाक्तता का सबसे गंभीर रूप)

गर्भावस्था), नेत्र शल्य चिकित्सा, ग्लूकोमा, प्रलाप कांपना, मिर्गी..."

शोधकर्ताओं ने बताया कि वे और व्यापक कार्य कर रहे थे

Machine Translated by Google

रिपोर्ट #19 शीर्षक: यूरिया का जीवाणुनाशक प्रभाव, 1961, JU . द्वारा
श्लेगल,

जॉर्ज कुएलर और आरएम ओ'डेल, तुलाने विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ . से

मेडिसिन, सर्जरी विभाग, यूरोलॉजी विभाग, न्यू ऑरलियन्स,

लुइसियाना। इस शोध को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा द्वारा समर्थित किया गया था

अनुदान और एबट प्रयोगशालाएँ।

विषय: यूरिया और मूत्र पथ के संक्रमण। "सी।

यूरिया के एंटी-बैक्टीरियल गुणों में पहले के ऐतिहासिक शोध को आकर्षित करते हुए, श्लेगल और उनके सहयोगियों ने यह निर्धारित करने के लिए यह अध्ययन किया कि क्या

आमतौर पर मूत्र पथ में पाए जाने वाले बैक्टीरिया पर यूरिया का प्रभाव होता है

मूत्राशय और गुर्दे में संक्रमण जैसे संक्रमण:

"यह 1906 से ज्ञात है कि यूरिया में बैक्टीरियोस्टेटिक प्रभाव होता है

रोगजनक जीवों के आकार में परिवर्तन (पीजू और रजत और

विल्सन)।

1915 में सिमर्स और किर्क ने यूरिया पाउडर को कीटाणुनाशक के रूप में इस्तेमाल किया

घावों का उपचार। इसे रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर भी इसका इस्तेमाल किया गया है

सर्जरी में बीमारी का फैलाव। फोशाय (1935) ने ओटिटिस में स्थानीय रूप से यूरिया का इस्तेमाल किया

(कान में संक्रमण) अच्छे परिणाम के साथ।

मैके और श्रोएडर (1936) ने यूरिया के प्रयोग पर प्रयोग किया

पोलियो और रेबीज वायरस और पाया कि वायरस कमजोर थे और

अंत में यूरिया द्वारा नष्ट कर दिया गया। होल्डर और मैके (1943) ने स्थानीय स्तर पर यूरिया का इस्तेमाल किया

घावों में नए ऊतक को उत्तेजित करने और मृत ऊतक को हटाने के लिए...

Machine Translated by Google

वीनस्टीन और मैकडॉनल्ड्स (1945) ने यूरिया के जीवाणुनाशक प्रभाव को दिखाया

सूक्ष्मजीवों पर „.11 को टाइफाइड के खिलाफ प्रभावी दिखाया गया था,

पैराटाइफाइड और पेचिश की जीवाणु...

इन निष्कर्षों के आधार पर, हम यूरिया के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए आगे बढ़े

आमतौर पर मूत्र पथ के संक्रमण में पाए जाने वाले कुछ बैक्टीरिया पर शारीरिक सीमाओं के भीतर सांद्रता।"

भले ही वे उस तंत्र को निर्धारित करने में असमर्थ थे जिससे

यूरिया ने बैक्टीरिया को रोक दिया या मार डाला, श्लेगल और उनके सहयोगियों ने निष्कर्ष निकाला कि:

"प्राप्त परिणामों से, ऐसा प्रतीत होता है कि यूरिया का परीक्षण किए गए सभी जीवों पर एक बैक्टीरियोस्टेटिक या जीवाणुनाशक प्रभाव था ... जैसा कि अपेक्षित होगा,

यूरिया की उच्च सांद्रता और लंबे समय तक एक्सपोजर अधिक प्रभावी थे।" पी

यह बिंदु महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि जैसे-जैसे हम बढ़ते हैं

हमारे मूत्र में यूरिया सांद्रता, हम अपने मूत्र के रोगाणु-विरोधी गुणों को बढ़ाते हैं, जो प्रतिरोध करने में शरीर का एक महत्वपूर्ण कार्य है

या मूत्राशय और गुर्दे के संक्रमण के रूप में बैक्टीरिया के आक्रमण को हराना।

तो हम अपने शरीर के यूरिया के स्तर को कैसे बढ़ा सकते हैं? निम्नलिखित अध्ययन के रूप में

डॉ. डोनाल्ड काये द्वारा प्रदर्शित किया गया, एक तरीका यूरिया को मौखिक रूप से लेना है या

इंजेक्शन द्वारा, जैसा कि उसके नैदानिक परीक्षणों में रोगियों ने किया था; एक और तरीका है

हमारे अपने मूत्र को निगलना, क्योंकि इसमें स्वाभाविक रूप से यूरिया भी होता है

हमारे सिस्टम में यूरिया सांद्रता बढ़ाता है।

मूत्र पथ के संक्रमण के लिए एक लोकप्रिय पारंपरिक चिकित्सा उपचार

Machine Translated by Google

यह यूरिया के स्तर में वृद्धि नहीं करता है, लेकिन वास्तव में यूरिया को पतला करता है, मूत्र पथ के संक्रमण को ठीक करने में मदद करने के लिए भारी मात्रा में पानी या तरल पदार्थ पीने का अभ्यास है। जबरदस्ती शराब पीने की यह प्रथा

मूत्र के उत्सर्जन को बढ़ाने के लिए पानी को वाटर ड्यूरिसिस कहा जाता है।

जैसा कि श्लेगल, और अन्य शोधकर्ताओं और नैदानिक परीक्षणों ने प्रदर्शित किया है, केंद्रित मूत्र वास्तव में मूत्र पथ के खिलाफ एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक बचाव है

संक्रमण, गुर्दे के संक्रमण सहित, और इसे बहुत कम करके

जबरन पानी का सेवन बढ़ाना स्पष्ट रूप से एक गलत प्रथा है।

जैसा कि श्लेगल और उनके सहयोगियों ने टिप्पणी की:

"वाटर ड्यूरिसिस के परिणामस्वरूप मूत्र में यूरिया की मात्रा इतनी कम हो जाती है

कि यूरिया के कारण कोई जीवाणुनाशक प्रभाव नहीं होगा।

परिणामस्वरूप एक को स्थापित करने के औचित्य के बारे में आश्चर्य होता है

में सहायक चिकित्सा के रूप में जबरन पानी के सेवन से पानी की डायरिया

तीव्र पाइलोनफ्राइटिस [गुर्दे का संक्रमण] या अन्य मूत्र पथ

संक्रमण।"

दूसरे शब्दों में, श्लेगल कह रहा है कि बड़ी मात्रा में पीना तर्कसंगत नहीं है

मूत्र पथ के संक्रमण से निपटने के लिए पानी की मात्रा, क्योंकि पानी

मूत्र और इसकी यूरिया सामग्री को पतला करता है जो बाद में नष्ट कर देता है या

मूत्र की प्राकृतिक एंटी-बैक्टीरियल क्रिया को बहुत कम कर देता है जो कि

मूत्र पथ के संक्रमण के खिलाफ शरीर एक प्राकृतिक बचाव के रूप में उपयोग करता है।

श्लेगल ने यह भी देखा कि क्रोनिक किडनी संक्रमण के साथ जुड़ा हुआ है

मूत्र को केंद्रित करने में असमर्थता। इसका मतलब है कि किडनी में संक्रमण

इस तथ्य से प्रेरित हो सकता है कि सिस्टम में मूत्र या यूरिया अपनी जीवाणुरोधी क्रिया को लागू करने के लिए पर्याप्त रूप से केंद्रित नहीं है, और इसके परिणामस्वरूप

Machine Translated by Google

संक्रमण से लड़ने में मदद नहीं कर सकता:

"यह खोज इस बात की पुष्टि करने में मदद करती है कि ध्यान केंद्रित करने की क्षमता के नुकसान के साथ

मूत्र और साथ में यूरिया को केंद्रित करने की क्षमता का नुकसान, जैसा कि देखा गया हैआपका अपना
उत्तम औषधि

उन्नत क्रोनिक पाइलोनफ्राइटिस [गुर्दे संक्रमण] में, एंटी-बैक्टीरियल

यूरिया की सांद्रता हासिल नहीं की जा सकती।"

जैसा कि श्लेगल टिप्पणी करते हैं, जब शरीर की यूरिया सांद्रता को पतला किया जाता है

बड़ी मात्रा में पानी पीने या गुर्दे की खराबी जैसी चीजों से, शरीर यूरिया को एक के रूप में उपयोग करने की अपनी महत्वपूर्ण प्राकृतिक क्षमता खो देता है।

जीवाणुरोधी रक्षा।

शोधकर्ताओं ने यह भी पता लगाया है कि अम्लीय मूत्र अधिक जीवाणुरोधी होता है

गैर-अम्लीय मूत्र की तुलना में। लेकिन फिर से, बड़ी मात्रा में पीने का पानी

पानी मूत्र को कम अम्लीय बनाता है और इसलिए कम जीवाणुरोधी बनाता है।

यूरिनलिसिस इन क्लिनिकल लेबोरेटरी प्रैक्टिस नामक पुस्तक में द्वारा 1975 में लिखा गया था

माइल्स लेबोरेटरीज के दो शोधकर्ता, शोधकर्ताओं ने यह भी देखा

कि अधिक मात्रा में पानी पीने से मूत्र की प्राकृतिक जीवाणु-विरोधी-प्रवर्तक अम्लता नष्ट हो जाती है:

"यदि एक मानव द्वारा बड़ी मात्रा में पानी का सेवन किया जाता है, तो एक संगत

मूत्राधिक्य या मूत्र उत्सर्जन में वृद्धि होती है। इस समय, का pH

मूत्र तटस्थता के काफी करीब मूल्य पर अपेक्षाकृत स्थिर हो जाता है। इस घटना की व्याख्या एक संकेत के रूप में की जा सकती है

कि मूत्र पीएच समायोजन की सामान्य प्रक्रिया नहीं है

प्रभावी ढंग से कार्य करने का अवसर..."

शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि:

Machine Translated by Google

"मूत्र पथ के संक्रमण की उपस्थिति के कारण पेशाब हो सकता है"

की क्रिया के कारण निश्चित रूप से और लगातार क्षारीय हो जाते हैं

यूरिया विभाजित करने वाले जीव।"

दूसरे शब्दों में, एक संक्रमण स्वयं मूत्र को कम अम्ल बनाता है और इसलिए जितना होना चाहिए उससे कम एंटी बैक्टीरियल, इसलिए तार्किक रूप से, यह नहीं बनाता है

संक्रमण के उपचार के रूप में बड़ी मात्रा में पानी पीकर मूत्र के बैक्टीरिया से लड़ने वाले गुणों को और कम करने की भावना।

मूत्र की जीवाणुरोधी अम्लता को बढ़ाने के लिए क्रैनबेरी के रस को एक विधि के रूप में सुझाया गया है, लेकिन अगले अध्ययन के रूप में डॉ. डोनाल्ड केय

प्रदर्शित, यूरिया एकाग्रता और मूत्र की अम्लता नहीं

मूत्र की जीवाणुरोधी गतिविधि में प्राथमिक कारक प्रतीत होता है, और

जबरन पीने वाले तरल पदार्थ यूरिया की सांद्रता में योगदान नहीं करते हैं

मूत्र।

जिन महिलाओं को मूत्र मार्ग में संक्रमण हुआ है या हुआ है, जिन्हें आमतौर पर मूत्राशय के संक्रमण के रूप में जाना जाता है, आप जानते हैं कि आपका डॉक्टर क्या है

हमेशा आपको करने के लिए कहता है - बहुत सारे तरल पदार्थ पीएं और दवा लें,

सही?रे

लेकिन इस परिदृश्य में दो बड़ी समस्याएं हैं। सबसे पहले, जैसा कि हमने

चर्चा की, बड़ी मात्रा में तरल पदार्थ पीने से जीवाणुरोधी पतला हो जाता है

आपके मूत्र की गतिविधि जो आपके शरीर को दूर करने के लिए कठिन बनाती है

मूत्र पथ का संक्रमण।

दूसरे, उन दवाओं में से एक जो डॉक्टर हमेशा के लिए निर्धारित करते हैं

Machine Translated by Google

मूत्राशय के संक्रमण से जुड़ा दर्द पाइरिडियम है, (फेनाज़ोपाइरीडीन हाइड्रोक्लोराइड)। दुर्भाग्य से, पाइरिडियम एक ज्ञात कार्सिनोजेन है।

1985 विषाक्त और खतरनाक रसायन और कार्सिनोजेन्स की हैंडबुक

बताता है कि पाइरिडियम, (जिसे बिस्टरिल, पाइरिडिसिल और यूरिडिनल के नाम से भी जाना जाता है),

जिसे कम करने के लिए एनाल्जेसिक दवा के रूप में 40 वर्षों से उपयोग किया जा रहा है

मूत्र पथ के संक्रमण का दर्द, वास्तव में एक ज्ञात कार्सिनोजेन है:

"... मादा चूहों में यह एडेनोमास की घटनाओं में काफी वृद्धि करता है"

और कार्सिनोमस (कैंसर), और... नर और मादा चूहों में यह प्रेरित होता है

बृहदान्त्र और मलाशय के ट्यूमर।"

1980 में इस दवा के 4.4 मिलियन नुस्खे जारी किए गए थे, और यह है

अभी भी नियमित रूप से आज भी मूत्र पथ के संक्रमण के दर्द के लिए निर्धारित है।

अगली बार जब आपको यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन हो, तो पहले यूरिन थेरेपी ट्राई करें -

यह निर्विवाद रूप से सुरक्षित, सस्ता और पानी से कहीं अधिक प्रभावी है,

क्रैनबेरी जूस और पाइरिडियम। और आप खुद की निगरानी कर सकते हैं

घर पर प्रगति उसी डिपस्टिक के साथ होती है जिसका उपयोग डॉक्टर निर्धारित करने के लिए करते हैं

यदि आपको मूत्र पथ का संक्रमण है (मूत्र परीक्षण पर अनुभाग देखें)

अध्याय 6 में घर पर कर सकते हैं।)

अगला शोध अध्ययन मूत्र पथ के संक्रमण को रोकने या ठीक करने में मूत्र की भूमिका पर भी किया गया था, और यह भी प्रदर्शित किया गया था कि

जब यूरिया की मात्रा पर्याप्त रूप से बढ़ जाती है तो मूत्र बैक्टीरिया को रोक सकता है या मार सकता है।

शीर्षक: मानव मूत्र की जीवाणुरोधी गतिविधि, 1968, रिपोर्ट #20 द्वारा

डॉ. डोनाल्ड केय (चिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर, कॉर्नेल विश्वविद्यालय)

Machine Translated by Google

मेडिकल कॉलेज, न्यूयॉर्क)।

अतीत में कई शोधकर्ताओं ने इसका उत्तर खोजा है कि क्यों

एक व्यक्ति का मूत्र जीवाणु रोधी होता है, जबकि उसके मूत्र का नमूना

दूसरा व्यक्ति नहीं है। बीसवीं शताब्दी के दौरान कई अध्ययनों ने पुष्टि की कि मूत्र निश्चित रूप से एंटी-बैक्टीरियल हो सकता है और,

इनमें से कई अध्ययनों के आधार पर, शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि

पेशाब में बढ़े हुए एसिड के स्तर ने इसे जीवाणुरोधी बना दिया (यही कारण है कि आपका चुन)
उत्तम औषधि

क्यों क्रैनबेरी जूस, जो मूत्र को अम्लीकृत करता है, मूत्र पथ के संक्रमण के लिए अनुशंसित है)।

लेकिन, डॉ. डोनाल्ड काये इस बात से असहमत थे कि अम्लता प्रमुख कारक थी

मूत्र को जीवाणुनाशक बनाना। उन्होंने महसूस किया कि, हालांकि अम्लता ने योगदान दिया

मूत्र के जीवाणुरोधी गुणों के लिए, किसी ने अभी तक वास्तविक की पुष्टि नहीं की है

मूत्र की इस प्राकृतिक गतिविधि के पीछे कारक।

इसलिए 1968 में उन्होंने यह प्रदर्शित करने के लिए एक शोध अध्ययन किया

मूत्र के जीवाणुनाशक गुणों का अम्लता से इतना अधिक संबंध नहीं था

या अन्य कारक, लेकिन मूत्र में यूरिया की सांद्रता से अधिक।

अध्ययन में, काये ने दिखाया कि यह मुख्य रूप से यूरिया का स्तर था, न कि

कार्बनिक अम्ल या अन्य कारक जो जीवाणुरोधी के लिए जिम्मेदार थे

पेशाब की क्रिया:

"वर्तमान अध्ययन के परिणाम यूरिया की भूमिका के लिए सबूत प्रदान करते हैं"

मानव मूत्र एक जीवाणुरोधी एजेंट के रूप में।

वे यह भी सुझाव देते हैं कि आमतौर पर एकाग्रता की सीमाओं के भीतर

मानव मूत्र में प्राप्त, जीवाणुरोधी गतिविधि अधिक का एक कार्य है

Machine Translated by Google

कार्बनिक की तुलना में यूरिया सामग्री एकाग्रता, या अमोनियम एकाग्रता जोड़ें।"

काये ने प्रदर्शित किया कि यूरिया की सांद्रता में वृद्धि करके

मूत्र, आप विकास को रोकने के लिए मूत्र की क्षमता को सीधे बढ़ा सकते हैं

रोग पैदा करने वाले जीवाणुओं में से:

"... इन प्रयोगों ने प्रदर्शित किया कि यूरिया के साथ पूरकता

मूत्र की निरोधात्मक गुणवत्ता में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई..."

काये ने कई अन्य शोधकर्ताओं का भी उल्लेख किया जिन्होंने प्रदर्शन किया था

वह केंद्रित यूरिया जीवाणुरोधी था:

"पिछले अध्ययनों से पता चलता है कि यूरिया योगदान दे सकता है

मूत्र की जीवाणुरोधी गतिविधि ... श्लेगल, कुएलर और ओ'डेल ने पाया कि

पोषक तत्व शोरबा में यूरिया... में 1- की सांद्रता में जीवाणुरोधी गतिविधि होती है।

4 000 मिली...

नेटर और क्लार्क ने दिखाया कि मानव मूत्र में यूरिया की मात्रा स्पष्ट रूप से शामिल है

जीवाणुरोधी गतिविधि में वृद्धि।

अंत में, श्लेगल, रफी, फ्लिनर, और ओ'डेल, ब्राजील और श्लेगल थे

कुत्तों और चूहों में मूत्र पथ के संक्रमण की घटनाओं को कम करने में सक्षम

मूत्र में बैक्टीरिया के प्रवेश के बाद यूरिया का प्रशासन करके

पथ।" जब आप अपने मूत्र को फिर से निगलते हैं, तो आप अनिवार्य रूप से अतिरिक्त अंतर्ग्रहण कर रहे होते हैं

यूरिया और जैसा कि काये ने अपने अध्ययन में प्रदर्शित किया, मौखिक रूप से अतिरिक्त यूरिया का अंतर्ग्रहण करके, हम प्रणाली में यूरिया की सांद्रता को बढ़ाते हैं, और

फलस्वरूप हमारे मूत्र की जीवाणुरोधी क्रिया में वृद्धि होती है:

"यूरिया के अंतर्ग्रहण के बाद स्वयंसेवकों से एकत्र किए गए मूत्र ने प्रदर्शित किया

Machine Translated by Google

यूरिया के अंतर्ग्रहण से पहले एकत्र किए गए मूत्र की तुलना में जीवाणुरोधी गतिविधि में उल्लेखनीय वृद्धि...

प्रत्येक विषय में यूरिया की सांद्रता कम से कम 0.5 . बढ़ाई गई

यूरिया के अंतर्ग्रहण के बाद ग्राम यूरिया नाइट्रोजन/100 मिली मूत्र।",

इस बात के प्रमाण हैं कि मूत्र में अम्लता और इसकी अम्लता के बीच एक संबंध है

जीवाणुरोधी क्रिया, लेकिन, जैसा कि काये टिप्पणी करते हैं:

"किसी भी अध्ययन ने कारकों को स्पष्ट करने का गहन प्रयास नहीं किया

जो मूत्र की निरोधात्मक गतिविधि में योगदान कर सकते हैं और निर्धारित कर सकते हैं

प्रत्येक कारक का सापेक्ष महत्व।"

काये भी प्रदर्शित करता है, जैसा कि श्लेगल ने किया था, कि बड़ी मात्रा में शराब पीना

मूत्र उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पानी (मूत्रवर्धक) स्पष्ट रूप से कम हो जाता है

मूत्र की जीवाणुरोधी गतिविधि, जो बदले में आपके एक को कम कर देती है

शरीर के प्राकृतिक संक्रमण से लड़ने वाले तंत्र:

"मूत्र... ई. कोलाई स्ट्रेन 14 के लिए ड्यूरिसिस जीवाणुनाशक होने से पहले एकत्र किया गया था,

जबकि मूत्राधिक्य के दौरान प्राप्त मूत्र ने इसके विकास का समर्थन किया

तनाव...

वर्तमान अध्ययन के परिणाम और रॉबर्ट्स और बियर्ड और

एस्चर एट अल। सुझाव है कि मानव मूत्र की जीवाणुरोधी गतिविधि हो सकती है

मूत्र पथ के संक्रमण को रोकने में एक महत्वपूर्ण कारक और भी हो सकता है

संक्रमण होने पर बैक्टीरिया के उपभेदों को चुनने (प्रजनन को प्रभावित करने) में मदद करता है।"

के जीवाणुरोधी गुणों पर इन सभी सहायक आंकड़ों को देखते हुए

यूरिया, यह महंगा हो जाता है कि मूत्र चिकित्सा लंबे समय से क्यों है

Machine Translated by Google

कई अलग-अलग प्रकारों का मुकाबला करने में बेहद प्रभावी माना जाता है

संक्रमण का।

एन

nआपकी खुद की सही दवा

रिपोर्ट #21 शीर्षक: पोलियोवायरस में एंटीबॉडी को निष्क्रिय करना
नॉर्मल ह्यूमन यूरिन, 1962, मार्टिन लर्नर, जैक रेमिंगटन और द्वारा

मैक्सवेल फ़िनलैंड, जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन। (थ्रोंडाइक मेमोरियल लेबोरेटरी से, हार्वर्ड मेडिकल सर्विसेज, बोस्टन सिटी

अस्पताल, और मेडिसिन विभाग, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल,

बोस्टन मैसाचुसेट्स, जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन।

विषय: मूत्र में पाए जाने वाले प्राकृतिक एंटीबॉडी

इस अध्ययन में शोध काफी हद तक पिछले कई पर आधारित था

महत्वपूर्ण प्राकृतिक एंटीबॉडी की उपस्थिति पर अध्ययन किया गया है

मूत्र में पाया जाता है।

दरअसल, इस पर बहुत सारे शोध अध्ययन किए गए हैं

मूत्र में एंटीबॉडी की उपस्थिति जिसके बारे में चर्चा करना असंभव होगा

उन सभी को, इसलिए हम इस अध्ययन और एक दूसरे को देखेंगे, जिनमें से दोनों एक

विषय का अच्छा सामान्य अवलोकन।

हम सभी जानते हैं कि बीमारियों से लड़ने में शरीर का क्या महत्व है। कब

हम विदेशी जीवों के संपर्क में आते हैं जिन्हें हमारे शरीर को खतरा महसूस होता है, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली कई प्रकार के एंटीबॉडी का उत्पादन करती है जो

घुसपैठियों पर हमला, कमजोर और नष्ट करना।

हम में से ज्यादातर लोग सोचते हैं कि ये एंटीबॉडी सिर्फ हमारे खून में पाए जाते हैं। परंतु

Machine Translated by Google

कई शोध अध्ययनों ने साबित किया है कि जब हम बीमारी से लड़ रहे होते हैं तो हमारे मूत्र में कई तरह के एंटीबॉडी भी मौजूद होते हैं - और

इन महत्वपूर्ण एंटीबॉडी का शरीर द्वारा मूत्र चिकित्सा में पुन: उपयोग किया जा सकता है।

जैसा कि 1962 में इस अध्ययन से पता चला था, मूत्र एंटीबॉडी बेहद प्रभावी हैं

रोग से लड़ने वाले और सक्रिय रूप से बेअसर या नष्ट करने में सक्षम हैं

यहां तक कि आक्रामक पोलियो वायरस भी:

प्रोटीन में पोलियोवायरस के लिए निष्क्रिय गतिविधि का प्रदर्शन किया गया था

कई सामान्य विषयों के मूत्र से तैयार सांद्रता।

मूत्र में निष्क्रिय करने की गतिविधि की जैविक विशेषताएं

रक्त में पाए जाने वाले विशिष्ट एंटीबॉडी के समान।

मूत्र के इस न्यूट्रलाइजिंग पदार्थ में एंटीबॉडी की आवश्यक विशेषताएं होती हैं। जैव रासायनिक पर आगे के अध्ययन और

इस और अन्य मूत्र एंटीबॉडी के शारीरिक लक्षण वर्णन में हैं

प्रगति।

इस रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि कई अन्य प्रकार के यूरिन एंटी-बॉडीज

अन्य शोध अध्ययनों में पाया गया है: "हैजा और टाइफाइड के प्रतिरक्षी सामान्य स्वयंसेवकों के असंकेंद्रित मूत्र में पाए गए हैं, जिनके साथ प्रतिरक्षित किया गया है

टीका।

डिप्थीरिया, निमोनिया, लेप्टोस्पाइरा और साल्मोनेला बैक्टीरिया के लिए एंटीबॉडीज

प्रतिरक्षित या संक्रमित व्यक्तियों के मूत्र में भी पाए गए हैं।"

चिकित्सा समुदाय यह तर्क दे सकता है कि मूत्र एंटीबॉडी का पुन: उपयोग

मूत्र चिकित्सा के माध्यम से महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि एंटीबॉडी हमेशा नहीं होती हैं

रोग के दौरान मूत्र में पाए जाते हैं और वे पर्याप्त रूप से केंद्रित नहीं होते हैं

Machine Translated by Google

बीमारी के पाए जाने पर भी उसे नियंत्रित करने या उसका मुकाबला करने के लिए पर्याप्त - लेकिन

यह सच नहीं है।

पोलियो मूत्र एंटीबॉडी पर इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा

पता चला या पता नहीं चला एंटीबॉडी की कि मिनट सांद्रता

रोग को नियंत्रित और लड़ सकते हैं:

"हालांकि, यह ज्ञात है कि एंटीबॉडी की उपस्थिति, यहां तक कि

मात्रा जो पारंपरिक तरीकों से पता लगाने योग्य नहीं है,

बीमारी को रोक सकता है और वायरस का पता लगा सकता है ..."।

1967 में इम्यूनोलॉजिस्ट द्वारा प्रकाशित एक अन्य शोध रिपोर्ट में

न्यू यॉर्क में माउंट सिनाई अस्पताल में पोलियोएंटीबॉडी की उपस्थिति पर

मूत्र, शोधकर्ताओं ने पुष्टि की कि:

"यह स्पष्ट है कि IGA पोलियोएंटीबॉडी ... मूत्र में मौजूद है ... ऐसा लगता है

कि इस प्रकार के एंटीबॉडी सूक्ष्म जीवों के आक्रमण के खिलाफ रक्षा में एक भूमिका निभा सकते हैं।" (IgA पोलियोएंटीबॉडी का प्रदर्शन में

लार, ग्रहणी द्रव और मूत्र, 1967)।"

दूसरे शब्दों में, जैसा कि इन दो अध्ययनों से पता चलता है, प्राकृतिक मूत्र एंटीबॉडी को दवा में रासायनिक रूप से केंद्रित होने की आवश्यकता नहीं है

सक्रिय और प्रभावी होने के लिए, और, जैसा कि हमने देखा है, प्राकृतिक पदार्थ अपने प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित और उपयोग करने के लिए कम विषैले होते हैं,

जिसका अर्थ है कि मूत्र चिकित्सा के माध्यम से मूत्र एंटीबॉडी का पुन: उपयोग करना है

अत्यंत महत्वपूर्ण।

मूत्र चिकित्सा के दौरान मूत्र एंटीबॉडी का पुन: उपयोग करने का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू जो मैंने पहले उल्लेख किया है वह यह है कि आपके मूत्र एंटीबॉडी हैं

आपकी विशेष स्वास्थ्य स्थितियों के लिए विशिष्ट। जब आप अपने

Machine Translated by Google

मूत्र, आपको अपने शरीर के "कस्टम-निर्मित" एंटीबॉडी का लाभ मिलता है

उन बीमारियों से लड़ें जिन्हें आप जानते भी नहीं होंगे कि आपके पास हैं।

हाल ही में दूषित बीफ से खाद्य विषाक्तता का प्रकोप और

चिकन मूत्र और यूरिया के उपयोग के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत प्रस्तुत करता है
उत्तम औषधि

चिकित्सा। जैसा कि आपने पढ़ा है, मूत्र में संक्रमित व्यक्तियों और कई लोगों में खाद्य संदूषकों जैसे साल्मोनेला के लिए प्राकृतिक एंटीबॉडी होते हैं।

मूत्र के साथ खाद्य विषाक्तता के उपचार में उत्कृष्ट सफलता की सूचना दी है

चिकित्सा। इसके अलावा, केंद्रित यूरिया के उत्कृष्ट जीवाणुनाशक गुण कर सकते हैं

खाद्य विषाक्तता जैसे जीवाणु संक्रमण के इलाज में भी योगदान देता है।

गंभीर, अस्पताल में भर्ती मामलों में, रोगी के मूत्र का प्रशासन

इंजेक्शन या अंतःशिरा यूरिया के साथ संयुक्त प्राकृतिक एंटीबॉडी, महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा रक्षा कारकों और केंद्रित यूरिया स्तरों का एक संयोजन प्रदान करेगा जो खाद्य विषाक्तता और सभी प्रकार के जीवाणु और वायरल संक्रमण के इलाज में अत्यधिक प्रभावकारी साबित हो सकता है।

एक राष्ट्र के रूप में, हम बहुत अधिक समय और पैसा खर्च करते हैं

निदान करने के लिए कि हमें कौन से विकार हैं और आमतौर पर एक एंटीबायोटिक या दवा के साथ समाप्त होता है जो हमारे 'गैर-विशिष्ट' के लिए सही हो भी सकता है और नहीं भी।

बीमारी। मूत्र चिकित्सा इस अभ्यास का एक विकल्प प्रदान करती है, क्योंकि

हमें यह होने के लिए हमारे पास मौजूद हर स्थिति का निदान करने की आवश्यकता नहीं है

प्रभावी।

मूत्र चिकित्सा पूरी तरह से सुरक्षित है और कई प्रकार के पर लागू होती है

स्थितियों, एक उत्कृष्ट निवारक स्वास्थ्य उपचार होने के अलावा। ऐसे कई उदाहरण हैं जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली काम कर रही है

स्पष्ट लक्षण प्रकट होने से बहुत पहले एक स्वास्थ्य खतरे के साथ। पेशाब के साथ

Machine Translated by Google

चिकित्सा, हालांकि, मूत्र एंटीबॉडी, हार्मोन, एंजाइम और अत्यंत

जटिल पोषक तत्व लक्षणों के प्रकट होने से पहले और पारंपरिक नैदानिक अध्ययनों द्वारा पता लगाने योग्य होने से पहले ही बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकते हैं।

रिपोर्ट #22 बहिर्जात और अंतर्जात यूरिया के उपयोग का शीर्षक

सामान्य और यूरेमिक विषयों में प्रोटीन संश्लेषण, 1963,

रेनल लेबोरेटरी, नेपल्स के डॉ. कार्मेलो जिओर्डानो द्वारा

यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन।

इस अध्ययन का संबंध गुर्दे की सबसे कठिन समस्याओं में से एक से है, या

गुर्दा विकार, जो रोगी की संश्लेषित करने की अक्षम क्षमता है,

या दूसरे शब्दों में, प्रोटीन को तोड़ें और उपयोग करें। प्रोटीन सामान्य रूप से होता है

लीवर और दोनों द्वारा नाइट्रोजन और अन्य घटकों में टूट जाता है

गुर्दे, लेकिन जब संक्रमण के कारण गुर्दे खराब हो जाते हैं,

क्षति, आदि और प्रोटीन को कुशलता से तोड़ नहीं सकते, प्रोटीन की कमी

होता है, शरीर में नाइट्रोजन का स्तर बदल जाता है और व्यक्ति का स्वास्थ्य

गंभीर धमकी दी।

हालांकि, कुछ शोधकर्ताओं, जैसे कि जिओर्डानो, ने पाया है कि सीए

यूरिया, (जो प्रोटीन संश्लेषण के दौरान उत्पन्न होता है और इसलिए कॉन-द रिसर्च
साक्ष्य और केस स्टडी

टेंस नाइट्रोजन), वास्तव में गुर्दे के रोगियों की मदद करने में भूमिका निभा सकता है

प्रोटीन का अधिक कुशलता से उपयोग करें और उचित नाइट्रोजन संतुलन प्राप्त करने के लिए

शरीर।

अध्ययन ने प्रदर्शित किया कि:

"यदि यूरिया को आहार में शामिल किया जाता है, तो गैर-आवश्यक अमीनो का पर्याप्त संश्लेषण होता है

Machine Translated by Google

एसिड संतुलन या सकारात्मक नाइट्रोजन संतुलन प्राप्त करने के लिए हुआ।"

जैसा कि जिओर्डानो बताते हैं:

"आवश्यक अमीनो एसिड युक्त सिंथेटिक आहार के उपयोग के साथ"

कम मात्रा में, यह दिखाया गया है कि यूरिया, या तो बहिर्जात रूप से दिया जाता है या यदि

यूरीमिया में रखे अपशिष्ट नाइट्रोजन से अंतर्जात रूप से लिया जाता है, उपयोग किया जाता है

गैर-आवश्यक अमीनो एसिड के संश्लेषण के लिए।"

यूरिया के उपयोग ने में प्रगतिशील नैदानिक सुधार दिखाया है

यूरीमिक रोगियों और गुर्दे [गुर्दे] के उपचार के रूप में अध्ययन किया जा रहा है

असफलता।

गुर्दे की बीमारी में यूरिया की भूमिका पर एक और रिपोर्ट दी गई

1968 में फ्लोरिडा में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, यूरिया और

किडनी, रिपोर्ट में, जॉन्स हॉपकिन्स के मैकेंज़ी वाल्सर,

यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन ने कहा कि:

"यूरेमिक्स [गुर्दे के रोगियों] में कम मात्रा में आहार लेने पर

प्रोटीन, यूरिया स्पष्ट रूप से नाइट्रोजन का प्रमुख स्रोत प्रदान करता है

प्रोटीन संश्लेषण। इन निष्कर्षों की आगे की खोज उपज दे सकती है

गुर्दे की विफलता के उपचार में बहुमूल्य जानकारी।"

वाल्सर यह भी बताते हैं कि:

यूरिया को अब नाइट्रोजन का अंतिम उत्पाद नहीं माना जा सकता है

चयापचय लेकिन प्रोटीन संश्लेषण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

दूसरे शब्दों में, अध्ययनों से पता चला है कि यूरिया सिर्फ एक "अपशिष्ट" नहीं है

शरीर द्वारा प्रोटीन के उपयोग का उपोत्पाद, लेकिन वास्तव में एक महत्वपूर्ण है

प्रोटीन को चयापचय करने और बनाए रखने की हमारे शरीर की प्रक्रिया का हिस्सा

Machine Translated by Google

उचित नाइट्रोजन स्तर जो स्वास्थ्य और कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। आपकी अपनी सही दवा

रिपोर्ट #23 शीर्षक: मानव में एंटीबॉडी की विशेषता

मूत्र, 1965, लार्स ए. हैनसन और इंग्लैंड एम. टैन द्वारा, (से

रॉकफेलर इंस्टीट्यूट, एनवाई, एनवाई)। जर्नल ऑफ क्लिनिकल में प्रकाशित

जाँच पड़ताल।

यह अध्ययन मानव में एंटीबॉडी पर किया गया एक अन्य शोध प्रोजेक्ट है

मूत्र और बाल चिकित्सा क्लिनिक के डॉ। टार्स ए। हैनसन द्वारा प्रस्तुत किया गया था

स्वीडन में करोलिंस्का संस्थान की बैठक में

स्टॉकहोम में स्वीडिश मेडिकल सोसाइटी का माइक्रोबायोलॉजी सेक्शन।

रिपोर्ट में कहा गया है कि:

मानव मूत्र में प्रोटीन होते हैं जिन्हें समान दिखाया गया है

सीरम (रक्त) इम्युनोग्लोबुलिन या (एंटीबॉडी) के साथ।

रिपोर्ट से यह भी पता चला कि:

मूत्र में एंटीबॉडी गतिविधि कई के खिलाफ प्रदर्शित की गई है

हैजा, साल्मोनेला, डिप्थीरिया, टेटनस सहित सूक्ष्मजीव

और पोलियो।

कई डॉक्टर जिन्होंने शुरुआत में मरीजों पर यूरिन थेरेपी का इस्तेमाल किया था

बीसवीं शताब्दी जैसे डंकन, और प्लाश ने उल्लेख किया कि अंतर्ग्रहण

या किसी व्यक्ति के स्वयं के मूत्र के इंजेक्शन में अक्सर अद्भुत उपचारात्मक होता है

हेपेटाइटिस, काली खांसी, कण्ठमाला, चिकन पॉक्स और जैसे बैक्टीरिया और वायरल से संबंधित बीमारियों की आश्चर्यजनक व्यापक विविधता पर प्रभाव

इन्फ्लूएंजा।

Machine Translated by Google

यह देखना दिलचस्प है कि आधुनिक चिकित्सा शोधकर्ताओं ने पुष्टि की है

मूत्र में विभिन्न प्रकार के रोग एंटीबॉडी की उपस्थिति जो जाहिरा तौर पर

मूत्र चिकित्सा के सफल नैदानिक अनुप्रयोगों में भूमिका निभाते हैं।

चिकित्सा साहित्य में मूत्र एंटीबॉडी के कई अन्य संदर्भ हैं, जिनमें से कुछ और मैं यहां सूचीबद्ध करूंगा।

रिपोर्ट शीर्षक में जिन गैमाग्लोबुलिन का उल्लेख किया गया है वे हैं:

अत्यंत महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा रक्षा एंटीबॉडी कारक:

मानव मूत्र में रक्त समूह एंटीबॉडी।

प्रेगर और दाढ़ी

आधान, 1965

सामान्य मूत्र के गामा संबंधित प्रोटीन के आगे के अध्ययन।

जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन, 1962द रिसर्च एविडेंस एंड केस स्टडीज

जेल-निस्पंदन द्वारा सामान्य मानव मूत्र में एंटीबॉडी की विशेषता

और एंटीजेनिक विश्लेषण।

मेगावाट टर्नर

जैविक तरल पदार्थों के प्रोटीज, 1964

सामान्य मानव में प्रोटीन, ग्लाइकोप्रोटीन और म्यूकोपॉलीसेकेराइड

मूत्र।

आई. बर्गगार्ड

अर्किव। केमी, 1961

ए . के सीरम और मूत्र में एक असामान्य माइक्रो-गामा-ग्लोब्युलिन

रोगी।

फ्रैंकलिन, मेल्टज़र, गुगेनहेन और लोवेनस्टीन

Machine Translated by Google

सिंचित। प्रक्रिया, 1963

आर

नॉर- के गामा ग्लोब्युलिन के भौतिक रासायनिक और प्रतिरक्षाविज्ञानी अध्ययन

- मल मानव मूत्र।

ईसी फ्रैंकलिन

जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन, 1959

जे

ल्यूपस नेफ्रैटिस में मूत्र गामा ग्लोब्युलिन का महत्व।

स्टीवंस और नोल्स

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन, 1962

यह महसूस करना असाधारण है कि हमारे पास इन तक इतनी आसान पहुंच है

मूत्र चिकित्सा के सरल उपयोग के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण प्राकृतिक एंटीबॉडी और रक्त के अन्य महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा तत्व - विशेष रूप से

एड्स के डर को देखते हुए जो किसी भी सार्वजनिक स्रोत का उपयोग करता है

रक्त संबंधी चिकित्सा उपचार आज कई लोगों को डराता है।

शीर्षक: स्वस्थ रिपोर्ट #1 . से मूत्र की प्राकृतिक और संरचना

विषय, 1975, एएच फ्री द्वारा।, एचएम फ्री, क्लिनिकल में यूरिनलिसिस से

प्रयोगशाला अभ्यास, मील प्रयोगशालाएँ।

विषय: सामान्य मानव मूत्र की सामग्री

सामान्य तौर पर, हम में से अधिकांश को पता नहीं है कि मूत्र एक असाधारण शरीर है

रक्त से व्युत्पन्न तरल पदार्थ जो सैकड़ों स्वास्थ्य सहायक सामग्री से भरा होता है - लेकिन, उस मामले के लिए, यह एक तथ्य है कि वैज्ञानिक

खुद को केवल पिछले कुछ में पूरी तरह से समझना शुरू कर दिया है

Machine Translated by Google

फ्री और फ्री के रूप में समझाएं:

"वास्तव में सामान्य मूत्र में हजारों यौगिकों की पहचान की गई है और इनमें से अधिकांश को से प्राप्त किया गया है

रक्त...

मूत्र की संरचना की समझ धीरे-धीरे होती है

रसायन विज्ञान और शरीर विज्ञान के विज्ञान के रूप में विकसित हुआ है।

अब यह माना जाता है कि मूत्र में हजारों यौगिक होते हैं,

और जैसे-जैसे नए, अधिक संवेदनशील विश्लेषणात्मक उपकरण विकसित होते हैं, यह बिल्कुल निश्चित है

मूत्र के नए घटकों को पहचाना जाएगा"

यह 'रिपोर्ट मूत्र के लगभग 200 घटकों की एक विस्तृत सूची देने के लिए आगे बढ़ती है, लेकिन जैसा कि शोधकर्ताओं ने टिप्पणी की है: "यह तालिका पूर्ण नहीं मानी जाती है, लेकिन [केवल] ब्याज के यौगिकों की पहचान करती है।"

यहां सभी 200 सामग्रियों को सूचीबद्ध करना थोड़ा अधिक होगा, इसलिए मैं एक

मूत्र में कुछ ऐसे अवयवों का नमूना जो सबसे अधिक पहचाने जाने योग्य हैं

क्योंकि उनमें से कई वही सामग्रियां हैं जो आप अपने पर देखते हैं

विटामिन पूरक लेबल, या जिसके बारे में आपने पढ़ा या सुना है

विभिन्न स्रोतों।

फिर, हम मूत्र को पोषक तत्व के रूप में कभी नहीं सोचते हैं, लेकिन इस विश्लेषण के रूप में

मूत्र से पता चलता है कि मूत्र में पोषक तत्वों के कई तत्व होते हैं,

हार्मोन, स्टेरॉयड और अन्य महत्वपूर्ण तत्वों के साथ जो नियंत्रित करते हैं

और शरीर की प्रमुख प्रक्रियाओं को नियंत्रित करें:

ऐलेनिन, कुल .... 38 मिलीग्राम/दिन... लाइसिन, कुल .... 56 मिलीग्राम/दिन

आर्जिनिन, कुल ....32 मिलीग्राम/दिन......मैग्नीशियम - 100 मिलीग्राम/दिन

Machine Translated by Google

एस्कॉर्बिक एसिड .... 30 मिलीग्राम / दिन ... मैंगनीज .... 0.5 मिलीग्राम / दिन

एलांटोइन .... 12 मिलीग्राम/दिन...मेथियोनीन, कुल ......10 मिलीग्राम/दिन

अमीनो एसिड, कुल ......2.1 ग्राम / दिन नाइट्रोजन, कुल .... 15 ग्राम / दिन

बाइकार्बोनेट ..... 140 मिलीग्राम / दिन ..... ऑर्निथिन .... 10 मिलीग्राम / दिन

बायोटिन .... 35 मिलीग्राम / दिन ... पैंटोथेनिक एसिड .... 3 मिलीग्राम / दिन

कैल्शियम .... 23 मिलीग्राम / दिन ... फेनिलएलनिन .... 21 मिलीग्राम / दिन

क्रिएटिनिन .... 1.4 मिलीग्राम / दिन ..... फास्फोरस, कार्बनिक। .9 मिलीग्राम/दिन

सिस्टीन .... 120 मिलीग्राम/दिन...... पोटेशियम .... 2.5 मिलीग्राम/दिन

डोपामाइन .... 0ए0 मिलीग्राम/दिन......प्रोटीन, कुल............ 35 मिलीग्राम/दिन

एपिनेफ्रीन .... 0.01 मिलीग्राम/दिन..... राइबोफ्लेविन .... 0.9 मिलीग्राम/दिन

फोलिक एसिड .... 4 मिलीग्राम/दिन..... ट्रिप्टोफैन, कुल ......28 मिलीग्राम/दिन

ग्लूकोज .... 100 मिलीग्राम/दिन ..... टायरोसिन, कुल .... 50 मिलीग्राम/दिन

ग्लूटामिक एसिड .... 308 मिलीग्राम / दिन ..... यूरिया .... 24.5 मिलीग्राम / दिन

ग्लाइसिन .... 455 मिलीग्राम/दिन..... विटामिन बी6 .... 100 मिलीग्राम/दिन

इनोसिटोल .... 14 मिलीग्राम/दिन..... विटामिन 812 .... 0.03 मिलीग्राम/दिन

आयोडीन .... 0.25 मिलीग्राम / दिन ..... जिंक .... 1.4 मिलीग्राम / दिन

आयरन ....0.5 मिलीग्राम/दिनहार्मोनल पदार्थ

एल्डोस्टेरोन, पुरुष ...... 3.5 मिलीग्राम/दिन

एल्डोस्टेरोन, मादा ... 4.2 मिलीग्राम/दिन

एण्ड्रोजन, महिला

(20-40 वर्ष।) .... 14 मिलीग्राम/दिन

एण्ड्रोजन, पुरुष

(20-40 वर्ष।) .... 18.2 मिलीग्राम/दिन

Machine Translated by Google

एंड्रोस्टेरोन, महिला ..4.2 मिलीग्राम/दिन

एंड्रोस्टेरोन, पुरुष ....3.5 मिलीग्राम/दिन

एस्ट्राडियोल, महिला

ल्यूटियल चरण .... 7 मिलीग्राम/दिन

एस्ट्रिऑल, महिला

ल्यूटियल चरण .... 28 मिलीग्राम / दिन

एस्ट्रोन, महिला

ल्यूटियल चरण .... 14 मिलीग्राम / दिन

17-केटोजेनिक एड्रेनोकोरिटिकोइड्स

महिला .... 12.6 मिलीग्राम/दिन

17-केटोजेनिक एड्रेनोकोरिटिकोइड्स

पुरुष .... 14.7 मिलीग्राम/दिन

केटोल स्टेरॉयड .... 18.2 मिलीग्राम/दिन

अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

इनमें से कई मूत्र अवयवों के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि कई

उनमें से प्रमुख पोषक तत्वों के प्राकृतिक रूप से संश्लेषित रूप हैं।

उदाहरण के लिए, विटामिन बी 6 (पाइरिडोक्सिन) के संश्लेषित, या "पचाने" के रूप मूत्र में पाए जाते हैं - पाइरिडोक्सल (70 मिलीग्राम / दिन) और पाइरिडोक्सामाइन

(100 मिलीग्राम / दिन)। जब आप अपने भोजन में या a . के रूप में B6 (पाइरिडोक्सिन) का सेवन करते हैं

विटामिन पूरक, शरीर इसे सरल पदार्थों में तोड़ देता है

कि यह उपयोग कर सकता है, अर्थात्, पाइरिडोक्सल और पाइरिडोक्सामाइन।

इन दोनों पदार्थों का जबरदस्त पौष्टिक मूल्य है। वे अमीनो एसिड के संश्लेषण और टूटने के लिए आवश्यक हैं, का रूपांतरण

Machine Translated by Google

ट्रिप्टोफैन से नियासिन, ग्लूकोज से ग्लाइकोजन का टूटना, एंटीबॉडी का उत्पादन, हीमोग्लोबिन में हीम का निर्माण, मस्तिष्क के कार्य में महत्वपूर्ण हार्मोन का निर्माण, का उचित अवशोषण

बी 12, और सोडियम और पोटेशियम के संतुलन का रखरखाव

जो शरीर के तरल पदार्थों को नियंत्रित करता है।

प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते हुए, आप न केवल B6 का ही अंतर्ग्रहण कर रहे हैं, बल्कि

आप B6 के पहले से संश्लेषित रूपों का भी सेवन कर रहे हैं, जो कर सकते हैं

उन लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जिनके पास अपने सिस्टम में बी विटामिन या अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का उपयोग करने की क्षमता कम है

खराब पाचन और आत्मसात, उम्र बढ़ने, दवाओं के उपयोग, मौखिक के रूप में कारक

गर्भनिरोधक, एंटीबायोटिक्स, आदि।

• बाजार पर कई "pm-digested" पोषण संबंधी उत्पाद हैं

आज उन लोगों के लिए जिनके शरीर को टूटने में मुश्किल होती है

तत्वों में अधिक जटिल पोषक तत्व जो शरीर कर सकते हैं

कुशलता से उपयोग करें। लेकिन मूत्र अपने आप में एक अविश्वसनीय रूप से जटिल और संपूर्ण है

अपने स्वयं के पहले से संश्लेषित पोषक तत्वों का मिश्रण जो कोई रसायनज्ञ नहीं है

कहीं भी कभी भी नकल कर सकता है।

फुट

आर

आर

ती

यह

11आपकी खुद की सही दवा

वास्तव में, Bjomesjo, शोधकर्ता, जिन्होंने इस पर अध्ययन किया था

Machine Translated by Google

मूत्र की तपेदिक विरोधी गतिविधि, प्रयोगशाला में मनगढ़ंत कृत्रिम मूत्र का उपयोग करके प्रयोग किए। हालांकि, उन्होंने पाया कि

जबकि प्राकृतिक मूत्र ने टीबी बैक्टीरिया के विकास को मार दिया या रोक दिया,

कृत्रिम मूत्र नहीं था, क्योंकि प्राकृतिक एंटी-टीबी मूत्र तत्व

कृत्रिम रूप से नकल नहीं की जा सकती।

निम्नलिखित में से कई शोध रिपोर्ट विशेष रूप से मूत्र से संबंधित हैं

कैंसर, एड्स, मानसिक विकार, त्वचा की स्थिति के उपचार उपचार

और यूरिया के त्वचाविज्ञान और कॉस्मेटिक उपयोग, और ये विशेष रूप से

रिपोर्टों को उनकी उपयुक्त श्रेणी के अंतर्गत अनुभागों में समूहीकृत किया गया है

आपके लिए उनकी समीक्षा करना आसान बनाने के लिए शीर्षक।

मूत्र चिकित्सा और कैंसर

रिपोर्ट #25 शीर्षक एच-11 फॉर कैंसर, डॉ. जेएच थॉम्पसन द्वारा, 1943, में प्रकाशित

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, (7/31/43)।

1930 के दशक के अंत और 40 के दशक की शुरुआत में, कई चिकित्सा शोधकर्ता जैसे डॉ।

थॉम्पसन, एक कैंसर विरोधी मूत्र निकालने के साथ प्रयोग कर रहे थे

एच-11 कहा जाता है।

सैकड़ों शोधकर्ताओं में से कई जिन्होंने अध्ययन किया था

लगभग 12 वर्षों की अवधि में कैंसर के उपचार में एच-11 ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जिन्हें दुर्भाग्य से चिकित्सा समुदाय द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया। शोधकर्ताओं ने कथित तौर पर मांग की कि एक चिकित्सा

उनकी शिकायतों की समीक्षा करने के लिए अनुसंधान परिषद की स्थापना की जानी चाहिए, जिसमें कहा गया है कि उनकी

एच-11 कैंसर के सफल उपचारों पर शोध के निष्कर्ष निकाले जा रहे थे

चिकित्सा प्रतिष्ठान द्वारा अन्यायपूर्ण ढंग से उपेक्षा की गई। में एक परिषद की स्थापना की गई थी

Machine Translated by Google

1948, हालांकि, हजारों प्रयोगशाला अध्ययनों और सैकड़ों के बावजूद

उपचार में H-11 की प्रभावकारिता का प्रदर्शन करने वाले नैदानिक प्रमाण के मामलों में

कैंसर, इसे परिषद द्वारा एक स्वीकृत चिकित्सा उपचार के रूप में अलग रखा गया था

कैंसर के लिए।

कैंसर पर इस अर्क के उपयोग पर नैदानिक और प्रयोगशाला निष्कर्ष

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में डॉ. जेएच द्वारा रोगियों की सूचना दी गई थी

थॉम्पसन, और पता चला कि 300 से अधिक स्वतंत्र डॉक्टर और

शोधकर्ताओं ने पाया था कि एच-11 को रोकने में चिकित्सकीय रूप से प्रभावी था

मनुष्यों में घातक कोशिकाओं की वृद्धि। अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

शीर्षक: एक ऑटो के उपयोग के चिकित्सीय परिणाम- रिपोर्ट #26

घातक ट्यूमर पर मूत्र निकालने, 1961, डॉ. नोवाक द्वारा,

जर्मन जर्नल, Zeitschr में प्रकाशित (फीट इननेरे मेडिज़िन, (जर्नल ऑफ़ .)

ओ आंतरिक चिकित्सा)।

यह एक जर्मन डॉक्टर की एक बेहद दिलचस्प रिपोर्ट है जिसने प्रत्येक रोगी से तैयार किए गए प्राकृतिक मूत्र निकालने के इंजेक्शन का उपयोग किया है।

पेट सहित कई अलग-अलग प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए खुद का मूत्र,

बृहदान्त्र, मलाशय, स्तन, फेफड़े, गर्भाशय, लिम्फ नोड और पित्ताशय की खराबी।

इलाज किए गए 21 मामलों में से अधिकांश में परिणाम उल्लेखनीय थे, और

रिपोर्ट में एक्स-रे तस्वीरें शामिल हैं जो परिणामों की पुष्टि करती हैं। एक के रूप में

उदाहरण:

केस # 2: मेटास्टेटिक घातक ट्यूमर वाली 60 वर्षीय महिला

अधिजठर और यकृत में मूत्र के साथ इलाज किया गया था

अर्क 4 इंजेक्शन के बाद, व्यक्तिपरक और उद्देश्य दोनों

Machine Translated by Google

सुधार का उल्लेख किया गया था, जैसा कि रेडियोलॉजिकल द्वारा पुष्टि की गई थी

एक्स-रे चिह्नित ट्यूमर में कमी दिखा रहा है। छह . के बाद

सप्ताह, ऊपरी में कोई अवरोध नहीं देखा गया था

पेट और लीवर सामान्य था। दो साल हो गए हैं

उपचार के बाद से पारित हो गया है और आगे नहीं हुआ है

कैंसर की घटना।

केस #3: पीलिया से पीड़ित 52 वर्षीय महिला (सीरम बिलीरुबिन 11

मिलीग्राम.%). दाहिने एपि- और मेसोगैस्ट्रियम में खरबूजे के आकार का ट्यूमर; खोजपूर्ण लैपरोटॉमी ने उन्नत कैंसर का खुलासा किया

पित्ताशय की थैली में मेटास्टेस के साथ यकृत, सीकुम और

अनुप्रस्थ बृहदान्त्र। मूत्र निकालने के 5 इंजेक्शन के बाद,

ट्यूमर का सिकुड़न था, आकार में कमी

जिगर, बिलीरुबिन 1.6 मिलीग्राम% तक गिर गया। के 10 महीनों के भीतर

अनुवर्ती परीक्षाओं में, रोगी ने कोई लक्षण नहीं दिखाया; दुर्लभ अवसरों पर, पेट खराब होने के बाद हुआ

आहार संबंधी अनियमितताएं। आपकी अपनी संपूर्ण दवा

रिपोर्ट #27 शीर्षक: R . की तैयारी

रिपोर्ट #27 शीर्षक: मानव मूत्र से शोधन की तैयारी, द्वारा

अल्बर्ट सजेंट-ग्योरगी, एट अल।, 1963, साइंस मैगज़ीन में प्रकाशित। पढाई करना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान से अनुदान द्वारा समर्थित और

नेशनल साइंस फाउंडेशन और इंस्टीट्यूट फॉर मसल में आयोजित किया गया

मैसाचुसेट्स में अनुसंधान।

Machine Translated by Google

विषय: घातक कैंसर पर मूत्र के अर्क का प्रभाव

ट्यूमर

यह अध्ययन एक कैंसर रोधी तत्व पर किया गया है जिसे निकाला गया है

मूत्र से "सेवानिवृत्त" कहा जाता है:

"बच्चों के मूत्र के कुछ अंशों को रोकने के लिए दिखाया गया है

चूहों में प्रत्यारोपित घातक कैंसर ट्यूमर की वृद्धि। इस क्रिया के लिए जिम्मेदार पदार्थ को "परिष्कृत" कहा जाता था। हमारे पास तब से है

लगभग 20-25 साल के वयस्कों के मूत्र में इसी तरह की गतिविधि पाई गई।"

कई अलग-अलग प्रकार के कैंसर ट्यूमर पर शोधन के प्रभाव का अध्ययन करने के बाद, शोधकर्ताओं ने देखा कि:

"रिफाइन की छोटी खुराक ट्यूमर के विकास को रोकती है, जबकि बड़ी मात्रा में"

वास्तव में ट्यूमर को पुन: प्राप्त करते हैं।"

अध्ययन में, चूहों के एक समूह को 30 मिलियन जीवित कैंसर कोशिकाओं के साथ त्वचा के नीचे इंजेक्ट किया गया, और बाद में ट्यूमर विकसित हुए। चूहे

फिर एक सप्ताह के लिए परिष्कृत के साथ इलाज किया गया और शोधकर्ताओं ने नोट किया

वह:

"चूहों के ट्यूमर को एक सप्ताह के लिए परिष्कृत की 6 इकाइयों के साथ इलाज किया जाता है,

जांच में बहुत कम जीवित कैंसर ऊतक पाए गए और

मुख्य रूप से मृत कैंसर कोशिकाओं से मिलकर बनता है।"

दुर्भाग्य से, रीलाइन को कैंसर रोधी एजेंट के रूप में प्रचारित नहीं किया गया है,

लेकिन यह अध्ययन, जैसा कि अन्य करते हैं, दर्शाता है कि मूत्र में महत्वपूर्ण कैंसर विरोधी कारक हैं जो आश्चर्यजनक रूप से प्रभावी दिखाए गए हैं

घातक कैंसर ट्यूमर के विकास को नष्ट करने और रोकने में

और कोशिकाओं.r

Machine Translated by Google

शीर्षक: एचयूडी के साथ गैस्ट्रिक कैंसर का उपचार, एक एंटी-रिपोर्ट #28

रोगी के मूत्र से प्राप्त आनुवंशिक पदार्थ, 1968, द्वारा

डॉ मोमो सोएदा, टोक्यो, जापान।

यह शोध रिपोर्ट एचयूडी (मानव मूत्र) नामक मूत्र व्युत्पन्न का उपयोग करके कैंसर उपचार अध्ययन के उल्लेखनीय परिणाम प्रस्तुत करती है

व्युत्पन्न)। के मूत्र में एचयूडी महत्वपूर्ण मात्रा में पाया गया

कैंसर रोगियों और अलग-अलग कैंसर विरोधी गुणों के लिए दिखाया गया था:

"विभिन्न प्रकार के लोगों का परीक्षण किया गया और यह पाया गया कि कैंसर रोगियों के मूत्र में लगभग हमेशा एचयूडी (मानव मूत्र) नामक एक प्राकृतिक प्रतिरक्षा रक्षा पदार्थ की काफी मात्रा होती है।

व्युत्पन्न)।

HUD को चिकित्सकीय रूप से मेटास्टैटिक के एक असाध्य मामले में लागू किया गया था

(फैलना) डिम्बग्रंथि के कैंसर जून, 1965 में और हम बहुत प्रभावित हुए

मेटास्टेटिक ट्यूमर के प्रतिगमन पर इसके उत्कृष्ट प्रभाव के साथ।"

एचयूडी उपचार लागू होने के बाद शोधकर्ताओं ने नोट किया कि

"लगभग सभी मेटास्टेस एक कोर्स के दौरान पूरी तरह से गायब हो गए

HUD थेरेपी की शुरुआत के 3 महीने बाद, और रोगी था

काफी अनुकूल स्थिति में छुट्टी दे दी गई। 30 . से अधिक

उसे छुट्टी दिए हुए महीने बीत चुके हैं और अब वह है

पूरी तरह से ठीक है और अपने बाकी के जीवन का आनंद ले रही है।"

गैस्ट्रिक कैंसर के कई रोगियों पर HUD थेरेपी भी लागू की गई थी

Machine Translated by Google

शल्य चिकित्सा के बाद सामान्य शल्य चिकित्सा के बाद की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए
कैंसर:

"ऑपरेशन के तुरंत बाद 8 रोगियों का एचयूडी के साथ इलाज किया गया। 5 में

इस समूह के मामलों में, कैंसर पेट की दीवार पर आक्रमण कर चुका था और

लिम्फ नोड्स शामिल। इस समूह के लिए पश्चात की भविष्यवाणी

रोगियों की संख्या बहुत खराब थी, और उनकी 3 साल की जीवित रहने की दर पर विचार किया गया था

40 प्रतिशत से कम करने के लिए।

हालांकि, HUD उपचारों के बाद, 3 वर्ष बीत गए और 8 में से 7 वर्ष बीत गए

उपचारित रोगी पूरी तरह से ठीक हैं और लगभग पूर्ण रूप से भाग ले रहे हैं

पुनरावृत्ति के किसी भी संकेत के बिना गतिविधियाँ।

इन तथ्यों के मद्देनजर यह स्पष्ट है कि एचयूडी गैस्ट्रिक कैंसर के पोस्ट ऑपरेटिव पुनरावृत्ति को दबाने में प्रभावी है और इस तरह के प्रभाव

संभवतः इसकी प्रतिरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने की क्षमता के कारण हो सकता है

कैंसर रोगी।"आपकी खुद की सही दवा

इन शोधकर्ताओं ने इसके खतरे और अप्रभावीता पर भी टिप्पणी की

कैंसर के उपचार में विकिरण और कीमोथेरेपी:

"विकिरण चिकित्सा और कैंसर विरोधी कीमोथेरेपी का व्यापक रूप से पोस्टऑपरेटिव प्रसार और विकास को नियंत्रित करने के लिए कई वर्षों से परीक्षण किया गया है

ट्यूमर कोशिकाओं की संख्या, हालांकि, यह काफी हद तक कहा जा सकता है कि दोनों उपायों में है

वर्तमान समय तक इस उद्देश्य को लगभग पूरी तरह से विफल कर दिया है।"

शोधकर्ताओं ने इसे बनाए रखने के अत्यधिक महत्व पर टिप्पणी की

कैंसर के इलाज में प्रतिरक्षा प्रणाली की अखंडता और वे चर्चा करते हैं कि कैसे

विकिरण और कीमो शरीर की प्रतिरक्षात्मक सुरक्षा को नष्ट कर देते हैं,

विशेष रूप से प्लाज्मा कोशिकाएं जो एंटीबॉडी उत्पादन में शामिल होती हैं और

Machine Translated by Google

कैंसर के लिए प्राकृतिक प्रतिरोध। रिपोर्ट अनुशंसा करती है कि:

"कैंसर रोधी एजेंटों की खोज पर जोर दिया जाना चाहिए, जैसे कि

HUD जो शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा सुरक्षा को नुकसान पहुँचाए बिना घातक कोशिकाओं पर एक निरोधात्मक प्रभाव डालता है।"

की अप्रभावीता पर इस चिकित्सा राय का सुदृढ़ीकरण

कीमोथेरेपी 1985 में किया गया एक और अध्ययन है जो में प्रकाशित हुआ था

वैज्ञानिक अमेरिकी और कहा कि:

"कैंसर से होने वाली मौतों में से केवल 2 से 5 प्रतिशत कीमोथेराप्यूटिक दवाओं द्वारा रोका जाता है, और उनके दुष्प्रभाव विनाशकारी होते हैं।"

— सूचित उपभोक्ता फार्मेसी

जैसा कि शोध से पता चलता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को संरक्षित और मजबूत करना

कैंसर के उपचार के दौरान महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने

एचयूडी ने नोट किया कि गैस्ट्रिक के अक्षम, उन्नत मामलों वाले रोगी

कैंसर जिसकी प्रतिरक्षा प्रणाली गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थी, अक्सर नहीं हुआ

एचयूडी थेरेपी के बाद सुधार।

लेकिन यहां फिर से एक उदाहरण है कि प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा कैसे हो सकती है

एक पृथक मूत्र निकालने की तुलना में अधिक सहायता की। HUD का अर्क है

सैकड़ों प्रतिरक्षा रक्षा कारकों और अन्य सिद्ध एंटी-कैंसर एजेंटों में से केवल एक छोटा अंश जिसमें पूरे मूत्र में होता है।

तो एचयूडी के साथ इलाज करने वाले इन उन्नत कैंसर रोगियों को केवल एक ही मिला

एकल लाभकारी मूत्र तत्व जब वे प्राप्त कर सकते थे

लाभों की पूरी श्रृंखला जो पूरे मूत्र को पेश करनी होती है। शायद, आदर्श,

कैंसर के नैदानिक उपचार में प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा शामिल हो सकती है,

केंद्रित मूत्र के अर्क के प्रशासन द्वारा संवर्धित

Machine Translated by Google

चिकित्सा में वृद्धि।

कई कैंसर रोगी जिन्होंने प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा का सफलतापूर्वक उपयोग किया है

अपने कैंसर का इलाज करने के लिए इसे एक सुरक्षित और प्रभावी कैंसर बताया है

उपचार जो शरीर को कैंसर की अभिव्यक्तियों से छुटकारा दिलाता है, जबकि The

एक ही समय में प्रतिरक्षा प्रणाली को बहुत बढ़ा देता है। लेकिन ध्यान में

सभी पोषक तत्वों, एंजाइमों, एंटीबॉडी और अन्य प्रतिरक्षा रक्षा की

मूत्र में परिष्कृत या एचयूडी जैसे कारक, यह आश्चर्य की बात नहीं है

कि यह कई लोगों द्वारा कैंसर का इतना प्रभावी उपचार पाया गया है।

शीर्षक: एंटीनोप्लास्टन ए इन कैंसर थेरेपी, 1977, द्वारा

स्टैनिस्लाव आर। बुर्जिन्स्की एट अल, फिजियोलॉजिकल केमिस्ट्री में प्रकाशित और

भौतिकी, एक प्रकाशन जो जैव रसायन और बायोफिज़िक्स में मौलिक नए शोध की रिपोर्ट करता है।

रिपोर्ट #29

यह रिपोर्ट डॉ. बुर्जिन्स्की द्वारा कैंसर विरोधी पर प्रकाशित अनेकों में से एक है

एजेंट जिन्हें उन्होंने मानव मूत्र में खोजा, उन्हें "एंटीनोप्लास्टोन्स" कहा जाता है।

इसमें और एंटीनाप्लास्टोन पर कई सफल प्रयोगशाला और नैदानिक अध्ययन,
बुर्जिन्स्की ने इन मूत्र के अर्क के साथ विभिन्न प्रकार के कैंसर के इलाज में उल्लेखनीय सफलता का प्रदर्शन किया:

"हाल के वर्षों में हम कई पेप्टाइड अंशों का वर्णन करने में सक्षम थे

[प्रोटीन], सामान्य मानव मूत्र से पृथक, जो उल्लेखनीय उत्पादन करते हैं

बिना दिखाए ..विभिन्न नियोप्लास्टिक कोशिकाओं [कैंसर ट्यूमर] का निषेध

सामान्य कोशिकाओं में महत्वपूर्ण अवरोध... हमारे प्रयोगों में हमने चुना

के अलगाव के लिए सबसे किफायती स्रोत के रूप में सामान्य मानव मूत्र

Machine Translated by Google

एंटीनाप्लास्टोन।"

कैंसर के उपचार में एंटीनोप्लास्टोन का उपयोग करते हुए बुर्जिन्स्की का काम, जिसमें है

पारंपरिक चिकित्सा प्रतिष्ठान द्वारा दबा दिया गया, लाता है

वैकल्पिक कैंसर उपचारों का बड़ा मुद्दा। यह एक बहुत बड़ा विषय है और ऐसा नहीं है जिसकी यहां बिना विस्तार से जांच की जा सकती है

मूत्र चिकित्सा के विषय से मीलों नीचे सड़क पर भटकना।

लेकिन सच्चाई यह है कि अगर आपको कैंसर है, तो आपको पूरी तरह से इसे पढ़ने की जरूरत है

विकिरण के साथ पारंपरिक उपचार के खिलाफ तर्क और

कीमोथेरेपी - और कई आश्वस्त करने वाले हैं, जैसे कि अंतिम

एचयूडी पर रिपोर्ट जिसमें चिकित्सा शोधकर्ता स्वयं को हतोत्साहित करते हैं

विषाक्त और आम तौर पर अप्रभावी स्वीकृत कैंसर उपचारों का उपयोग जैसे

कीमोथेरेपी और विकिरण के रूप में।

1979 में, न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध टॉक शो होस्ट और उपभोक्ता अधिवक्ता गैरी नल ने अमेरिका में कैंसर के इलाज के दमन पर उत्कृष्ट लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित की।

कैंसर के उपचारों में से एक जिसे दबा दिया गया है, उसमें इसका उपयोग शामिल है

मूत्र में स्वाभाविक रूप से पाए जाने वाले इन एंटीनोप्लास्टोन्स की खोज डॉ. योर ओन परफेक्ट मेडिसिन द्वारा की गई

बुर्जिन्स्की। गैरी नल ने अक्टूबर 1979 में बुर्जिन्स्की का साक्षात्कार लिया और

Antineoplaston A पर छिपे तथ्यों का खुलासा किया:

"हम देख सकते हैं कि ए के मामले को देखकर कैंसर ब्लैकआउट कैसे काम करता है

स्टानिस्लाव बुर्जिन्स्की नाम के युवा पोलिश डॉक्टर। पिछले कुछ में

वर्षों से, इस डॉक्टर ने a . के सकारात्मक परिणामों पर दस पेपर प्रकाशित किए हैं

कुछ प्रकार के ट्यूमर पर एंटीनोप्लास्टोन ए नामक पदार्थ। में से एक

Machine Translated by Google

अपने मूल देश में MD और Ph.D रखने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष

डिग्री, डॉ बुर्जिन्स्की ने साम्यवाद के तहत जीवन को कठिन पाया और अपने वैज्ञानिक के लिए और अधिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका आने का फैसला किया

अनुसंधान...

सहज छूट और लंबे समय तक कैंसर के प्रलेखित मामले

मनुष्यों में गिरफ्तारी ने डॉ. बुर्जिन्स्की को यह विचार करने के लिए प्रेरित किया कि शरीर कैसे हो सकता है

अपने दम पर कैंसर से लड़ें। शरीर के पास कोई न कोई रास्ता जरूर होगा, उसने सोचा, करने के लिए

सेलुलर भेदभाव में होने वाली त्रुटियों को ठीक करें और पुनर्निर्देशित करें

संभावित कैंसर कोशिकाओं को सामान्य पथ में। सिद्धांत, ज़ाहिर है, कि

कैंसर कोशिकाओं ने विभेदित शरीर अंग कोशिकाओं में विकसित होने के लिए आवश्यक 'सूचना' खो दी है।

बुर्जिन्स्की का एंटीनाप्लास्टोन कथित तौर पर उस 'सूचना' की आपूर्ति करता है

एक प्रोटीन पेप्टाइड का रूप, (अमीनो एसिड की एक श्रृंखला) - सर्वश्रेष्ठ में से एक

जैविक सूचना वाहक - जो कैंसर कोशिकाओं को पुन: प्रोग्राम करेगा

सामान्य वृद्धि।

यद्यपि सभी सामान्य शरीर के ऊतकों और तरल पदार्थों में एंटीनोप्लास्टोन पाए जाते हैं, वे
मूत्र से सबसे आसानी से निकाले जाते हैं (my

टोपियां)। वे कैंसर कोशिकाओं को बिना किसी अवरोध के "सामान्य" करते प्रतीत होते हैं

सामान्य कोशिकाओं की वृद्धि।

दरअसल, यूरिन थेरेपी का इस्तेमाल कैंसर के लोक उपचार के तौर पर किया जाता रहा है

और 2,000 से अधिक वर्षों से अन्य बीमारियां। पिछले 30 . के भीतर भी

वर्ष, मूत्र या मूत्र के अर्क के कम से कम 45,000 इंजेक्शन थे

संयुक्त राज्य अमेरिका और पूरे यूरोप में बिना किसी के दिया गया

विषाक्त दुष्प्रभाव।"

Machine Translated by Google

वास्तव में, गैरी नल और हम में से अधिकांश के लिए अज्ञात, कई लाख मौखिक प्रशासन और मूत्र के इंजेक्शन और

पिछले 30 वर्षों में डॉक्टरों और शोधकर्ताओं द्वारा दिया गया यूरिया। शून्य जारी है:

"एंटीनोप्लास्टोन्स की हमारी खोज में, बुर्जिन्स्की कहते हैं, 'हम करने में सक्षम थे

सामान्य मानव मूत्र में पेप्टाइड्स खोजें ... जो हर के खिलाफ सक्रिय थे

हमारे द्वारा परीक्षण किए गए मानव नियोप्लाज्म (ट्यूमर) का प्रकार, जिसमें मायलोब्लास्टिक . भी शामिल है

ल्यूकेमिया, ओस्टियोसारकोमा, फाइब्रोसारकोमा, चोंड्रोसारकोमा, कैंसर

गर्भाशय ग्रीवा, पेट का कैंसर, स्तन कैंसर और लिंफोमा।'

डॉ. बुर्जिन्स्की ने की वार्षिक बैठक में अपने चौंकाने वाले परिणाम प्रस्तुत किए

प्रायोगिक जीवविज्ञान के लिए अमेरिकन सोसाइटीज फेडरेशन ...

"हालांकि, इसके तुरंत बाद डॉ. बुर्जिन्स्की की फंडिंग कम कर दी गई, फिर

इसे बंद कर दिया गया था। उनका काम के अन्य क्षेत्रों में प्रसारित किया गया था

अनुसंधान, और उनके वरिष्ठों ने कैंसर चिकित्सा की उनकी खोज को हतोत्साहित किया।"

के असाधारण परिणामों के विवरण के साथ लेख जारी है

एक विशेष मामले में बुर्जिन्स्की का उपचार:

"पिछले दो वर्षों से अपनी प्रयोगशाला की सापेक्ष स्वतंत्रता में काम कर रहे हैं,

डॉ. बुर्जिन्स्की ने कुछ प्रभावशाली परिणाम प्राप्त किए हैं। उदाहरण के लिए,

फेफड़े के कैंसर से पीड़ित एक 63 वर्षीय श्वेत पुरुष का मामला था कि

मस्तिष्क में फैल गया था। डॉ बुर्जिन्स्की के पास आने से पहले, रोगी

कीमोथेरेपी और कोबाल्ट उपचार प्राप्त किया था, जिससे का एक हिस्सा

ब्रेन ट्यूमर कम हो गया था। हालाँकि, एक नया ट्यूमर उग आया था

उसके दिमाग के दूसरे हिस्से में, और डॉक्टरों ने फैसला किया कि इससे ज्यादा कुछ नहीं

Machine Translated by Google

किया जा सकता है। बेखौफ मरीज के परिजन ने डॉ.

बुर्जिन्स्की, जिन्होंने रोगी की जांच की और सावधानी से मदद करने के लिए सहमत हुए।

एंटीनाप्लास्टोन उपचार के सिर्फ दो सप्ताह के बाद, जिसमें

रोगी को अंतःशिर्ण रूप से पदार्थ दिया गया था, बाईं ओर का ट्यूमर

फेफड़े में काफी कमी आई है। छह सप्ताह के बाद यह पूरी तरह से गायब हो गया।

एक महीने के बाद दोनों मस्तिष्क मेटास्टेस आकार में कम हो गए और छह में

सप्ताह, भी गायब हो गया। आश्चर्यजनक रूप से, इसका एकमात्र दुष्प्रभाव अत्यधिक

प्रभावी उपचार ठंड लगना और बुखार थे। इन्हें जिम्मेदार ठहराया गया था

के टूटने के बाद रक्त प्रवाह में जहरीले उत्पादों की रिहाई

कैंसर की कोशिकाएं। पारंपरिक के हानिकारक प्रभावों के साथ इसकी तुलना करें

चिकित्सा, जिसने इस रोगी के मामले में मेटास्टेसिस को बढ़ा दिया था..."

डॉ बुर्जिन्स्की अभी भी ह्यूस्टन में अपनी प्रयोगशाला में अपने इलाज का सफलतापूर्वक उपयोग करते हैं

आज, हालांकि उस पर चिकित्सा समाज द्वारा लगातार हमला किया जाता है

ह्यूस्टन और अमेरिकी से अनुसंधान अनुदान से इनकार कर दिया गया है

कैंसर सोसायटी और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान - भले ही उनका

एंटीनाप्लास्टोन ए के कैंसर विरोधी गुणों पर निष्कर्ष निकाला गया है

पूरे अमेरिका में प्रतिष्ठित शोध केंद्रों द्वारा परीक्षणों में पुष्टि की गई

ल्यूकेमिया और स्तन कैंसर सहित अन्य प्रकार के कैंसर।

मूत्र के अर्क जैसे एच-11, रिफाइन, एचयूडी और एंटीनोप्लास्टोन, जैसे

अनुसंधान ने प्रदर्शित किया है, कैंसर के इलाज में उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं

रोगी, लेकिन, फिर से, ये कैंसर रोधी तत्व पहले से ही उपलब्ध हैं

प्राकृतिक मूत्र और सरल, सुरक्षित और आसानी से पहुँचा जा सकता है, जबकि

Machine Translated by Google

मूत्र निकालने के उपचार तक पहुंचना मुश्किल और बेहद महंगा हो सकता है - और मैं इसे अपने अनुभव से जानता हूं। आपकी अपनी सही दवा

एंडोमेट्रियोसिस के लिए कई असफल सर्जरी के बाद, मुझे बताया गया कि I

अधिक सर्जरी की आवश्यकता होगी। जब मेरे डॉक्टर ने मुझे बताया कि वह मेरे लिए एक और ऑपरेशन का समय निर्धारित कर रहा है, तो मैंने सर्जरी रद्द कर दी और उड़ान भरी

मेक्सिको कैंसर रोगियों के लिए एक वैकल्पिक उपचार प्राप्त करने के लिए जो मैं था

बताया कि मेरे मामले के इलाज की संभावनाएं भी थीं।

मेक्सिको में कैंसर क्लीनिक ने मुझे सार्त्र की कुछ याद दिला दी -

शेव-सिर वाले टर्मिनल कैंसर के मरीज़ IV . के साथ दर्जनों की कतार में खड़े हैं

उनकी बाँहों से लटकती हुई नलियाँ, उनमें से कुछ विशाल, व्रणयुक्त,

खून से रिसने वाले खुले कैंसर के घाव। मेरे बगल में बिस्तर में आदमी

एक बड़े अंगूर के आकार का कैंसरयुक्त ब्रेन ट्यूमर था,

उसका सिर। उसकी एक आंख, जो लगभग कैंसर से दूर हो चुकी थी, अब थी

खूनी, पहचानने योग्य ऊतक का सिर्फ एक द्रव्यमान।

लेकिन जैसा कि मुझे जल्द ही पता चला, क्लिनिक के लोग "भाग्यशाली" थे।

जैसा कि मैं अपनी कुर्सी पर बिना रुके अपनी IV ट्यूब के साथ $10,000.00 . पंप कर रहा था

मेरे शरीर में "प्रतिरक्षा निर्माता" का कोर्स, मैंने देखा कि कैंसर रोगियों का एक स्थिर जुलूस क्लिनिक के माध्यम से आया था, अन्य कम खर्चीले कैंसर उपचारों के बारे में जानकारी मांग रहा था क्योंकि वे नहीं कर सके

वैकल्पिक क्लीनिकों के लिए शुल्क वहन करें।

जिन कहानियों में से अधिकांश को मैं सुन सकता था, वे सभी एक जैसी थीं - ये

कैंसर पीड़ित महीनों या वर्षों के विकिरण से गुजरे थे और

कीमो, कैंसर वापस आ गया था, और अब वे मर रहे थे; वे बदल गए

अंतिम उपाय के रूप में प्राकृतिक चिकित्सा के लिए, लेकिन $10,000 से . का खर्च वहन नहीं कर सकता था

Machine Translated by Google

वैकल्पिक क्लीनिकों ने $50,000 का शुल्क लिया।

ये आशाहीन, हताश लोग थे, इनमें से कई तो केवल उन्हीं में थे

बिसवां दशा और तीसवां दशक - लेकिन वे क्या कर सकते थे? पारंपरिक दवाई

काम नहीं किया था, उन्हें प्राकृतिक उपचारों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, नहीं

खुद की मदद करने के बारे में विचार - यह भीषण परिदृश्य था और

विनाशकारी व्यक्तिगत परीक्षाएं जो अमेरिकन कैंसर सोसायटी और

एएमए कभी खुलासा नहीं करता।

और ये लोग अल्पमत में नहीं हैं। यह बताया गया है कि:

"सभी कैंसर रोगियों में से लगभग दो-तिहाई अंततः उनकी मृत्यु हो जाएगी

निदान कैंसर, या तो मनमाने ढंग से पांच साल की सीमा से पहले या बाद में।"

स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात

यह मुझे हमेशा परेशान करता है कि मुझे उस समय यूरिन थेरेपी के बारे में पता नहीं था

समय, क्योंकि मैंने बहुत से ऐसे लोगों को देखा जो इससे लाभान्वित हो सकते थे

उससे बहुत। एक दिन एक जवान लड़की क्लिनिक में अकेली आई, और मैं

उससे बात हुई।

=1शोध साक्ष्य और केस स्टडीज

वह चौबीस वर्ष की थी और उसे डिम्बग्रंथि के कैंसर का पता चला था

जिसने आक्रामक सर्जरी, विकिरण और कीमो का जवाब नहीं दिया था,

और उसके डॉक्टरों ने कहा कि वे उसके लिए और कुछ नहीं कर सकते थे।

उसके माता-पिता उसकी आर्थिक मदद नहीं कर सकते थे, वह शादीशुदा नहीं थी, नहीं कर सकती थी

काम करती थी, और उसके पास खुद का कोई पैसा नहीं था, इसलिए वह भुगतान करने में असमर्थ थी

वैकल्पिक उपचार जैसे मैं प्राप्त कर रहा था।

उसने मुझे बताया कि हताशा में वह अपनी कार में बैठी थी और चलाई थी

Machine Translated by Google

मिडवेस्ट में उसके घर से मैक्सिको तक कुछ खोजने की उम्मीद में

मदद करना। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं ऐसी किसी जगह के बारे में जानती हूं जहां वह लॉट्राइल खरीद सकती है -

उसने सोचा कि शायद वह इसके साथ खुद का इलाज कर सकती है, लेकिन मैं था

उसकी मदद करने में असमर्थ।

उसके चेहरे पर निराशाजनक निराशा की धुंधली दृष्टि भयावह थी, और मैं

उसे मूत्र उपचार पर एक किताब सौंपने में सक्षम होना अच्छा लगता

1 py - यह कुछ ऐसा था जिसे वह खुद इस्तेमाल कर सकती थी, मुफ्त में, अपने में

घर, कि निस्संदेह उसे अपने स्वास्थ्य पर नियंत्रण दिया होगा

और, कम से कम, एक उत्कृष्ट लड़ाई का मौका। आखिर उसने

इस सुरक्षित, सिद्ध प्राकृतिक चिकित्सा का उपयोग करके हासिल करने के लिए सब कुछ और खोने के लिए कुछ भी नहीं।

1930 और 40 के दशक के मूत्र चिकित्सक, जॉन आर्मस्ट्रांग, बताते हैं

यूरिन फास्ट, मसाज और कंप्रेस से कैंसर के इलाज की कई कहानियां:

"और अब मैं एक महिला का उल्लेख करूंगा जो 1927 में मेरे पास आई थी

एक बार फिर यह दिखाने के लिए शिक्षाप्रद है कि संचालन केवल व्यवहार करता है

प्रभाव और शरीर से रोग के कारण को दूर नहीं करते हैं।

विचाराधीन महिला 45 वर्ष की थी, और उसकी बाईं ओर कुछ आकार की वृद्धि थी

स्तन, दाहिनी ओर दो साल पहले एक के लिए हटा दिया गया था

समान वृद्धि।

उसने उपवास किया और उन्नीस दिनों तक मेरी विधि के अनुसार इलाज किया गया,

और फिर बताया कि विकास पूरी तरह से गायब हो गया था...28 तारीख को

दिन, गांठ का कोई निशान नहीं था ...

62 की महिला; आंत्र के कैंसर का निदान किया। कोलोस्टॉमी द्वारा सलाह दी गई

पेशा लेकिन मना कर दिया...मूत्र चिकित्सा के बाद, पूरा इलाज।

Machine Translated by Google

42 साल की महिला ने स्तन के कैंसर का निदान किया। छांटने की सलाह दी...लेकिन केवल

इलाज की फीकी उम्मीद...मरीज ने ऑपरेशन से इनकार कर दिया। द्वारा पूर्ण इलाज

उपवास-मूत्र विधि। 21 साल बाद भी जिंदा है और ठीक है।"

स्वाभाविक रूप से आर्मस्ट्रांग के अनुभव, जिनका कोई वैज्ञानिक समर्थन नहीं था, थे

चिकित्सा प्रतिष्ठान द्वारा पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया। लेकिन यह दिलचस्प है

पता चलता है कि चिकित्सा अनुसंधान ने बाद में महत्वपूर्ण कैंसर विरोधी तत्वों का खुलासा किया

मूत्र में ऐसे पदार्थ जो उपचार और उपचार में अत्यंत प्रभावी हैं a

विभिन्न प्रकार के कैंसर। यह आधुनिक वैज्ञानिक साक्ष्य आर्मस्ट्रांग के अनुभवों की पुष्टि प्रदान करता है, यह दर्शाता है कि उनके इलाज थे

उसकी कल्पना की कल्पना से कहीं अधिक।

कैंसर एक भयावह बीमारी है, लेकिन इसके मेहनती और बुद्धिमानी से इस्तेमाल से

प्राकृतिक उपचार के तरीके जैसे कि मूत्र चिकित्सा, उचित पोषण, जड़ी-बूटियाँ,

आराम, होम्योपैथिक उपचार आदि, बहुतों ने अपने नियंत्रण और इलाज किया है

उन तरीकों का सहारा लिए बिना कैंसर जो प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाते हैं

जैसे कीमोथेरेपी या विकिरण।

इससे पहले कि आप किसी भी पारंपरिक कैंसर उपचार का सहारा लें, अपने स्थानीय के पास जाएँ

पुस्तकालय और विभिन्न से संबंधित सामग्री को पढ़कर अपने मामले पर शोध करें

उपचार का विकल्प। पर वास्तविक सफलता के आँकड़ों का पता लगाना महत्वपूर्ण है

पारंपरिक उपचार - केवल आँख बंद करके अपने ऑन्कोलॉजिस्ट को स्वीकार न करें

सिफारिशें।

मेरे पास एक खुराक रिश्तेदार है जिसने इस पाठ को कठिन तरीके से सीखा है। बाद में

कोलन कैंसर के लिए सर्जरी, उसने मुझे फोन किया और कहा कि उसका ऑन्कोलॉजिस्ट

Machine Translated by Google

वह चाहती थी कि वह कीमोथेरेपी का एक अनुवर्ती कोर्स करे, "बस के मामले में",

भले ही सर्जरी ने सभी मौजूदा गैर-मेटास्टेसाइज्ड को हटा दिया हो

ट्यूमर। मैंने उसे बताया कि मैंने कीमो के अत्यधिक दुष्प्रभावों, खतरों और अपर्याप्तता के बारे में क्या पढ़ा था, लेकिन उसके ऑन्कोलॉजिस्ट के दबाव में,

उसने "इलाज" लिया।

दुर्भाग्य से, उसे रसायनों के लिए एक गंभीर एलर्जी प्रतिक्रिया थी, लगभग मर गई और कई पूरी तरह से अनावश्यक और भयानक रूप से दर्दनाक हो गई

के अत्यंत हानिकारक प्रभावों से उबरने के लिए अस्पताल में सप्ताह

कीमोथेरेपी, जिनमें से कुछ अपरिवर्तनीय थे।

कीमोथेरेपी और विकिरण का उपयोग इतना हानिकारक और दर्दनाक है

शरीर के लिए और इसकी सफलता दर इतनी कम है कि यह समझना मुश्किल है कि कोई भी इसका सहारा क्यों लेगा, जब उन्हें इसके बारे में पता चल जाएगा

पहले आक्रामक पेशाब की कोशिश किए बिना इसके खतरे और अपर्याप्तता की सच्चाई

चिकित्सा और प्राकृतिक उपचार के अन्य रूप। कई डॉक्टर स्व

पारंपरिक कैंसर की निरर्थकता और खतरे से पूरी तरह अवगत हैं

उपचार:

"1955 में, स्वर्गीय डॉ. हार्डिन जोन्स, चिकित्सा भौतिकी के प्रोफेसर,

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय ने पिछले तैंतीस वर्षों के कैंसर के आँकड़ों का अध्ययन करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि अनुपचारित कैंसर पीड़ित जीवित रहे

उपचारित व्यक्तियों की तुलना में चार गुना अधिक लंबा।

डॉ जोन्स ने बताया कि इलाज की दर अक्सर डॉक्टरों द्वारा उद्धृत की जाती है

केवल के पारंपरिक उपचार पर आधारित थे (और रहेंगे)

सबसे अनुकूल मामले। यदि कम 'इलाज योग्य' मामलों का पता लगाया गया, तो द रिसर्च एविडेंस एंड केस स्टडीज

Machine Translated by Google

पारंपरिक उपचार कम, नहीं, या . के रूप में उभरेंगे

यहां तक कि समग्र रूप से कैंसर रोगियों पर भीषण प्रभाव।"

स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात

जून 1993 में फोर्ब्स पत्रिका में एक हालिया लेख जिसका शीर्षक था "एक शिक्षित"

कंज्यूमर इज द बेस्ट पेशेंट", एक महिला जेनिस गुथरी का वर्णन है, जो

एक दुर्लभ प्रकार के डिम्बग्रंथि के कैंसर (ग्रैनुलोसा सेल .) का निदान किया गया था

फोडा)। उसकी आपातकालीन सर्जरी हुई थी, और, उसके कर्कश के लिए, उसे

ऑन्कोलॉजिस्ट ने अनुवर्ती के रूप में विकिरण चिकित्सा की सिफारिश की:

"अपने जीवन पर कुछ नियंत्रण पाने के लिए, गुथरी सीधे

लिटिल रॉक में यूनिवर्सिटी ऑफ अर्कांसस मेडिकल स्कूल लाइब्रेरी। 'मैं चाहता था

यह देखने के लिए कि मेरे इलाज में क्या शामिल था,' वह कहती हैं, और कोशिश करने के लिए

किसी भी नकारात्मक दुष्प्रभाव का प्रतिकार करें।' लेकिन उसके क्रम में

पढ़ते हुए, गुथरी ने पाया कि विकिरण चिकित्सा ग्रेन्युलोसा रोगियों को सर्जरी के बाद नियमित जांच का विकल्प चुनने वालों की तुलना में अधिक समय तक जीवित नहीं रखती है। गुथरी के ऑन्कोलॉजिस्ट ने उसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा

अनुसंधान। 'आप बहुत ज्यादा जान सकते हैं,' उन्होंने चेतावनी दी। गुथरी को याद करते हैं, 'इट'

सच में मुझे पागल कर दिया'।

अंत में, गुथरी ने अपने ऑन्कोलॉजिस्ट की उपेक्षा की और अपने शोध के माध्यम से,

ह्यूस्टन में एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर में एक डॉक्टर मिला जो

विकिरण के बिना उसकी स्थिति में सफलतापूर्वक मदद की।

तो अपने कैंसर के बारे में एक शिक्षित उपभोक्ता बनें, और सबसे बढ़कर,

उत्कृष्ट के साथ अपने शरीर की अपनी प्राकृतिक सुरक्षा का जोरदार समर्थन करें

पोषण, आराम, विश्राम और परिश्रम, जड़ी-बूटियों, होम्योपैथी, और निश्चित रूप से मूत्र चिकित्सा जैसे प्राकृतिक उपचार विधियों का शिक्षित उपयोग

Machine Translated by Google

शरीर की अपनी अद्भुत उपचारात्मक शक्तियाँ हैं, और यदि हम

हमारी प्राकृतिक उपचार शक्तियों को मारने के बजाय उनका समर्थन करें

जहरीले रासायनिक हस्तक्षेपों और खराब स्वास्थ्य आदतों के कारण, हमारा

कैंसर पर काबू पाने की क्षमता बहुत बढ़ जाएगी और स्वीकृत कैंसर उपचारों से जुड़ी अनावश्यक पीड़ा होगी

मिटा दिया गया।आपकी अपनी सही दवा

रिपोर्ट #30 शीर्षक: DHEA: "चमत्कार" दवा? 1982, शाऊल केंट द्वारा, में प्रकाशित

जराचिकित्सा, सितंबर, 1982।

विषय: एड्स, मोटापा, कैंसर, बुढ़ापा

यह रिपोर्ट एक ऐसे पदार्थ से संबंधित है जो बड़ी मात्रा में पाया जाता है

मूत्र हमें डिहाइड्रोएपियनड्रोस्टेरोन या डीएचईए कहते हैं। डीएचईए एक है

हार्मोन जो पहले से ही शरीर में मौजूद है, और वास्तव में किससे संबंधित है

टेस्टोस्टेरोन, एक पुरुष हार्मोन।

पिछले दशक के भीतर, वैज्ञानिक इस हार्मोन का विश्लेषण और प्रयोग कर रहे हैं क्योंकि इसमें स्पष्ट रूप से कैंसर विरोधी महत्वपूर्ण है,

मोटापा विरोधी और उम्र बढ़ने विरोधी गुण और यहां तक कि एड्स में भी इस्तेमाल किया गया है

इलाज।

जैसा कि डॉ केंट ने टिप्पणी की है, शोधकर्ताओं ने डीएचईए को पाया है

जानवरों के अध्ययन में कई अलग-अलग जैविक क्रियाएं:

"डीएचईए को दो शक्तिशाली रासायनिक कैंसरजन युक्त संस्कृति माध्यम में जोड़ा गया था। यह पाया गया कि डीएचईए कैंसर पैदा करने वाले के खिलाफ सुसंस्कृत कृंतक कोशिकाओं की रक्षा करने में उल्लेखनीय रूप से सफल रहा है।

एजेंट जो कोशिकाओं में जोड़े गए थे।"

Machine Translated by Google

डीएचईए के कैंसर विरोधी प्रभावों का अध्ययन करते हुए, एक अन्य शोधकर्ता, डॉ।

श्वार्ट्ज ने यह भी बताया कि प्रायोगिक जानवरों ने बहुत कम प्राप्त किया

वजन के रूप में वे सामान्य जानवरों की तुलना में बड़े हो गए:

"जाहिर है, डीएचईए भूख को दबाने या भोजन के सेवन को प्रतिबंधित किए बिना शरीर के वजन को कम कर रहा था ... एक अध्ययन में लिट] पाया गया था कि

डीएचईए आनुवंशिक रूप से पैदा हुए चूहों में वजन वृद्धि को भी रोक सकता है

वयस्कता में मोटे हो जाते हैं।"

आगे के शोध से यह भी पता चला कि डीएचईए के साथ इलाज किए गए चूहों में ए

बहुत कम दिखने वाला, बहुत कम खुरदरापन और धूसर होना दिखा रहा है

डीएचईए प्राप्त नहीं करने वाले जानवरों की तुलना में बाल:

"इससे पता चलता है कि डीएचईए में एंटी-एजिंग प्रभाव भी हो सकता है

कैंसर विरोधी और मोटापा विरोधी प्रभाव।"

मूत्र चिकित्सा के उपयोगकर्ताओं ने वर्षों से बताया है कि उनका वजन कम था

और मूत्र चिकित्सा के लगातार उपयोग के बाद उल्लेखनीय रूप से युवा दिखे, इसलिए

मूत्र में डीएचईए पर इन अध्ययनों को पढ़ना दिलचस्प है जो सबसे ज्यादा पसंद करते हैं-आर

एन

आरआर

आर

अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

ly कैंसर, मोटापा और उम्र बढ़ने के उपचार में मूत्र चिकित्सा की उत्कृष्ट सफलता में भी भूमिका निभाता है।

इस रिपोर्ट में एक और महत्वपूर्ण बात जो सामने आई वह यह है कि

अध्ययनों से पता चला है कि स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में निम्न से कम होता है -

Machine Translated by Google

डीएचईए के सामान्य स्तर, कभी-कभी वर्षों तक विकसित होने से पहले भी

कैंसर रोग। तो यह निश्चित रूप से DHEA के पूरक के लिए समझ में आता है

शरीर, जिसे आप आसानी से, सुरक्षित रूप से और मूत्र चिकित्सा के साथ बिना किसी कीमत के कर सकते हैं।

यूरिक एसिड, जिसका पहले उल्लेख किया गया था, की भी खोज की गई है

मुक्त कणों को नष्ट करें जिन्हें कैंसर के विकास में योगदान करने के लिए माना जाता है।

कैंसर और मूत्र चिकित्सा पर सारांश

मूत्र में न केवल असंख्य आसानी से पचने योग्य पोषक तत्व होते हैं,

हार्मोन, एंजाइम, एंटी-बैक्टीरियल एजेंट और एंटीबॉडी जो कैंसर के दौरान प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करने में मदद करते हैं, लेकिन मूत्र में भी सिद्ध होता है

कैंसर विरोधी एजेंट जैसे:

- मानव मूत्र का व्युत्पन्न (HUD)
- एच-11 निकालें
- परिष्कृत
- एंटीनाप्लास्टोन
- डीएचईए हार्मोन
- यूरिक अम्ल

मूत्र चिकित्सा स्पष्ट रूप से एक उत्कृष्ट प्राकृतिक कैंसर उपचार है। इसका

अकेले पोषण संबंधी लाभ अभूतपूर्व हैं, अपार का उल्लेख नहीं करने के लिए

इसके असंख्य अन्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले, चिकित्सीय एजेंटों का मूल्य।

मूत्र परीक्षण के माध्यम से कैंसर का पता लगाना

कैंसर निदान के संदर्भ में विचार करने वाली एक और महत्वपूर्ण बात है

तथ्य यह है कि अनुसंधान ने दिखाया है कि मूत्र तलछट के कुछ घटक

मूत्राशय, गुर्दे और प्रोस्टेट की पहचान करने में बहुत महत्व हो सकता है

Machine Translated by Google

दुर्भावना। 1975 में यह बताया गया था कि सभी पर मूत्र अध्ययन किया जाता है

मेयो क्लिनिक में मूत्रविज्ञान के रोगी कैंसर का पता लगाने में मदद करने के लिए:

"शुरुआती चरण के मूत्र प्रणाली के ट्यूमर से कैंसर कोशिकाएं दिखाई देती हैं"

मूत्र, जो इस तरह के नए ट्यूमर का पता लगाने की अनुमति देता है

अन्य नैदानिक विधियों द्वारा आसानी से माना जाता है। आपकी अपनी संपूर्ण चिकित्सा

मूत्र तलछट की कोशिकाओं का उसी तरह उपयोग किया गया है जैसे योनि

डिम्बग्रंथि के कामकाज के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए स्मीयर का इस्तेमाल किया गया है। जैसा

वास्तव में, 1971 में यह बताया गया था कि मूत्र परीक्षण वास्तव में था

सामान्य ग्रीवा पैप की तुलना में असामान्य कोशिका गतिविधि के अधिक मामलों का पता लगाने के लिए दिखाया गया है
धब्बा।

मूत्र पथ की विकृतियों के लिए मूत्र परीक्षण एक सुरक्षित, आसान प्रक्रिया है

जो कैंसर का पता लगाने के अन्य रूपों को प्रतिस्थापित या पूरक कर सकता है।"

नैदानिक प्रयोगशाला अभ्यास में मूत्रालय

इस प्रकार का निदान आज इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि जितने डॉक्टर हैं

और रोगियों को पता चल रहा है, कैंसर रोगियों को वास्तव में इससे नुकसान हो सकता है

नैदानिक परीक्षण स्वयं।

मूत्र चिकित्सा और एड्स

रिपोर्ट #31 एड्स के लिए अनुसंधान संकेत

जैसा कि हमने देखा, डीएचईए, जो मूत्र में बड़ी मात्रा में मौजूद है

कई विविध स्वास्थ्य अनुप्रयोगों और एक एड्स के रूप में भी सूचित किया गया है

इलाज।

एड्स उपचार समाचार के जनवरी, 1988 के प्रकाशन में एक उत्कृष्ट

एड्स में DHEA के उपयोग पर लेख। लेख में कहा गया है कि

Machine Translated by Google

शोधकर्ताओं को संदेह है कि एड्स रोगियों में असामान्य रूप से निम्न स्तर होता है

डीएचईए। इसके अतिरिक्त, अब यह माना जाता है कि DHEA में ही एक हो सकता है

प्रत्यक्ष विरोधी वायरल प्रभाव।

मूत्र चिकित्सा के साथ, एड्स रोगियों के पास आसान, असीमित पहुंच है

DHEA, जिसे कथित तौर पर उपभोक्ता बाजार से मजबूर किया गया है

बिना किसी स्पष्ट कारण के एफडीए।

अंतरंग मूत्र चिकित्सा के माध्यम से शरीर में डीएचईए के स्तर को बढ़ाना निश्चित रूप से एक सुरक्षित, सरल प्रक्रिया है जो कैंसर और एड्स रोगियों दोनों के लिए है।

निस्संदेह लाभ उठा सकते हैं। लेकिन डीएचईए केवल एक है, जैसा कि हमारे पास है

देखा, कई सैकड़ों अत्यंत महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा बढ़ाने और स्वास्थ्य

मूत्र में सहायक तत्व।

मूत्र (और यूरिया) के उल्लेखनीय एंटी-वायरल गुणों के कारण, और इसके

प्रतिरक्षा प्रणाली को ठीक करने और मजबूत करने की असाधारण क्षमता, यह है

स्पष्ट रूप से एड्स के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्राकृतिक उपचार।

जे

जे

jद रिसर्च एविडेंस एंड केस स्टडीज

दरअसल, एड्स के इलाज में यूरिन थेरेपी पहले से ही चर्चा में रही है,

हालाँकि यह अभी भी व्यापक रूप से ज्ञात या स्वीकृत नहीं है, क्योंकि अब तक,

मूत्र चिकित्सा की प्रभावकारिता का समर्थन करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण और प्रमाण कभी भी संकलित और सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

1988 में पत्रिका, स्पिन में एड्स उपचार पर किया गया एक लेख, एड्स में मूत्र चिकित्सा के उपयोग पर चर्चा करता है:

Machine Translated by Google

"नवीनतम और सबसे दिलचस्प उपचारों में से एक जिसके लिए वैकल्पिक समुदाय बहुत आशा रखता है, शायद सबसे पुराना प्राकृतिक है

मनुष्य को ज्ञात उपाय। इसे यूरिन थेरेपी कहा जाता है और इसमें खुद का यूरिन पीना और इससे अपने पूरे शरीर को रगड़ना शामिल है...

औषधीय प्रयोजनों के लिए मूत्र पीने का विचार निश्चित रूप से कुछ लेता है

आदत हो रही है, लेकिन मूत्र के बारे में तथ्यों पर विचार करें...

'मूत्र चिकित्सा एक लंबे समय के लिए आसपास रही है ...' एक NYC निजी चिकित्सक ने कहा जो चिकित्सा का समर्थन करता है ... जब आपके पास कुछ होता है

यह काम करता है, यह लंबे समय से आसपास है, भले ही यह नहीं है

किसी भी 'वैज्ञानिक' दृष्टिकोण में फिट बैठता है, और कई चीजें हैं

ऐसा नहीं है, मैं कहूंगा कि इसे आजमाएं...अगर मुझे एड्स होता तो मैं निश्चित रूप से इसे आजमाता।'"

विडंबना यह है कि मूत्र चिकित्सा सबसे वैज्ञानिक रूप से पुष्टि में से एक है

सभी प्राकृतिक उपचार, और एक वैज्ञानिक उपचार दृष्टिकोण का उपयोग किया गया है

मुख्यधारा के चिकित्सा शोधकर्ताओं द्वारा लगभग एक सदी तक।

लेख में एक एड्स रोगी के मामले का वर्णन किया गया है, जिसने कथित तौर पर मूत्र चिकित्सा के साथ उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए थे:

"क्विक पल्लाडिनो को एड्स, कपोसी के सरकोमा (a .) का पता चला था

एड्स रोगियों के लिए आम कैंसर का प्रकार), और कई संक्रमण

पिछले साल। आज, वह दावा करता है कि वह पूरी तरह से छूट में चला गया है धन्यवाद

मूत्र चिकित्सा के लिए। 'पहले तो मैं सिर्फ हंसा और मजाक बनाया, वह कहता है...लेकिन

उन्होंने कहा कि आप इसे शीर्ष पर लगाकर शुरू कर सकते हैं...'

'मेरे पास एथलीट फुट/दाद का एक भयानक मामला था जो कुछ भी नहीं लग रहा था'

के लिए काम। मैंने इसमें यूरिन लगाना शुरू कर दिया। तीन दिन बाद संक्रमण

पूरी तरह से चला गया था। उसके बाद मैं इतना आश्वस्त था कि मुझे कोई आपत्ति नहीं थी

Machine Translated by Google

इसे पीना।'

आर

मैं 'मेरे सभी केएस (कैंसर) घाव [अब] चले गए हैं। मुंह के छाले जो

मुझे प्लेग करते थे वापस नहीं आए हैं। मुझे मासिक प्रकोप हुआ करता था

जननांग दाद, लेकिन वह भी चला गया है। और इससे भी महत्वपूर्ण बात, my

टी-सेल की संख्या बढ़ गई है।—योर ओन परफेक्ट मेडिसिन

लेख जारी है:

"अधिक से अधिक लोग अब मूत्र चिकित्सा की कोशिश कर रहे हैं और वे कर रहे हैं

आश्चर्यजनक परिणामों की रिपोर्टिंग, 'एचएफए के अध्यक्ष जीन लेडोर्को कहते हैं

(स्वास्थ्य, शिक्षा, एड्स संपर्क), एक समूह जो साप्ताहिक न्यू में मिलता है

यॉर्क सिटी एड्स के लिए वैकल्पिक और अक्सर समग्र उपचारों पर चर्चा करने के लिए।"

हाल ही में एक और अत्यंत महत्वपूर्ण चिकित्सा खोज भी है

मूत्र और एड्स के संबंध में:

बे एरिया रिपोर्टर

अगस्त 9, 1990

"डॉ एल्विन फ्रीडमैन-किएन और उनके कर्मचारियों के शोध के लिए धन्यवाद

न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर 1988 में खोजा गया था कि

एड्स से पीड़ित रोगियों के मूत्र में एचआईवी -1 के प्रतिरक्षी दिखाई देते हैं:

_शामिल शोधकर्ताओं के अनुसार 'मूत्र पर विचार नहीं किया जाता है'

संक्रामक क्योंकि इसमें वायरस नहीं दिखाया गया है,

केवल एंटीबॉडी'। रक्त में अक्सर एचआईवी -1 और अन्य होते हैं

संभावित संक्रामक एजेंट जैसे हेपेटाइटिस बी।

मूत्र एक 'बाँझ' द्रव है जिसमें विषाणु नहीं पाए जाते हैं जैसे

Machine Translated by Google

एचआईवी-I या हेपेटाइटिस बी उन व्यक्तियों को छोड़कर जिन्हें गुर्दे की अंतर्निहित बीमारी हो सकती है।—

डॉक्टरों की पत्रिका में हाल ही में एक लेख जो प्राकृतिक चिकित्सा पर जोर देता है

उपचारों से पता चला कि डॉ. एस. बुर्जिन्स्की, जिन्होंने प्राकृतिक रूप से

एंटी-कैंसर मूत्र प्रोटीन जिसे एंटीनोप्लास्टोन कहा जाता है, अब संचालन कर रहा है
मूत्र संबंधी एंटीनाप्लास्टोन के उपयोग पर एफडीए द्वारा अनुमोदित शोध

एड्स के इलाज में:

"डॉ. बुर्जिन्स्की के शोध के अनुसार, एंटीनाप्लास्टोन स्वाभाविक रूप से होते हैं

होने वाले पेप्टाइड्स और अमीनो एसिड डेरिवेटिव जो के घटक हैं

एक जैव रासायनिक रक्षा प्रणाली जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के समानांतर है और

रीप्रोग्रामिंग, या दोषपूर्ण कोशिकाओं को सामान्य करके हमारी रक्षा करता है जो हो सकता है

कैंसर, एड्स, ऑटोइम्यून बीमारियों जैसे विकारों का कारण बनता है,

सौम्य ट्यूमर, आदि।"

डॉक्टरों के लिए टाउनसेंड पत्र

जून, 1993

एलर्जी अनुसंधान अध्ययन के दौरान (एलर्जी पर निम्नलिखित अनुभाग देखें), में

एलर्जी रोगियों के लिए प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते हुए, यह भी नोट किया गया कि

"... प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में काफी वृद्धि हुई है, जो टी सेल की आबादी को प्रभावित करती है और बढ़ती है और वायरल संक्रमण के लिए शरीर के प्रतिरोध को बढ़ाती है।"

इम्यूनो-टॉलरेंस पर चिकित्सक की हैंडबुक

इसी शोध रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि:

Machine Translated by Google

"प्रतिरक्षा की बढ़ी हुई प्रतिक्रिया या उत्तेजना प्रतीत होती है

प्रणाली, ज्यादातर टी-सेल आबादी (मूत्र चिकित्सा के उपयोग के साथ)।

उपचार के दौरान, रोगियों ने वायरल रोगों की अनुपस्थिति की सूचना दी

(फ्लू, सर्दी, आदि), या बहुत कम लक्षण।

कुछ रोगियों पर जिन्होंने कम टी-सेल की संख्या का प्रदर्शन किया, टी-सेल

उनका इलाज पूरा करने के बाद आबादी सामान्य हो गई..."

हाय अब तक जो अध्ययन प्रस्तुत किए गए हैं, हमने देखा है कि कई

प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा का उपयोग करने वाले डॉक्टरों और शोधकर्ताओं ने उत्पादन किया है

वायरल और बैक्टीरियल बीमारियों की एक विस्तृत विविधता के लिए अद्भुत इलाज, सभी

जो एड्स रोगियों के लिए महत्वपूर्ण है।

के उपचार पर अधिक प्रशंसापत्र और जानकारी भी हैं

अध्याय 6 और 7 में मूत्र चिकित्सा के साथ एड्स।

मूत्र चिकित्सा और एलर्जी

एलर्जी अनुसंधान का क्षेत्र इतना विशाल और इतना जटिल है कि

औसत व्यक्ति, अकेले एलर्जी शोधकर्ताओं को, यह सब समझना मुश्किल है।

लेकिन एलर्जी के बारे में एक बात जो हम सभी जानते हैं, वह यह है कि अब

लगभग सभी के पास एक - या अधिक है।

वैज्ञानिक वास्तव में निश्चित रूप से नहीं जानते हैं कि शरीर में वास्तव में वह तंत्र क्या है जो एलर्जी के लिए जिम्मेदार है, लेकिन वे करते हैं

जान लें कि किसी कारण से, एलर्जी पीड़ित की प्रतिरक्षा प्रणाली शुरू हो जाती है

सामान्य रूप से हानिरहित पदार्थों को हानिकारक के रूप में पहचानने के लिए।

हम सभी जानते हैं कि हमारा शरीर सफेद रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करता है जो खोज करते हैं

आर और शरीर में हानिकारक बैक्टीरिया या वायरस को नष्ट करते हैं, लेकिन के मामले में

Machine Translated by Google

अधिकांश एलर्जी, किसी कारण से, श्वेत रक्त कोशिकाएं पदार्थों पर हमला करती हैं

जो शरीर के लिए बिल्कुल भी खतरा नहीं हो सकता है।

उदाहरण के लिए, पौधे पराग की तरह। पराग एक प्राकृतिक, महत्वपूर्ण पदार्थ है

हमारा पर्यावरण जिसमें हम सामान्य रूप से बिना किसी समस्या के सांस लेते हैं। नहीं

समस्या, यानी कुछ लोगों के लिए - लेकिन उनके लिए एक बड़ी समस्या जिनके

प्रतिरक्षा प्रणाली इसे एक विदेशी और स्वास्थ्य के लिए खतरा उप के रूप में पहचानती है-आपका अपना
उत्तम औषधि

रुख; फिर छींक आना, साइनस की भीड़ और सिरदर्द, आदि

"आम" एलर्जी का दौरा शुरू होता है।

हम सब रोटी और अनाज जैसे खाद्य पदार्थ खाते हैं क्योंकि हम सदियों से जानते हैं

अनुभव है कि वे हमारे लिए अच्छे हैं। लेकिन वास्तव में, अधिक से अधिक

लोग आज खोज रहे हैं कि ऐसे खाद्य पदार्थ जो अन्य सभी के लिए अच्छे हैं

उनके शरीर में अक्सर हिंसक, नकारात्मक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न होती हैं।

तो क्यों एक व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली ऐतिहासिक रूप से हानिरहित की पहचान करती है

पदार्थ दुश्मन के रूप में? इसका उत्तर कोई नहीं जानता, लेकिन वैज्ञानिक जो जानते हैं वह यह है कि जब प्रतिरक्षा प्रणाली किसी पदार्थ को शरीर में एक खतरनाक विदेशी प्रोटीन के रूप में पहचानती है, तो यह विशिष्ट पदार्थ बाहर भेजती है।

सफेद रक्त कोशिकाओं (टी और बी लिम्फोसाइट्स) पर हमला करने के लिए।

"बी" कोशिकाएं खोजती हैं, पहचानती हैं और वास्तव में विदेशी के साथ जुड़ती हैं

प्रोटीन (एलर्जेन या एंटीजन कहा जाता है), जबकि "टी" कोशिकाएं तेजी से

विभाजित करें, एंटीबॉडी का उत्पादन करें और बड़ी संख्या में नई टी कोशिकाओं का निर्माण करें

इस प्रतिजन पर हमला करने के लिए भी प्रोग्राम किया जा सकता है। टी और बी दोनों कोशिकाओं में वास्तव में इस एंटीजन, या विदेशी प्रोटीन को 'याद' रखने की क्षमता होती है, और

जब और अगर यह फिर से प्रकट होगा तो उस पर फिर से हमला करेगा। इम्यूनोलॉजी में, जो है

Machine Translated by Google

प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्यों का अध्ययन, इस एलर्जी प्रतिक्रिया को संदर्भित किया जाता है

प्रतिजन-एंटीबॉडी संघर्ष के रूप में।

यह एक कारण है कि हमें एक ही पदार्थ से एलर्जी क्यों होती है

बार-बार - क्योंकि हमारे शरीर को क्रमादेशित किया गया है

सामान्य रूप से हानिरहित पदार्थ पर भी हमला करें, जैसे कि यह एक खतरा है

शरीर इस एलर्जी की प्रतिक्रिया को कभी-कभी सिर्फ . द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है

उन खाद्य पदार्थों या बिल्ली के बाल, या साबुन, आदि को समाप्त करना जिनसे आपको एलर्जी है, लेकिन

कभी-कभी यह इतना आसान नहीं होता है।

कभी-कभी जिस चीज से हमें एलर्जी होती है, उससे बचना नामुमकिन होता है, यहां तक कि

इससे भी बदतर, एक व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली और खराब हो सकती है और वास्तव में

शरीर की अपनी आंतरिक कोशिकाओं पर हमला करना शुरू कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप क्या होते हैं

ल्यूपस या रुमेटीइड गठिया जैसे ऑटोइम्यून रोग कहा जाता है।

ये ऑटो-इम्यून रोग, निश्चित रूप से, शरीर के लिए हानिकारक हैं और

कुछ मामलों में जान को खतरा भी हो सकता है।

मॉडेम दवा से एलर्जी और ऑटोइम्यून बीमारियों का कोई इलाज नहीं है।

और क्या अधिक चिंताजनक है, एलर्जी और संबंधित विकार हैं

हमारे औद्योगिक समाजों में अधिक से अधिक प्रचलित हो रहा है।

एलर्जी से निपटने वाले शोधकर्ता और डॉक्टर, इम्यूनोलॉजिस्ट कहलाते हैं,

मोटे तौर पर मानते हैं कि एलर्जी अनिवार्य रूप से अज्ञात द्वारा प्रेरित होती है

प्रतिरक्षा प्रणाली में कमजोरियों या परिवर्तन। जब प्रतिरक्षा

प्रणाली कमजोर या बिगड़ा हुआ है, इसके बीच अंतर करने की क्षमता

हानिरहित और हानिकारक पदार्थ भी क्षीण हो जाते हैं। तो आपका

"आर+द रिसर्च एविडेंस एंड केस स्टडीज

Machine Translated by Google

श्वेत रक्त कोशिकाएं, जिनका काम हानिकारक तत्वों की खोज करना और उन्हें नष्ट करना है

शरीर में प्रोटीन, सामान्य रूप से फायदेमंद भी हमला करना शुरू कर सकते हैं या

सौम्य प्रोटीन जैसे कि वे जो सामान्य खाद्य पदार्थों से आते हैं।

इम्यूनोलॉजिस्ट यह भी अनुमान लगाते हैं कि क्योंकि हमारे शरीर अब उजागर हो गए हैं

हमारे मॉडेम में भारी संख्या में नए रासायनिक पदार्थों के लिए

औद्योगीकृत समाज, कि प्रतिरक्षा प्रणाली प्रत्येक नए पदार्थ की पहचान करने और उससे निपटने के अपने प्रयासों में अभिभूत हो सकती है:

"अनुमान लगाया गया है कि औद्योगीकृत देशों में मनुष्य आता है

150,000 मानव निर्मित पदार्थों के संपर्क में; कीटनाशक, प्लास्टिक,

रसायन, आदि, और यह कि हर साल 5,000 नए निर्मित होते हैं।

क्या यह कोई आश्चर्य की बात है कि प्रतिरक्षा प्रणाली को सामना करने में मुश्किल होती है

इतनी बड़ी मात्रा में 'विदेशी पदार्थ' के साथ?"

यह बहुत संभव है कि आने वाले वर्षों में देश की शत-प्रतिशत जनसंख्या

संयुक्त राज्य अमेरिका, कुछ हद तक, कुछ हद तक पीड़ित होगा

एलर्जी या असहिष्णुता का रूप।"

इम्यूनो-टॉलरेंस फिजिशियन हैंडबुक, 1982

पारंपरिक डॉक्टर एलर्जी से पीड़ित लोगों को डिकॉन्गेस्टेंट, एंटीहिस्टामाइन, एंटी इंफ्लेमेटरी ड्रग्स, इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स आदि की पेशकश करते हैं, लेकिन

इन उपचारों के साथ समस्या यह है कि वे दमन या हस्तक्षेप करते हैं

हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली का इष्टतम कामकाज, और कमजोर पड़ना

उन्हें और हमें बीमारी और एलर्जी के प्रति और भी अधिक संवेदनशील बनाते हैं

प्रतिक्रियाएं।

साधारण या गंभीर एलर्जी वाले बहुत से लोग बेहद निराश हो जाते हैं

Machine Translated by Google

क्योंकि वे बिना परिणाम प्राप्त किए डॉक्टर से डॉक्टर के पास जाने में भाग्य खर्च करते हैं। न केवल वे एलर्जी के लक्षणों से छुटकारा पाते हैं, बल्कि

कई मामलों में, वे यह पता भी नहीं लगा पाते कि उन्हें किस चीज़ से एलर्जी है क्योंकि

एलर्जी के लिए हमारे वर्तमान निदान के तरीके कच्चे और अप्रभावी हैं।

एक व्यक्ति जिस विशिष्ट प्रतिजन पर प्रतिक्रिया कर रहा है, उसकी पहचान करना बहुत बड़ा है

डॉक्टरों और उनके मरीजों के लिए सिरदर्द। और भले ही एलर्जी की पहचान हो जाए, फिर भी इसके लिए कोई प्रभावी पारंपरिक उपचार नहीं है।

यही वह जगह है जहां मूत्र चिकित्सा आती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि

मूत्र में विशिष्ट एंटी-एलर्जेन एंटीबॉडी होते हैं जो निर्मित होते हैं

शरीर द्वारा ही और जब शरीर में फिर से पेश किया जाता है

मूत्र चिकित्सा के माध्यम से, एलर्जी की प्रतिक्रिया बंद हो जाती है।

साथ ही, यूरिन थेरेपी से सभी अलग-अलग की पहचान करने की जरूरत कम पड़ती है

जिन चीजों पर आप प्रतिक्रिया कर रहे हैं क्योंकि शरीर उनकी पहचान करेगा

एलर्जी और शरीर के अनुचित को ठीक करने के लिए एक एंटीबॉडी का उत्पादन करेगा

प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया जिसने पहली बार में एलर्जी पैदा की। आपकी खुद की सही दवा

एलर्जी रोगियों पर मूत्र चिकित्सा के साथ व्यापक नैदानिक परीक्षण में, दोनों

यूरोप और अमेरिका में, एलर्जी शोधकर्ताओं और चिकित्सकों ने अविश्वसनीय और अक्सर नाटकीय, तेजी से सुधार किए, और यह भी देखा कि

मूत्र भोजन और रासायनिक संवेदनशीलता की एक अत्यंत विस्तृत श्रृंखला पर प्रभावी है। निम्नलिखित रिपोर्ट गंभीरता को प्रदर्शित करती हैं

एलर्जी के क्षेत्र में हाल ही में किस मूत्र चिकित्सा का उपयोग किया गया है

उपचार और अनुसंधान।

जैसा कि चिकित्सा शोधकर्ताओं ने खोजा है, एलर्जी प्रतिक्रियाएं होती हैं

Machine Translated by Google

"पाखण्डी" श्वेत रक्त कोशिकाओं द्वारा जो अनुचित रूप से पदार्थों पर हमला करते हैं

भले ही वे शरीर के लिए कोई खतरा न हों। तो यह की गतिविधि है

ये पाखण्डी श्वेत रक्त कोशिकाएं, जिन्हें एंटीजन रिसेप्टर्स कहा जाता है, जिन्हें करने की आवश्यकता होती है

उन्होंने एलर्जी को ठीक करने के लिए ठीक किया।

रिपोर्ट #32 शीर्षक विशिष्ट प्रतिरक्षाविज्ञानी गैरजिम्मेदारी, 1982, द्वारा

डॉ. विलियम डी. लिंस्कॉट, पीएचडी, (बेसिक और क्लिनिकल में प्रकाशित)

इम्यूनोलॉजी)।

डॉ. लिन्सकॉट के अध्ययनों से पता चला है कि जब ये एंटीजन रिसेप्टर्स (या

पाखण्डी श्वेत रक्त कोशिकाएं), शरीर में फिर से पेश की गईं, शरीर

वास्तव में इन एंटीजन रिसेप्टर्स के लिए एंटीबॉडी विकसित की, और एंटीबॉडी ने फिर एलर्जी की प्रतिक्रिया को रोक दिया:

"ये एंटीजन रिसेप्टर्स मूत्र में कम सांद्रता में पाए जाते हैं। By

रिसेप्टर्स को इंजेक्शन लगाने से एंटीबॉडी को प्रेरित करना संभव हो गया है

एंटीजन रिसेप्टर्स जो तब चल रहे सीमित या निरस्त कर सकते हैं

एलर्जी प्रतिक्रिया। ये एंटीबॉडी वास्तव में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का एक महत्वपूर्ण नियामक हो सकते हैं।"

लिंस्कॉट का अध्ययन उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक था, जिन पर हाल ही में एलर्जी के उपचार में मूत्र के उपयोग की जांच आधारित थी, क्योंकि

इसने एलर्जीवादियों को यह सुराग दिया कि कैसे शरीर को स्वाभाविक रूप से आंतरिक रूप से एलर्जी प्रतिक्रियाओं को ठीक करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

यह महसूस करते हुए कि एलर्जी वाले व्यक्तियों के मूत्र में एलर्जी पैदा करने वाली श्वेत रक्त कोशिकाएं होती हैं, एलर्जी शोधकर्ताओं, जैसा कि अगली रिपोर्ट में है, ने तर्क दिया

Machine Translated by Google

कि एलर्जी वाले व्यक्तियों को आंतरिक रूप से अपना मूत्र देकर, उनके शरीर मूत्र में निहित सफेद रक्त कोशिकाओं के प्रति एंटीबॉडी विकसित करेंगे जो तब एलर्जी की प्रतिक्रिया को रोक देंगे।

जब क्लिनिकल एलर्जी उपचार के दौरान मूत्र चिकित्सा दी जाती थी, तो यह उत्कृष्ट और अक्सर अविश्वसनीय परिणाम देता था, जैसा कि आप इसमें देखेंगे

निम्नलिखित रिपोर्ट। अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

यह ऑक्सफोर्ड मेडिकल में दी गई एक पुरस्कार विजेता रिपोर्ट थी

मार्च 1981 में संगोष्ठी, एलर्जी के उपचार से निपटने के साथ

मूत्र चिकित्सा।

शीर्षक: रिपोर्ट #33 में इंजेक्टेड और सबलिंगुअल यूरिन का उपयोग

एलर्जी का उपचार, 1981, डॉ. नैन्सी ड्यूने द्वारा।

डॉ नैन्सी ड्यूनी आयरिश एलर्जी उपचार के चिकित्सा सलाहकार थे

और रिसर्च एसोसिएशन, आयरिश ऑर्थोमोलेक्यूलर मेडिकल के संस्थापक

एसोसिएशन और कई एलर्जी अनुसंधान समितियों के सदस्य:

"एलर्जी के इलाज के लिए एक सरल तकनीक - ऑटो-इम्यून मूत्र"

थेरेपी (एआईयू) संयुक्त राज्य अमेरिका में तेजी से मान्यता प्राप्त कर रही है

और भविष्य की विधि साबित हो सकती है। तर्कसंगत

इसके पीछे यह है कि रोगी के मूत्र को पुनः चक्रित करने से प्रोटीन ग्लोब्युलिन होता है

जिनमें से वर्तमान में उत्पादन करने वाले एलर्जी के लिए विशिष्ट एंटीबॉडी होते हैं

प्रतिक्रियाओं, प्रतिजन-एंटीबॉडी संघर्ष (एलर्जी प्रतिक्रिया) से प्रतिरक्षा के बारे में लाया जाता है।

मैंने सबसे पहले इस विधि के बारे में डॉ. विलियम फ़ेफ़ (कैलिफ़ोर्निया के) से सीखा, जबकि

1979 में अमेरिका में मानसिक विकास का अध्ययन। डॉ. मुरली, ए

Machine Translated by Google

40 साल के लिए न्यूरोसाइकिएट्रिस्ट को कुछ साल पहले मजबूर किया गया था

खराब स्वास्थ्य के कारण अपने अभ्यास से इस्तीफा देने के लिए। व्यापक जांच

कोई रोग नहीं दिखाया। संयोग से उसने A.LU के बारे में सुना। चिकित्सा और निम्नलिखित

इस उपचार, स्वास्थ्य और शक्ति का आनंद लिया जिसके लिए उन्होंने अनुभव नहीं किया था

कई साल। उन्होंने पूर्णकालिक अभ्यास फिर से शुरू किया और अब उसी को नियोजित करते हैं

अपने रोगियों पर तकनीक।

AL U. का मुख्य आकर्षण यह है कि यह पहचानने की आवश्यकता को समाप्त करता है

विशिष्ट एलर्जेंस - इसके बजाय यह शरीर की अपनी पहचान का उपयोग करता है

प्रणाली जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए अचूक है। किसी परिष्कृत उपकरण की आवश्यकता नहीं है और विधि, जो सरल और सुरक्षित है, कर सकती है

जल्दी सीखो। इसके अलावा, उपचार के बाद रोगी खाने के लिए स्वतंत्र है

और लक्षणों के विकास के बिना पीते हैं। ये कारक एआईयू लाते हैं

औसत व्यस्त सामान्य चिकित्सक की पहुंच के भीतर चिकित्सा जो

नैदानिक पारिस्थितिकी के इस क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली विभिन्न नैदानिक और चिकित्सीय तकनीकों के विस्तृत अध्ययन के लिए समय नहीं है...

इंजेक्शन आमतौर पर सप्ताह में एक बार दिए जाते हैं। उपचार की संख्या

एक रोगी को स्पर्शोन्मुख प्रस्तुत करने की आवश्यकता के साथ भिन्न होता है

व्यक्तिगत ... डॉ. मुरली और उनके सहकर्मियों द्वारा नैदानिक परीक्षणों की एक श्रृंखला में,

एआईयू थेरेपी ने 80% से अधिक मामलों में बिना किसी उपचार के कई वर्षों तक नैदानिक राहत प्रदान की। उनके क्लिनिक के आंकड़े आपकी खुद की सही दवा दिखाते हैं

92.6% रोगियों को 50% से अधिक राहत मिली, जबकि औसत रिपोर्ट किया गया

रोगियों द्वारा स्वयं 70% था ...

मनोरोग रोगियों के इलाज की प्रक्रिया में, डॉ. मुरली ने बहुत कुछ पाया

स्पष्ट शारीरिक बीमारियां सह-संयोग से राहत मिलीं, जैसे कि एकाधिक

Machine Translated by Google

काठिन्य, बृहदांत्रशोथ, उच्च रक्तचाप, ल्यूपस एरिथेमेटोसस, संधिशोथ, हेपेटाइटिस, अति-गतिविधि, अग्नाशयी अपर्याप्तता,

सोरायसिस और एक्जिमा, मधुमेह, दाद दाद, मोनोन्यूक्लिओसिस

और इसी तरह...

मूत्र इंजेक्शन चिकित्सा के लिए गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं हैं

अज्ञात—100,000 से अधिक उपचारों में, डॉ. मुरली ने एक भी उपचार नहीं किया है।

मामूली प्रतिक्रियाएं परिचित एलर्जी के सामयिक पुनरुत्थान तक सीमित हैं

लक्षण या मामूली अस्थायी अस्वस्थता...

अपने स्वयं के अनुभव के कुछ ही समय बाद, मैंने 5 के इलाज के लिए तकनीक को संशोधित किया।

वर्षीय अति सक्रिय दमा पुरुष ... एक्जिमा जिसने पूरे को कवर किया

त्वचा की सतह जन्म से मौजूद थी। उसका चेहरा और खोपड़ी पीला पड़ गया

तरल पदार्थ, उसकी पलकें स्थायी रूप से गिर गईं और उसके नाखून काले हो गए और गिर गए

बंद

खरोंच से द्वितीयक संक्रमण के पैच अक्सर मुकाबलों का उत्पादन करते हैं

बुखार और एडेनाइटिस (लिम्फ नोड की सूजन की स्थिति या)

ग्रंथि)। वह अपने हाथों का उपयोग नहीं कर सकता था जो अर्ध-बंद क्रस्टेड थे

पंजे और उसका पूरा रूप विद्रोही था। लंबे समय तक एक ही स्थिति में रखने पर वह सख्त हो गया और चलने में असमर्थ हो गया।

उनके कान में लगातार दर्द और हिस्टीरिया के दौरे पड़ रहे थे ... विशेषज्ञ, अस्पताल में भर्ती और यहां तक कि वैकल्पिक चिकित्सा के रूप भी कोई राहत देने में विफल रहे।

वह नियमित एंटीहिस्टामाइन और शामक पर था और उसके कई पाठ्यक्रम थे

एंटीबायोटिक दवाओं का।

मैंने उसकी माँ को उसके बीच में पेशाब इकट्ठा करने का निर्देश दिया

लक्षणों के बढ़ने की ऊंचाई और, एक आई ड्रॉपर का उपयोग करना,

Machine Translated by Google

पेशाब की 3 बूँदें दिन में चार बार जीभ के नीचे रखें।

पहली बार जब उसने इसका इस्तेमाल किया तो वह चीखने-चिल्लाने वाला था जो आमतौर पर आधे घंटे तक रहता था - एक मिनट के भीतर यह कम हो गया और वह

पूरी तरह से आराम।

चौथे दिन तक, वहाँ से चिपचिपा पदार्थ का ध्यान देने योग्य निर्वहन था

हर जगह लाल धब्बों के विकास के साथ एक्जिमाटस सतह।

वह हर दिन छींकने और खांसने के साथ श्लेष्मा बहने लगा।

प्रचुर मात्रा में छुट्टी पर उसकी माँ चिंतित हो गई, लेकिन उसे मना लिया गया

जारी रखने के लिए, जबकि एक ही समय में सभी दवाओं को कम करना। से

छठे दिन लाल धब्बे सफेद में बदल गए, त्वचा के स्पष्ट धब्बे थे

दिखाई दे रहा था, उसकी पलकें अब नहीं झुकी थीं और वह 4 घंटे सो रहा था

रात एक खिंचाव पर। 2 सप्ताह के बाद, वह सभी दवाओं से दूर था, जो करने में सक्षम था

अपने हाथों का उपयोग करें और स्वतंत्र रूप से चलें, और अब दमा विकसित नहीं हुआ है

घास या पड़ोसी के पालतू जानवरों के पास हमला।

मैंने उसकी बूंदों को छह क्विड तक बढ़ा दिया और वह बहुत अधिक पास करने लगा

भारी सफेदी तलछट के साथ प्रतिदिन मूत्र की मात्रा। उसके बाल काले हो गए,

स्वस्थ नाखून विकसित होने लगे और वयस्कों ने टिप्पणी की कि वह कितना शांत है

अपने साथियों के साथ हो गया था ... दो महीने बाद, उसकी सक्रियता, हिस्टीरिया आदि दूर हो गए थे; वह पहली बार रात को चैन की नींद सो रहा था

जन्म से - और घुटनों के पीछे दो छोटे सूखे क्षेत्रों के अलावा, उसका

त्वचा पूरी तरह से साफ थी, और वह स्पर्शोन्मुख था ...

ऑटो-इम्यून यूरिन थेरेपी में अन्य परिवर्तनों की तुलना में बहुत कुछ है

Machine Translated by Google

_ जी उपचार। सभी संभावित एंटीजन (एलर्जी) की कठिन पहचान

इसकी आवश्यकता नही है। उपकरण न्यूनतम है। मूत्र, बाँझ होने के कारण, नहीं चाहिए

परिरक्षक। यह शरीर द्वारा [एलर्जी को कमजोर करने] के रूप में सुरक्षित है

एनाफिलेक्टिक शॉक के जोखिम को समाप्त करता है ... दवाओं और रसायनों - संवेदनशील रोगियों में साइड इफेक्ट के संभावित कारण - की आवश्यकता नहीं है।"

शीर्षक प्रतिरक्षा-सहिष्णुता, चिकित्सक की पुस्तिका, 1982, रिपोर्ट #34 से

इंटरनेशनल इम्यूनोलॉजी इंस्टीट्यूट, कैनोगा पार्क, कैलिफोर्निया।

यह रिपोर्ट एक अत्यंत व्यापक और पूरी तरह से विस्तृत है

एलर्जी के इलाज में मूत्र चिकित्सा के ऐतिहासिक और वर्तमान उपयोगों की जांच:

"मूत्र का अनुप्रयोग, अंतर्ग्रहण और इंजेक्शन अस्तित्व में रहा है

कम से कम 4,000 वर्षों के लिए। यह प्रतीत होता है कि मर जाता है, केवल फिर से प्रकट होने के लिए, समय

समय हो चुका। जबकि अन्य 'सनक' या 'क्वैक' उपचार गायब हो गए हैं,

पेशाब का इलाज बाकी है..."

रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण नैदानिक परीक्षणों का उल्लेख किया गया है

उत्कृष्ट परिणामों के साथ मूत्र चिकित्सा। शोधकर्ताओं ने नोट किया कि मूत्र इंजेक्शन ने न केवल एलर्जी के लक्षणों से राहत का एक बड़ा उपाय प्रदान किया, बल्कि प्रतिरक्षा प्रणाली को भी बढ़ावा दिया:

"इसकी एक बढ़ी हुई प्रतिक्रिया या उत्तेजना प्रतीत होती है

प्रतिरक्षा प्रणाली, ज्यादातर टी-सेल आबादी [के उपयोग के साथ

मूत्र चिकित्सा]। उपचार के दौरान, रोगियों ने एक की सूचना दी

वायरल रोगों (फ्लू, सर्दी, आदि) की अनुपस्थिति। या बहुत कम हो गया

लक्षण।आपकी खुद की सही दवा

छोटे बच्चे, विशेष रूप से, सर्दी के प्रति प्रतिरोधी प्रतीत होते हैं (उपचार के दौरान), जबकि उनकी बहनें और भाई (मूत्र चिकित्सा प्राप्त नहीं कर रहे हैं)

Machine Translated by Google

बार-बार होने वाले वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं। दमा के रोगी

बार-बार चीन-फुफ्फुसीय संक्रमण एक उल्लेखनीय कमी की रिपोर्ट करते हैं या

इस तरह के बार-बार संक्रमण की अनुपस्थिति।

कुछ रोगियों पर जिन्होंने कम टी-सेल की संख्या का प्रदर्शन किया, टी-सेल

उनका इलाज पूरा करने के बाद जनसंख्या सामान्य हो गई थीयह जानकारी न केवल एलर्जी पीड़ितों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि, के रूप में

एड्स रोगियों के लिए भी उल्लेख किया गया है, जिसमें इस रोग की विशेषता है

असामान्य रूप से कम टी-सेल की संख्या से जो प्रतिरक्षा रोग में योगदान करते हैं।

रिपोर्ट #38 शीर्षक: मानव के खिलाफ ऑटो-प्रतिरक्षा चिकित्सा
एलर्जी

रोग: एक शारीरिक आत्मरक्षा कारक, 1983, द्वारा

सीडब्ल्यूएम विल्सन और ए लुईस। जराचिकित्सा विभाग, कानून

अस्पताल, कार्लुक, स्कॉटलैंड।

विल्सन और लुईस, पिछले एलर्जी अनुसंधान पर चित्रण, और उनके बाद

एलर्जी के लिए एक प्राकृतिक उपचार के रूप में जानवरों में मूत्र चिकित्सा के उपयोग के साथ अपने व्यापक प्रयोग ने निम्नलिखित कार्य किए:

प्रभावकारिता और सही खुराक निर्धारित करने के लिए मनुष्यों पर शोध अध्ययन

एलर्जी के इलाज में मूत्र का।

विल्सन और लुईस ने मूत्र चिकित्सा को ऑटो-इम्यून बुकेका के रूप में संदर्भित किया

मूत्र चिकित्सा (AIBUT)। बुक्कल थेरेपी a . का मौखिक प्रशासन है

वह दवा जिसमें पदार्थ को गाल के बीच रखा या रखा जाता है

और दांत या गुरु।

इस शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि:
"

Machine Translated by Google

यह प्रदर्शित किया गया है कि विशिष्ट एंटीबॉडी को स्रावित किया जाता है

मूत्र पथ की दीवार। इन निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि एलर्जी हैं

मूत्र में स्रावित होता है और बाद में एंटीजन-एंटीबॉडी प्रतिक्रिया होती है

रोगियों के एलर्जी के लक्षणों के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है। इन में

परिस्थितियों में यह अनुमान लगाया जाएगा कि रोगी का प्रशासन

मूत्र के कारण होने वाली विशिष्ट प्रतिक्रियाओं के विकास को रोक देगा

एलर्जी की श्रेणी जिसके प्रति रोगी संवेदनशील है...

में पच्चीस रोगियों में एक पायलट जांच की गई है

मूत्र के प्रशासन का एक प्रभावी तरीका खोजने के लिए, और करने के लिए

स्थापित करें कि क्या इसका चिकित्सीय प्रशासन एलर्जी को कम कर सकता है

लक्षण...

यह तेजी से सराहना की गई कि बिना पतला मूत्र ऑटो-इम्यून बुक्कल मूत्र को बाहर निकालने के लिए चिकित्सीय रूप से प्रभावी था

मनुष्यों में थेरेपी (AIBUT)।

AIBUT की शुरुआत ऐसे समय हुई जब यह स्पष्ट हो गया कि

एलर्जी की स्थिति अनियंत्रित हो गई थी, अक्सर हवा में बाहरी एंटीजन की समवर्ती वृद्धि हुई सांद्रता के साथ, जैसे कि पराग, मोल्ड, शहरी प्रदूषण के साथ पानी के कण, या घर की धूल या कार्बनिक में वृद्धि

केंद्रीय हीटिंग, घर की सफाई या पेंटिंग में वृद्धि से जुड़े धुएं...

AIBUT शुद्ध मूत्र के उप-भाषी प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पतला मूत्र का प्रयोग अपूर्ण लक्षण राहत उत्पन्न कर सकता है या

Machine Translated by Google

लक्षणों की वास्तविक प्रबलता...मूत्र प्राप्त होता है और

मुख्य भोजन से पहले प्रशासित किया जाता है जिसके खिलाफ वह प्रदान कर रहा है

संरक्षण...

जिन लक्षणों से रोगी को मूत्र प्रशासन से पहले सामना करना पड़ा, उन्हें नोट किया गया।

जब प्रशासित मूत्र के स्वाद और तापमान की संवेदनाओं का पता नहीं चलता है तो न्यूट्रलाइज़िंग खुराक का संकेत दिया जाता है। स्वाद की घटना को एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर आधारित दिखाया गया है...

एआईबीएलआईटी के प्रशासन की प्रक्रिया के दौरान, एलर्जी के लक्षण शुरू में बढ़ जाते हैं और फिर कम हो जाते हैं क्योंकि स्वाद और तापमान की अनुभूति बदल जाती है और तेज हो जाती है और फिर मूत्र की बूंदों के बार-बार सबलिंगुअल आवेदन के बाद गायब हो जाती है ...

प्रशासित बूंदों की कुल संख्या न्यूट्रलाइजिंग का गठन करती है

खुराक। इस खुराक को भोजन से पहले पिछले भोजन के बाद से एकत्र किए गए मूत्र का उपयोग करके प्रशासित किया जाना चाहिए। न्यूट्रलाइज़िंग खुराक को द्वारा मापा जाता है

रोगी को बूंदों की संख्या के संदर्भ में... यह सहायता से प्रशासित किया जाता है

एक दर्पण का। अंतिम 4 बूंदों को अलग से प्रशासित किया जाता है

स्वाद और तापमान की अनुपस्थिति से पुष्टि करें कि बेअसर करना

खुराक ली जा रही है।

(हम निष्कर्ष निकालते हैं कि] AIBUT की एक विस्तृत श्रृंखला को नियंत्रित करने में सक्षम है

भोजन, बाहरी और रासायनिक संवेदनशीलता।"

री •आपकी खुद की सही दवा

इस नैदानिक अध्ययन को पूरा करने के बाद, विल्सन ने अतिरिक्त संचालन किया

1984 में एलर्जी के उपचार में मूत्र के उपयोग पर शोध किया, और फिर से निष्कर्ष निकाला कि यह एक प्रभावी और अत्यधिक वांछनीय एलर्जी उपचार था:

Machine Translated by Google

"एंटी-एलर्जी थेरेपी के अन्य रूपों पर एआईबीयूटी का प्रमुख लाभ यह है कि एलर्जी रोगी बनाती है और उपयोग करती है

अपने इलाज के लिए खुद का पेशाब...

चिकित्सीय पहलू से, AIBUT के अन्य पर फायदे हैं

एलर्जेनिक खाद्य पदार्थों के नाटकीय प्रतिबंध जैसे उपचार, द्वारा

खाद्य इम्यूनोथेरेपी और खाद्य तटस्थता द्वारा।

यह प्रभावी है, इसमें कुछ भी खर्च नहीं होता है और इसे प्रशासित करना आसान है।

रोगी को पहले अवसर पर चिकित्सक द्वारा सिखाया जा सकता है

न्यूट्रलाइजेशन एंड-पॉइंट को पहचानें-रोगी तब कर सकता है

खुराक को अलग-अलग करते हुए खुद को AIBUT देना जारी रखें

भोजन और पर्यावरणीय चुनौती को बदलने से आवश्यक।"

विल्सन ने मूत्र की सही खुराक निर्धारित करने के लिए अतिरिक्त प्रयोग किए जो पशु और मानव दोनों अध्ययनों में चिकित्सीय रूप से प्रभावी होंगे।

उन्होंने अंत में निष्कर्ष निकाला कि मूत्र चिकित्सा के लिए

एलर्जी को पेशाब की सब्लिशिंग बूँदें देकर प्रशासित किया जाना चाहिए

जब तक किसी स्वाद या तापमान का पता नहीं चला:

"मूत्र की चिकित्सीय रूप से प्रभावी खुराक को बिंदु के रूप में निर्धारित किया जाता है

मूत्र की बूंदों के किस सब्लिशिंग प्रशासन का पता नहीं लगाया जा सकता है

रोगी द्वारा असामान्य मुख (मौखिक) स्वाद या तापमान की अनुभूति

जब बूंदों को प्रशासित किया जाता है।"

1984 में अपने अध्ययन में, विल्सन ने यह भी प्रदर्शित किया कि मूत्र प्रभावी था

Raynaud घटना के उपचार के रूप में, एक ऐसी स्थिति जो पैदा करती है

मलिनकिरण, ठंडक और चरमपंथियों का पसीना, विशेष रूप से

हाथ:

Machine Translated by Google

"ठंडे पानी से प्रेरित रेनॉड के लक्षण गंभीरता में कम हो गए थे

एआईबीयूटी में बिना उबाले मूत्र की प्रभावी खुराक का प्रशासन।"

मूत्र चिकित्सा और एलर्जी पर ये रिपोर्ट असाधारण संकेत हैं कि मूत्र चिकित्सा कितनी शक्तिशाली और व्यापक है और

यह विविध स्वास्थ्य लाभ कैसे प्रदान कर सकता है, विशेष रूप से इसे देखते हुए

तथ्य यह है कि आज हम जिन कई बीमारियों से पीड़ित हैं, वे संबंधित हैं

एलर्जी। अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

मानसिक स्थितियां

सामान्य अनुसंधान संकेत रिपोर्ट #36

अवसाद और अन्य मानसिक विकारों पर मूत्र चिकित्सा का प्रभाव

जैसे हिस्टीरिया, नखरे, आदि के कई उपयोगकर्ताओं द्वारा सूचित किया गया है

मूत्र चिकित्सा सहित डॉ. ड्यूनी और मुरली, एलर्जी विशेषज्ञ

जिनका पहले ही उल्लेख किया जा चुका है:

"मनोरोग रोगियों के इलाज की प्रक्रिया में, डॉ. मुरली ने कई पाया

स्पष्ट शारीरिक बीमारियां सह-संयोग से राहत मिलीं, जैसे कि एकाधिक

काठिन्य, बृहदांत्रशोथ, उच्च रक्तचाप, ल्यूपस एरिथेमेटोसस, संधिशोथ, हेपेटाइटिस, अति-गतिविधि, अग्नाशयी अपर्याप्तता, सोरायसिस और

एक्जिमा, मधुमेह, दाद दाद, मोनोन्यूक्लिओसिस और इतने पर...

इसके विपरीत अन्य लोगों ने भी नोट किया है, जो एलर्जी संबंधी शारीरिक बीमारियों के इलाज में अपने रोगियों के मानसिक लक्षण पाते हैं:

साथ ही समाप्त कर दिया।"

मेरे पास एक अखबार की क्लिपिंग भी है जो रिपोर्ट करती है कि शोधकर्ताओं के पास है

पता चला कि नैदानिक अवसाद निम्न स्तर के कारण हो सकता है a

मस्तिष्क रसायन जिसे पीईए (फेनिलेथाइलामाइन) कहा जाता है, जो एक प्राकृतिक है

Machine Translated by Google

एम्फ़ैटेमिन जैसा पदार्थ जो लगातार बनता और टूटता रहता है

मस्तिष्क से नीचे:

"पीईए की असामान्य रूप से कम मात्रा ब्याज की कमी का कारण बनती है और

एकाग्रता, आनंद की हानि, विस्मृति, से वापसी

अन्य लोग और अन्य लक्षण अवसाद की विशेषता।

शोधकर्ताओं ने सीखा है कि पीईए का एक प्रमुख ब्रेकडाउन उत्पाद,

कैलेटेड पीएए (फिनाइल एसीटेट), मूत्र में मापने योग्य मात्रा में उत्सर्जित होता है।"

मूत्र में पीएए मानसिक विकारों में सुधार में अच्छी भूमिका निभा सकता है जो मूत्र चिकित्सा के उपयोगकर्ताओं द्वारा नोट किया गया है, हालांकि वहां

असंख्य पोषक तत्व, चिकित्सीय एजेंट और निस्संदेह अन्य हैं

मूत्र में अभी तक अज्ञात तत्व, जैसे हार्मोन और अन्य मस्तिष्क

रसायन, जो इस तरह के सुधारों में भी योगदान दे सकते हैं।

7आपकी खुद की सही दवा

रिपोर्ट #37 शीर्षक: मूत्र के जीवाणुनाशक गुण
नेइसेरिया

GONORRHOEAE 1987 रॉबर्ट सी. नोबल, एमडी और एम. पारेख, MS . द्वारा

(संक्रामक रोग विभाग, चिकित्सा विभाग से,

यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी कॉलेज ऑफ मेडिसिन)। पत्रिका में प्रकाशित,

यौन संचारित रोगों)

विषय: सूजाक पर मूत्र का प्रभाव

यह अध्ययन एक अन्य शोध कार्यक्रम का अनुवर्ती था (मैककचियन,

वगैरह अल, 1977) ने मूत्र के गोनोरिया बैक्टीरिया-हत्या गुणों की जांच की थी और बताया था कि पर्याप्त रूप से केंद्रित मूत्र कर सकते हैं

सूजाक के प्रेरक जीव को नष्ट करें और एक प्राकृतिक प्रदान करें

Machine Translated by Google

रोग प्रतिरोधक क्षमता।

1987 में, नोबल और पारेख ने मैककॉचियन के निष्कर्षों की पुष्टि की कि केंद्रित मूत्र वास्तव में गोनोरिया बैक्टीरिया को मार सकता है:

'इन परिणामों से पता चलता है कि पर्याप्त रूप से केंद्रित, अम्लीय मूत्र'

अज्ञात तंत्र द्वारा गोनोरिया बैक्टीरिया को मार डालो।"

नोबल और पारेख ने भी बारीकी से जांच की कि इसमें कौन से घटक हैं?

मूत्र अपने सूजाक विरोधी गुणों के लिए जिम्मेदार हो सकता है और निष्कर्ष निकाला है कि बढ़ी हुई अम्लता और एकाग्रता मूत्र को इसकी क्षमता प्रदान करती है

सूजाक को नष्ट करें:

"हमारे अध्ययन, जैसे मैककचियन, एट अल, ने पीएच और दोनों को पाया

जीवाणुनाशक में महत्वपूर्ण कारक होने के लिए मूत्र की एकाग्रता

गोनोकोकी के लिए मूत्र की गतिविधि।"

इस शोध ने भी प्रदर्शित किया, जैसा कि श्लेगल, कुएलर, ओ'डेल ने किया था

और Kaye's, मूत्र में ऊंचा यूरिया भी अवरोध करने में सक्षम था

सूजाक जीवाणु वृद्धि:

"100 के संपर्क में आने के बाद गोनोरिया बैक्टीरिया का कोई विकास नहीं हुआ"

मिलीग्राम यूरिया/एमएल।"

फिर से, मौखिक मूत्र चिकित्सा प्रणाली में मूत्र की अम्लता और यूरिया सांद्रता को बढ़ाएगी जो बदले में, जैसा कि हमने देखा है, व्यापक रूप से नष्ट कर सकता है

गोनोरिया सहित विभिन्न प्रकार के रोग जीव।

यदि आवश्यक हो, तो हम आहार के माध्यम से मूत्र अम्लता को नियंत्रित और बढ़ा सकते हैं

(इसे कैसे करें और अपनी निगरानी कैसे करें, इस बारे में जानकारी के लिए अध्याय 6 देखें)

घर पर मूत्र पीएच स्तर। अनुसंधान साक्ष्य और केस स्टडीज

आर

Machine Translated by Google

आर

आर

आर

111 एलई: विशिष्ट इंटरल्यूकिन-1 . की पहचान

ज्वर के रोगियों के मूत्र में अवरोधक, 1984, द्वारा

ज़ेंघुआ लियाओ, et.al, जूमाल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन में प्रकाशित,

जनवरी 1984। (डॉ लियाओ फ़ुज़ियान मेडिकल के एक एक्सचेंज विद्वान थे

चीन में केंद्र, और इस अध्ययन को से अनुदान द्वारा समर्थित किया गया था

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान और अन्य)।

Interleukin-1 (IL-1), अन्य बातों के अलावा, शरीर की प्रतिरक्षा में से एक है

रक्षा पदार्थ जो बुखार को उत्तेजित करते हैं। बुखार, जैसा कि हम में से बहुत से लोग जानते हैं,

शरीर को हानिकारक सूक्ष्मजीवों को नष्ट करने में मदद करता है।

लेकिन शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि न केवल शरीर उत्पादन करता है

संक्रमण या हमले के दौरान IL-1, लेकिन यह एक पदार्थ भी पैदा करता है

जो धीमा कर देता है, या IL-1 के उत्पादन को दबा देता है, संभवतः इसलिए

कि शरीर बहुत ज्वरयुक्त या खतरनाक रूप से सूज न जाए

बीमारी के दौरान। बुखार को नियंत्रण में रखने वाला यह पदार्थ है

IL-1 अवरोधक कहा जाता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि यह महत्वपूर्ण IL-1 अवरोधक पदार्थ था

न केवल रक्त में, बल्कि मूत्र में भी पाया जाता है। इस अध्ययन में,

शोधकर्ताओं ने पाया कि IL-1 अवरोधक पदार्थ दोनों में मौजूद था

सामान्य मूत्र और ज्वर रोगियों का मूत्र:

"इन निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि IL-1 अवरोधक एक सामान्य घटक है

Machine Translated by Google

मानव मूत्र का, लेकिन यह कि इस सामग्री के मूत्र के स्तर में ज्वर की स्थिति में काफी वृद्धि हुई है ... हमने पाया है कि मूत्र का

ज्वर के रोगियों में एक शक्तिशाली IL-1 अवरोधक होता है।

ज्वर रोगियों के मूत्र में आईएल-आई की उच्च सांद्रता पाई गई है।"

डंकन, प्लेश, आर्मस्ट्रांग सहित मूत्र चिकित्सा के चिकित्सक,

विल्सन, ड्यून और अन्य ने बताया है कि आंतरिक मूत्र चिकित्सा

बीमारी के दौरान बुखार या एलर्जी के दौरान सूजन को कम करता है

हमले। मूत्र में यह IL-1 अवरोधक पदार्थ अच्छी तरह से भूमिका निभा सकता है

मूत्र के विरोधी भड़काऊ गुण।

मूत्र चिकित्सा

1. एक साफ कप या कंटेनर में मिडस्ट्रीम मूत्र एकत्र करें मूत्र एकत्र करने के लिए एक डीन ग्लास या स्पष्ट प्लास्टिक कंटेनर सबसे अच्छा है। शोध अध्ययनों में, मूत्र को आमतौर पर "क्लीन कैच" के माध्यम से एकत्र किया जाता है जिसमें मूत्र एकत्र करने से पहले जननांग क्षेत्र को साफ किया जाता है। यह महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब आंतरिक रूप से मूत्र चिकित्सा का उपयोग किया जाता है और इसे केवल थोड़े से साबुन और पानी से धोकर किया जा सकता है। बीच-बीच में यूरिन ही इकट्ठा करें। आप यात्रा के दौरान सुविधा के लिए या जब भी अस्वच्छ रहने की स्थिति या दूषित पानी की समस्या हो, तो आप पहले से पैक किए गए क्लीन कैच किट ले सकते हैं जिसमें एक बाँझ कप और एंटीसेप्टिक पेपर टॉलेट शामिल हैं।

2. हमेशा ताजा मूत्र का उपयोग करें संग्रह के तुरंत बाद मूत्र शरीर के बाहर जल्दी से टूट जाता है इसलिए इसे इकट्ठा करते ही आंतरिक रूप से उपयोग करें। यदि आप इसे केवल बाहरी उपयोग के लिए उपयोग करने जा रहे हैं, तो यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि आप अधिकांश बाहरी अनुप्रयोगों के लिए ताजा या पुराने मूत्र का उपयोग कर सकते हैं।

3. मौखिक बूंदों से शुरू करें और फिर आवश्यकतानुसार खुराक बढ़ाएं

Machine Translated by Google

एक बार जब आप किताब पढ़ लें और चिकित्सा का उपयोग शुरू करने के लिए तैयार हों, तो अपने शरीर को धीरे-धीरे समायोजित करने के लिए प्रत्येक दिन केवल कुछ बूंदों को लेकर शुरू करें।

पेशाब के प्याले में से एक साफ मेडिसिन ड्रॉपर भरें और एक या दो बूंद अपनी जीभ के नीचे रखें। यह विधि आपको धीरे-धीरे स्वाद के लिए अभ्यस्त होने देती है और फिर भी आपको स्वास्थ्य लाभ देगी। आप। बाद में राशि को धीरे-धीरे बढ़ा और समायोजित कर सकते हैं जब आप यह निर्धारित कर लें कि आपकी स्थिति के लिए कौन सी राशि सही है।

1. पहले दिन सुबह के पेशाब की 1-5 बूंद लेकर शुरुआत करें।
2. दूसरे दिन सुबह 5-10 बूंद लें।
3. तीसरे दिन, सुबह 5-10 बूँदें और शाम को सोने से पहले इतनी ही मात्रा में लें।

4. एक बार जब आप चिकित्सा के आदी हो जाते हैं, तो धीरे-धीरे अपनी स्थिति के लिए परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक मात्रा में वृद्धि करें। जैसा कि आप चिकित्सा का उपयोग करते हैं, आप चिकित्सा के प्रति अपनी प्रतिक्रियाओं को देखकर अपनी जरूरत की मात्रा को समायोजित करना सीखेंगे। खुराक के बारे में अधिक जानकारी इस अध्याय में आगे दी गई है।

4. मूत्र को उबालें या पतला न करें शोध अध्ययनों से पता चलता है

कि उबलता मूत्र इसके कई औषधीय गुणों को नष्ट कर देता है, इसलिए इसे आंतरिक रूप से लेते समय, इसे अपने ताजा, प्राकृतिक रूप में ही उपयोग करें। शोध अध्ययनों से यह भी पता चला है कि मूत्र (या यूरिया) को पतला करने से इसकी जीवाणुरोधी गतिविधि कम हो जाती है, इसलिए इसका उपयोग करने के आदी होने के लिए इसे रस या पानी में पतला करने के बजाय, इसके बजाय कुछ मौखिक बूंदों का उपयोग करें।

5. होम्योपैथिक मूत्र रोग, विशेष रूप से

संक्रमण और एलर्जी के तीव्र लक्षणों की शुरुआत या ऊंचाई पर एकत्रित मूत्र का उपयोग करने का महत्व कुछ शोधकर्ताओं द्वारा सुझाया गया है, क्योंकि इस मूत्र में एंटीबॉडी और प्रतिरक्षा-रक्षा एजेंटों की सबसे बड़ी मात्रा होती है जिसके साथ मूत्र शरीर पहले से ही बीमारी से लड़ रहा है। एक होम्योपैथिक तैयारी इस शक्तिशाली प्रथम-चरण-बीमारी मूत्र को संरक्षित करती है और फिर बीमारी की अवधि के दौरान इसका उपयोग किया जा सकता है।

होम्योपैथिक मूत्र भी बच्चों के लिए उत्तम है। आप में से उन लोगों के लिए जिन्हें अत्यधिक संवेदनशीलता या विषाक्तता है, जो महसूस कर सकते हैं कि आपको शुरू में मूत्र की प्रतिक्रिया बहुत तेज हो रही है, इसे होम्योपैथिक कमजोर पड़ने के रूप में उपयोग करने का प्रयास करें। I 6. मॉनिटर और बैलेंस आपका पीएच पीएच शरीर की एसिड/क्षारीय स्थिति को दर्शाता है। शरीर है

Machine Translated by Google

सामान्य रूप से हल्का अम्लीय, और मूत्र चिकित्सा में उचित पीएच बनाए रखना महत्वपूर्ण है। पीएच मान स्वाभाविक रूप से पूरे दिन बदलता रहता है।
सुबह का मूत्र आम तौर पर मध्याह्न के मूत्र की तुलना में अधिक अम्लीय होता है, और आहार की प्रतिक्रिया में पीएच भी बदल जाता है - सामान्य तौर पर, मांस, कॉफी, शराब, दूध, अंडे और बीन्स जैसे खाद्य पदार्थ शरीर को अधिक अम्लीय बनाते हैं जबकि अधिकांश फलों और सब्जियों में एक। क्षारीय प्रभाव। (ऐड/क्षारीय खाद्य पदार्थों की अधिक संपूर्ण सूची के लिए परिशिष्ट देखें)। अपने मूत्र और लार दोनों के पीएच स्तर पर नज़र रखना हमेशा अच्छा होता है, क्योंकि दोनों में उचित अम्ल/क्षारीय संतुलन मौजूद होना चाहिए। लार की आदर्श पीएच श्रेणी लगभग 6.4 - 7.2 है, (6.4 से नीचे बहुत अम्लीय है, 72 से ऊपर है। \s बहुत क्षारीय है)। लार आमतौर पर खाने के बाद और शाकाहारी भोजन के साथ अधिक क्षारीय हो जाती है। प्रत्येक 24 घंटे की अवधि के दौरान मूत्र पीएच आदर्श रूप से लगभग 5.0 (सुबह में एसिड) से 8.0 (रात में क्षारीय) तक भिन्न होना चाहिए। यदि आपके मूत्र या लार का पीएच स्तर लंबे समय तक लगातार सीमा से बाहर है, तो इसका मतलब है कि आपका शरीर ठीक से काम नहीं कर रहा है या आपका आहार लगातार बहुत अधिक या बहुत क्षारीय है। संख्यात्मक मानों के साथ पीएच मापने वाली स्ट्रिप्स आपके एसिड/क्षारीय स्तरों के परीक्षण के लिए व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हैं और घर पर नियमित रूप से आपके पीएच की निगरानी करना आसान बनाती हैं, (या अंतिम पृष्ठ पर ऑर्डर फॉर्म देखें)। अधिक अम्लता की प्रवृत्ति को एसिडोसिस कहा जाता है जो कि गुर्दे, यकृत या अधिवृक्क विकार, अनुचित आहार, भुखमरी, क्रोध, तनाव, भय, बुखार या अतिरिक्त विटामिन सी, एस्पिरिन या नियासिन जैसी चीजों के कारण हो सकता है। लक्षणों में अनिद्रा, पानी की अवधारण, माइग्रेन का सिरदर्द, बार-बार आहें भरना, असामान्य रूप से निम्न रक्तचाप, शुष्क कठोर मल, बारी-बारी से कब्ज और डायनिया, दांतों की संवेदनशीलता, निगलने में कठिनाई और आंखों का सिकुड़ना शामिल हो सकते हैं। क्षारीयता (जब शरीर बहुत अधिक क्षारीय होता है) एंटासिड के अत्यधिक उपयोग या खराब आहार, अत्यधिक उल्टी (बुलिमिया), अंतःस्रावी असंतुलन, उच्च कोलेस्ट्रॉल, ऑस्टियो-गठिया, या दस्त जैसी चीजों के कारण हो सकता है।

लक्षणों में उनींदापन, उभरी हुई आंखें, चरमराते जोड़ों, मांसपेशियों में दर्द, बर्साइटिस, एडिमा, रात की खांसी, मासिक धर्म की समस्याएं, एलर्जी, रात में ऐंठन, पुरानी अपच, या अस्थमा शामिल हो सकते हैं।

पीएच को सही करने के लिए आप जिन पहली और आसान विधियों का उपयोग कर सकते हैं, वे हैं विश्राम, आराम, ताजी हवा और व्यायाम को बढ़ाना, तनाव कम करना और आहार में समायोजन करना। यदि आप बहुत अधिक अम्लीय हैं, तो अपने आहार में अम्लीय खाद्य पदार्थों को कम करें और अधिक क्षारीय खाद्य पदार्थ खाएं; यदि आप बहुत अधिक क्षारीय हैं, तो क्षारीय खाद्य पदार्थ कम करें और अधिक अम्लीय खाद्य पदार्थ खाएं। (एक के लिए

Machine Translated by Google

एसिड या क्षारीय खाद्य पदार्थों की सूची पुस्तक के पीछे परिशिष्ट देखें)।

मूत्र चिकित्सा के दौरान अपने पीएच स्तर की निगरानी करना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि आपका मूत्र बहुत अधिक क्षारीय है, तो यह इसकी जीवाणुरोधी गतिविधि को कम कर सकता है। दूसरी ओर, यदि मूत्र लगातार अत्यधिक अम्लीय होता है, तो मूत्र चिकित्सा आपके शरीर में बहुत अधिक एसिड का बोझ पैदा कर सकती है। इस मामले में, सुनिश्चित करें कि आपका आहार मुख्य रूप से क्षारीय को बढ़ावा देने वाले खाद्य पदार्थ हैं, ताकि आप अपने पीएच को संतुलित कर रहे हैं और अत्यधिक अम्लीय मूत्र के माध्यम से अपने शरीर के एसिड के बोझ को नहीं बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, यदि आपको एसिडोसिस की गंभीर पुरानी समस्या है (यह अक्सर मधुमेह रोगियों के लिए होता है), तो एक बार में मूत्र की केवल कुछ बूंदों का उपयोग करें, या होम्योपैथिक मूत्र की तैयारी को प्रतिस्थापित करें। पहली बार मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते समय या गहन उपयोग करते समय कुछ दिनों के लिए प्रत्येक दिन एक या दो बार अपने मूत्र पीएच का परीक्षण करें। उसी मूत्र को न निगलें जिसमें आप परीक्षण के लिए पीएच पट्टी को डुबोते हैं। यदि आप प्रति दिन केवल एक छोटी सी मैमटेनेंस खुराक ले रहे हैं, तो यह निर्धारित करने के लिए कि आहार समायोजन की आवश्यकता है या नहीं, हर तीन से पांच दिनों में एक बार पीएच का परीक्षण करें। यदि आप पाते हैं कि आपके मूत्र का पीएच बहुत अम्लीय है, तो अम्लता को कम करने के लिए आप जिस मूत्र का सेवन कर रहे हैं उसमें एक चुटकी बेकिंग सोडा मिलाएं।

7. यदि आप डॉक्टर की देखरेख के बिना गर्भवती हैं तो यूरिन थेरेपी का उपयोग न करें: हालांकि गर्भवती महिलाओं का मॉर्निंग सिसिम्स या एडिमा के लिए सफलतापूर्वक यूरिन थेरेपी से इलाज किया गया है, गर्भावस्था के दौरान चिकित्सा से परिचित डॉक्टर की देखरेख के बिना थेरेपी का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। मूत्र का उपयोग। डॉक्टरों ने बताया है कि उन्होंने उत्कृष्ट परिणामों के साथ गर्भावस्था में मॉर्निंग सिकनेस के लिए मूत्र चिकित्सा का उपयोग किया है, लेकिन दो सहज गर्भपात की खबरें हैं जो मूत्र चिकित्सा उपचार (ड्यून और प्लाश) के बाद हुईं, संभवतः मूत्र के साथ होने वाले विषाक्त पदार्थों की प्राकृतिक रिहाई के कारण। चिकित्सा।

प्रजनन क्षमता: दूसरी ओर, यदि आप गर्भवती होने की कोशिश कर रही हैं, तो कई सफल प्रजनन दवाएं जैसे कि पेर्गोनाई मूत्र के अर्क से बनाई जाती हैं और कुछ महिलाओं ने मुझे बताया है कि उन्हें लगता है कि मूत्र चिकित्सा ने उन्हें गर्भ धारण करने में मदद की है। इस मामले में सबसे अच्छा और सुरक्षित तरीका एक निश्चित समय के लिए मूत्र चिकित्सा का उपयोग करना है

Machine Translated by Google

गर्भ धारण करने की कोशिश करने से पहले अवधि (छह महीने) और उन दिनों के दौरान इसका उपयोग बंद कर दें जब आप गर्भ धारण करने का प्रयास कर रही हों। आप यह निर्धारित करने के लिए मूत्र निदान परीक्षणों का उपयोग कर सकते हैं कि आप कब ओवुलेट कर रहे हैं और कब गर्भ धारण किया है, और आप अपने अनुसार मूत्र के उपयोग को गियर कर सकते हैं।

मूत्र चिकित्सा और दवाएं: अतीत में मैंने सिफारिश की है कि यदि आप किसी भी प्रकार की दवाएं ले रहे हैं या भारी धूम्रपान करने वाले, शराब उपयोगकर्ता या कॉफी पीने वाले हैं तो आप मूत्र चिकित्सा का उपयोग न करें। हालाँकि, मेरे ध्यान में एक नया शोध आया है जो दर्शाता है कि इन सभी स्थितियों में मूत्र चिकित्सा फायदेमंद हो सकती है। डॉ।

विलियम हिट, एक अमेरिकी डॉक्टर, जिसका वास्तव में मेक्सिको में मूत्र चिकित्सा क्लीनिक है, ने मुझे बताया है कि उसने 2 में 20,000 रोगियों का इलाज किया है? मूत्र चिकित्सा इंजेक्शन के साथ वर्ष की अवधि। इन रोगियों में कैंसर, अस्थमा और अन्य बीमारियों के साथ-साथ गंभीर शराब, नशीली दवाओं और धूम्रपान की लत वाले रोगी भी शामिल हैं। डॉ. हिट ने नशे की लत विकारों के लिए मूत्र संक्रमण का उपयोग करने और पूर्व-नुस्खे के संयोजन में बिना किसी दुष्प्रभाव के चौंकाने वाली सफलता की रिपोर्ट दी। दवाएं। मूत्र में पारित होने वाली दवाओं या दूषित पदार्थों की मात्रा इतनी कम है कि वे कोई खतरा पैदा नहीं करते हैं और वास्तव में, टीके-प्रकार के एजेंटों के रूप में कार्य करते हैं जो इस प्रकार के विकारों में सुधार या इलाज करते हैं। यह माइल्स लेबोरेटरीज से यूरिनलिसिस इन क्लिनिकल लेबोरेटरी प्रैक्टिस द्वारा भी समर्थित है, जिसमें लेखक कहते हैं कि गंभीर पारा विषाक्तता के मामले में भी, पारा की वास्तविक मात्रा मूत्र में पारित हो जाती है। जब इस प्रकार की स्थितियां मौजूद हों, तो भारी विषहरण से बचने के लिए 3-5 दिनों के लिए प्रति दिन मौखिक रूप से 1-5 बूंदों पर शुरू करें। आप चिकित्सा को कितनी अच्छी तरह सहन कर रहे हैं, इसके अनुसार प्रत्येक दिन बूंदों को एक या दो बढ़ाएं, धीरे-धीरे बढ़ाएं आपकी व्यक्तिगत स्थिति के लिए परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक राशि।

8. उपवास से पहले मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते समय अपने आहार में सुधार करें और मांस से बचें सामान्य तौर पर, आपके आहार में संतुलित मात्रा में साबुत अनाज, ताजी सब्जियां और कम मात्रा में लीन मीट और मछली शामिल होनी चाहिए। यदि आप बड़ी मात्रा में परिष्कृत खाद्य पदार्थ, चीनी, सोडा, कॉफी आदि खा रहे हैं, तो आपको मूत्र चिकित्सा का पूरा लाभ नहीं मिलेगा और यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका आहार कितना खराब है, आप अनुभव कर सकते हैं

Machine Translated by Google

सिरदर्द, मतली आदि के अप्रिय लक्षण, क्योंकि आपका शरीर अवांछित तत्वों को नियंत्रित और निष्कासित करता है। यदि आप केवल मूत्र की कुछ मौखिक बूंदों का उपयोग कर रहे हैं या दिन में एक या दो औंस का सेवन कर रहे हैं, तो आपके मांस का सेवन तब तक सामान्य रह सकता है जब तक आपका सामान्य सेवन मध्यम है। जैसा कि यूरिया और किडनी पर किए गए अध्ययनों से पता चला है (डॉ.

C. Giordano), यूरिया आपके शरीर को प्रोटीन को अधिक कुशलता से तोड़ने में मदद करता है, जिसका अर्थ यह हो सकता है कि मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते समय, आप प्रोटीन सेवन के बढ़े हुए लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि आप कम मांस और प्रोटीन के अन्य स्रोत खा रहे हैं। यह जानकारी शायद शाकाहारियों के लिए भी महत्वपूर्ण होगी जो नियमित मांस खाने वालों की तुलना में अपने भोजन में कम केंद्रित प्रोटीन स्रोतों पर भरोसा करते हैं। बड़ी मात्रा में पेशाब करते समय या उपवास की तैयारी करते समय अपने आहार में मांस को कम या कम करें, क्योंकि गहन मूत्र चिकित्सा और उच्च मांस के सेवन के संयोजन से शरीर में अतिरिक्त स्तर बढ़ सकता है।

9. डिटॉक्सिफाइंग लक्षण जब आप पहली बार

मूत्र चिकित्सा शुरू करते हैं, तो आप शुरू में सिरदर्द, मतली, दस्त, थकान, या त्वचा पर चकत्ते जैसे लक्षणों का अनुभव कर सकते हैं। अध्याय 4 में किए गए कई शोध अध्ययनों में, डॉक्टरों ने अक्सर अपने रोगियों में ऐसे लक्षण देखे, जो शरीर की प्राकृतिक प्रतिक्रियाएं हैं क्योंकि बीमारी और विकारों से जमा विषाक्त पदार्थों को शरीर से निकाल दिया जाता है। ये लक्षण आमतौर पर 24 से 36 घंटों के भीतर गायब हो जाते हैं। इसके अलावा, कुछ मौखिक बूंदों के साथ अपनी चिकित्सा शुरू करके, आप डिटॉक्सिफाडोन की गंभीरता से बच सकते हैं या कम कर सकते हैं। अगर तुम। बड़ी मात्रा में चिकित्सा शुरू कर दी है, और अप्रिय लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं, जो मात्रा आप ले रहे हैं उसे कम करें और छोटी खुराक के साथ जारी रखें। होम्योपैथिक उपचार और साधारण जड़ी-बूटियों का भी उपयोग किया जा सकता है और अक्सर सिरदर्द, मतली, दस्त आदि से छुटकारा पाने के लिए विषहरण के दौरान बहुत मदद मिलती है।

10. बच्चे कई शोध

अध्ययन, जैसे कि डीआरएस द्वारा किए गए। क्रेब्स, पाइश, डंकन, लुईस और ड्यून, विशेष रूप से उर्म थेरेपी वाले बच्चों के उपचार से निपटते हैं। बच्चों के लिए चिकित्सा का सबसे आसान आंतरिक रूप बच्चे के अपने ताजा मूत्र की मौखिक बूंदें हैं। जैसा कि अध्ययनों में उल्लेख किया गया है, तीव्र फ्लू, सर्दी, वायरल संक्रमण, खसरा, कण्ठमाला, चिकन पॉक्स, आदि के लिए, छोटे लगातार मौखिक

Machine Translated by Google

बीमारी के दौरान 1-10 बूंदों की खुराक को बहुत प्रभावी दिखाया गया है। एलर्जी के लिए, शोध अध्ययनों से संकेत मिलता है कि ताजा मूत्र की कई बूंदों को भोजन से पहले और बाद में मौखिक रूप से दिया जाना चाहिए जिसमें एलर्जी वाले खाद्य पदार्थ हों, या जब एलर्जी के लक्षण मौजूद हों। डॉ. ड्यूनी और लुईस बच्चों में एलर्जी के इलाज के लिए मूत्र चिकित्सा का उपयोग करने के लिए बहुत विशिष्ट, सरल निर्देश देते हैं जो उनकी रिपोर्ट में शामिल हैं। डॉ. ड्यून द्वारा सुझाई गई एक और बहुत प्रभावी विधि है बच्चे के मूत्र का एक होम्योपैथिक तनुकरण तैयार करना, जिसका उपयोग पूरी बीमारी या एलर्जी के हमले के दौरान किया जा सके। लक्षणों की शुरुआत में मूत्र एकत्र करें और होम्योपैथी और मूत्र चिकित्सा अनुभाग में दिए गए निर्देशों के अनुसार तैयार करें। शोध अध्ययनों से यह भी संकेत मिलता है कि मूत्र चिकित्सा की पहली कुछ खुराक के तुरंत बाद बीमारी के लक्षण अस्थायी रूप से बढ़ सकते हैं, लेकिन सभी मामलों में, ये लक्षण 24-48 घंटों के भीतर समाप्त हो जाते हैं। कान के संक्रमण के लिए, प्रभावित कान में ताजा, गर्म मूत्र की बूंदें उत्कृष्ट और अक्सर तात्कालिक परिणाम दे सकती हैं। आवश्यकतानुसार दोहराएं।

खुराक

रखरखाव खुराक आमतौर पर उन

लोगों द्वारा एक दैनिक मैमेंटेंस खुराक पर विचार किया जाता है जो नियमित रूप से मूत्र चिकित्सा का उपयोग सुबह के मध्य में मूत्र के एक से दो औंस के लिए करते हैं। लेकिन यह खुराक आपकी व्यक्तिगत स्थिति और जरूरतों के आधार पर प्रति दिन या हर दूसरे दिन 5-10 बूंदों जितनी कम हो सकती है। भारत के पूर्व प्रधान मंत्री जैसे मूत्र चिकित्सा के कई आजीवन उपयोगकर्ताओं ने टिप्पणी की है कि मूत्र चिकित्सा के नियमित उपयोग से ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने, उम्र बढ़ने को कम करने और बीमारी को रोकने में मदद मिलती है।

गंभीर, तीव्र और पुरानी बीमारियां कैंसर जैसी पुरानी या गंभीर बीमारियों

वाले लोगों के लिए, जॉन आर्मस्ट्रांग जैसे कुछ मूत्र चिकित्सा उपयोगकर्ता दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं कि आप जितना हो सके उतना पेशाब करें या दिन के दौरान जितना संभव हो सके कई दिनों तक, हालांकि, बहुत कम खुराक को भी प्रभावी बताया गया है। यदि आप बड़ी मात्रा में सेवन कर रहे हैं, उपवास कर रहे हैं या इस दौरान अपने ठोस भोजन का सेवन तेजी से कम कर रहे हैं तो गुर्दे पर बोझ कम हो जाता है और शरीर को पाचन के बजाय उपचार के लिए अधिक ऊर्जा का उपयोग करने की अनुमति मिलती है। यह

Machine Translated by Google

अधिकांश लोगों के लिए जॉन आर्मस्ट्रांग द्वारा सुझाए गए लंबे समय तक मूत्र उपवास करना बेहद अनुचित होगा, और एक से तीन दिनों के छोटे मूत्र और पानी के उपवास बहुत प्रभावी हो सकते हैं। रात को सोने से कुछ देर पहले इसका सेवन बंद कर दें ताकि शरीर आराम कर सके और सुबह उठते ही फिर से शुरू कर दें। यदि आप उपवास नहीं करना चाहते हैं, लेकिन आपको लगता है कि आपको अधिक मात्रा में पेशाब करने की आवश्यकता है, तो छोटे, सरल, हल्के भोजन करें, अधिमानतः, घर का बना ताजा बिना मसाले का सब्जी सूप। यदि आप लेसी चाहते हैं तो आपको अनाज की आवश्यकता है, सादा बाजरा या चावल, या साबुत अनाज, नमक मुक्त पटाखे का उपयोग करें।

उपवास के बारे में अधिक जानकारी है। लंबे समय से चली आ रही, कठिन परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से उपचार की लंबी अवधि की आवश्यकता हो सकती है।
मैंने अपने स्वयं के उपचार में जो पाया वह यह था कि मुझे शुरू में (लगभग 2 औंस 4-5 बार / दिन) हर दिन लगभग दो सप्ताह तक बड़ी मात्रा में निगलना पड़ता था, जिस बिंदु पर, मैंने छोटी लगातार खुराक पर स्विच किया (एक से दो औंस) एक और दो सप्ताह के लिए दिन में तीन से चार बार और फिर दिन में दो बार 1-2 औंस तक पतला हो जाता है, फिर हर दूसरे दिन, आदि। रखरखाव की खुराक प्रति दिन 5-10 बूंद है। यह मेरा दृष्टिकोण था, लेकिन आप पा सकते हैं कि आपकी व्यक्तिगत आवश्यकताएं-इन राशियों से अधिक या कम हैं।

यदि आप संक्रमण जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो पारंपरिक उपचार पूरी तरह से उपवास करना है या कम से कम एक दिन के लिए मूत्र की बार-बार खुराक लेते समय, या जब तक आपको ऐसा महसूस न हो, केवल हल्का भोजन जैसे घर का बना, बिना मसाले वाली सब्जी का शोरबा खाना है। आपका सुधार पूर्ण और स्थिर है। मैंने पाया है, जैसा कि कई अन्य लोगों ने पाया है, कि वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण से उबरने के तुरंत बाद बहुत अधिक खाने से एक रिलैप्स हो सकता है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप सामान्य रूप से फिर से खाना शुरू करने से पहले स्थिर महसूस कर रहे हैं। हमेशा हल्के खाद्य पदार्थ, घर का बना ताजा सब्जी सूप, फिर पटाखे, अनाज आदि धीरे-धीरे फिर से शुरू करके अपना उपवास तोड़ें।

आराम, आराम, आराम एक
बार जब आप एक गंभीर बीमारी से ठीक हो जाते हैं और बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त कर लेते हैं, तो मूत्र चिकित्सा की दैनिक रखरखाव खुराक और एक अच्छे आहार का अभ्यास जारी रखें। इसके अलावा, कभी भी अपने आप को लगातार थका हुआ या अधिक थका हुआ न होने दें। अधिकांश लोगों को एहसास होने की तुलना में लगातार उचित आराम स्वास्थ्य के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। और एक बार जब आप फिट> मा प्रमुखता से ठीक हो जाते हैं, तो आपको भरपूर आराम और विश्राम पाने के लिए बेहद सतर्क रहना चाहिए। मैंने बहुतों को देखा है

Machine Translated by Google

ऐसे उदाहरण जिनमें लोग उन्हें पूरी तरह से ठीक कर देते हैं - मूत्र चिकित्सा और प्राकृतिक उपचार के माध्यम से 'असाध्य' बीमारियों का भी इलाज करते हैं और कई वर्षों तक दूर रहते हैं, केवल उन सभी अच्छे को पूरी तरह से पूर्ववत करने के लिए जो उन्होंने अत्यधिक आत्मविश्वास से खुद को चरम सीमा पर धकेल कर हासिल किया है। उनका काम या मनोरंजन। इस त्रुटि के सबसे दुखद उदाहरणों में से एक, जो मुझे पता है, एक युवा, उज्ज्वल, दृढ़ निश्चयी एड्स रोगी का मामला था, जिसने बीमारी के सभी दृश्यमान और नैदानिक सबूतों से खुद को पूरी तरह से ठीक कर लिया था, लेकिन बाद में लगातार और लगातार अपनी मांग पर अधिक काम किया। कॉर्पोरेट नौकरी। आखिरकार, वह बीमार पड़ गया, फिर से बीमार हो गया और ठीक नहीं हो सका। हालांकि, एक अन्य मामले में, एक व्यक्ति जो एक गंभीर बीमारी से उबर चुका था, उसे अत्यधिक परिश्रम से एक विश्राम का अनुभव हुआ, लेकिन पूर्ण आराम और गहन मूत्र चिकित्सा ने एक उत्कृष्ट वसूली का नेतृत्व किया। लेकिन अपने आप को उस परीक्षा में क्यों डालें और अपने शरीर की कड़ी मेहनत से जीते गए मरम्मत कार्य को गंभीरता से कम करने का जोखिम उठाएं?

परिश्रमी मूत्र चिकित्सा आपको इतना नया जोश और ऊर्जा दे सकती है, कि अति आत्मविश्वास और अति करना आसान हो जाता है, जो सामान्य लोगों के लिए कोई बड़ी समस्या नहीं है। लेकिन बड़ी बीमारियों से उबरने वाले लोगों के लिए, थकावट जीवन भर के लिए खतरा पैदा कर सकती है, इसलिए अपने नए-नए स्वास्थ्य और अपनी प्राकृतिक प्रतिरक्षा सुरक्षा को भरपूर आराम, ताजी हवा, मध्यम व्यायाम और कम से कम तनाव से बचाएं।

गुर्दा विकार यदि आपके पास गुर्दा

संक्रमण का इतिहास या उपस्थिति है, तो आप मौखिक मूत्र चिकित्सा की प्रारंभिक मात्रा को छोटी खुराक तक सीमित कर सकते हैं जैसे कि दिन में एक या दो बार 1-5 बूंद, या होम्योपैथिक कमजोर पड़ने का उपयोग करें जैसा कि अनुभाग में वर्णित है . इस अध्याय में होम्योपैथी और मूत्र चिकित्सा। मांस का सेवन कम करें या खत्म करें। और चिकित्सा शुरू करने से पहले एसिड बनाने वाले खाद्य पदार्थ। इसके अलावा, पीएच स्ट्रिप्स के साथ अपने अम्लता के स्तर की जांच करें, और जब आपके एसिड का स्तर सामान्य या काफी कम हो जाए तो मूत्र चिकित्सा शुरू करें।

एलर्जी मूत्र

चिकित्सा और एलर्जी पर किए गए नैदानिक शोध अध्ययनों में, डन और विल्सन जैसे चिकित्सकों ने उत्कृष्ट परिणामों के साथ मौखिक बूंदों का उपयोग किया। निर्देशों के लिए इन अध्ययनों का संदर्भ लें और

Machine Translated by Google

फिर से, एक या दो बूंदों से शुरू करें और फिर धीरे-धीरे बूंदों की संख्या बढ़ाएं, या जैसा कि विल्सन सुझाव देते हैं, बूंदों को तब तक लें जब तक आप मूत्र के स्वाद या तापमान को महसूस न कर सकें। यदि आप जानते हैं कि आपकी एलर्जी क्या है, तो ऐसा खाना खाने से पहले बूँदें लें जिससे आपको एलर्जी है; यदि आपको नहीं पता कि आपको किस चीज से एलर्जी है, तो लक्षण दिखने पर तुरंत ताजा मूत्र की कई बूंदें लें और जब भी लक्षण दोबारा हों तो इस विधि को दोहराएं। डॉ. डन द्वारा वर्णित होम्योपैथिक मूत्र की तैयारी भी एलर्जी के लिए उत्कृष्ट हैं, क्योंकि आप एलर्जी के दीर्घकालिक उपचार के लिए एलर्जी के लक्षणों की ऊंचाई पर एकत्र किए गए मूत्र को संरक्षित कर सकते हैं। होम्योपैथिक मूत्र तैयार करने पर अनुभाग देखें।

फूड पॉइज़निंग कई शोध
अध्ययनों से पता चलता है कि यूरिया एक सिद्ध एंटी बैक्टीरियल एजेंट (डॉ। श्लेगल, केए, वीनस्टीन आदि) है, और मूत्र में संक्रमित व्यक्तियों (लेमर और रेमिंगटन) में साल्मोनेला बैक्टीरिया जैसे खाद्य संदूषकों के प्रति एंटीबॉडी पाए गए हैं।) 1-5 बूंद लेकर शुरुआत करें। सहन के रूप में खुराक बढ़ाएं।

उपवास मूत्र
पर उपवास एक उत्कृष्ट चिकित्सा है जो असाधारण परिणाम दे सकती है, विशेष रूप से असाध्य रोगों और कठिन पुरानी स्थितियों के लिए, लेकिन हमेशा तेजी से धीरे-धीरे काम करती है। दो से तीन सप्ताह के लिए मौखिक बूंदों से शुरू करें, अगले दो या तीन सप्ताह के दौरान अपनी खुराक को 1 से 3 औंस तक बढ़ाएं, और अगले सप्ताह उपवास शुरू करें। उपवास से कम से कम तीन दिन पहले मांस का सेवन बंद कर दें। जब मैंने पहली बार मूत्र चिकित्सा शुरू की, तो मैं इतनी गंभीर रूप से बीमार थी कि इतनी अलग-अलग स्थितियों और इतने तीव्र दर्द में, कि मैं अकेले मूत्र और पानी पर एक सप्ताह के उपवास में भाग गया।

लेकिन मैं इस दृष्टिकोण की अनुशंसा नहीं करता क्योंकि मैंने पाया है कि अच्छे "परिणाम प्राप्त करने के लिए थेर-एपी में भागना जरूरी नहीं है। अपने शरीर को बहुत तेज़ी से धक्का देने से सिरदर्द, बुखार जैसे गंभीर डिटॉक्सिफाइंग लक्षण पैदा हो सकते हैं। , मतली, अवसाद, या थकान जिसे आप कम कर सकते हैं या इससे बच सकते हैं। बस प्रतिदिन कुछ मौखिक बूंदों के साथ चिकित्सा को धीरे-धीरे समायोजित करें।

उपवास के दौरान, दिन में जितना पेशाब करें, उतना ही निगलें, जब तक कि वह पूरी तरह से प्रिय न हो जाए; कुछ घंटों के लिए खाना बंद कर दें

Machine Translated by Google

और फिर फिर से शुरू करें। रात में अपना सेवन कम या बंद कर दें और सुबह उठते ही फिर से शुरू करें। यदि वांछित हो तो ठंडे पानी या बर्फ-चिप्स के छोटे घूंट के साथ वैकल्पिक मूत्र का सेवन करें। जितना प्यास लगे उतना पानी पिएं, और हर समय अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहें, लेकिन अधिक मात्रा में पानी जबरदस्ती न पिएं; जैसा कि शोध से पता चलता है (केए और श्लेगल), यह मूत्र को पतला कर सकता है, और यूरिया की एंटी-बैक्टीरियल क्रिया को कम कर सकता है। पेशाब करने के अलावा जबरदस्ती पानी पीने से भी किडनी पर दबाव पड़ सकता है। यूरिन फास्टिंग को यूरिन स्किन मसाज के साथ मिलाएं, खासकर चेहरे, गर्दन और पैरों पर। जॉन आर्मस्ट्रांग ने इस पद्धति पर जोर दिया क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि यह उपवास के दौरान शरीर को अतिरिक्त पोषण देता है और संभावित सिरदर्द और मतली को समाप्त करता है। मालिश भी ताज़ा होती है और त्वचा को प्रिय और मुलायम बनाती है। उपवास तोड़ते समय, एक साधारण घर का बना ताजा सब्जी का सूप शोरबा खाने से शुरू करें जैसे कि ताजा काले, गाजर, ताजा हरी लीक, स्कैलियन टॉप और थोड़ा ताजा अदरक से बना। नमक या मसाला न डालें। एक या दो दिन के लिए केवल शोरबा, अगले दिन शोरबा और सब्जी खाएं, और अगले कुछ दिनों में धीरे-धीरे अधिक सब्जियां और चावल और बाजरा जैसे कार्बोहाई-ड्रेट्स जोड़ना शुरू करें। उपवास की छोटी अवधि (1-3 दिन) शरीर की सफाई और उपचार के लिए एक अत्यंत प्रभावी तरीका हो सकता है; लंबे उपवास हमेशा सावधानी और पर्यवेक्षण के साथ किए जाने चाहिए।

होम्योपैथी और मूत्र चिकित्सा मूत्र चिकित्सा का उपयोग करने
के दौरान, मैंने पाया कि विशेष रूप से होम्योपैथिक दवाओं के साथ चिकित्सा का संयोजन सबसे कठिन, सबसे जिद्दी पुरानी स्थितियों के लिए भी अविश्वसनीय परिणाम दे सकता है। गंभीर रूप से कमजोर, दुर्बल, कालानुक्रमिक रूप से बीमार व्यक्ति अक्सर सामान्य रूप से सहायक हर्बल, विटामिन, खनिज और अन्य औषधीय तैयारी के लिए अत्यधिक संवेदनशीलता विकसित करते हैं, लेकिन होम्योपैथिक दवाओं को बहुत अच्छी तरह से सहन करने में सक्षम होते हैं।

होम्योपैथिक दवाएं पौधों, खनिजों आदि जैसे बेहद पतला प्राकृतिक उप-पद हैं जो शरीर में एक उपचार प्रतिक्रिया को धीरे-धीरे उत्तेजित करते हैं। पानी के साथ एक विशेष प्राकृतिक पदार्थ की एक मिनट की मात्रा को पतला करके एक होम्योपैथिक दवा तैयार की जाती है; तनुकरण को कई धुनों पर हिलाया जाता है और फिर परिरक्षक के रूप में घोल में अल्कोहल मिलाया जा सकता है। आप होम्योपैथिक दवा को उसके तरल रूप में, या एक छोटी सुक्रोज गोली के रूप में ले सकते हैं

Machine Translated by Google

जिसे द्रव्य से भर दिया गया हो।

होम्योपैथिक मूत्र , एलर्जी शोधकर्ता
डॉ. नैन्सी ड्यूने ने बताया कि उनके सहयोगी डॉ. मुरली ने उत्कृष्ट परिणामों के साथ होम्योपैथिक कमजोर पड़ने के रूप में मूत्र का उपयोग किया। होम्योपैथिक मूत्र बच्चों के लिए उत्कृष्ट है और अत्यधिक संवेदनशीलता वाले लोगों के लिए सहायक हो सकता है। यह पहले चरण या बीमारी की शुरुआत के दौरान एकत्र किए गए मूत्र को संरक्षित करने का एक साधन भी प्रदान करता है, जिस समय मूत्र एंटीबॉडी और प्रतिरक्षा रक्षा एजेंटों को सबसे अधिक और सक्रिय होने की सूचना दी जाती है।

पूर्व-तैयार होम्योपैथिक यूरिया भी खरीदा जा सकता है, हालांकि इसमें केवल यूरिया होगा और संपूर्ण मूत्र होम्योपैथिक तैयारी के एंटीबॉडी या प्रतिरक्षा कारक नहीं होंगे।

होम्योपैथिक दवाओं के चयन और उपयोग के लिए पारंपरिक पुस्तक को मटेरिया मेडिका कहा जाता है, जिसमें उनके उपयोग के लिए उपचार और दवाओं की एक सूची होती है। इन सूचियों को रिपर्टरीज के रूप में संदर्भित किया जाता है, जैसे कि बोएरिक के रिपर्टके और केंट की रिपर्टरी। ये पुस्तकें वास्तव में उपयोग करना सीखने में बहुत आनंददायक हैं, और विशेष रूप से Boerickc की रिपर्टरी आपको लगभग हर विकार के लिए बहुत विशिष्ट, प्रभावी उपचार के लिए मार्गदर्शन कर सकती है।

डॉ. डन ने बताया कि होम्योपैथिक खुराक ओइ उर्म तैयार करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया का उपयोग डॉ. मुरली द्वारा किया गया था, और उल्लेखनीय उपचार का उत्पादन किया था: 1. एक बाँझ बोतल में आसुत जल के 5 मिस (एक औंस का 1/6) ताजा मूत्र की एक बूंद डालें।

2. बोतल को कैप करें और 50 बार जोर से हिलाएं (यह पहला पतलापन है)।

3. इस मिश्रण की एक बूंद लें और इसमें 5 मिस (1/6 आउंस) आसुत जल मिलाएं; 50 बार हिलाएं।

4. इस मिश्रण की एक बूंद लें और 80 से 90 प्रूफ वोदका के 5 मिस (1/6 ऑउंस) में मिलाएं जो एक परिरक्षक के रूप में कार्य करता है।
5. लक्षणों में स्पष्ट सुधार या अस्थायी रूप से तेज होने तक जीभ के नीचे प्रति घंटा तीन बूंदें डालें। जैसे-जैसे सुधार आगे बढ़ता है, बीच के अंतराल को लंबा करें

Machine Translated by Google

उपचार। 3 दिनों के बाद, प्रतिरक्षा प्रणाली को धक्का देने से बचने के लिए उपचार रोक दें। यदि प्रगति स्थिर रहती है या विश्राम होता है तो उपचार फिर से शुरू किया जाता है।

शुरुआती लोगों के लिए जो होम्योपैथी का उपयोग करने के बारे में अनिश्चित महसूस करते हैं, होम-ओपेथी के माध्यम से आत्म-देखभाल के लिए एक समग्र परिचय के रूप में मुझे मिली सबसे अच्छी किताब डॉ एंड्रयू लॉकजे द्वारा होम्योपैथी, लक्षण और प्राकृतिक समाधान के लिए फैनफिली गाइड है। यह एक जबरदस्त व्यापक स्व-सहायता मार्गदर्शिका है जो शरीर के कार्य करने के तरीके, विशिष्ट बीमारियों और विकारों को कैसे और क्यों अनुबंधित करती है, और कौन से होम्योपैथिक उपचार शरीर की प्राकृतिक चिकित्सा को सर्वोत्तम रूप से बढ़ाएंगे, इसके मूल सिद्धांतों का परिचय देते हैं। यह पुस्तक मूत्र चिकित्सा के लिए एक असाधारण सहायक है और इसमें कई प्रकार के विकारों के बारे में सहायक सामग्री है जो मुझे कहीं और नहीं मिली।

होम्योपैथी का उपयोग करते समय, आपके पास दो अलग-अलग तनुकरणों का विकल्प होता है जिन्हें "x" शक्तियाँ या "c" शक्तियाँ कहा जाता है। "एक्स" शक्तियाँ व्यावसायिक रूप से स्वास्थ्य खाद्य भंडार आदि में बेची जाती हैं। मैंने पाया है कि सी शक्तियाँ घरेलू उपयोग के लिए उत्कृष्ट हैं, क्योंकि उनका प्रभाव व्यावसायिक तैयारियों की तुलना में अधिक स्पष्ट लगता है; कई होम्योपैथिक डॉक्टर भी "सी" शक्ति को पसंद करते हैं।

होम्योपैथिक दवाएं सुरक्षित हैं और कोई दुष्प्रभाव नहीं पैदा करती हैं।
इन दवाओं को एफडीए द्वारा अनुमोदित माना जाता है, क्योंकि इनका व्यापक रूप से अमेरिका में पहले सदी में उपयोग किया गया था और इसलिए अनुमोदित चिकित्सा उपचारों की एफडीए सूची में "दादा" थे; कुछ होम्योपैथिक उपचार स्वास्थ्य खाद्य भंडार में बेचे जाते हैं या होम्योपैथिक डॉक्टर या कैटलॉग से प्राप्त किए जा सकते हैं।

मूत्र चिकित्सा के साथ होम्योपैथी का संयोजन, मेरे लिए, विभिन्न प्रकार के गंभीर विकारों के साथ-साथ हल्के विकारों जैसे सिरदर्द, सर्दी, अपच, आदि के लिए अविश्वसनीय रूप से प्रभावी था। मूत्र चिकित्सा के साथ होम्योपैथी का उपयोग करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए, आप इसका भी उल्लेख कर सकते हैं होम्योपैथी के साथ हीलिंग योरसेल्फ नामक पुस्तक मैंने लिखी है।

बाहरी उपयोग

त्वचा अनुप्रयोग

मूत्र को त्वचा पर लगाना हर किसी के लिए एक उत्कृष्ट उपचार है

Machine Translated by Google

सभी प्रकार के चकत्ते, एक्जिमा, सोरायसिस, मुँहासे, आदि सहित त्वचा विकार का कल्पनाशील प्रकार। मूत्र में यूरिया, जैसा कि शोध अध्ययनों से पता चला है, समग्र त्वचा ब्यूटीफायर और मॉइस्चराइजर के रूप में कॉस्मेटिक उपयोग के लिए भी उत्कृष्ट है।

1. त्वचा के अनुप्रयोगों के लिए ताजा या पुराने मूत्र का प्रयोग करें, हालांकि पुराने मूत्र में अमोनिया की मात्रा अधिक होती है और यह कई जिद्दी त्वचा विकारों जैसे एक्जिमा या सोरायसिस के इलाज में अधिक प्रभावी पाया गया है।

2. एक्जिमा, सोरायसिस, रैशेज आदि जैसे त्वचा विकारों का इलाज करते समय, एक रुई या पैड पर थोड़ी मात्रा में मूत्र डालें और प्रभावित क्षेत्र पर हल्के से थपथपाएं या मालिश करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि क्षेत्र अच्छी तरह से संतृप्त है।

3. पैड को त्यागें और एक और साफ पैड को ताजा मूत्र से संतृप्त करें और फिर से लगाएं, हल्के से थपथपाएं और प्रभावित क्षेत्र को भिगो दें।
5-10 मिनट के लिए या जितनी बार चाहें उतनी बार इस तरह से पुन: आवेदन करना जारी रखें - जितना अधिक प्रभावित क्षेत्र का इलाज किया जाता है, उतना ही बेहतर होता है।

4. प्रभावित क्षेत्र में एक साफ भीगे हुए पैड को धुंध या रुई के आवरण से सुरक्षित करें और अतिरिक्त उपचार के लिए कई घंटों के लिए सुरक्षित छोड़ दें। ये मूत्र पैक किसी भी प्रकार के कीट के डंक, काटने या जहर ओक या आइवी के लिए भी अविश्वसनीय रूप से प्रभावी हैं। (मूत्र पैक और संपीड़न देखें)।

5. एक और तरीका है कि पुराने या ताजा मूत्र को साफ, प्लास्टिक स्प्रे बोतल में डालें और दाने, एक्जिमा आदि का छिड़काव करें।

त्वचा की मालिश हमेशा
चेहरे, गर्दन और पैरों पर त्वचा की मालिश के साथ मौखिक मूत्र चिकित्सा के अपने उपयोग को बढ़ाएं
जॉन आर्मस्ट्रांग ने इस अभ्यास की सिफारिश की, विशेष रूप से एक तीव्र स्थिति के लिए उपवास करते समय, और जो लोग इसका उपयोग करते हैं, वे इसकी कसम खाते हैं। इन मालिशों में टोनिंग, ताज़ा, आराम प्रभाव पड़ता है और कहा जाता है कि त्वचा के माध्यम से मूत्र पोषक तत्वों के क्रमिक अवशोषण की अनुमति मिलती है। पुराने या ताजे मूत्र को एक चौड़े, उथले कंटेनर में डालें और अपने हाथों को तरल में डुबोएं। अतिरिक्त हिलाएं, फिर शरीर पर कहीं भी त्वचा के एक छोटे से क्षेत्र में तब तक जोर से मालिश करें जब तक कि हाथ और त्वचा सूख न जाए। हाथों को फिर से गीला करें और सूखने तक दूसरे क्षेत्र की मालिश करना शुरू करें; इस चरण को तब तक दोहराएं जब तक कि सभी त्वचा क्षेत्रों में अच्छी तरह से मालिश न हो जाए। गर्म पानी से धो लें। अत्यधिक बुजुर्ग या कमजोर व्यक्तियों पर इन मालिशों का प्रयास न करें। भी,

Machine Translated by Google

सुनिश्चित करें कि आप मालिश के लिए सामान्य मूत्र का उपयोग करें। यदि आपका अपना मूत्र काला, मैला या असामान्य दिखने वाला है, तब तक प्रतीक्षा करें जब तक कि आप दो या तीन दिनों के दौरान आंतरिक रूप से मूत्र का उपयोग नहीं कर लेते हैं, उस समय मूत्र आमतौर पर स्पष्ट दिखाई देता है और फिर मालिश के लिए उपयोग किया जा सकता है। आपके अलावा किसी सामान्य स्वस्थ व्यक्ति के मूत्र का उपयोग आपकी बाहरी मालिश के लिए भी किया जा सकता है। यदि आप भारी धूम्रपान करने वाले हैं, या चिकित्सीय या मनोरंजक दवाएं ले रहे हैं, तो बाहरी या आंतरिक रूप से अपने स्वयं के मूत्र का उपयोग न करें (या केवल बहुत कम मात्रा में उपयोग करें)।

कॉस्मेटिक अनुप्रयोग 1. कॉस्मेटिक उपयोग या

मॉइस्चराइजिंग के लिए, एक या दो दिन के लिए अपने हाथ में बहुत कम मात्रा में न ही खराब ताजा मूत्र या उर्म डालें और सूखने तक त्वचा में हल्की मालिश करें; फिर अपने हाथ में अतिरिक्त मूत्र डालें, इसे त्वचा के दूसरे क्षेत्र में सूखने तक मालिश करें और इसी तरह।

2. पूरा होने पर गर्म पानी से अच्छी तरह कुल्ला, लेकिन साबुन के बिना धो लें। आपकी त्वचा स्वाभाविक रूप से थोड़ी आदी है, और यह प्राकृतिक शुष्कता आमतौर पर साबुन से नष्ट हो जाती है जो सभी क्षारीय होते हैं और त्वचा के प्राकृतिक सुरक्षात्मक जोड़ को कम कर देते हैं।

3. आप मालिश के बाद एक moLsturizer लगा सकते हैं, लेकिन सुनिश्चित करें कि यह एक सरल, प्राकृतिक है जिसमें बहुत अधिक सुखाने वाली शराब या अन्य रसायन नहीं हैं। इसके अलावा, आप हर बार क्रीम लगाने पर अपनी मॉइस्चराइजिंग क्रीम की थोड़ी मात्रा में मूत्र की कुछ बूँदें मिला सकते हैं।

जैसा कि शोध अध्ययनों से पता चलता है, यूरिया त्वचा की पानी की मात्रा को भर देता है क्योंकि यह हाइड्रोजन बांधता है और त्वचा को नमी इस तरह आकर्षित करता है कि कोई खनिज तेल या ग्लिसरीन-आधारित लोशन या

क्रीम कर सकते हैं।

मूत्र मालिश के एक भी उपचार के बाद आप अपनी त्वचा की कोमलता और सुंदरता पर बिल्कुल चकित रह जाएंगे। पुरानी मृत त्वचा तुरंत निकल जाती है, और आपकी त्वचा आश्चर्यजनक रूप से कोमल, गुलाबी हो जाती है और समय के साथ झुर्रियां भी गायब हो जाएंगी। वैरिकाज़ नसों और अल्सर को खत्म करने के लिए मूत्र मालिश की भी सूचना मिली है।

मूत्र पैक और संपीड़ित

त्वचा संबंधी विकार

मूत्र पैक एक्जिमा जैसे त्वचा विकारों के लिए अतिरिक्त उपचार देते हैं,

Machine Translated by Google

सोरायसिस, एथलीट फुट, दाद, ज़हर आइवी और ओक, आदि मूत्र मालिश और सोख के अलावा; 1. धुंध वाली पट्टी या रुई के गोले को ताजा या पुराने मूत्र में भिगोएँ और उन्हें प्रभावित क्षेत्रों पर रखें।

2. यूरिन पैक को हल्के प्लास्टिक (जैसे सरन-रैप) से ढक दें और धुंध की पट्टियों से बांध दें।

3. पैक को यथासंभव लंबे समय तक रखने की कोशिश करें, विशेष रूप से अधिक, गंभीर स्थितियों के साथ। पैक को गीला रखने के लिए हर कुछ घंटों में एक दवा ड्रॉपर के साथ पैक में अतिरिक्त मूत्र जोड़ें।

काटने और डंक मारने वाले सभी

कीड़ों के काटने और डंक मारने की परेशानी से राहत पाने के लिए यूरिन पैक बेहद उपयोगी और प्रभावी हैं।

जब मैं पहली बार एरिज़ोना गया, तो मुझे एक बिच्छू ने पैर में काट लिया था। मेरा पैर तुरंत अपने आकार से लगभग दोगुना हो गया और अविश्वसनीय रूप से दर्द हो रहा था। मैं अपने आप को घसीटकर घर में ले गया, एक भीगा हुआ यूरिन पैक लगाया और उसे जगह पर बांध दिया। 15 मिनट के भीतर, दर्द गायब हो गया था और सूजन काफी कम हो गई थी। मैंने इस पैक को रात भर लगा रखा और सुबह जब मैंने इसे हटाया, तो सूजन और लाली पूरी तरह से गायब हो गई थी। इस विधि से मधुमक्खी के डंक और मच्छर के काटने का दर्द और जलन भी आश्चर्यजनक रूप से दूर हो जाती है।

जहरीले सांप के

काटने पर भी सांप के काटने पर यूरिन पैक का तुरंत इस्तेमाल करना चाहिए। घाव को ऊपर उठाने और यदि संभव हो तो जहर निकालने के लिए आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा निर्देशों का पालन करें। फिर घाव पर ताजा सामान्य मूत्र लगाएं और उस पर अच्छी तरह से भीगा हुआ मूत्र पैक सुरक्षित करें। पैक को तब तक गीला रखें जब तक चिकित्सकीय सहायता न मिल जाए।

ग्रोथ और ट्यूमर आर्मस्ट्रांग ने आंतरिक

और बाहरी ट्यूमर, सिस्ट और असामान्य वृद्धि की एक विस्तृत विविधता को कम करने और उन्मूलन में मूत्र संपीड़न के उल्लेखनीय प्रभावों पर बड़ी लंबाई में रिपोर्ट की।

1. किसी भी प्रकार की असामान्य वृद्धि के इलाज के लिए आंतरिक मूत्र चिकित्सा के साथ कंप्रेस का उपयोग किया जाना चाहिए।
2. एक सेक तैयार करने में, साफ सफेद मुड़ी हुई सूती सामग्री (जैसे एक पुरानी टी-शर्ट) के मोटे पैड का उपयोग करें।

Machine Translated by Google

3. पैड को ताजा या पुराने मूत्र के कंटेनर में भिगो दें। मूत्र को कांच के कंटेनर में डालकर गर्म करें, फिर जार को गर्म पानी के कंटेनर में रखें। लेटते समय, प्रभावित क्षेत्र पर गीला सेक रखें और एक साफ मुड़े हुए तौलिये से ढक दें। सेक को यथासंभव लंबे समय तक लागू रखें, कंप्रेस को गीला रखने के लिए आवश्यकतानुसार गर्म मूत्र को फिर से लगाएं। कई आंतरिक गड़बड़ी और गठिया और आमवाती दर्द के लिए मूत्र संपीड़न को भी प्रभावी बताया गया है।

घाव, जलन और खरोंच जैसा कि कई शोध और नैदानिक

अध्ययनों से पता चला है, यूरिया एक अत्यधिक प्रभावी एंटी-बैक्टीरियल एजेंट है और सभी प्रकार के घावों और जलन के लिए एक उत्कृष्ट उपचार उपचार है। खुले घावों के इलाज के लिए ताजा, सामान्य मूत्र का प्रयोग करें।

1. ताजा मूत्र के साथ एक मोटी धुंध पट्टी या कपास पैड को संतृप्त करें, इसे घाव या नितंब पर रखें और इसे अतिरिक्त धुंध से सुरक्षित करें; रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक या मुलायम तौलिये से ढक दें।

2. साफ मेडिडने ड्रॉपर के साथ ताजा मूत्र को सीधे मौजूदा इनसाइड कंप्रेस पर दोबारा लगाएं। जितनी बार हो सके ताजा सेक को दोबारा लगाएं। मूत्र को दाग-धब्बों को रोकने के लिए भी जाना जाता है, इसलिए जब तक उपचार पूरा न हो जाए, तब तक या जितनी बार संभव हो, यूरिन पैक को लगा कर रखें। बहुत से लोगों ने आश्चर्यजनक परिणामों के साथ जलने और कटने पर यूरिन कंप्रेस लगाया है। दर्द जल्दी से दूर हो जाता है और जलन या घाव बिना दाग के तेजी से ठीक हो जाता है।

आँख और नाक की बूंदें उन लोगों की

रिपोर्टें हैं जिन्होंने आंखों और नाक की बूंदों के लिए, आंखों की खुजली या सूजन से राहत के लिए, या नाक बंद के लिए उर्म ड्रॉप्स का उपयोग किया है। दोनों ही मामलों में, सुनिश्चित करें कि आप केवल ताजा, स्पष्ट, सामान्य मूत्र का उपयोग कर रहे हैं और मूत्र का अम्लता कारक सामान्य है (इस अध्याय में अपने पीएच की निगरानी पर पिछला अनुभाग देखें)। इसके अलावा, सुनिश्चित करें कि आई ड्रॉपर के लिए आप जिस आई ड्रॉपर का उपयोग कर रहे हैं वह निष्फल है। बाहरी आंखों की सूजन जैसे कि स्टाइल के लिए ताजा सामान्य मूत्र का एक सेक भी उत्कृष्ट है।

मूत्र चिकित्सा के बारे में प्रश्न और उत्तर

Machine Translated by Google

1. क्या मेरे डॉक्टर यूरिया का प्रबंध कर सकते हैं, जैसा कि अध्ययन में शोधकर्ताओं ने किया था?

मूत्र निकालने, यूरिया, एफडीए द्वारा अनुमोदित है और आपके डॉक्टर द्वारा प्रशासित किया जा सकता है। यदि आपके डॉक्टर यूरिया के नैदानिक अनुप्रयोग पर शोध अध्ययनों में निहित अतिरिक्त जानकारी चाहते हैं, तो आपकी अपनी संपूर्ण चिकित्सा के लिए एक चिकित्सक की मार्गदर्शिका उपलब्ध है। जैसा कि शोध अध्ययनों से संकेत मिलता है, मौखिक या इंजेक्शन वाले यूरिया को उन मामलों के इलाज में बेहद प्रभावी और सुरक्षित दिखाया गया है जहां अतिरिक्त द्रव उत्पादन एक समस्या है (पृष्ठ 99-103 देखें)।

यूरिया के एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और मूत्रवर्धक गुण। यूरिया और मूत्र चिकित्सा से संबंधित शोध निष्कर्षों से अवगत होने के बाद, प्राकृतिक मूत्र चिकित्सा के साथ यूरिया का उपयोग करने पर आपके डॉक्टर के साथ चर्चा की जा सकती है।

2. मूत्र इंजेक्शन के बारे में क्या?

कई लोगों ने मुझसे मूत्र इंजेक्शन की प्रभावकारिता के बारे में पूछा है, और जैसा कि आपने देखा है, अध्याय 4 में प्रस्तुत कई शोध अध्ययनों ने चिकित्सा के हिस्से के रूप में मूत्र के इंजेक्शन का उपयोग किया है। लेकिन डॉक्टरों ने गैर-आपातकालीन मामलों में भी समान रूप से अच्छे परिणामों के साथ मौखिक मूत्र या यूरिया थेरेपी का उपयोग किया है और मूत्र इंजेक्शन में इंजेक्शन के स्थान पर कभी-कभी लालिमा और सूजन का दुष्प्रभाव बताया गया है, जो निश्चित रूप से, मौखिक चिकित्सा के साथ नहीं होता है। मौखिक मूत्र चिकित्सा धीमी आवेदन और अवशोषण की अनुमति देती है जो किसी भी संभावित डी-टॉक्सिफाइंग लक्षणों को कम कर सकती है। इंजेक्शन शरीर में पदार्थ के क्रमिक समायोजन की अनुमति के बिना, शरीर में औषधीय पदार्थों का अचानक, जबरन परिचय देते हैं। हालांकि, जब तक कोई आपातकालीन स्थिति न हो, तब तक शरीर में किसी औषधीय पदार्थ के अचानक जबरदस्ती करने की कोई आवश्यकता नहीं है। कि इसकी आवश्यकता है।

मूत्र चिकित्सा, या किसी भी चिकित्सा चिकित्सा का धीरे-धीरे परिचय हमेशा महत्वपूर्ण होता है, लेकिन इससे भी अधिक यदि आपके पास खराब पोषण या पुरानी, गंभीर बीमारियां हैं जो शरीर को कमजोर करती हैं और

Machine Translated by Google

सिस्टम में जहर और विषाक्त पदार्थों को बढ़ावा देना। एक नई चिकित्सा का परिचय बहुत तेजी से एक कमजोर कमजोर प्रणाली पर दबाव डालता है और विषाक्त पदार्थों की अचानक रिहाई का कारण बन सकता है जो आपको अनावश्यक रूप से बीमार महसूस कर सकता है। जैसा कि नैदानिक अध्ययनों से पता चला है, मौखिक मूत्र या यूरिया गैर-आपातकालीन मामलों के लिए उतना ही प्रभावी हो सकता है जितना कि इंजेक्शन वाला मूत्र। और, जैसा कि डॉक्टरों ने स्वयं टिप्पणी की है, मौखिक मूत्र चिकित्सा का उपयोग बिना किसी अनावश्यक लागत के घर पर सुरक्षित और प्रभावी ढंग से किया जा सकता है- और डॉक्टर के कार्यालय की यात्रा की असुविधा, जबकि इंजेक्शन को डॉक्टर की देखरेख में तत्काल आवश्यकता वाले लोगों के लिए आरक्षित किया जा सकता है।

हालांकि, अगर आपकी स्थिति बेहद गंभीर है, तो निश्चित रूप से यूरिन इंजेक्शन से फायदा हो सकता है। डॉ. विलियम हिट (जिनके बारे में पहले उल्लेख किया गया है) मेक्सिको में दो यूरिन थेरेपी सिमिक्स चलाते हैं और उल्लेखनीय सफलता के साथ गंभीर रूप से HI रोगियों को सैकड़ों हजारों इंजेक्शन दिए हैं।

डॉ. हिट के क्लीनिक के बारे में अधिक जानकारी के लिए 1-800-80Q-8849 पर कॉल करें।

4. क्या बहुत अधिक यूरिक एसिड या यूरिया हानिकारक हो सकता है?

जैसा कि कई डायनिकल अध्ययनों से पता चला है, यूरिया, यहां तक कि बड़ी मात्रा में, शरीर के लिए हानिकारक पाया गया है, शोधकर्ताओं, (यूरिया - एक पुराने एजेंट का नया उपयोग) ने बताया कि उन्होंने कई रोगियों को एक दिन के लिए सुरक्षित रूप से यूरिया दिया। कई दिनों से लेकर हफ्तों तक, और कुछ मामलों में, कई महीनों तक, बिना किसी दुष्प्रभाव के, 100 मिलीग्राम से लेकर खुराक में। शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम 600 मिलीग्राम तक। शरीर के वजन का प्रति किलोग्राम। डेकॉक्स, एट। अल, (मौखिक यूरिया के साथ SIADH का 5-वर्षीय उपचार), अतिरिक्त पानी और नमक प्रतिधारण (हाइपोनेट्रेमिया) वाले रोगी के लिए 5 साल से अधिक के लिए 30 ग्राम / दिन निर्धारित किया जाता है, और कभी-कभी निर्धारित खुराक प्रति दिन 60-90 ग्राम तक होती है। साइड इफेक्ट के बिना एक या दो दिन। सामान्य मूत्र में लगभग 2% यूरिया होता है, और आप सामान्य रूप से लगभग 24.5 ग्राम / दिन का उत्सर्जन करते हैं, जो कि अभी बताई गई खुराक से काफी कम है। तो समान। ii आपने दिन के दौरान जितना पेशाब किया, (लगभग 25 ग्राम यूरिया) का सेवन किया, यह मात्रा ऊपर बताई गई खुराक से बहुत कम है, विशेष रूप से इस तथ्य को देखते हुए कि आप हर बार पेशाब नहीं कर रहे होंगे। लंबे समय तक दिन। यूरिक एसिड, जिसे आमतौर पर शरीर का एक जहरीला अपशिष्ट उत्पाद माना जाता है, शोधकर्ताओं द्वारा वास्तव में कैंसर और उम्र बढ़ने के खिलाफ एक प्राकृतिक शरीर की रक्षा के रूप में पाया गया है, जिससे हमें

Machine Translated by Google

अन्य स्तनधारियों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहते हैं (ओमनी पत्रिका लेख, 1982)। ज्यादातर लोग सोचते हैं कि यूरिक एड गाउट का कारण बनता है, लेकिन कड़ाई से बोलते हुए, यह यूरिक एड अकेले नहीं है जो गाउट का कारण बनता है, बल्कि शरीर में एक समग्र, चल रही और पुरानी अधिकता है जो कई अलग-अलग कारकों के कारण हो सकती है, जिसमें अनुचित, अत्यधिक- शुष्क आहार, गुर्दे, यकृत और अधिवृक्क विकार, मोटापा, मधुमेह, पुराना तनाव, कम खाना (एनोरेक्सिया), आदि।

आम तौर पर, यूरिन में मौजूद यूरिक एड की मात्रा यूरिन थेरेपी के दौरान कोई समस्या नहीं होती है, क्योंकि शरीर उस मात्रा को बाहर निकाल देगा जिसकी उसे जरूरत नहीं है। हालांकि, जब अतिरिक्त एसिड को बाहर निकालने की शरीर की क्षमता क्षीण होती है, तो निश्चित रूप से, यूरिक शुष्क उत्सर्जन भी बिगड़ा हुआ है। यदि आपने खिलाया है कि आपको पुरानी, चल रही अधिकता की समस्या है (इस अध्याय में शुष्क / क्षारीय स्तर की निगरानी पर अनुभाग देखें), सुनिश्चित करें कि आप मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते समय मांस को कम या समाप्त करते हैं। इसके अलावा, अधिक क्षारीय खाद्य पदार्थ खाने और मूत्र चिकित्सा शुरू करने से पहले और बाद में शुष्क खाद्य पदार्थों को कम करके अपने आहार में सुधार करें। यह निर्धारित करने के लिए कि आपका पीएच सामान्य या अधिक संतुलित स्थिति में कब वापस आ गया है, पीएच स्ट्रिप्स के साथ अपने ऐड/क्षारीय स्तर की निगरानी करें। पुरानी एडोसिस (अत्यधिक अम्लता) के मामलों में, विस्तारित मूत्र उपवास न करें या लंबे समय तक बड़ी मात्रा में निगलना न करें।

शुरू करने के लिए मौखिक बूंदों का प्रयोग करें; दिन में एक बार 1-2 बूंदों से शुरू करें, और धीरे-धीरे 5-10 बूंदों तक दिन में दो से चार बार बढ़ाएं, एक से तीन सप्ताह तक, आपकी आवश्यकता के आधार पर। अपने पीएच स्तर और अपने लक्षणों की निगरानी करें (इस अध्याय में एडोसिस के लक्षण देखें)।

आप मूत्र को पानी में पतला भी कर सकते हैं, या अपने मूत्र की होम्योपैथिक तैयारी का उपयोग कर सकते हैं।

5. मुझे कब तक मूत्र चिकित्सा का उपयोग करना चाहिए?
मूत्र चिकित्सा के साथ परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक समय प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक स्थिति के लिए अलग-अलग होता है। बहुत से लोगों ने पाया है कि पुरानी, लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को ठीक करने के लिए लंबी अवधि की आवश्यकता होती है, जबकि अन्य तेजी से पुनरुत्थान का अनुभव करते हैं। तार्किक रूप से कहें तो, यह संभवत: स्थिति पर निर्भर करता है, आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता, खुद को ठीक करने की क्षमता, बीमारी के दौरान शरीर को हुए नुकसान की मात्रा आदि पर निर्भर करता है।

सामान्य तौर पर, अधिक मात्रा में मूत्र का अधिक मात्रा में उपयोग न करें

Machine Translated by Google

एक समय में दो से तीन सप्ताह से अधिक। एक बार जब आप जो भी खुराक ले रहे हैं, उस पर ठोस परिणाम प्राप्त कर लेते हैं, तो उस मात्रा और दिनों की संख्या को कम करना शुरू कर दें, जो आप आंतरिक रूप से चिकित्सा का उपयोग करते हैं, और केवल एक रखरखाव खुराक का उपयोग करें। तब तक, जब तक कि आप सर्दी, संक्रमण आदि के साथ नीचे नहीं आते हैं, उस समय आप बीमारी की अवधि के दौरान अपनी खुराक की मात्रा और आवृत्ति में वृद्धि करेंगे। कई लोगों के लिए एक रखरखाव खुराक प्रति दिन सुबह मूत्र के एक से दो औंस है, हालांकि प्रति दिन या हर दिन सुबह मूत्र की 2-5 बूंदों को भी एक अच्छी रखरखाव खुराक माना जा सकता है, खासकर एसिडोसिस या कमजोर गुर्दे वाले लोगों के लिए।

6. क्या मैं घर पर डायग्नोस्टिक यूरिन टेस्ट कर सकता हूं?

पिछले कुछ वर्षों में कई उत्कृष्ट मूत्र परीक्षण किट विकसित किए गए हैं जिनका उपयोग घर पर किया जा सकता है और यह आपके समय और धन की एक अद्भुत राशि बचा सकता है। अब आप घर पर वही मूत्र परीक्षण कर सकते हैं जो आपका डॉक्टर हाई ऑफिस में करता है। साथ ही, मूत्र चिकित्सा का उपयोग करते समय ये परीक्षण विशेष रूप से सहायक होते हैं क्योंकि आप आसानी से और सस्ते में अपनी स्वास्थ्य प्रगति की निगरानी कर सकते हैं। पुस्तिका। सरल नैदानिक परीक्षण जो आप घर पर कर सकते हैं जानकारी की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। कौन से परीक्षण उपलब्ध हैं, उनका उपयोग कैसे करें, और इन परीक्षणों की व्याख्या कैसे करें। यह पुस्तिका यह भी बताती है कि आपके मूत्र के रंग और रूप की व्याख्या कैसे करें जो स्वास्थ्य की स्थिति के महत्वपूर्ण अतिरिक्त संकेतक हैं।

7. क्या पालतू जानवरों का इलाज मूत्र चिकित्सा से किया जा सकता है?

मूत्र पुनर्चक्रण पर कई शोध परीक्षण जानवरों के साथ किए गए हैं, और पशु चिकित्सकों ने इलाज के लिए मूत्र चिकित्सा का उपयोग किया है और कथित तौर पर अच्छे परिणामों के साथ मौखिक मूत्र की बूंदों को प्रशासित किया है।

इन स्थितियों और कई अन्य के परीक्षण के लिए मूत्र घरेलू परीक्षण स्ट्रिप्स उपलब्ध हैं: o गुर्दे और मूत्र पथ के संक्रमण o मधुमेह o मूत्र में रक्त o गर्भावस्था o ओव्यूलेशन

Machine Translated by Google

ओ लीवर फंक्शन

आप इन पट्टियों को दवा की दुकानों में खरीद सकते हैं या वे कैटलॉग सारांश द्वारा उपलब्ध हैं याद रखें कि कुछ मौखिक बूंदों के साथ अपना उपचार धीरे-धीरे शुरू करें और मात्रा को अच्छी तरह से सहन करने वाली खुराक तक बढ़ाएं। सुनिश्चित करें कि आप अच्छी तरह से खा रहे हैं और अपने मांस का सेवन कम कर रहे हैं क्योंकि आप अपने मूत्र का सेवन बढ़ाते हैं। बड़ी मात्रा में निकोटीन, कैफीन का सेवन करते समय या कम मात्रा में मनोरंजक दवाओं या चिकित्सीय दवाओं का उपयोग करते समय चिकित्सा का उपयोग न करें। यदि आप इसका उपयोग करने का निर्णय लेते हैं, हालांकि, केवल बहुत कम मात्रा में (3-5 बूंद 1x दिन।) दो से तीन सप्ताह के लिए एक से तीन औंस की लगातार छोटी खुराक बेहद प्रभावी हो सकती है; यदि आवश्यक हो तो कई दिनों तक बड़ी मात्रा में लिया जा सकता है और यदि आपके पास गुर्दे की बीमारी का कोई इतिहास या उपस्थिति नहीं है; एक बार जब आपके लक्षण कम हो जाएं और उपचार स्पष्ट हो जाए तो धीरे-धीरे मात्रा कम करें। जितना प्यास लगे उतना पानी पिएं, और अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहें, लेकिन थेरेपी के दौरान बड़ी मात्रा में ओय तरल पदार्थ न पिएं। सक्षम, पेशेवर पर्यवेक्षण के बिना लंबे समय तक उपवास न करें। आपकी संवेदनशीलता और वरीयता के आधार पर दैनिक रखरखाव खुराक कुछ बूंदों से लेकर सुबह के मूत्र के एक से दो औंस तक भिन्न होती है।

मूत्र चिकित्सा के क्या करें और क्या न करें (UT)

करें:

1. छोटी मात्रा से शुरू करें और आंतरिक उपयोग के लिए धीरे-धीरे बड़ी मात्रा में काम करें।

2. आंतरिक रूप से केवल ताजा, मूत्र का प्रयोग करें।
3. यह सुनिश्चित करने के लिए अपने पीएच का परीक्षण करें कि चिकित्सा का उपयोग करने से पहले आप अत्यधिक अम्लीय नहीं हैं और यूटी के आंतरिक उपयोग के दौरान समय-समय पर अपने पीएच की निगरानी करते रहें।

न करें: 1.
बड़ी मात्रा में चिकित्सा में भाग लें।
2. जब तक आप कम से कम दो महीने से चिकित्सा का उपयोग नहीं कर रहे हैं, तब तक मूत्र चिकित्सा को भुखमरी आहार (या उपवास) के साथ न मिलाएं।

3. यूटी पर उपवास के दौरान काम करना जारी न रखें। यदि आप हैं

Machine Translated by Google

बड़ी मात्रा में केंद्र शासित प्रदेश और उपवास में, आपको आराम करना चाहिए और आराम करना चाहिए ताकि संभवतः गुर्दे पर दबाव न पड़े।

4. लगातार अम्लीय आहार खाते समय बड़ी मात्रा में न लें।

Machine Translated by Google

CHAPTER 7

SPECIFIC DISORDERS

There are many excellent testimonials and case studies on specific illnesses that have already been mentioned throughout the book, which you can refer to by looking in the Index under the name of the specific disorder that concerns you.

I'll also mention a few more personal stories here as they relate to specific illnesses. These stories are taken from personal letters that I have read or from other published collections of testimonials on urine therapy, in particular, The Miracles of Urine Therapy, by Margie Adelman and Beatrice Barnett, and an Indian publication, Practical Guide to Auto Urine Therapy, by Acharya Jagdish. The stories are listed under specific condition titles, but many of the individual stories report on a number of different conditions, so you might want to read through all of them if your particular disorder does not appear to be mentioned.

Also, if you'd like to read more personal testimonials, I highly recommend John Armstrong's book, The Water of Life which is replete with inspiring stories of remarkable cures with urine therapy, although his method of strict, long-term fasting of one to two months is extremely radical, and should never be undertaken without supervision.

Your specific condition may not be mentioned here, but that doesn't mean that urine therapy can't help you. Urine contains such a huge array of medicinally valuable elements, many of which have not even as yet been identified, that its use is indicated in all approaches to healing.

Even if feel that you're in good health, a small maintenance dose of urine therapy provides excellent energy-promoting nutrients, hormones, enzymes, etc., as well as purported longevity agents such as DHEA that everyone can benefit from, while natural urine antibodies enhance preventive health care and contribute to overall and lasting good health.

Machine Translated by Google

Personal Testimonials

AIDS

Mr. B. – Age 38. HIV positive. T4 210. Lympodenopathy, mild fatigue, severe acne on back. Commenced urine therapy and gland swelling reduced entirely within 48 hours of treatment. Fatigue gone within days. Acne dissipated dramatically over the following two weeks and more so once topical application of urine was begun – three week course of tetracycline (500 mg. 4 x/day) had negligible results. When urine therapy is skipped for more than two days, gland swelling and fatigue return. After urine therapy, I am feeling much better, normal again. No other treatment used. I am so grateful for this gift of life.

Mr. M. – 46 years old. T4 160. Heavy night sweats and fatigue (18 hours of sleep a day) for three months prior to urine therapy. Symptoms totally resolved within 10 days. Skin had taken on a dry, ashy look which was also resolved. Within 2 weeks of treatment, was playing one-hour games of basketball daily. No other treatment used (or available) for treating symptoms.

Mr. R.B. – 32 years of age. T4 210. T4/T8 ratio .3. Commenced urine therapy and mild fatigue and dizziness dissipated over a month. At 32 oz./day, experienced some diarrhea and cramps. Cut back to 8 oz. every 8 hrs. Lymph gland swelling has reduced by more than 50%. For over a year before urine therapy, experienced intense eye itching. A few drops of fresh urine in the eyes stops the itching immediately. Regular use of urine therapy prevents return of fatigue.

Mr. L. – I am a PWA (person with Aids). My only symptom was a low T-cell count. I have been doing urine-therapy for four months now. My last test showed that my t-cell count went up from 285 to 489.

Mr. M. – I am a PWA. My major problem was parasites. My stool sample contained pus, large amounts of yeast and several parasites. After urine therapy, my last test came back totally clear. No more pus and no more parasites.

As discussed earlier in the book, the medically proven anti-viral properties of urea could possibly be enhanced through administration of urea extract (which is an FDA approved treatment) in addition to nat-

Machine Translated by Google

ural urine therapy. Consult with your doctor on using urea orally or by injection, to augment urine therapy in treating AIDS.

The anti-viral, anti-bacterial and diuretic properties of urea have been repeatedly proven and could certainly be of tremendous value in treating the HIV virus and the concomitant bacterial and viral infections, excess fluid production, etc. As the clinical studies conducted by the researchers in the report, Urea – New Use Of An Old Agent, (see research studies) clearly demonstrated, urea, even in extremely large doses, is completely safe, so using it to enhance the activity of natural urine might well produce outstanding results.

CANCER

Dr. V.P. – I am a qualified medical doctor and was diagnosed with cancer of the epiglottis (throat) with enlarged cervical lymph nodes. After receiving chemotherapy and a course of cobalt therapy I was to receive surgery. However, before continuing with conventional treatments, I began using urine therapy. After using urine therapy for more than a month my symptoms disappeared and the proposed surgery was cancelled. I am now leading a fully active professional life.

Mr. R.R. – I was officially diagnosed with Adenocarcinoma of the chest with possible infiltration of the left lung two years ago. While I was in the hospital because of the concurrent symptoms (collapsed lung with 8 liters of bloody fluid) I was in a desperate struggle to stop production of the fluid.

My bowels had stopped for a period of 5 days. I then came across information on urine therapy. As soon as I ingested my urine it was miraculous. I had five major bowel movements. The relief was incredible and the fluid production subsequently died down, to the doctors amazement. They had no recourse but to remove my chest tube. They wanted to continue with proposed treatments (chemo, radiation, surgery), but I signed out of the hospital.

Needless to say I am still here after two years even though my parents were informed that I had only four months to survive. I employed a number of holistic approaches (colonics, herbs, etc.), but to be perfectly honest I know it was the internal and external use of this therapy that has saved my life. I hope you can circulate my story to others to spread hope through this miracle cure.

Machine Translated by Google

Mrs. E. – In the summer of 1983 I was diagnosed with cancer in my spine. I had radiation treatments and the pain subsided. After that I treated myself by natural means. Three years later I became sick again and was diagnosed with metastatic cancer of the liver. My doctors gave me pain killers and told me there was nothing they could do and sent me home. I tried another therapy but in November my condition worsened and I developed hepatitis with high fever and intense pain. I then tried urine therapy. I drank only my first morning urine. By the fifth day I felt more energetic. By the 10th day I returned to the doctor. He could not believe I was still alive. I drink my urine every morning. As of June, my liver is slightly swollen, but I do not have any pain.

This woman's experience is interesting in terms of determining how much urine to ingest in treating cancer. She reports she drank only her morning urine with good results, but the liver swelling later returned, whereas, another woman who reported that she had an inoperable uterine tumor drank all the urine she passed daily for seven days, at which time she reported that the tumor had disappeared, which may be an indication that larger amounts are required for dealing with such disorders.

Mr. L. – Diagnosed with Kaposi's Sarcoma, (form of cancer that often accompanies AIDS), cellulitis and edema. Used urine therapy daily for 3 months internally and externally. He reported that he did not experience any detoxifying symptoms with urine therapy and attributes this to several weeks of high enemas (one a week) taken before beginning urine therapy. He noted that the water retention in his legs disappeared with urine therapy and the major lesions on his legs opened and healed. He found that maintaining a healthy diet and the use of urine (fasting and external applications) has kept his cancer in a prolonged state of remission.

Since 1984 we have been using urine therapy in our practice and have found it beneficial for many diseases ranging from skin problems and even carcinomas. We would welcome more information on urine therapy and would be pleased to participate in an international conference.
Bodylife School of Practical Healing
Netherlands

BURNS

Mrs. B. – One day I wanted to make sure my iron was turned off before I left the house, so I checked the iron surface with the palm of my hand

Machine Translated by Google

expecting it to be cold. To my surprise, the iron was hot and I burned my hand severely. Then I remembered that some weeks earlier I had stored a bottle containing urine. I used the urine from the bottle and covered my burns with it. The pain soon subsided and a few hours later, my hand looked and felt as though nothing had happened to it. No blisters, no scars and no redness remained.

CANDIDA

Ms. L.M. – My experience with urine therapy was that I was able to solve a difficult chronic yeast infection, as well a chronic constipation problem. Also, I began my menstrual flow after a three year cessation after using urine therapy.

Ms. M.G. – I have had a chronic case of severe candida for many years as a result of taking large doses of antibiotics for a long period for a sinus infection. I tried every drug my doctor would give me, such as Nizoral and Nystatin, and also many herbs, but the candida would not go away and even showed up in blood tests.

Finally, I heard about urine therapy and began drinking it three times a day. After only a few days, the relief was tremendous. The vaginal burning and itching stopped completely, the water weight disappeared, and my energy returned. I've been taking it for some time now, my headaches and general itching are gone, and I feel better than I have in years.

CHILDREN'S COMPLAINTS

Ms. M.D. - I am raising a grandchild who got a very back start in life, she was bombarded with antibiotics for inner ear infections and other problems. With good diet and care she got much better, but she was wide open for eery allergy imaginable, (she had severe skin rashes, scal-ing, etc.). When she was 2,3, and 4-years-old, she could hardly breathe at night and was always stuffed up.

I started her on three then five drops of her own urine one time per day about a week ago. Let me tell you that this child is a different person. Her nose is completely free of mucus and I can't believe the personality change. From a whiny, clingy irritating child, she is acting happy, attacks her school work with a vigor I never saw before. She sleeps clear through the night, with no restlessness.

Machine Translated by Google

CYSTS

Mrs. D. – Was seeking relief from sebaceous cysts which were all over the face and neck. She had the cysts for over a year and had been to many doctors, taken medication and tried countless skin creams. Then she decided to try urine therapy. After rubbing urine on the cysts for about a week, the cysts opened and drained, and new skin began to form. Over a period of three weeks, her skin completely healed. She commented that she now applies urine to her face daily and that her complexion has never looked as good.

COLITIS

Mr. M. – I have been hospitalized three time in the past year for gastrointestinal problems created by my strong negative reactions to antibiotics administered for lung infections. I refused to continue with the medication, however, my rectal bleeding from colitis and internal hemorrhoids continued.

In the meantime, a friend told me that he was familiar, from childhood, with the use of urine enemas for problems such as mine, so I began using urine for daily enemas for a week. By the end of the week, the bleeding had stopped completely and now, several months later, I have not passed a single drop of blood.

DEPRESSION, IMMUNE DEFICIENCY

Mr. D. – I was suffering from an undefined immune deficiency problem. I had many skin problems (rashes and ulcers) and for weeks was running a low grade fever. I always felt tired and very depressed. I could not work and this just added to my problem of financial difficulties from all the doctor bills and medication I had tried.

One night I was extremely depressed. I had heard about urine therapy and, even though I was very skeptical, I tried it. Within a week my energy came back by at least 60%. My diet had not been very good, and after beginning urine therapy, I experienced detoxifying symptoms of rashes and high fever for several days. I realized that my body had been trying to get rid of these toxins through my skin for a long time (which was why I had chronic skin problems), but I had suppressed it with many medications. I continued with the therapy. Today, I am back at work again, the depression is gone and I am a different person.

Machine Translated by Google

DIABETES

Miss D. – Reported to have juvenile diabetes. After ingesting urine for about a month, she found that she can eliminate her evening dose of insulin. She tested her blood sugar constantly. About a month later, she reported that she was ready to further reduce her insulin intake. While using urine externally, she also noticed her varicose veins starting to diminish. She is feeling well and has had no other problems while on urine therapy.

Mrs. Kunjama, Bangalore, India – This lady was suffering from diabetes, was overweight and had occasional breathing troubles for about 12 years and had to be frequently hospitalized whenever her temperature ran high every two or three months. Ayurvedic, homeopathic and other medicines had no effect. Insulin injections reduced her suffering to a certain extent, but there was no diminution in her + 2.75 of sugar in her urine at any time.

Mrs. Kunjama began the intake of her own urine as many times as she passed and sipped water. The nurse did the required massage of the body with old urine and helped the lady to wash herself with lukewarm water. On the first day she suffered slightly from diarrhea. After three weeks, her weight was reduced and her breathing trouble ceased. The family doctor was surprised when he detected no trace of sugar in her urine at the end of the treatment.

HEPATITIS B

Mr. R.W. and Mr. R.T. - We are both practitioners of the Natural Health Theory here in Switzerland. Due to the kindness of a close acquaintance of ours in the U.S. we recently received a copy of your most interesting book, Your Own Perfect Medicine, which greatly impressed us. The 'natural medicines theory' with urine is not new to us ... for quite some time now we have been applying this theory as well as doing experimental research work on the subject with extremely positive and successful results. Among other things, for the cure of Hepatitis B, to mention just one point.

LUNG CONDITIONS

Mr. N. – Complained of chest, lung and sinus congestion. After approximately two weeks of both internal and external urine therapy, the congestion disappeared and he was able to breathe easily.

Machine Translated by Google

MULTIPLE DISORDERS

Ms. A.R.– I have always tried to take good care of myself, but somehow over the years, several diseases crept up on me. In my 40s and 50s, I developed alopecia areata (extensive hair loss). Later, I developed Rheumatoid Arthritis and Sclerosis (hardening of body and nerve tissues). I also contracted systemic scleroderma (an autoimmune disorder in which the body attacks it own tissues) and Raynaud's Disease (a circulatory disorder that cuts off blood flow to fingers and toes). Epstein-Barr developed, too.

When the Alopecia began, I would get 3-4 bald spots on my head. My doctor would inject them with cortisone, but eventually I went totally bald. Then I lost all my eyelashes, the hair in my nose and on my arms and legs. It was absolutely horrible . With the Raynaud's, my fingers stung as though they were stuck to ice. I would cry and run hot water over them, but it just came back. I was terribly depressed and really didn't want to live anymore. Then I found out about Your Own Perfect Medicine and decided that I had to try it. I started with one drop a day and then gradually increased to six drops a day after a week. Then I noticed that my fingers were not hurting nearly as much as usual. I started urine therapy in November, 1994. By Feb 1995, I was taking eight large eye droppers and by now I began to see short patches of hair appearing. I continued on the therapy and my hair continued to grow in steadily. On May 29, 1995, off came my wig and I also noticed my eyelashes growing back. By July 1995 I had ***all*** *my hair, eyelashes, nose hair, arms and legs. by September 1995, I was taking 20 large eyedroppers a day, and I now have a beautiful head of hair — thicker than ever. My skin is softer and I feel really good. The Raynaud's symptoms, chronic fatigue, arthritis are all gone. On August 24, 1995, I had a physical — everything was OK! Urine therapy* ***is*** *the answer. I thank God every day for this miracle. I want to yell it out to the world!*

MULTIPLE SCLEROSIS

Mr. B.W. – I am extremely thankful for this safe and free method to rid ourselves of many chronic diseases. After using urine therapy, I have improved greatly. My diagnosis of chronic progressive multiple sclerosis has now become something to be cleared away, and not an impenetrable wall as it was before my discovery of urine therapy.

PROSTATE PROBLEMS

Mr. J.S. – I had begun to experience pain and difficulty in urinating in my early thirties, but as I got closer to forty, the problem became much

Machine Translated by Google

worse and my doctor gave me antibiotics and pain medication, which not only did not improve the situation but actually made the symptoms worse. The doctor told me that he felt that the symptoms were due to a problem with my prostrate. I was going to undergo a battery of tests when a friend told me about auto-urine therapy. I began ingesting just a few drops a couple of times a day, and noticed a decrease in pain on urinating almost immediately. I continued taking small amounts, and then later fasted for about three days. After the fast, all symptoms disappeared. It's been more than a year now, and I am completely free of any pain or problems.

RADIATION THERAPY

Ms. S.G. – I've used UT on my hair for years — in fact all through radiation therapy (aimed just above the eyebrow on the right), I kept my hair. It was a nightly ritual to pour that into my hair (collected in the A.M.), rub cod liver oil into it, wrap with a towel and soak in a hot tub of water!! It works!

RAYNAUD'S SYNDROME

Ms. E.P.– At 78 years old, I have a great abundance of miseries. Recently I developed symptoms of Raynaud's disease and know that the prognosis is grave at best.

I have been on UT about one week following the instructions in your book. My pleasant surprise is that in that short time my symptoms have been reduced 50%.

SURVIVAL, MALARIA

Colonel M.L. – This man first discovered the life-enhancing qualities, as he called them, of urine while serving with the British Army in the western Sahara during World War II. He had become separated from his unit after a night skirmish and had been slightly wounded on the temple by a ricocheting bullet.

When he awoke the following morning, he found himself alone, at the foot of a sand dune with caked blood all over one side of his face and head and his water bottle nearly empty. His first thoughts were of the horrors of dying of thirst. He then recalled that he had been taught in basic training that drinking urine could save one's life in a waterless emergency, and he tried it, saving the last of his water for drinking afterwards.

Machine Translated by Google

He drank two-thirds of a cup of urine and used the remainder to moisten his handkerchief which he used as a poultice for his head. He reported that when his platoon members returned to look for him, they had expected to find a corpse and instead found a somewhat parched but cheerful and feverless fighting man who returned to action with his platoon three days later.

When, later in the war, his regiment was sent to the Far East to fight, he contracted malaria which he cured himself in just three days on a urine and water fast, and he reported that he never had a recurrence. He continued to drink his urine every day since that episode, and after nearly 35 years (at age 59) he reported that he was lean, strong and healthy.

VENEREAL DISEASE, PARASITES

Mr. S. – One and one-half months ago I was diagnosed with gonorrhea and herpes. I took medication and the condition improved. But two weeks later the herpes came back and was even worse. I then started urine therapy. Within two or three days, everything cleared up totally. What was even more amazing to me is the parasite problem which I suffered with for quite some time, was inadvertently resolved while treating my herpes.

WEIGHT LOSS

Ms. B. – I not only weighed 198 pounds, but I also had several other health problems including rheumatoid arthritis, severe chronic migraines and an external fungal infection on my foot. I had tried everything to correct these conditions, but nothing had worked.

I heard about urine therapy and tried it externally on my foot, because I had tried every possible medication on the fungal infection with no results. I soaked my foot in urine about three times a day. Five days later, the fungus was gone. My husband thought it was a miracle. Both of us started drinking our urine the very next day and to my surprise, my weight loss speeded up incredibly.

Four and one half months later, I weighed 130 pounds. I lost a total of 68 pounds! My arthritis is gone, my headaches are gone and I feel like I'm 20 years old!

Machine Translated by Google

WHOOPING COUGH

Mr. J.R. - When I was 5 or 6 years old I had a whooping cough. The doctor told my mother to give me urine. Two to three days later, my cough was cured and at the same time worms cam out of my body.

WOUNDS

Mr. K. – I was involved in an accident in which a huge rock fell from a height of about four feet directly onto my left foot. I was not wearing closed shoes and the stone ripped almost all the flesh and my toe nail from, luckily, only the middle toe.

As I was traveling in a foreign country, I was unable to get proper medical care and I was extremely worried about infection. I applied an antiseptic creme that I had, but with no results.

After a few days, my toe was an indefinable mass of black and red tissue. Then I met a woman who told me to wrap my foot in a cloth soaked in urine. I did it and was amazed to see how quickly my toe started to heal. New pink skin appeared, pieces of old and damaged skin fell off and within a couple of days, the toe looked nearly normal again. I kept the cloth wet all the time with fresh urine and occasionally with old urine which I collected in a bottle.

Now I have become accustomed to drinking my urine and have my share of the "water of life" every morning.

As I mentioned before, John Armstrong's book, the Water of Life, and Margie Adelman's, Miracles of Urine Therapy, contain many more inspiring testimonials which make extremely interesting and enjoyable reading.

I wish each one of you the very best of health and hope that you, as so many others have done, find renewed health, vigor and long life with your body's own perfect medicine.

Martha Christy